गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

वार्षिक रिर्पोट
2017-2018

सेक्टर- 16 सी, द्वारका, दिल्ली - 110078
वेबसाइट: www.ipu-ac-in

दृष्टि

विद्यार्थियों के दिल और मस्तिष्क दोनों को प्रेरित करना, उन्हें समाज के कल्याण में योगदान करने की क्षमता प्रदान करना; उन्हें आर्थिक आवश्यकताओं के परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए प्रशिक्षित करना और उन्हें सांस्कृतिक नेतृत्व के लिए शिक्षित करना ताकि सभी के लिए शांति, समरसता और समृद्धि सुनिश्चित हो।

उद्देश्य

छात्र समुदाय को एक बाजार के ओरिएंटेड पेशेवर शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करना, भारत के छात्र समुदाय को सामान्य रूप से और विशेषकर दिल्ली के छात्र समुदाय को उच्च शिक्षा के कारण सेवा प्रदान करने के दृष्टिकोण से, साथ ही भारतीय उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कॉलेज और स्टडीज के विद्यापीठ की स्थापना को बढ़ावा देना, शिक्षा के उभरते क्षेत्रें में केंद्रों के रूप में। उदार शिक्षा के क्षेत्रों में पेशेवर शिक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, चिकित्सा, शिक्षा, फार्मेसी, नर्सिंग, कानून आदि के क्षेत्रों में एक्सेलेंस के केंद्र के रूप में कॉलेज और विद्यापीठ की स्थापना को बढ़ावा देना।

विश्वविद्यालय प्रबंधन संरचना

आगंतुक

- श्री रामनाथ कोविंद
  महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

- श्री अनिल बैजल
  दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल

कुलपति

- प्रो अनिल कुमार त्यागी

प्रतिकुलपति

- प्रो पुष्पलता त्रिपाठी

संस्थान अध्यक्ष

प्रो. रजत रे- विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लैनिंग,

प्रो. श्रुति अग्रवाल, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेस,

प्रो. एन. रघुराम, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ बायोप्रौद्योगिकी,

प्रो. अरिंजय कुमार, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ केमिकल प्रौद्योगिकी,

डॉ. संगीता चौहान, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन,

प्रो. अनुभा कौशिक, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट,

प्रो. आशुतोष मोहन, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस,

प्रो. अरविंदर कौर, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड प्रौद्योगिकी,

प्रो. कंवल डी.पी. सिंह, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज,

प्रो. नीना सिन्हा, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,

प्रो. अनुप एस बेनीवाल, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ मास कम्युनिकेशन,

प्रो. टी.पी. यादव, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ मेडिसिन एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेस,

कुलसचिव

- श्री सतनाम सिंह

वित्त नियंत्रक

- श्री एस.के. तंवर

परीक्षा नियंत्रक (संचालन)

- प्रो प्रवीण चंद्रा

निदेशक (अकादमिक मामले)

- प्रो. पी.सी. शर्मा

निदेशक (छात्र कल्याण)

- सी.एस. राय

निदेशक (अनुसंधान और परामर्श)

- प्रो. पी.सी. शर्मा

निदेशक (विकास)

- प्रो. आर. के. मित्तल

निदेशक (इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ)

- प्रो. ए. के. सैनी

निदेशक (समन्वय)

- प्रो. अविनाश शर्मा

निदेशक (कानूनी सहायता केंद्र)

- प्रो. अफजल वानी

निदेशक (आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र)

- प्रो अमरजीत कौर

निदेशक (फार्मास्युटिकल साइंसेज में उत्कृष्टता केंद्र)

- ए.के.नरुला

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	7
2.	सत्र की मुख्य विशेषताएं (2017-18)	12
3.	छात्र कल्याण निदेशालय	15
4.	विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ	19
4.1	विश्वविद्यालय केंद्रीय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ	19
4.2	विश्वविद्यालय केंद्रीय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ	21
4.3	विश्वविद्यालय केंद्रीय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	27
4.4	विश्वविद्यालय केंद्रीय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	33
4.5	विश्वविद्यालय केंद्रीय शिक्षा विद्यापीठ	41
4.6	विश्वविद्यालय केंद्रीय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	44
4.7	विश्वविद्यालय केंद्रीय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	55
4.8	विश्वविद्यालय केंद्रीय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ	59
4.9	विश्वविद्यालय केंद्रीय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	77
4.10	विश्वविद्यालय केंद्रीय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	85
4.11	विश्वविद्यालय केंद्रीय मासिक संचार विद्यापीठ	95
4.12	विश्वविद्यालय केंद्रीय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	100
5.	विश्वविद्यालय केंद्र	102
5.1	आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र	102
5.2	फार्मास्युटिकल साइंसेज में उत्कृष्टता के लिए केंद्र	104
6.	अंतर्राष्ट्रीय मामले	107
7.	विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र	108
8.	अकादमिक शाखा	111
9.	अनुसंधान और परामर्श	113
10.	शैक्षिक मामले	114
11.	विकास	116
12.	योजना शाखा	117
13.	विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग	118
14.	संबद्धता शाखा	119
15.	परीक्षा शाखा	136
16.	विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं	148
17.	वित्तीय स्वास्थ्य	149
18.	विश्वविद्यालय के लिए सांविधिक निकायों की संरचना	151

गतिविधियां, कार्यशालाएं और अभियान

1.1 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय: उत्पत्ति

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 के प्रावधानों के तहत की गई थी। एक संबद्ध सह शिक्षण विश्वविद्यालय के रूप में, इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, प्रबंधन, कानून, चिकित्सा, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, शिक्षा, पत्रकारिता और जन संचार आदि जैसे विषयों में व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार कार्य को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना है।

उन्नीस वर्षों की अवधि के भीतर, विश्वविद्यालय ने न केवल भारत के भीतर बल्कि पूरे विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ और संबद्ध संस्थानों (सरकारी और स्व-वित्तपोषण) में 151 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, इस प्रकार लगभग 70,000 छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के छात्रों को टीसीएस, ई एंड वाई, इंफोसिस, विप्रो, डीसीएम टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, क्वार्क, एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक, रैनबैक्सी, पेप्सी, एचडीएफसी, एबीएन एमरो बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एयर-टेल, नेस्ले, एलजी, रिलायंस, ओरेकल, मैक्स हेल्थकेयर, व्हर्लपूल, सिंगापुर टेलीकॉम, सोनी इंडिया लिमिटेड, क्रिसिल, एनएसई, आदि जैसी सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में उत्कृष्ट प्लेसमेंट मिल रहा है।

1.2 अधिकार-क्षेत्र

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 (1998 का 9) के प्रावधानों के तहत, जिस क्षेत्र के भीतर विश्वविद्यालय अपनी शक्ति का प्रयोग करेगा, उस क्षेत्र की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड अधिनियम, 1985 (1985 का 2) की सीमाएं होंगी।

1.3 मान्यताएँ

29 जनवरी, 1999 को धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

01 मार्च, 2001 को धारा 12 (बी) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

2013-2018 के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड के रूप में मान्यता प्राप्त।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेम वर्क (एनआईआरएफ), एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा समग्र 74 वें स्थान पर रखा गया।

1.4 विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यापीठ

अधिनियम में निर्धारित उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों की पेशकश करते हुए निम्नलिखित विद्यापीठ ऑफ स्टडीज की स्थापना की है

1. विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग
2. विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेस
3. विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ बायोप्रौद्योगिकी
4. विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ केमिकल प्रौद्योगिकी
5. विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन
6. विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ
7. विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
8. विश्वविद्यालय सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
9. विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ
10. विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
11. विश्वविद्यालय सांविदानिक संबंध विद्यापीठ
12. विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा-चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ

1.5 विश्वविद्यालय के अध्ययन स्कूलों द्वारा पेश किए गए कार्यक्रम

परिसर में निम्नलिखित कार्यक्रम पेश किए जाते हैं:

1. दोहरी डिग्री कार्यक्रम
2. एकीकृत कार्यक्रम
3. स्नातक कार्यक्रम
4. स्नातकोत्तर कार्यक्रम
5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
6. डॉक्टरेट कार्यक्रम

डयूअल डिग्री कार्यक्रम सीनियर विद्यापीठ सर्टिफिकेट परीक्षा या समकक्ष पास करने वाले छात्रों के लिए हैं। बी. टेक/एम. टेक और डयूअल डिग्री कार्यक्रम 6 वर्ष के अवधि के होते हैं केवल बी. टेक/एमबीए जो 5 वर्ष के होते हैं। इन सभी कार्यक्रमों में, छात्रों को अपने अध्ययन को बी. टेक डिग्री के बाद समाप्त करने का विकल्प है (चार वर्ष की अवधि)। जो छात्र अपने अध्ययन को 6 वर्षों के लिए जारी रखते हैं, वे एम. टेक डिग्री के पात्र हो जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान विश्वविद्यालय के स्कूलों में प्रवेश की पेशकश किए गए कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:

(क)	**दोहरी डिग्री कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(ii)	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक/एमटेक	4+2
(iii)	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(iv)	बी.टेक/एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	4+2
(v)	बीटेक/एमटेक (बायो-केमिकल इंजीनियरिंग)	4+2
(vi)	बी.टेक/एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4+2
(ख)	**एकीकृत कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.ए. एलएलबी	5
(ii)	बी.बी.ए एलएलबी	5
(ग)	**स्नातक कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.आर्क.	5
(ii)	बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4
(iii)	बी.वोक (इंटीरियर डिजाइन)	3
(iv)	बी.वोक (एप्लाइड आर्ट)	3
(घ)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के मास्टर (एमबीए)	2
(ii)	एम.बीए (वित्तीय बाजार)	2
(iii)	एम.बीए (विपणन, वित्त में कार्यात्मक विशेषज्ञता के साथ, मानव संसाधन प्रबंधन, आईटी और सिस्टम, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और बीमा में व्यवसाय और क्षेत्रीय विशेषज्ञता, रियल एस्टेट और परामर्श) (सप्ताहांत)	2
(iv)	एल.एल. एम	1
(v)	एल.एल.एम (सप्ताहांत)	2
(vi)	एम.एस.सी. पर्यावरण प्रबंधन	2

(vii)	एम.एस.सी जैव विविधता और संरक्षण	2
(viii)	एम.एस.सी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	2
(ix)	एम.सीए (एसई)	3
(x)	एम.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी)	2
(xi)	एम.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)	2
(xii)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग)	2
(xiii)	एम.टेक (रोबोटिक्स ऑटोमेशन)	2
(xiv)	एम.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xv)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xvi)	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	2
(xvii)	एम.टेक (नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी)	2
(xviii)	एम.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी)	2
(xix)	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xx)	मास्टर ऑफ एजुकेशन (एमएड)	2
(xxi)	एम.ए. जनसंचार	2
(xxii)	एम.बीए (आपदा प्रबंधन) (सप्ताहांत)	2
(xxiii)	एम.ए. अंग्रेजी	2
(xxiv)	एम.ए. अर्थशास्त्र	2

(ड)	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	महिला सशक्तिकरण में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीडब्ल्यूई)	1

(च)	**डॉक्टरेट/एम फिल कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	एम. फिल (अंग्रेजी)	11/2
(ii)	सभी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम प्रदान करते हैं।	

1.6 प्रवेश का तरीका

छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। तथापि, कुछ कार्यक्रमों में प्रवेश अर्हता परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूचियों के आधार पर किया जाता है, साथ ही अनुभव के लिए वेटेज, यदि लागू हो और साक्षात्कार।

1.7 सांविधिक निकाय

1.7.1 अदालत

न्यायालय समय-समय पर विश्वविद्यालय की व्यापक नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करता है और विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाता है। यह विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों और वार्षिक रिपोर्ट पर भी विचार करता है और प्रस्ताव पारित करता है।

1.7.2 प्रबंधन बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। इसमें विश्वविद्यालय के राजस्व और संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन और अधिनियम में प्रदान किए गए अनुसार विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक मामलों के संचालन की शक्ति है।

1.7.3 अकादमिक परिषद

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। यह विश्वविद्यालय के भीतर निर्देशों, शिक्षा और परीक्षा के मानकों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है और अन्य शक्तियों का प्रयोग करता है और अधिनियम या संविधियों या अध्यादेशों में निर्धारित ऐसे अन्य कार्य करता है।

1.7.4 योजना बोर्ड

योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के विकास और विस्तार के लिए उपयुक्त योजनाओं को डिजाइन करने और तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

1.7.5 संबद्धता बोर्ड

यह कॉलेजों या संस्थानों को विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारों में प्रवेश देने और उनकी प्रगति और विकास की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

1.7.6 वित्त समिति

यह खातों की जांच करता है और व्यय की जांच करता है, विश्वविद्यालय के वित्तीय अनुमानों को मंजूरी देता है और व्यय के लिए समग्र सीमा तय करता है। यह ग्रेडों के संशोधन, वेतनमान के उन्नयन आदि से संबंधित प्रस्तावों तथा अधिनियम, संविधियों अथवा अध्यादेशों में यथा उपबंधित अन्य मामलों की भी जांच करता है।

1.7.7 अध्ययन के विद्यापीठ

प्रत्येक विद्यापीठ उन कार्यक्रमों में शिक्षण और अनुसंधान कार्य के लिए जिम्मेदार है जो विश्वविद्यालय द्वारा उसे सौंपे गए हैं। संबंधित विद्यापीठ का अध्ययन बोर्ड अकादमिक परिषद को अध्ययन के पाठयक्रम और पाठयक्रम, शिक्षण के मानकों को उन्नत करने के लिए योजनाओं पर विचार करने, उद्योग के साथ बातचीत, छात्रों की रोजगार और प्लेसमेंट पर रिपोर्ट, राजस्व सृजन और अनुसंधान और परामर्श के लिए प्रस्ताव, संकाय विकास के लिए प्रस्ताव आदि की सिफारिश करता है।

गुरू गोबिंद सिंह इंदरप्रस्थ यूनिवर्सिटी

1.8 विश्वविद्यालय की मानव पूंजी

1.8.1 शिक्षण संस्थान

एक शिक्षात्मक संगठन की मौलिकता शिक्षण संस्थान का हिस्सा होती है। भरी गई शिक्षण स्थान (विद्यालय वार) का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

क्र.सं	विद्यालय का नाम	पोफेसर	सहयोगी प्रोफेसर एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	व्याख्याता	कुल
1	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मास सूचना	1	0	6	0	7
2	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन	3	0	3	0	6
3	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट	7	1	7	0	15
4	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्ट	2	3 (02 नियमित + 01 संविदा)	13 (07 नियमित + 06 संविदा)	0	18
5	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी	4	5	4	0	13
6	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ रसायन प्रौद्योगिकी	2	5	12 (07 नियमित + 05 संविदा)	1	20
7	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मानविकी और सामाजिक विज्ञान	4	0	10	0	14
8	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ बेसिक और एप्लाइड साइंसेज	7	1	13	0	21
9	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ और कानूनी अध्ययन	4	4	12	0	20
10	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ सूचना, संचार, और प्रौद्योगिकी	11	8	33 (22 नियमित + 11 संविदा)	0	52
11	विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ *मैनेजमेंट	10	1	12	0	23
	कुल	55	28	125	1	209

2. सत्र 2017-18 की मुख्य विशेषताएं

1. शोध

1. संकाय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 410 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।
2. संकाय को अपने शोध कार्य के लिए और अनुसंधान के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना के लिए बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ।
3. 63 संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और संगोष्ठियों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए, और उनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार जीते।
4. इस वर्ष के दौरान कुल चालीस छात्रों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।
5. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ आफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट की दो छात्रओं (सुश्री प्रियंका कुमारी और सुश्री आंचल गर्ग) ने अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार जीता।
6. उनतालीस छात्रों ने सीएसआई यूजीसी नेट, गेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

2. संकाय के पुरस्कार और उपलब्धियां

1. पी. सी. शर्मा, यूएसबीटी को उच्च शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली सरकार विश्वविद्यालय/कॉलेज शिक्षक पुरस्कार, 2018 से सम्मानित किया गया।
2. प्रो. एन रघुराम, यूएसबीटी को अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन पहल का अध्यक्ष चुना गया जो स्थायी नाइट्रोजन प्रबंधन पर अनुसंधान और नीति वकालत को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक वैज्ञानिक निकाय है और उन्हें आईएनएसए द्वारा आईएनएसए-शिक्षक पुरस्कार 2017 से भी सम्मानित किया गया था।
3. डॉ. निमिषा शर्मा, यूएसबीटी को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी और इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, 2017 द्वारा "इंडो-यूएस विजिटिंग रिसर्च प्रो.शिप" से सम्मानित किया गया।
4. प्राफेसर क्वीनी प्रधान, यूएसएलएलएस को आईसीसीआर के साथ सूचीबद्ध किया गया था और तीन महीने तक वियना विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया था।
5. डॉ. लिसा पी लुकोस, यूएसएलएलएस को राष्ट्रमंडल कानूनी संघ का सचिव और राष्ट्रमंडल कानून और सुधार समिति, 2018 का सदस्य सचिव चुना गया।
6. डॉ. सुमित डूकिया, यूएसईएम को राजस्थान के थार रेगिस्तान में वन्यजीव अनुसंधान पर दीर्घकालिक योगदान के लिए जोधपुर के महामहिम महाराजा, श्री गज सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया।
7. डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, यूएसएमसी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप (पीडीएफ) से सम्मानित किया गया।

3. संगोष्ठियों/सम्मेलनों/व्याख्यानों का आयोजन

1. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ बायोटेक्नोलॉजी ने 30 अक्टूबर, 2017 को "मेक इन इंडिया बायोटेक्नोलॉजी" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया और 31 जनवरी, 2018 को 13 वां वार्षिक डॉ वाई सुब्बा रो मेमोरियल व्याख्यान भी आयोजित किया।
2. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन ने 29 और 30 जनवरी 2018 को "उच्च शिक्षा में समृद्ध शिक्षण-अधिगम वातावरण के निर्माण के लिए अभिनव शिक्षा पर अभिनव शिक्षा" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया; और 11 से 13 अप्रैल, 2017 तक "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शांति और मूल्य शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित हुआ।
3. विश्वविद्यालय मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ने 28 अगस्त, 2017 को फिल्म "मुक्ति भवन" पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया; 19 सितंबर, 2017 को म्यूरियल स्पार्क द्वारा लिखित "द प्राइम ऑफ मिस जीन ब्रोडी" (उपन्यास) पर संगोष्ठी आयोजित किया गया; 28 और 29 सितंबर, 2017 को विस्तार व्याख्यान, व्याख्यान प्रदर्शन, फिल्म रिलीज, पैनल चर्चा, कविता पाठ, पुस्तक प्रदर्शनी की एक श्रृंखला आदि का एक शृंगार सीरीज "रंगत संगत" आयोजित किया गया; 5 मार्च, 2018 को "अमेरिकन साहित्य में काले साहित्य और काला नारीवाद का स्थान" पर विस्तार व्याख्यान

आयोजित किया गया; 25 फरवरी से 6 मार्च, 2018 तक "नाटकशाला, महत्वपूर्ण सिद्धांत, अभ्यास और रचना" पर बाह्य कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

4. "विश्वविद्यालय सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ" ने 12 से 16 जून, 2017 तक "डेटा साइंस एंड बिग डेटा एनालिटिक्स" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रमय "साइबर सुरक्षा और मशीन लर्निंग" पर कार्यशाला, 2018; और 18 से 22 दिसंबर, 2017 तक "एंड्रॉइड डेवलपर फंडामेंटल्स" पर एफडीपी का आयोजन किया "विश्वविद्यालय सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ" ने 12 से 16 जून, 2017 तक "डेटा साइंस एंड बिग डेटा एनालिटिक्स" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रमय "साइबर सुरक्षा और मशीन लर्निंग" पर कार्यशाला, 2018; और 18 से 22 दिसंबर, 2017 तक "एंड्रॉइड डेवलपर फंडामेंटल्स" पर एफडीपी का आयोजन किया।

5. "विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ ने जीएसटी के सिद्धांत और प्रभाव" पर 10 अगस्त, 2017 को एक संगोष्ठी आयोजित किया, प्रो. शिवेंदु, 14 दिसंबर 2017 को दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के प्रो. शिवेंदु द्वारा ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय व्याख्यान और साथ ही 26 मार्च, 2018 को 'तरंगी समयों में भारत एक रूपांतरण और नवाचार और स्थायिता' पर पैनल चर्चा भी हुई।

6. विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ ने 12 से 22 दिसंबर, 2017 तक सामाजिक विज्ञान पर दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया।

4. वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए वेबपोर्टल

दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2017 को विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में मेरिट-कम-मीन्स आय से जुड़ी वित्तीय सहायता योजना और संशोधित दिल्ली उच्च शिक्षा और कौशल विकास गारंटी योजना के लिए वेबपोर्टल लॉन्च किया। इन योजनाओं को दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने संयुक्त रूप से लॉन्च किया था।

इस अवसर पर श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के छात्र वित्तीय संकट के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित नहीं रहेंगे। दोनों योजनाएं उनके लिए बड़ी राहत देने वाली हैं।

श्री सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के छात्रों को इन योजनाओं के माध्यम से उनकी जाति, पंथ, आर्थिक पृष्ठभूमि या लिंग के बावजूद उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा तक पहुंच प्राप्त होगी। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा की कि वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वालों की शिक्षा का खर्च दिल्ली सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

इस योजना के तहत, दिल्ली उच्च शिक्षा निधि, उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई), दिल्ली सरकार के माध्यम से छात्रों द्वारा जमा की गई शिक्षा शुल्क का पूरा या आंशिक प्रतिपूर्ति करेगा। प्रतिपूर्ति की मात्र तीन श्रेणियों में होगी; (1) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंधित प्रतिभाशाली छात्रों को 100% शिक्षा शुल्क जिनके माता-पिता के पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जारी कार्ड है, (2) वार्षिक परिवार आय 2.50 लाख रुपये तक और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं, उन्हें 50% शिक्षा शुल्क का प्रतिपूर्ति किया जाएगाय और (3) वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से अधिक लेकर 6 लाख रुपये तक वार्ता करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को 25% शिक्षा शुल्क का प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

उच्च शिक्षा और कौशल विकास गारंटी योजना उन छात्रों के लिए है जो भारत के भीतर डिप्लोमा या डिग्री स्तर के पाठयक्रम या विशिष्ट कौशल विकास पाठयक्रम करना चाहते हैं और उन्होंने दिल्ली से 10वीं और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की है। योजना के तहत, छात्रों द्वारा लिए गए 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर डिफॉल्ट की स्थिति में बैंक को गारंटी प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा बनाए जाने वाले उच्च शिक्षा और कौशल विकास क्रेडिट गारंटी फंड के माध्यम से गारंटी प्रदान की जाएगी।

अपने स्वागत भाषण में जीजीएसआईपीयू के कुलपति प्रो. अनिल के. त्यागी ने कहा कि किसी राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। जीजीएसआईपीयू कुल सचिव, श्री सतनाम सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

5. 'अनुगूंज-2018'

विश्वविद्यालय का 19वां वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'अनुगूंज-2018' 8 से 10 फरवरी, 2018 तक आयोजित किया गया। समारोह में पद्मश्री शोभना नारायण मुख्य अतिथि थीं। विश्वविद्यालय परिसर के अलावा, संबद्ध कॉलेजों के हजारों छात्रों ने इस 3 दिवसीय मेगा सांस्कृतिक सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। महोत्सव के तीनों दिनों में तीन दर्जन से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। मुख्य गायक अखिल सचदेवा के साथ 'नशा' बैंड ने उद्घाटन दिवस की शाम को प्रस्तुति दी। 'के.के.के' के नाम से मशहूर गायक के. कृष्ण कुमार ने भी शाम को प्रस्तुति दी। समारोह के तीनों दिनों की शाम को 'डीजे शिवा' ने भी प्रस्तुति दी।

6. 13 वां वार्षिक डॉ वाई सुब्बा रो मेमोरियल व्याख्यान

विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (यूएसबीटी) ने 31 जनवरी, 2018 को द्वारका परिसर में 131 वें वार्षिक डॉ. वाई सुब्बा रो मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया। जाने-माने शिक्षाविद और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर प्रो. जेपी खुराना ने वाई. सुब्बा रो मेमोरियल लेक्चर दिया। डॉ. वाई. सुब्बा रो के जीवनी लेखक श्री एस. पी. के. गुप्ता ने डॉ. वाई. सुब्बा रो के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला।

7 खेल प्रतियोगिता

14 वीं खेलकूद प्रतियोगिता 2017 का आयोजन 12 से 14 अक्टूबर, 2017 तक विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में किया गया था। खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत मार्च पास्ट से हुई, जिसमें भाग लेने वाली टीमों आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा और कालका इंस्टीटयूट ऑफ एजुकेशन, अलकनंदा को क्रमशः प्रथम और द्वितीय घोषित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर के अलावा, विश्वविद्यालय के लगभग 80 संबद्ध कॉलेजों के 5,000 से अधिक छात्रों ने सम्मेलन के सभी तीन दिनों के दौरान लगभग 30 मुख्य खेल आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। लगभग सभी महत्वपूर्ण खेल आयोजन जैसे पुरुषों और महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार की दौड़, पुरुषों और महिलाओं के लिए गोला फेंक, पुरुषों और महिलाओं के लिए लंबी कूद, पुरुषों और महिलाओं के लिए रिले दौड़, पुरुषों और महिलाओं के लिए ट्रिपल जंप, पुरुषों और महिलाओं के लिए वॉली बॉल, पुरुषों और महिलाओं के लिए बैडमिंटन, पुरुषों और महिलाओं के लिए कबड्डी, पुरुषों और महिलाओं के लिए कबड्डी, पुरुषों और महिलाओं के लिए रस्साकशी, भारोत्तोलन, पावर लिफ्टिंग और पुरुषों के लिए बॉडी बिल्डिंग आदि इस खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल थे।

8. रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण अभियान

रोटरी क्लब दिल्ली के सहयोग से विश्वविद्यालय ने 20 सितंबर, 2017 को विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में स्टाफ व विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर के बाद पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत औषधीय महत्व के कुल 50 पौधे लगाए गए।

3. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय ने 2017-2018 की अवधि के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों का संक्षिप्त सारांश निम्नानुसार है:

3.1 शिक्षक दिवस समारोह

विश्वविद्यालय में 5 सितंबर, 2017 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। अनिल के. त्यागी, माननीय कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ के संकाय सदस्यों ने समारोह में भाग लिया।

3.2 छात्र परिषद का गठन

कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर), विद्यापीठ प्रतिनिधियों (एसआर-जनरल और एसआर अकादमिक) का चुनाव 14.09.2017 को आयोजित किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2017-18 के लिए छात्र परिषद के पदाधिकारियों का चुनाव 29.09.2017 को आयोजित किया गया था। यूएसआईसीटी के वरुण शर्मा, यूएसएमसी की दिव्यांशा भूटानी और यूएससीटी के अंशुल धालीवाल को क्रमशः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव चुना गया। प्रो. ए.के. सैनी मुख्य चुनाव अधिकारी थे।

3.3 ईडब्ल्यूएस योजना के तहत वित्तीय सहायता

यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ स्टडीज और संबद्ध संस्थानों के छात्रों से कुल 1330 आवेदन प्राप्त हुए थे। 881 छात्रों को 2,07,97,150/- रुपये (दो करोड़ सात लाख सत्तानवे हजार और एक सौ पचास रुपये मात्र) की राशि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

3.4 मेरिट-कम-मीन्स लिंक्ड वित्तीय सहायता योजना, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह योजना शैक्षणिक सत्र 2017-18 से शुरू की गई थी। छात्र कल्याण निदेशालय विश्वविद्यालय में योजना को निष्पादित करने के लिए नोडल विभाग है। कुल 740 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई और 3,65,10,008 रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

3.5 अनुगूंज- 2018, जीजीएसआईपीयू का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव

"अनुगूंज-2018" - गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का 19वां वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव द्वारका में विश्वविद्यालय परिसर में 08 से 10 फरवरी, 2018 तक आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्राफेसर अनिल के. त्यागी ने समारोह की अध्यक्षता की।

महोत्सव के तीन दिनों में विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यापीठ और संबद्ध संस्थानों के 50,000 से अधिक छात्र विश्वविद्यालय परिसर में एकत्र हुए और विभिन्न कार्यक्रमों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। महोत्सव के दौरान तीन दिनों तक चलने वाले 30 से अधिक विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से कुछ कार्यक्रमों में भारतीय गायन, लोक नृत्य, वाद-विवाद, रंगोली, एकल नाटक, शास्त्रीय नृत्य, नुक्कड़ नाटक, रचनात्मक लेखन, मिस्टर एंड मिस अनुगूंज शामिल थे।

तीन दिवसीय सांस्कृतिक सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक श्री के.के. का सजीव स्टार नाइट प्रदर्शन और नशा बैंड और सांस्कृतिक नाइट का शानदार प्रदर्शन था।

3.6 रचनात्मक अभिव्यक्तियों के लिए सृजन-इंद्रप्रस्थ सोसाइटी

सृजन के एक भाग के रूप में 12 क्लब शुरू किए गए थे जिन्होंने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जैसे:

विज्ञान क्लब- कच्चे से वास्तविक पर एक बात: एनेक्टस सोसाइटी के साथ सीएसआर क्लब-परियोजनाय जेंडर चौम्पियन क्लब- तीसरे लिंग के अधिकारों पर बहसय प्रकाशन क्लब-डिजिटल पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताय संवैधानिक क्लब-राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन।

3.7 स्पिक मैके के सहयोग से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

विश्वविद्यालय ने दिनांक 05.04.2017 को विश्व विख्यात पंडित हरिप्रसाद चौरसिया जी द्वारा बांसुरी वादन का आयोजन किया। इसके बाद 09.03.2018 को श्री हसनैन निजामी जी द्वारा सूफियाना गायन किया गया।

3.8 यात्रा और संगोष्ठी अनुदान

विश्वविद्यालय ने 33 छात्रों को 10,000 करोड़ रुपये की राशि का यात्रा अनुदान संवितरित किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में अपने शोध कार्य को प्रस्तुत करने के लिए 5,13,300/- रु. विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों को संगोष्ठियों/सम्मेलनों के आयोजन के लिए 3,50,000/- रुपये की राशि के साथ एक संगोष्ठी अनुदान दिया गया था।

3.9 शैक्षिक यात्रा

विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों को छात्रों के लिए शैक्षिक टूर आयोजित करने के लिए वर्ष 2017-18 में 13,10,703 रुपये की राशि दी गई थी।

3.10 विश्वविद्यालय स्तर के टूर्नामेंट में छात्रों भागीदारी

क्र.सं..	खेल आयोजन का नाम	कार्यक्रम-स्थल	टूर्नामेंट की तारीख	कुल संख्या प्रतिभागियों
1	फुटबॉल (डब्ल्यू)	भगत विश्वविद्यालय, मंडी, गोबिंद गढ़	01.11.2017 से 06.11.2017	15
2	वॉलीबॉल (एम)	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला	25.12.2017 से 29.12.2017	12
3	बास्केटबॉल (एम)	जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	02.12.2017 से 08.12.2017	12
	बास्केटबॉल (डब्ल्यू)	छत्रपति साहूजी महाराज, कानपुर	19.12.2017 से 23.12.2017	10
4	क्रिकेट (एम)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	22.11.2017 से 10.12.2017	15
5	बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	01.12.2017 से 04.12.2017	8
6	टेनिस (एम) जोनल टूर्नामेंट	गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार	11.10.2017 से 16.10.2017	5
	इंटर जोनल टूर्नामेंट	केआईआईटी, भुवनेश्वर	25.12.2017 से 29.12.2017	5
7	टेबल टेनिस (एम)	जम्मू विश्वविद्यालय,जम्मू	10.01.2018 से 13.01.2018	5
8	बॉडी बिल्डिंग (एम)	चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली	20.12.2018 से 23.12.2018	01
9	एथलेटिक्स (एम एंड डब्ल्यू)	आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर	12.10.2017 से 16.10.2017	7
10	योग (एम एंड डब्ल्यू)	केआईआईटी, भुवनेश्वर	01.10.2017 से 04.10.2017	12
11	कबड्डी (एम)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	19.11.2017 से 23.11.2017	11

क्र.सं..	खेल आयोजन का नाम	कार्यक्रम-स्थल	टूर्नामेंट की तारीख	कुल संख्या प्रतिभागियों
12	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर	25.01.2018 से 29.12.2018	24
13	ताइक्वांडो (एम)	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर	16.02.2018 से 18.02.2018	1
14	जलीय (एम)	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	25.10.2017 से 29.10.2018	2
15	तीरंदाजी (एम एंड डब्ल्यू)	केआईआईटी, भुवनेश्वर	26.12.2017 से 31.12.2017	2
16	पावर लिफ्टिंग (एम)	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	05.02.2018 से 06.02.2018	3

3.10 एआईयू द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तर के टूर्नामेंट में छात्रों की भागीदारी

क्र.सं	खेल का नाम	छात्रों की संख्या
1	फुटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	15
2	वॉलीबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	12
3	बास्केटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	22
4	क्रिकेट (एम)	15
5	बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू)	8
6	लॉन टेनिस (एम एंड डब्ल्यू)	5
7	टेबल टेनिस (एम एंड डब्ल्यू)	5
8	शरीर सौष्ठव एवं पावर लिफ्टिंग (एम)	4
9	खेल-कूद (एम एंड डब्ल्यू)	7
10	योग	12
11	कबड्डी (एम एंड डब्ल्यू)	11
12	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	24
13	ताइक्वांडो (एम)	1
14	तैराकी (एम)	2
15	तीरंदाजी (एम एंड डब्ल्यू)	2

3.12 विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेल कार्यक्रम

खेल स्पर्धाओं का उद्घाटन 29 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्रॉस कंट्री रेस और फुटबॉल प्रतियोगिता के साथ आयोजित किया गया था।

शैक्षणिक सत्र 2017-18 के दौरान निम्नलिखित खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क्र.सं	आयोजन	प्रतिभागियों की संख्या
1	क्रॉस कंट्री रेस	200
2	फुटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1260
3	वॉलीबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1260
4	बास्केटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1056
5	बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू)	296
6	टेनिस (एम एंड डब्ल्यू)	124
7	क्रिकेट (पुरुष)	272
8	भारोत्तोलन	34
9	पावर लिफ्टिंग	41
10	शरीर सौष्ठव	33
11	कबड्डी (एम एंड डब्ल्यू)	84
12	खेल-कूद (एम एंड डब्ल्यू)	500
13	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	980
	कुल	**6896**

4. विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ

4.1 विश्वविद्यालय वास्तुकला और योजना विद्यापीठ

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल ताकत (सेमेस्टर वार)
1.	बी. आर्क	05 वर्ष	80	393

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण भाषण एआर अवतार सिंह

1. दिल्ली का विस्तार: शहरी गांवों के सम्मेलन पर नीतिगत प्रभाव: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

   शहरी स्थिरता उभरते रुझान, थीम, अवधारणाएं और प्रथाएं, 27 अगस्त 2018

1. कंप्यूटर ग्राफिक्स और सहज ज्ञान युक्त विचारक। सम्मेलन का नाम: वास्तुकला में भविष्य के रुझान तिथि 14-16 सितंबर, 2019 शारदा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में।

सुश्री रेखा भास्करन

1. एमएनआईटी जयपुर, राजस्थान में "शहरी रिक्तियां - एक 'बाय-पास' शहरी संसाधन", शहरी स्थिरता उभरते रुझान, थीम, अवधारणाओं और प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीयूएस 2018)।
2. लेख - "सार्वजनिक सुरक्षा के लिए डिजाइन निर्धारक", डीईटीएसआर, वॉल्यूम 4, अंक 9, सितंबर 2017

सुश्री हेमलता

1. एमएनआईटी जयपुर, राजस्थान में शहरी स्थिरता उभरते रुझान, थीम अवधारणाओं और प्रथाओं (आईसीयूएस 2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसएसआरएन, पेपर आईडी 3233577, 28 अगस्त, 2018।

3. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

1.	शहरी स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उभरते रुझान, विषय, अवधारणाएं और प्रथाएं, एमएनआईटी जयपुर मार्च 2018	एआर अवतार सिंह
2.	शहरी स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उभरते रुझान, विषय, अवधारणाएं और प्रथाएं, एमएनआईटी जयपुर मार्च 2018	सुश्री रेखा भास्करन
3.	एचआरडीसी-जीएनडीयू अमृतसर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम (15.12.2017 से 11.01.2018)	एआर सुमंत शर्मा
4.	अमृतसर में पुनश्चर्या कार्यक्रम 11.12.2018 से 31.12.2018 तक	सुश्री हेमलता
5.	अर्बन सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस, एमएनआईटी, जयपुर, मार्च 2018	

4. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें/:

वर्तमान छात्रों और उत्तीर्ण छात्रों के बीच बातचीत के लिए विद्यापीठ द्वारा एक दिवसीय एलुमनी मीट का आयोजन किया गया था। इसमें 50 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

5. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1	मैसर्स मॉर्फोजेनेसिस।	03	3.0 लाख/वार्षिक

6. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे शिक्षा दौरे।

9-14 दिसंबर, 2017			
क्रम सख्या	**वर्ग**	**संकाय के साथ**	**यात्रा का स्थान**
1.	प्रथम वर्ष, अनुभाग – ए	एआर सुमंत एआरहेमलता	चूरू मंडावा
2.	प्रथम वर्ष, अनुभाग – बी	एआर सिद्वार्थ सुश्री भावना	कोलकाता
3.	द्वितीय वर्ष अनुभाग – ए	एआर सोनाली रॉय चन्द्र एआर गरिमा	देहरादून
4	द्वितीय वर्ष अनुभाग – बी	एआर अखिल दास एआर ऋचा	जयपुर
5	तृतीय वर्ष अनुभाग – ए	एआर अवतार सिंह एआर वारिशा	ग्वालियर झांसी
6	तृतीय वर्ष अनुभाग – बी	एआर रेखा एआर संचित	ग्वालियर झांसी

4.2 विश्वविद्यालय बुनियादी और अनु प्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

1. विद्यापीठ में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल ताकत (सेमेस्टर वार)
1	एम. टेक इंजीनियरिंग भौतिकी	2 साल	18	4
2	एम. टेक नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी	2 साल	15	3

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) अनुसंधान पत्रिकाओं में लेख

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

1. जसपाल सिंह, सैफ ए. खान, जे. शाह, आर.
2. सत्यब्रत महापात्र, 2017, उच्च ऊर्जा आयन प्रत्यारोपित सिलिकॉन में सीमा के अंत में दोषों पर सोने की उन्नत प्राप्ति, उन्नत सामग्री पत्र 8, 999-1003।

डॉ. राजेश कुमार

1. वाई. यू., जे. झोंग, डब्ल्यू. सन, राजेश कुमार, एन. कोरटकर, 2017, डेड-एंड ट्यूब मेम्ब्रेन अल्ट्राफिल्ट्रेशन द्वारा निर्मित सॉलिड-स्टेट हाइब्रिड रेशेदार सुपरकैपेसिटर, उन्नत कार्यात्मक सामग्री, 27, 1-6।
2. एस.के. गुप्ता, आर. गुप्ता, पी. सिंह, वी. कुमार, एम.के. जयसवाल, एस.के. चक्रवर्ती, राजेश कुमार, 2017,
3. एम. कुमार, पी. कुमार, ए. अग्रवाल, राजेश कुमार, बी. के. साहू, 2017, थर्मल पावर प्लांट के आसपास के आवासों में 222 आरएन -220 आरएन मापदंडों की मौसमी परिवर्तनशीलता पर एक अध्ययन। न्यूक्ल। केम, 314,39-48।
4. राजेश कुमार, पी. सिंह, एस. के. गुप्ता, आर. जी. सोनकावड़े, एम. के. जायसवाल, 2017, अनाकार बहुलक सामग्री में विकिरण प्रेरित नैनो-स्केल मुक्त मात्र संशोधन: पॉजिट्रॉन विनाश जीवनकाल स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके एक अध्ययन, जे. रेडियोनल। न्यूक्ल। केम, 314, 1659-1666।
5. पी. राणा, सी. नरुला, ए. रानी, आर. पी. चौहान, आर. गुप्ता, राजेश कुमार, 2017, कॉपर नैनोवायर्स पर नकारात्मक ऑक्सीजन के आयन आरोपण प्रभाव, जे. मेटर। विज्ञान। इलेक्ट्रॉन, 28, 9998-10006।
6. राशि गुप्ता और राजेश कुमार, 2018, पीबीएसई नैनोवायर्स के इलेक्ट्रोकेमिकल प्रेरित मचान-आधारित विकास के गुणों पर कम ऊर्जा (केवी) नकारात्मक ली आयन आरोपण का प्रभाव, पदार्थ विज्ञान पत्रिका: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 30 (3), 2192-2212।
7. राशि गुप्ता, आरपी चौहान, एस. के. चकरवर्ती, राजेश कुमार, 2018, टेम्पलेट संश्लेषित क्यू नैनोवायर्स, आयनिक्स, 25, 341-352 के गुणों पर एसएचआई का प्रभाव।
8. राशि गुप्ता, आरपी चौहान, एस. के. चकरवर्ती, एम. के. जायसवाल, डी. घोषाल, एस. बसु, एस. सुरेश, स्टीफन एफ. बार्टोलुची, एन. कोराटकर और राजेश कुमार, 2018, रंगमंच के रूप में आयन ट्रैक-कैच झिल्ली का उपयोग करके संश्लेषित तांबे के नैनोवायर्स से बढ़े हुए क्षेत्र उत्सर्जन, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 19013-19027।
9. राशि गुप्ता, राजेश कुमार, आरपी चौहान, एस. के. चकरवर्ती, 2018, गामा किरण ने ट्रैक-अंकित झिल्ली, वैक्यूम, 148, 239- 247 का उपयोग करके संश्लेषित तांबे के माइक्रोवायर में संशोधन को प्रेरित किया।
10. वी. कुमार, एम. के. जायसवाल, आर. गुप्ता, पी. के. कुलरिया, के. अशोकन, आई. सुलानिया, एस. ओझा, राजेश कुमार, 2018, कम ऊर्जा आयन विकिरण द्वारा एसएनओ और टीआईओ 2 नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के गुणों में संशोधन, जे. इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 193, 88-99।
11. पी. सिंह, जे. राम, एस. के. गुप्ता, वी. कुमार, एस. के. शर्मा और राजेश कुमार, 2018, कप्टन-एच पॉलिमर, वैक्यूम, 157, 447-452 के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और रासायनिक गुणों पर टीआई और एस "आयनों के विकिरण के इलेक्ट्रॉनिक ऊर्जा हस्तांतरण प्रभाव।

12. महंत प्रसाद और राजेश कुमार, 2018, एमईएमएस ध्वनिक सेंसर, वैक्यूम, 157, 349-353 के लिए एआईएन का जमाव और प्रक्रिया विकास।
13. वी. कुमार, एम. के. जे. आर. गुप्ता। जे. राम, इंद्र, एस. सुनील, ओ. शिन, एस. एन. कोराटकर, जे. मेटर। विज्ञान। इलेक्ट्रॉन, राजेश कुमार, 2018, एसएनओ 2-टीओ 2 नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और रूपात्मक गुणों पर कम ऊर्जा (केवी) आयन विकिरण का प्रभाव, 29 (15), 13328-13336।
14. वी. कुमार, राशि गुप्ता, जे. राम, पी. सिंह, वी. कुमार, एस. के. शर्मा, आर. एस. कटियार और राजेश कुमार, 2018, उच्च ऊर्जा 120 एमवी टीआई 9 + आयन बीम ने टाइटेनियम डाइऑक्साइड पतली फिल्मों, वैक्यूम, 166, 323-334 के ऑप्टिकल, संरचनात्मक और सतह रूपात्मक गुणों में संशोधन को प्रेरित किया।

डॉक्टर. आभा अग्रवाल

1. आई. खान, ए. अग्रवाल, ए. मेहरा और एस. चंद्रा, (2017), "अतानासोव के आई-फजी गोल्स के साथ मैट्रिक्स गेम्स को हल करना इनडेटर मिनसी रिजॉल्यूशन एप्रोच के माध्यम से", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, (2017), 38 (2), 259-287।
2. आई. खान, ए. अग्रवाल, ए. मेहरा और एस. चंद्रा, "तनाका और असाई दृष्टिकोण के माध्यम से आई-फजी रैखिक प्रोग्रामिंग समस्याओं को हल करना", अंतर्ज्ञानवादी फजी सेट पर नोट्स, (2017), 23 (5), 85।

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

1. अमित सिंघानिया और शिप्रा मितल गुप्ता, 2017, सॉल्यूशन कंबेस्चन तकनीक द्वारा सिन्थैजाइज किए गए क्यू और प्लैटीनम सहित जीआरओ 2 नैनोपार्टिकल्स पर कम तापमान पर सीओ ऑक्सीडेशन, बीलस्टीन जर्नल ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी, 8, 1546-1552।
2. बबीता, एस.के. शर्मा, शिप्रा मितल गुप्ता, अरिंजय कुमार जैन, 2017, हेलिकल कॉइल हीट एक्सचेंजर में सीएनटी नैनोफ्लुइड्स का हाइड्रोडायनामिक अध्ययन, सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस, 4, 124002।
3. अमित सिंघानिया और शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, कम तापमान सीओ ऑक्सीकरण के लिए सेरिया-निकल ऑक्साइड ठोस समाधान से निकेल नैनोकैटलिस्ट पूर्व-समाधान, जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 18, 4614-4620।
4. बबीता, एस.के. शर्मा, शिप्रा मितल गुप्ता, अरिंजय कुमार जैन, 2018, सीएनटी नैनोफ्लुइड्स की स्थिरता पर सर्फेक्टेंट/सीएनटी अनुपात का प्रभाव, उन्नत विज्ञान पत्र, 24, 812-816।
5. बबीता, एस.के. शर्मा, शिप्रा मितल गुप्ता, अरिंजय कुमार जैन, 2018, ध्रुवीय मीडिया में सीएनटी फैलाव पर सर्फेक्टेंट का प्रभाव और तैयार सीएनटी नैनोफ्लुइड्स की तापीय चालकता, एआरपीएन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, 13, 1202-1211।
6. अमित सिंघानिया और शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, कम तापमान सीओ ऑक्सीकरण: सक्रिय कार्बन समर्थित पीडी उत्प्रेरक पर दूसरी धातु का प्रभाव, कैटलिसिस पत्र, 148, 946-952।

डॉ. राम शंकर गुप्ता

1. राम शंकर गुप्ता, ए. उपाध्याय, और ए. शर्फुद्दीन, 2017, स्क्रीन कर्फर्मल लाइटलाइक हाइपरसर्फेस ऑफ इनडिटिग्नेट कोसिम्पलेक्टिक मैनिफोल्ड्स, जॉर्जियाई गणित। जे. 24, 609-620.
2. राम शंकर गुप्ता, दीपिका और ए. शर्फुद्दीन, 2017, सभी विशिष्ट प्रमुख वक्रताओं के साथ ई में शून्य 2-प्रकार हाइपरसर्फेस, एन। सेंट विश्वविद्यालय अल.आई. कुजा, टोमुल LXIII, 3, 607-626.
3. दीपिका, ए. अर्वानिटोयेओर्गोस, और राम शंकर गुप्ता, 2017, लोरेंत्ज हाइपरसर्फेसेस सैटिस्फाइइंग एएच = एएच विद नॉन डायगोनल शेप ऑपरेटर, साओ पाउलो जे. मैथ। विज्ञान., 11, 200-214.
4. दीपिका और राम शंकर गुप्ता, 2017, नॉन-डायगोनल शेप ऑपरेटर के साथ बिहारमोनिक लोरेंत्ज हाइपरसर्फेस पर, इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ ज्योमेट्री, 10, 96-111.

डॉ. कृति बत्रा

1. कृति बत्रा, विनोद प्रसाद, 2018, परवलयिक कारावास के साथ गोलाकार क्वांटम डॉट में हाइड्रोजेनिक अशुद्धता के ऑप्टिकल गुणों की परिमित अंतर गणना, रेविस्टा मेक्सिकाना डे फिसिका ई, 64,7

डॉ अंजना बग्गा

1. एन. सोनाथी, ए. पंवार, वी. मलिक और ए. बग्गा, 2018, बल्क नैनोस्ट्रक्चर्ड पीबीटीई सिस्टम के थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों पर इंटरफेशियल स्कैटरिंग प्रभावों की सैद्धांतिक जांच, एमआरएस एडवांस, 3, 1329,

डॉ गुलशन कुमार

1. एन जैन, आर सिंह, जी कुमार, बी पानी, आर नैन, के दत्त, पीके मुवाल, एस सिरोही, 2017, बायोडिग्रेडेबल और प्रिंट करने योग्य पॉलिएस्टर फिल्मों की आसान तैयारी, रसायन विज्ञान चयन, 2, 11415-11421।

डॉ. वैशाली सिंह

1. एस. कुंचाकारा, जे. शाह, वी. सिंह, आर. के. कोटनाला, 2017, मेथोडस सिलिका सर्कुलर डिस्क, फेज ट्रांजिशन 90, 1241-1255 में शामिल एलआईसीएल की व्यापक आर्द्रता संवेदन।

डॉ. योगेश के त्यागी

1. अनुराधा साहा, राजिंदर के. गुप्ता और योगेश के. त्यागी, 2017, ग्वार गम और कार्बोक्सीमिथाइल ग्वारगम पर आधारित एक नई खाद्य फिल्म का विकास और लक्षण वर्णन, यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्यूटिकल साइंसेज 4,348-359।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. संजू कुमारी, भुवनेश्वर राय, गुलशन कुमार, 2018, यूफोरबिया कोगुलम संशोधित पॉलिएस्टर केला फाइबर कम्पोजिट पर एटीएच के प्रभाव पर एक अध्ययन, एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 1932, 020005।
2. शिवानी सिंह सुराह, रतयाक्षी नैन, सिद्धार्थ सिरोही, 2018, गुलशन कुमार टीआईओ की रोगाणुरोधी गतिविधि, हाइड्रोथर्मल विधि द्वारा संश्लेषित नैनोस्ट्रक्चर, एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 1932, 030038।

ग) पुस्तक अध्याय

1. पी सिंह और राजेश कुमार, 2018, पॉलीमेरिक सामग्री के विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान: पॉलिमरिक सामग्री में विकिरण प्रभाव (स्प्रिंगर), 35-68।

3. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

प्रो श्रुति अग्रवाल

1. 17 वीं एशिया ओशिनिया कांग्रेस ऑफ मेडिकल फिजिक्स (एओसीएमपी 2017) और एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इंडिया (एम्पिकॉन 2017) का 38 वार्षिक सम्मेलन, 3-7 नवंबर 2017, जयपुर।
2. सामग्री अनुसंधान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमआरटी -2017), 10-11 जुलाई 2017। अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़, फरीदाबाद।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

1. लोन बीम्स (आईसीएनआईबी 2017) द्वारा नैनोस्ट्रक्चरिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता। (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी), 11-13 अक्टूबर, 2017, इंदौर, भारत)

प्रो. वैशाली सिंह

1. आमंत्रित वक्ता- विज्ञान और इंजीनियरिंग सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसईएम-2018) (शारदा विश्वविद्यालय, 6-8 जनवरी, 2018, भारत)।

डॉ गुलशन कुमार

1. "यूफोरबिया कोगुलम और प्राकृतिक फाइबर का उपयोग करके हरे रंग के समग्र का विकास" पर पूर्ण व्याख्यान। उन्नत सामग्री के संरचनात्मक विश्लेषण पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICSAAM 2017.19-22 सितंबर 2017, बुखारेस्ट, रोमानिया।

डॉ. कृति बत्र

1. "परमाणु और आणविक भौतिकी में हालिया प्रगति" पर संगोष्ठी आर्यभट्ट विज्ञान मंच
दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग, 19 सितंबर 2017

2. यूएसएलएलएस, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अनुसंधान के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण" पर संकाय विकास कार्यक्रम, 15 जुलाई से 31 जुलाई 2017 तक आयोजित किया गया।
3. आईसीटी अकादमी और यूएसआईसीटी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित "डेटा साइंस और बिग डेटा एनालिटिक्स" पर संकाय विकास कार्यक्रम, 12-16 जून, 2017
4. जून 2017 में "बिग डेटा एनालिटिक्स" पर डेल ईएमसी से "ईएमसी अकादमिक एसोसिएट प्रमाणन" पूरा किया।

डॉ. आरिफ अली खान

1. आमंत्रित वार्ता: फॉस्फीनीडेन मध्यवर्ती और उनके अनुप्रयोगों का रसायन विज्ञान। उन्नत रसायन विज्ञान पर यूरोपीय कांग्रेस (ईसीएसी-2018), (12-13 जुलाई, 2018), पेरिस, फ्रांस।

डॉ राजेश कुमार

1. राजेश कुमार और एम. के. जायसवाल, टिन ऑक्साइड थिन फिल्म्स में एसएचआई विकिरण प्रेरित संशोधन का अध्ययन, नैनोवर्ल्ड सम्मेलन 03-05 अप्रैल के दौरान निर्धारित है। बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका में 2017, अप्रैल 03-05. 2017 बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका में।
2. राजेश कुमार (आमंत्रित अध्यक्ष), सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टरों और उनके अनुप्रयोगों पर 20 "राष्ट्रीय सम्मेलन, 26-28 अक्टूबर, 2017, विद्या विकास इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मैसूर, भारत,
3. राजेश कुमार (आमंत्रित वक्ता), विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: रुझान और चुनौतियां (आईसीएसटीटीसी-2018), अप्रैल, 16-17, 2018, 2018, गुजरांवाला गुरु नानक खालसा कॉलेज, लुधियाना, भारत।
4. राशि गुप्ता और राजेश कुमार, इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से संश्लेषित फ्री-स्टैंडिंग नैनोवायर्स पर विभिन्न परमाणु द्रव्यमान के एसएचआई द्वारा प्रेरित संशोधन: एक तुलना, कार्यात्मक सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसएफएम -2018), आईआईटी कानपुर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए।
5. ए सी शर्मा, "इंजीनियरिंग भौतिकी: ब्रिजिंग बेसिक साइंसेज आधारित अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास और इसके अनुकूलन", डब्ल्यूएसईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्वोत्तर अमेरिका, कोलंबस, यूएसए, 25-28 जुलाई 2017 पर आमंत्रित वार्ता।
6. अध्यक्ष, उद्घाटन सत्र, "सामग्री अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फरीदाबाद, 10 जुलाई, 2017।

4. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/छात्रवृत्ति:

डॉ राजेश कुमार

1. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, भारत द्वारा 22-24 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी "आईसीएनएन 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएन 2017) में प्रस्तुत "पॉली कार्बोनेट ट्रैक कैच मेम्ब्रेन का उपयोग करके संश्लेषित क्यू नैनोवायर्स के गुणों में डायमेट्रिक भिन्नता का अध्ययन" पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार।
2. आर्य पीजी कॉलेज, पानीपत, भारत द्वारा 15 दिसंबर, 2017 को आयोजित आधुनिक युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हाल के विकास (आरडीएसटीएमई 2018) पर 4 "राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत" एक आयामी संरचना के टेम्पलेट असिस्टेड सिंथेसिस पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार।
3. विद्या विकास इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मैसूर, भारत द्वारा 26-28 अक्टूबर, 2017 के दौरान आयोजित सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टरों और उनके अनुप्रयोगों (एसएसएनटीडीएस 20) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "ट्रैक कैच मेम्ब्रेन आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से संश्लेषित और इलेक्ट्रोलेस जमा पीबीएसई नैनोवायर्स की विशेषताओं के बीच तुलना" पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार।
4. अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़, भारत द्वारा 10-11 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित सामग्री अनुसंधान और प्रौद्योगिकी (आईसीएमआरटी 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "क्यू नैनोवायर्स के गुणों पर एआर" आयन प्रत्यारोपण के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार।
5. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत द्वारा 05-06 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित नैनोसाइंस और इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी (एनसीएनआईटी 2017) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "टेम्पलेट संश्लेषण के माध्यम से कॉपर नैनोस्ट्रक्चर की इलेक्ट्रोड स्थिति में उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रोलाइट के पीएच का प्रभाव" पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार।

6. गुजरांवाला गुरु नानक खालसा द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी: रुझान और चुनौतियां (आईसीएसटीटीसी -2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति पुरस्कार "यूरोपीय संघ के थर्मोल्यूमिनेसेंस गुणों पर कण आकार प्रभाव: माइक्रो नैनोफॉस्फोर" कॉलेज लुधियाना, पंजाब में, 16-17 अप्रैल, 2018।

7. शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत द्वारा 06-08 जनवरी, 2018 के दौरान आयोजित सामग्री के विज्ञान और इंजीनियरिंग (आईसीएसईएम 2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "टेम्पलेट संश्लेषित क्यू नैनोवायर्स के गुणों पर एसएचआई का प्रभाव" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार।

4. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रुपये में)
1	डॉ. सत्यब्रत महापात्र	पानी में जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों के कुशल फोटोकैलाइटिक क्षरण के लिए टीआईओ 2 आधारित हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष (2017-18)	2.0
2	डॉ. सत्यब्रत महापात्र	एजी-टीआई02 और एयू-टीआई02प्लाज्मोनिक नैनोकम्पोजिट्स के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैलाइटिक गुणों पर तेजी से भारी आयन विकिरण के प्रभावों का अध्ययन	आईयूएसी, नया दिल्ली	3 साल (2017-20)	6.75
3	प्रो अनिंद्य दत्ता	विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन आधारित क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	एफआरजीएस/ जीजीएस आईपीयू	2017-18	2.0
4	प्राफेसर. वैशाली सिंह	एसएचआई विकिरण पर संक्रमण धातु डाइचल्कोजेनाइड्स आई बहुलक नैनोकम्पोजिट्स के संरचनात्मक और रूपात्मक अध्ययन	यूजीसी-आईयूएसी, नई दिल्ली	3 साल	जेआरएफ -1 और 75,000 रुपये (आकस्मिता)
5	डॉक्टर गुलशन कुमार	पॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स के दर्जी गुणों के लिए टाइटेनिया नैनोस्ट्रक्चर का विकास	एफआरजीएस	1 वर्ष	2.0
6	अंजना बग्गा	बोल्ट्जमैन परिवहन सिद्धांत का उपयोग करके पतली फिल्मों के पावरफैक्टर को प्रभावित करने वाले मापदंडों की सैद्धांतिक जांच	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	1.9
7	डॉक्टर कृति बत्रा	"क्वांटम एस्ट्रोफिजिक्स पर स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन और बाहरी क्षेत्रों का प्रभाव"।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	मई 2017-मार्च 2018	2.0
8	डॉक्टर राजेश कुमार	गैस सेंसर में अनुप्रयोगों के लिए ऑक्साइड-आधारित नैनोकम्पोजिट सामग्री के तेजी से भारी आयन प्रेरित संशोधनों का अध्ययन	इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (यूजीसी का एक स्वायत्त अनुसधान कैंटर), भारत सरकार	2016-2019	7.23 लाख रुपये
9	डॉ. आरिफ अली खान	रसायन शास्त्र रसायन शास्त्र	जीजीएसआईपीयू	2017-18	200000/-
10	मुकेश कुमार	एफईएल पर विश्लेषणात्मक अध्ययन	एफआरजीएस,	एक वर्ष	1.5 लाख

5. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/परियोजनाएं:

क्र.सं	छात्रों के नाम	कार्यक्रम	सत्र/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	मीनाक्षी दत्त	पीएच.डी.	–	सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार – ISIF 2017

6. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं	इवेंट का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1	पूर्व छात्रों का मिलन समारोह	11.03.2018	कार्यक्रम में भाग लेने वाले पूर्व छात्रों ने अपने पूर्व संस्थान में आमंत्रित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और अपने शिक्षक, सलाहकारों के सहयोगियों और यूएसबीएएस के वर्तमान छात्रों के साथ स्मृति लेन में चलने का अवसर प्राप्त किया।

7. शोधार्थियों का विवरण:

क) पूर्ण/पुरस्कार प्राप्त पीएचडी की कुल संख्या: 02

क्र.सं	विद्वान का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम
1	चंद्र मोहन	धातु परिसरों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोग एक रासायनिक सेन्सर्स	3/4/13	डॉ. कुसुम शन्ना
2	मनप्रीत कौर बग्गा	अम्लीय माध्यम में ग्रीन इनहिबिटर द्वारा हल्के स्टील का संक्षारण निषेध	8/11/13	डॉ. रानू गादी

ख) अनुसंधान विद्वानों ने प्रवेश लिया: 10

ग) चल रहे पंजीकृत पीएचडी विद्वानों की कुल संख्या: 46

8. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं	छात्रों के नाम	परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों का विवरण
1	सुश्री मीनल गुप्ता	नेट
2	अंजलि पंवार	गेट
3	अदिति बिष्ट	गेट

4.3 विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. विद्यापीठ में चल रहे कार्यक्रम(ओं):

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1	बी.टेक जैव प्रौद्योगिकी	4 साल	46	161
2	एम.टेक जैव प्रौद्योगिकी (एकीकृत)	2 साल	10	13
3	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	2 साल	10	8

2. प्रयोगशालाओं/संगोष्ठी आदि के संबंध में स्कूलों/केंद्रों/विभागों में नए सेटअप के बारे में विवरण:

क्र.सं	सुविधा	सुविधा का विवरण
1	अनुक्रमण सुविधा	डीएसटी - इलुमिना मिसेक, बायोएनालाइजर आदि के साथ एफआईएसटी सुविधा
2	ग्रीन हाउस	-

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) अनुसंधान पत्रिकाओं में लेख

डॉ.सी.टी. रंजीत-कुमार

1. सी. सुब्रमणि, वी.पी.नायर, एस. अनंग, एस. डी. मंडल, एम. पारीक, एन. कौशिक, ए. श्रीवास्तव, एस. साहा, सी. टी. रंजीत-कुमार और एम. सुरजीत 2018 होस्ट-वायरस प्रोटीन इंटरैक्शन नेटवर्क हेपेटाइटिस ई वायरस एमसिस्टम के जीवन चक्र में कई मेजबान प्रक्रियाओं की भागीदारी का खुलासा करता है। 3(1)
2. माधवी, एस. हिंगेन, आर. श्रीवास्तव, एन. जोशी, सी. सुब्रमणि, आर. मुथुमोहन, आर. खासा, एस. वार्ष्णेय, एम. कालिया, एस. व्रती, एम. सुरजीत और सी. टी. रंजीत-कुमार 2017 नोवेल हेपेटाइटिस सी वायरस आरडीआरपी अवरोधक के लिए एक स्क्रीन एक व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीवायरल यौगिक वैज्ञानिक रिपोर्ट 7 (1) की पहचान करती है।
3. एन कौशिक, सी. सुब्रमणि, एस. अनंग, आर. मुथुमोहन, शालीमार, बी. नायक, सी. टी. रंजीत-कुमार और सुरजीत एम. 2017 जिंक लवण वायरल आरएनए-निर्भर आरएनए पोलीमरेज जर्नल ऑफ वायरोलॉजी 91 (21) की गतिविधि को रोककर हेपेटाइटिस ई वायरस प्रतिकृति को रोकते हैं।

डॉ.निमिषा शर्मा

1. डबास पी, स्वेता के, एक्का एम, शर्मा एन 2018 स्किजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे जीन 641 117 से एलईएल एसोसिएटेड फैक्टर (ईएएफ) की संरचना समारोह लक्षण वर्णन।
2. स्वेता के, डबास पी, जैन के, शर्मा एन 2017 स्किजोसैक्रोमाइसेस्पोम्बे में एलईएल फंक्शन के लिए एलईएल ट्रांसक्रिप्शन बढ़ाव कारक का एमिनो-टर्मिनल डोमेन आवश्यक है। माइक्रोबायोलॉजी (एसजीएम) 163 1641

प्रो. पी.सी.शर्मा

1. वर्मा एसके, सिंह एच और शर्मा पीसी 2017 विभिन्न मिट्टी से उच्च गुणवत्ता वाले मेटाजेनोमिक डीएनए के अलगाव के लिए उपयुक्त एक बेहतर विधि 3 बायोटेक 7 171
2. वर्मा आर और शर्मा पीसी 2018 अगली पीढ़ी के अनुक्रमण-आधारित गैस्ट्रिक कैंसर के आणविक रोग जनन पर हालिया अपडेट एएम जे कैंसर रेस 8, 207
3. राय पीएस, चौधरी एस और शर्मा पीसी 2018 ने हल्दी में नए और संरक्षित माइक्रोआरएनए की अनुक्रम टैग (ईएसटी) आधारित कम्प्यूटेशनल पहचान व्यक्त की (क्यूकरकुमा लोंगा एल। जे एप्पल बॉयोटेक्नोलॉजी बायोइंग 5 112

डॉ राम सिंह पूर्ति

1. प्रवीण कुमार, कुलविंदर कौर, राम सिंह पूर्ती, मदन मोहन, प्रदीप कुमार बर्मा 2017 बारनेस जीन जर्नल ऑफ प्लांट जैव प्रौद्योगिकी 44 (4) की टेपेटम विशिष्ट अभिव्यक्ति द्वारा चावल में नर बाँझ ट्रांसजेनिक लाइनों का विकास https://doi-org/364-371

डॉक्टर रीनू शर्मा

1. शर्मा पी. सराया ए, शर्मा आर 2018 सीरम-आधारित छह-एमआरएनए हस्ताक्षर ईसी निदान के लिए एक संभावित मार्कर के रूप में: टीसीजीए मिआरएनएसेक डेटासेट के साथ तुलना और टीसीजीए मिआरएनएसेक और आरएनएसेक डेटासेट के एकीकृत विश्लेषण द्वारा एमआरएनए-एमआरएनए लक्ष्य जोड़े की पहचान। एशिया पैक जे क्लिन ओनकोल। 2018 जनवरी 30.
2. सिंह, एस, सराया, ए., दास, पी. शर्मा, आर. 2017, मार्च 8, एक ई3 यूबिकिटिन लिगेज, की बढ़ी हुई अभिव्यक्ति, एसोफेजेल टयूमर कैंसर सेल इंक के विकास से जुड़ी हुई है।
3. शर्मा पी., सैनी एन., शर्मा आर. 2017 एमआईआर -107 मानव एसोफेजेल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में टयूमर शमनकर्ता के रूप में कार्य करता है और सीडीसी 42 ऑन्कोलॉजी रिपोर्ट 2017 मई को लक्षित करता है; 37(5):3116-3127

डॉ. सुरेश कुमार

1. कुमार एस, चौधरी एस. कुमार एस. 2017 अल्जाइमर रोग के लिए एंटीसाइकोटिक दवाओं के सिलिको रिपर्पसिंग में। बीएमसी न्यूरोसाइंस 18 (1): 76
2. सुरेश कुमार और एनी अंकिता लाल 2017 चयनित भारतीय औषधीय पौधों की एंटी-कोलिनेस्टरेज गतिविधि और गतिज अध्ययन द्वारा उनके निषेध का तरीका। जीवन विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल, 4 75
3. कुमार एस, चटर्जी एस, कुमार एस 2018 इन सिलिको और इन विट्रो स्टडीज द्वारा एजोएन की दोहरी एंटी-कोलिनेस्टरेज गतिविधि। फार्माकोग्नोसी रिसर्च 10 (2), 225
4. सुमन चौधरी और सुरेश कुमार। 2017 मसालों से उपन्यास एनएमडीए रिसेप्टर विरोधी की पहचान: एक आणविक डॉकिंग अध्ययन। अल्जाइमर और डिमेंशिया, पी 275

(ख) पुस्तक अध्याय

1. ग्रोवर ए और शर्मा पीसी 2017, आलू और संबंधित जीनोम में दोहराए जाने वाले अनुक्रम, आलू जीनोम, स्प्रिंगर, 143।

4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

डॉ. प्रोमिला गुप्ता

1. जेनेटिक्स-पर्यावरण इंटरफेस पर एलजेडएचसी राष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान और आध्यात्मिकताय द्वारा आयोजित: जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 जनवरी 2018।
2. जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के जूलॉजी विभाग द्वारा 31 जनवरी से 1 फरवरी, 2018 तक आयोजित "रोग और ड्रग्स: उभरते रुझान और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति।

डॉ मीनू कपूर

1. फिस्कोमिट्रेला का नियामक नेटवर्क हेटेरोक्रोमैटिन प्रोटीन, पीपीएलएचपीआई की तरह पैटर्न देता है। 16-19 नवंबर 2017 तक जेएनयू में सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसबीसी-2017) का वार्षिक सम्मेलन

डॉ. निमिषा शर्मा

1. आरएनए पोलीमरेज II के आरपीबी 7 सबयूनिट के परिवर्तित स्तरों पर जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल प्रतिक्रिया, शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में डीएनए क्षति प्रतिक्रिया में इसकी भूमिका की पहचान करती है। ईएमबीएल सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पोस्टर: कार्यात्मक जीनोमिक्स से सिस्टम बायोलॉजी तक, ईएमबीएल, हीडलबर्ग, जर्मनी, 2018।
2. ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण से शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में सेल पृथक्करण जीन की अभिव्यक्ति में ईएलएल/ईएएफ ट्रांसक्रिप्शन कारकों की भूमिका का पता चलता है। "फंक्शनल जीनोमिक्स से सिस्टम बायोलॉजी तक", हीडलबर्ग, जर्मनी, 2018 शीर्षक से ईएमबीएल बैठक में प्रस्तुत किया गया पोस्टर

प्रो. रघुराम एन

1. भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन और सतत विकास के लिए इसके निहितार्थ। मृदा प्रदूषण पर वैश्विक संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति, 2-4 मई, एफएओ, रोम, इटली।
2. भारतीय से दक्षिण एशियाई नाइट्रोजन मूल्यांकन तक। अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन प्रबंधन प्रणाली (आईएनएमएस), एसएसीईपी, 12-14 सितंबर, माले, मालदीव की दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बैठक में मौखिक प्रस्तुति।
3. भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन, उर्वरक एन उपयोग दक्षता और उसका सुधार। फाउंडेशन व्याख्यान, सौम्य पर्यावरण के लिए कृषि-रसायनों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय 29 मार्च 2018, कल्याणी, पश्चिम बंगाल।
4. भारतीय कृषि में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और चावल में इसका सुधार। व्याख्यान, भारतीय कृषि और पौधों की उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 मार्च, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. प्रकाशन नैतिकता बनाम ओपन एक्सेस, क्यों? व्याख्यान, टेलर और फांसिस फोकस ग्रुप ऑन एथिक्स, रिसर्च इंटीग्रिटी एंड ओपन स्कॉलरशिप, 13 अप्रैल 2018 ले मेरिडियन, नई दिल्ली।
6. भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन और सतत विकास के लिए इसके निहितार्थ। व्याख्यान, सीएसई-खालसा कॉलेज, भारत में नाइट्रोजन प्रदूषण के संकट पर सार्वजनिक बैठक, 08 मार्च, खालसा कॉलेज, अमृतसर
7. कृषि, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन। मुख्य व्याख्यान, राष्ट्रीय सम्मेलन। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, 8-9 दिसंबर, बद्दी, हिमाचल प्रदेश।
8. चावल में एन-प्रतिक्रिया और एन-उपयोग दक्षता की आणविक फिजियोलॉजी (व्याख्यान)। नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी, 25 नवंबर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर।
9. भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन और सतत विकास के लिए इसके निहितार्थ। व्याख्यान, जेएनयूटीए सेमिनार, 15 नवंबर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
10. मेक इन इंडिया जैव प्रौद्योगिकी। व्याख्यान, यूएसबीटी विचार-मंथन संगोष्ठी, 30 अक्टूबर, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
11. समाज में पादप जैव प्रौद्योगिकी। व्याख्यान, एनआईपीजीआर ओपन डे, 08 सितंबर, एनआईपीजीआर, नई दिल्ली

प्रो. पी. सी. शर्मा

1. सीबकथॉर्न (हिप्पाफेरहैमनोइड्स एल.) में माइक्रोसैटेलाइट मार्करों का विकास और उपयोग। औषधीय पादप अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमपीआर-2018) वारशॉ (पोलैंड) 26 मार्च, 2018
2. फसल जीनोमिक्स पर VI एनजीजीआईबीसीआई सम्मेलन: वर्तमान और भविष्य आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद 6-8 दिसंबर, 2017
3. खाद्य सुरक्षा के लिए फसल विविधता का संरक्षण और उपयोग सतत विकास के लिए जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्राणीशास्त्र विभाग, सी.सी.एस. विश्वविद्यालय, मेरठ 24-26 नवंबर, 2017
4. बेसिक बायोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय, बनस्थली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग का मूल है 30-31 अक्टूबर, 2017।
5. गैस्ट्रिक कैंसर का आणविक रोगजनन, बेसिक बायोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय, बनस्थली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग का मूल है 30- 31 अक्टूबर, 2018।
6. छात्र शैक्षणिक सांस्कृतिक कार्यक्रम JANUS-2017 4 अक्टूबर, 2017।

5. स्कूल विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

30.10.2017 को "मेक इन इंडिया जैव प्रौद्योगिकी" पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/छात्रवृत्ति:

डॉ मीनू कपूर

1. नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (NASI), भारत से डॉ. पी. शील मेमोरियल (युवा महिला वैज्ञानिक) व्याख्यान पुरस्कार (2017) से सम्मानित।

2. भारत सरकार के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) के पादप विज्ञान के लिए परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) के सदस्य (2015-2018; 2018-2021)

डॉ. निमिषा शर्मा

1. अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी और इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (2017) द्वारा इंडो-यूएस विजिटिंग रिसर्च प्राफेसरशिप।

प्रो. एन. रघुराम

उर्वरकों और कीटनाशकों के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों पर अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन पहल सदस्य एफएओ-यूएनईपी-डब्ल्यूएचओ सलाहकार समिति के अध्यक्ष।

प्रो. पी. सी. शर्मा।

1. दिल्ली सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा विश्वविद्यालय/कॉलेज शिक्षक पुरस्कार, 2018

डॉ. रीनू शर्मा

1. सदस्य अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च (एएसीआर)।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रुपये में)
1	प्रो. के.के. अग्रवाल	जिजिफुसमॉरिटियाना की पत्तियों से सेरीन प्रोटीज अवरोधक का शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन। संभावित एकाधिक अनुप्रयोगों का एक जैव अणु	एफआरजी-जीजीएसआईपीयू	2017-18	2 लाख
2	डॉ मीनू कपूर	शीर्षक: डीएनए में दोषपूर्ण जीन नॉकआउट म्यूटेंट का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में मेट हाइलेशन। (सिद्धांत अन्वेषक)	एफआरजीस-जीजीएसआईपीयू	2017-18	2 लाख
3	डॉ मीनू कपूर	शीर्षक: फिस्कोमिट्रेला प्रणाली का उपयोग करके नमक और आसमाटिक तनाव सहिष्णुता में इसकी भूमिका के लिए साइटोसिन डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज (डीएनएमटी2) का कार्यात्मक चित्रण।	डीबीटी	2017-18	68.5 लाख
4	डॉ मीनू कपूर	शीर्षक: फिस्कोमिट्रेला पेटेंस में तनाव के तहत पीपीडीएनएमटी2 के साथ इंटरेक्शन करने वाले प्रोटीन की पहचान और सत्यापन।	एसईआरबी	2017-18	41.43 लाख
5	डॉ मोनिका गांधी	सामान्य स्वस्थ भारतीय विषयों के लार के नमूनों में लार एग्लूटीनिन (SALSA) जीन के मिथाइलेशन हस्ताक्षर की पहचान,	एफआरजीस-जीजीएसआईपीयू	2017-18	2 लाख
6	डॉ निमिषा शर्मा	शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे से ईएलएल और ईएएफ प्रोटीन का कार्यात्मक और संरचनात्मक लक्षण वर्णन।	डीबीटी	2017-20	39.87 लाख
7	डॉ निमिषा शर्मा	शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में जीन अभिव्यक्ति के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में आरएनए पोलीमरेज II के आरपीबी 9 सबयूनिट की भूमिका का एक अध्ययन	एसईआरबी डीएसटी	2017-20	42.19 लाख

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रुपये में)
8	डॉ रीनू शर्मा	आरएनएआई और मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके मानव एसोफेजियल कैंसर में सी-एमआईआर/मार्च VIII (ई3 यूबिकिटिन लिगेज) का कार्यात्मक विश्लेषण और लक्ष्य पहचान	डीबीटी	2015-2018	62.5 लाख
9	डॉ गौरव पांडे	ई. कोलाई में वास्तविक समय में पुन: संयोजक प्रोटीन उत्पादन की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए होस्ट-वेक्टर प्रणाली विकसित करें।	एफआरजीस-जीजीएसआईपीयू	2017-19	5 लाख
10	प्रो. पी. सी. शर्मा	असामान्य कोशिका प्रसार की प्रगति के दौरान हाइपोक्सिया से संबंधित जीन की विभेदक अभिव्यक्ति	डीआईपी, डीआरडीओ	2016-19	9.79
11	प्राफेसर पी. सी. शर्मा	टेनरी अपशिष्ट मेटाजेनोम में मौजूद माइक्रोबियल विविधता का एनजीएस-आधारित विश्लेषण	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2017-18	2
12	डॉ. आर. एस. शुद्धता	ओएसपीएचडी जीन के कार्यात्मक सत्यापन के लिए ओवर-एक्सप्रेशन और आरएनएआई निर्माणों का उपयोग करके ट्रांसजेनिक चावल (ओरिजा सैटिवा एल.) पौधों का विकास ओएसपीएचडी जीन के कार्यात्मक सत्यापन के लिए ओवर-एक्सप्रेशन और आरएनएआई निर्माणों का उपयोग करके ट्रांसजेनिक चावल (ओरिजा सैटिवा एल.) पौधों का विकास	एफआरजीएस-जीजीएसआईपीयू	2017-18	2

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/परियोजनाएं

क्र.सं.	छात्रों के नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	सुश्री खुशबू चौधरी	पीएच.डी. (जैव प्रौद्योगिकी)		आईपीआरएफ फैलोशिप
2	आशली पथनी	बी. टेक जैव प्रौद्योगिकी	8 वां	वाद-विवाद के लिए पुरस्कार (जीनोम संपादन: वरदान या बाने), राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी 2018। रीजनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा आयोजित
3	तन्वी अग्रवाल, नितिशा कुंभारे, मानसी गुप्ता, रुचिका पांडे	बी.टेक जैव प्रौद्योगिकी	8 वां	विज्ञान क्विज के लिए द्वितीय पुरस्कार, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी 2018। रीजनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा आयोजित
4	सुमन चौधरी	आईसीएमआर से एसआरएफ	पीएचडी	एसआरएफ
5	शिवानी कुमार	पीएचडी		सर्वश्रेष्ठ पेपर - पुरस्कार (2018) बायो मेडकॉन सम्मेलन
6	सावेताजी	पीएचडी. (जैव प्रौद्योगिकी)	पीएचडी.	आईपीआरएफ फैलोशिप
7	मनीषा बुरिउली	पीएचडी. (जैव प्रौद्योगिकी)	पीएचडी.	प्रोजेक्ट फेलो एसईआरबी
8	दीपशिखा आर्य	पीएचडी. (जैव प्रौद्योगिकी)	पीएचडी.	सर्ब -डीएसटी (गेट)

9. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ जैसे /त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि
1	उन्मुखीकरण कार्यक्रम,	अगस्त 2017
2	पूर्व छात्रों का मिलन समारोह	23 दिसंबर -2017
3	येल्लाप्रगदा सुब्बा रो मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान	30 मार्च से 1 अप्रैल 2017
4	शिष्टता (यूएसबी.टी तकनीकी उत्सव)	30-31 मार्च 17
5	दीवाली समारोह	18 अक्टूबर 2017

10. शोधार्थियों का विवरण:

क) शोधार्थियों ने प्रवेश लिया: 12

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

क्र.सं.	छात्रों के नाम	परीक्षण योग्य का विवरण
1	आफरीन वजीरी	एमएएनएफ -जेआरएफ
2	दीपक कुमार सिंह	सीएसआईआर-जेआरएफ
3	शिवानी	यूजीसी-जेआरएफ
4	आकांक्षा मलिक	जेआरएफ (एसटीआरएफ)/नेट
5	भूमिका मदन	नेट, आईसीएमआर-जेआरएफ, गेट

4.4 विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम(ओं):

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल ताकत (सेमेस्टर वार)
1	बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री	04+02	केमिकल इंजीनियरिंग 40 बायो-केमिकल इंजीनियरिंग 30	केमिकल इंजीनियरिंग जी 48 बायो-केमिकल इंजीनियरिंग। 35
2	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	02	30	06

2. लैब/सेमिनार के संबंध में स्कूल में नए सेटअप के बारे में विवरण:

कमरा नं.	प्रयोगशालाओं का नाम
बीटीएल010	गर्मी हस्तांतरण लैब प्रभारी - डॉ एमएम मंडल और विनय शाह
बीटीएल012	मास ट्रांसफर, यूनिट ऑपरेशन I और II, केमिकल रिएक्शन इंजीनियरिंग लैब इंचार्ज - डॉ विनीता खांडेकर, डॉ नीरू आनंद, डॉ राकेश अंगिरा
बीटीएल 112	प्रक्रिया नियंत्रण और द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला - श्री आजाद सिंह
बीटीएल 113	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला III लैब प्रभारी - डॉ विनीता खांडेगर और सुश्री सनिग्धा आचार्य
बीटीएल 113	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला II लैब प्रभारी - डॉ बिस्वजीत सरकार और डॉ तपन सरकार
बीटीएल 115	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला IV लैब प्रभारी: प्रो. अरिंजय कुमार जैन और श्री आजाद सिंह
बीटीएल 115	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान एल एबी वी। लैब प्रभारी: डॉ. एस. के. शर्म और डॉ. आराधना श्रीवास्तव
बीटीएल 212	कम्प्यूटेशन लैब, सीएडी और सिमुलेशन लैब - श्री वमे शाह
बीटीएल 214	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला VII लैब प्रभारी: डॉ नीरू आनंद और श्री दिनेश कुमार
बीटीएल 214	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला VI लैब प्रभारी: श्री दीपक गर्ग
बीटीएल 215	इंस्ट्यूमेंटेशन लैब
बीटीएल 217	केमिकल इंजीनियरिंग। अनुसंधान प्रयोगशाला VIII लैब प्रभारी: प्रो. यूके मंडल और डॉ राकेश अंगिरा
बीटीएल 501	जैव रसायन और जैव रासायनिक प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग लैब
बीटीएल 506	आणविक जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. मंडल यूके

1. मंडल यूके, बिक्रमजीत कौर और तंवर रुचिका, अत्यधिक कुशल और दृश्यमान प्रकाश चालित Ni0-5Zn0-5Fe2O4 @PANI ने BiOCl को मिश्रित किया हेटेरोकंपोजिट कैटलिस्ट फॉर वॉटर रेमेडिएशन, एप्लाइड कैटलिसिसबी: पर्यावरण, 211, 305- 322, 2017
2. मंडल यूके, सैकियाए। के., कौर बिक्रमजीत और कुमार दिनेश, टयूनेबल थर्मोरेस्पॉन्सिव हाइब्रिड मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स: तैयारी, लक्षण वर्णन और दवा रिलीज विशेषताएँ, सोसायटी ऑफ केमिकल इंडस्ट्रीज, विले, 92,1006-1016, 2017

डॉ. एसके शर्मा

1. के सिंह, एसके शर्मा, एके जैन, एमएम मंडल और पी.के पांडे सिंथेटिक से कॉपर आयन को हटाना अवशोषक के रूप में एलोवेरा का उपयोग करके अपशिष्ट जल, यूरोपियन जर्नल ऑफ एडवांसेज इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 4 (4)249-254, 2017

सुश्री सानिग्धा आचार्य

1. आशीष कुमार, विनीता खांडेगर, सनिग्धा आचार्य, सोखना प्रक्रिया का उपयोग करके फिनोल को हटाने पर अध्ययन, एशियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 08(10),6165-6172, 2017
2. सनिग्धा आचार्य, एसके शर्मा, गरिमा चौहान, दर्शन श्री, भूतल पद्धति का उपयोग करके नाइट्रेट को हटाने के लिए इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन प्रक्रिया का सांख्यिकीय अनुकूलन, भारतीय रासायनिक इंजीनियर, 2017
3. कुमार, ए., खांडेगर, वी. आचार्य, एस, सोखना प्रक्रिया का उपयोग करके फिनोल को हटाने पर अध्ययन, एशियन जे। विज्ञान. टेक्नोल, 8, 6165-6172, 2017

डॉ बिस्वजीत सरकार

1. सत्यपाल वर्मा, बिस्वजीत सरकार, अपशिष्ट जल से सीडी (II) और फेनोलिक यौगिक को एक साथ हटाने के लिए रमनोलिपिड आधारित माइक्रेलर-एन्हांस्ड अल्ट्राफिल्ट्रेशन, केमिकलइंजीनियरिंग जर्नल, 319, 131-142, 2017

प्रो. अरिंजय कुमार जैन

1. श्वेता गुप्ता, अरिंजय कुमार जैन, ए. बारबाडेन्सिस मिलर लीव्स रेसिड्यू के पूर्व-उपचारित बायोमास द्वारा भारी धातुओं का जैव-शोषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन साइंस एंड इंजीनियरिंग, 06,08, 2017
2. श्वेता गुप्ता, अरिंजय कुमार जैन, ए. बारबाडेन्सिस मिलर के पत्तों पर कैडमियम (II) का जैव अवशोषण व्यवहार और थर्मोडायनामिक अध्ययन, अवशेष पाउडर, एप्लाइड साइंस और इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 05,2017

डॉ. तपन सरकार

1. श्रीनिवेस, एस.; सरकार, टी.; हर्नान्डेज, आर.; मूलचंदानी, ए. अल्ट्रासेंसिटिव ओजोन गैस सेंसिंग, पॉलिमर, 9,80,2017 के लिए पोटेशियम आयोडाइड-फंक्शनल पॉलीएनिलिन नैनोथिन फिल्म केमिरेसिस्टर
2. सरकार, टी.; श्रीनाइव्स, एस., उप-पीपीएम के लिए एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब-कैलिक्सरीन हाइब्रिड No2 माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग का पता लगाना, 197,28-32,2018
3. सरकार, टी.; श्रीनिवेस, एस.; रॉड्रिक्ज, ए.; मूलचंदानी, ए., वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के लिए एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब कैलिक्सरीन आधारित केमिरेसिस्टर, इलेक्ट्रोएनालिसिस, 30,2077-2084, 2018

डॉ. नीरू आनंद

1. दिनेश कुमार, नीरू आनंद, कमल के. पंत, गैसोलीन रेंज हाइड्रोकार्बन, सी/ईएन के उत्पादन के लिए पैलेडियम और एल्यूमिना संसेचित केआईटी-6 पर ग्लिसरॉल रूपांतरण प्रौद्योगिकी पर्यावरण नीति, 20(4),751-757,2017
2. रितु वर्मा और आराधना श्रीवास्तव, कार्बन डाइऑक्साइड पृथक्करण और इसका उन्नत उपयोग फोटोऑटोट्रॉफ माइक्रोएल्गे द्वारा, पर्यावरण विकास, 27,95-106,2018

3. लव मेहन, रितु वर्मा, राहुल कुमार, आराधना श्रीवास्तव, आश्रीस्पिरा प्लैटेंसिस उत्पादन और यमुना नदी के पानी में इसके प्रक्रिया अनुप्रयोगों पर रोशनी तरंग दैर्ध्य का प्रभाव, जर्नल ऑफजल प्रक्रिया, इंजीनियरिंग 23,91–96, 2018
4. सनिग्धा आचार्य, एसके शर्मा, विनीता खांडेगर, द्वारका के आसपास भूजल गुणवत्ता का हाइड्रो जियोकेमिकल आकलन, प्रदूषण अनुसंधान, 37 (1),212–223,2018

डॉ. आजाद सिंह

1. रचना सिन्हा, गरिमा चौहान आजाद सिंह, अरिंजय कुमार, सनिग्धा आचार्य, एक नवीन पर्यावरण अनुकूल संकर दृष्टिकोण इलेक्ट्रॉनिक कचरे से तांबे की पुनर्प्राप्ति और पुन: उपयोग के लिए, पर्यावरण रसायन इंजीनियरिंग, 6,1053–1061,2018

डॉ विनीता खांडेगर

1. विनीता खांडेगर, सनिग्धा आचार्य, अरिंजय के. जैन, डेटा ऑनछिद्रित एल्यूमीनियम इलेक्ट्रोड का उपयोग करके इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा सीवेज अपशिष्ट जल का उपचार और उत्पन्न कीचड़ का लक्षण वर्णन, 18,1229–1238,2018।
2. त्यागी, यू., खांडेगर, वी., सिंथेटिक अपशिष्ट जल से क्रोमियम (VI) को हटाने के लिए वेटिवेरिया जिजानियोइड्स की बायोसॉर्प्शन क्षमता, जे। खतरा। विषाक्त रेडियोएक्ट, 22,1–11, 2018
3. त्यागी, यू., खांडेगर, वी., बायो-सोरशन पोटेंशियल ऑफ वी। हटाने के लिए जिजानियोइड्स घास और जड़ें ऑफसीआर (VI), सुर. विज्ञान. टेक्नोल., 34,19–29,2018
4. आचार्य, एस., शर्मा, एसके, खांडेगर, वी., दक्षिण पश्चिम दिल्ली में भूजल के क्षरण और स्केलिंग क्षमता के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन और हाइड्रो-जियोकेमिकल लक्षण वर्णन, 18,928–938,2018
5. आचार्य, एस., शर्मा, एस. के., खांडेगर, वी., भूजल गुणवत्ता का हाइड्रोजियो केमिकल मूल्यांकन द्वारका, दिल्ली, प्रदूषण के आसपास। रेस, 37,212–217,2018
6. आचार्य, एस., शर्मा, एसके, खांडेगर, वी., दक्षिण पश्चिम दिल्ली, भारत में सिंचाई और पीने के लिए जल गुणवत्ता सूचकांकों द्वारा भूजल गुणवत्ता का आकलन, 18,2019–2028,2018

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. रितु वर्मा, दीक्षा पांडे, लव मेहन, राहुल कुमार, आराधना श्रीवास्तव (2017), "नाइट्रोजनयुक्त बरबाद करना इलाज द्वारा Spirulina में निरंतर विस्तार बिस्तर फोटोबायोरिएक्टर", पोस्टर कागज प्रस्तुति में बेस्कॉन-2017।
2. दिनेश कुमार (2017), "बोरिक एसिड से उपचारित अल/एमसीएम-41 इंजीनियरिंग में उभरते रुझान पर मेथनॉल का ओलेफिन में रूपांतरण अध्ययन", सोसायटी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	आयोजन का नाम	संगठन का नाम	दिनांक (अवधि)	संचालन का स्थान
1	आराधना श्रीवास्तव,	जैविक इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन	नेताजी सुभाष इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी	2017	नई दिल्ली
2.	श्री विनय शाह	"सूक्ष्मजीव: जैव ईंधन संसाधन के रूप में और जल उपचार की एक नवीन प्रक्रिया	विश्लेषणात्मक विज्ञान में प्रगति	15–17 मार्च 2018	आईएसएएस, सीएसआईआर –आईआईपी देहरादून
3.	डॉ. दिनेश कुमार	उद्योग–अकादमिक कार्यशाला "कच्चे तेल के ए टू जेड" पर	फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री और इंडियन ऑयल इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट (रात 11 बजे)	1–2 मई, 2017	इंडियन ऑयल इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट (रात 11 बजे), गुडगाँव

4.	डॉ. दिनेश कुमार	रासायनिक प्रक्रिया उद्योगों में कोड और मानकों के अनुप्रयोग पर सेमिनार	आईआईसीएचई	15 जुलाई 2017	आईआईसीएचई, एनआरसी
5.	प्रो. ए. के. जैन	इंजीनियरिंग में उभरते रुझानों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	ए. बारबाडेंसिस मिलर पत्तियों के अवशेषों के पूर्व-उपचारित बायोमास द्वारा भारी धातुओं का जैव-शोषण	13 अगस्त 2017	भारतीय संयुक्त राष्ट्र संघ संघ, नई दिल्ली
6.	डॉ बिस्वजीत सरकार	झिल्ली विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 13वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमारंग, इंडोनेशिया	समकालिक कैडमियम आयन और पी-क्रेसोल को हटाना रम्नोलिपिडबायोसुर के साथ MEUF का उपयोग करके अपशिष्ट जल तथ्यात्मक	15-16 नवंबर, 2017	सेमरंग, इंडोनेशिया
8.	ए.के.जैन	भारतीय रसायन संस्थान इंजीनियर्स का 70वां वार्षिक सत्रय केमकॉन - 2017	एलो वेरा (ए) बारबाडेन्सिस मिलर पत्तियों के पाउडर का उपयोग करके अपशिष्ट जल से भारी धातुओं की प्रायोगिक अत्यधिक मात्रा निर्धारित की गई	दिसंबर 27-30, 2017	हल्दिया संस्थान रसायन अभियांत्रिकी
9.	डॉ. बिश्वजीत सरकार	भारतीय रसायन संस्थान इंजीनियर्स का 70वां वार्षिक सत्रय केमकॉन - 2017	साइजियमक्यूमिनी (एल.) बीजों से निष्कर्षण का गतिज अध्ययन	दिसंबर 27-30, 2017	हल्दिया संस्थान रसायन अभियांत्रिकी
10.	ए. के. जैन	नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर सतत पहल के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अधिक टिकाऊ पर्यावरण के लिए एबारबाडेन्सिस मिलर पत्तियों के अवशेष पाउडर का उपयोग करके भारी धातुओं का अवशोषण	8-9 फरवरी 2018	भारती विद्यापीठ कॉलेज अभियांत्रिकी, नई दिल्ली

5. स्कूलों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	उपाधि	दिनांक (अवधि)	संगठन का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1	केमकोर्ड- 17	1-2 अप्रैल 2017	यूएससीटी	लगभग- 100	यूएससीटी, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
2	केमकोर्ड- 18	26-27 मार्च 2018	यूएससीटी	लगभग- 100	यूएससीटी, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श

संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	अवधि	वर्ष	कुल धनराशि
डॉ. बी. सरकार	केंद्रित सिजिगियमक्यूमिनी (एल) रस के उत्पादन के लिए एकीकृत झिल्ली प्रक्रिया और सिजिगियमक्यूमिनी (एल) पत्तियों और बीजों के अर्क से एंटीऑक्सीडेंट यौगिकों की बेहतर वसूली	सीएसआईआर	3 वर्ष	2015-2018	16,38,519/-

संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	अवधि	वर्ष	कुल धनराशि
प्रो. यूके मंडल	संयुग्मित मांडल पॉलीमर/ नैनोक्रिस्टल का विकास नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों/पर्यावरण संबंधी उपचार के लिए हरित उत्प्रेरक के रूप में नैनो कम्पोजिट्स	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
ए.के.जैन	औद्योगिक अपशिष्ट जल से सीडी (आईएल) हटाने के लिए बायोस्डोरबेंट के रूप में	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
डॉ. नीरू आनंद	ए बारबाडेनोसिस स्तर पाउडर का मूल्यांकन गैसोलीन रेंज में तरल हाइड्रोकार्बन के लिए अखाद्य तेल का उत्प्रेरक क्रैकिंग	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
डॉ. बी. सरकार	बायोसर्फेक्टेंट एन्हांस्ड अल्ट्राफिल्ट्रेशन का उपयोग करके अपशिष्ट जल से भारी धातु आयनों और कार्बनिक डाई को एक साथ हटाना	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
डॉ. एस.के.शर्मा	वैकल्पिक फैलाव तकनीक का उपयोग करके सीएनटी नैनोफ्लुइड्स की तैयारी	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	1.9 लाख
डॉ. आराधना श्रीवास्तव	माइक्रोलेज और लिपिड बायोस थीसिस की हीग सेल घनत्व खेती के लिए यमुना के पानी का उपयोग/उपचार	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
डॉ. तपन सरकार	औद्योगिक अपशिष्ट जल से सीडी (आईएल) हटाने के लिए बायोएडोरबेंट के रूप में आकार और आकार नियंत्रित पत्तियों के पाउडर का संश्लेषण	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
श्रीमती सनिग्धा आचार्य	जलीय घोल से नाइट्रेट को हटाने के लिए इलेक्ट्रोकोगुलेशन प्रक्रिया	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	1.8 लाख
डॉ. दिनेश कुमार	एल्यूमिना लोडेड एफडीयू 12 और केआईटी-6 पर बबूल की लकड़ी से सुगंधित हाइड्रोकार्बन में निकाले गए लिग्निन का रूपांतरण	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख
डॉ. दिनेश कुमार	कार्यात्मक कार्बन मेसोपोटामस सामग्री का संश्लेषण और ऊर्जा भंडारण के लिए उनका प्रदर्शन विश्लेषण।	एसईआरबी, डीएसटी	02 वर्ष	2017-2018	20.67 लाख
श्री दीपक गर्ग	औद्योगिक/ऋषि अपशिष्ट से सक्रिय कार्बन का उत्पादन	जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2017-2018	2.0 लाख

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

1. पारुल सिंह और लावन्या थायिल ने नृत्य (कोरियो) में अनुगूंज '17 में पहला स्थान हासिल किया और रेंडेजवस' 17 एट लिट दिल्ली में नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया।
2. मयूरी दत्ता, श्रेयांस जैन और जयंत चंद्रा ने अनुगूंज 2017 इन वेस्टर्न सॉन्ग (ग्रुप) में जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली की टीम के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।
3. प्रिंस छोक्कर ने एलबीसिम (दिल्ली विश्वविद्यालय) और मैम में पश्चिमी संगीत (एकल) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
4. दीपाली शर्मा, रोहन कुमार, शिखर और जयंत माथुर ने आईआईटी-रुड़की में ऑग्निजेंस 2017 में केम-ई-कार में पहला स्थान हासिल किया।
5. महेश शर्मा, अर्नव, विनायक और शिवा ने आईआईटी-रुड़की, कॉग्निजेंस '2017 में केम-ई-कार में दूसरा स्थान हासिल किया।
6. सौरभ मलिक, शिखा सूरी, कृष्णा वंशी, पूजा ने केम-ई-कार में आईआईटी बीएचयू फेस्ट (ऑस्मोज '17) में दूसरा स्थान हासिल किया।
7. राहुल वर्मा और यज्ञ गुप्ता को केम-ई-कार में आईआईटी बीएचयू फेस्ट (ऑस्मोज'17) में केम-ई-कार प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
8. महेश शर्मा, अर्णव ट्रेजर हंट विजेता थे - यूएसबीटी, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में पुरस्कार (आईएसबीटी) '17 और मीडिया आकाश (यूएसएमसी)' 17 में
9. ऋषिराज तालुकदार, अमाव चौहान, देवमणि शर्मा, दिव्या ग्रोवर, एम. निखिल राव, महेश शर्मा, विनायक अग्रवाल, हितेश कपूर, केटेकी आनंद और राहुल वर्मा जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में टेडएक्स की आयोजन टीम का हिस्सा थे।
10. ऋषि आहूजा, रिदम सरदाना और तनुज हांडा ने गैर सरकारी संगठनों के लिए स्वयंसेवकों के रूप में टीच फॉर इंडिया के साथ एक शिक्षक के रूप में काम किया और विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया।
11. मेघा रतन ने इंटर कॉलेज जीजीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स मीट में डबल्स और सिंगल्स में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी में भाग लिया। उन्होंने आईआईटी दिल्ली में स्पोर्ट्स फेस्ट में तीसरा स्थान, डीटीयू दिल्ली और आईआईटी रूड़की में स्पोर्ट्स फेस्ट में पहला स्थान हासिल किया।
12. साहिल शर्मा- प्रतिभाशाली अभिनेता जिन्होंने एनआईटी- दिल्ली में प्रथम स्थान, जेआईआईटी नोएडा में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा, उन्होंने टीच फॉर इंडिया में थिएटर प्रशिक्षक के रूप में भी काम किया।
13. अपूर्व, शिवम पांडे, सक्षम ग्रोवर, केतकी आनंद, देवमणि शर्मा और अंशू यादव ने आईआईटीडी में चार दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

14. अंशुल धालीवाल

क) 27-30 दिसंबर 2017 को हल्दिया इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी-पश्चिम बंगाल में आयोजित इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स के 70 वें वार्षिक सत्र में इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ केमिकल द्वारा "साइजियम क्यूमिनी (1.) बीज से पॉलीफेनोल्स निष्कर्षण का काइनेटिक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। इंजीनियर्स (द्वितीय सीएचई)।

ख) इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स (आईआईसीएचई) द्वारा एनआईटी-राउरकेला में आयोजित स्टूडेंट्स केमिकल कांग्रेस के 13वें वार्षिक सत्र, स्कीमकॉन-2017 में "काफी बीन्स से कैफीन की अल्ट्रासाउंड सहायता से निकालने के लिए प्रक्रिया मापदंडों का अनुकूलन" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।

16. करण कुमार

क) स्प्रिंग फेस्ट 2017, आईआईटी खड़गपुर में "इंडियन ग्रुप सॉन्ग" के लिए भागीदारी का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। के विजेता के रूप में सम्मानित किया गया

ख) स्प्रिंग फेस्ट 2017, आईआईटी खड़गपुर में "एसएफ आइडल" (एकल गायन प्रतियोगिता)।

ग) "लेक साइड ड्रीमज" (ध्वनिक बैंड प्रतियोगिता) इंस्प्रिंग फेस्ट 2017, आईआईटी में विजेता के रूप में सम्मानित किया गया खड़गपुर।

घ) शंकर के साथ शंकर महादेवन को स्प्रिंग फेस्ट आइडल 2017 के लिए "उत्कृष्टता प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया महादेवन अकादमी।

ड) पुरस्कार "मल्हार" (हिंदी एकल गायन प्रतियोगिता) इंकैरोस 2017, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली के उपविजेता के रूप में।

च) पुनरुत्थान 2017 में "अनहद" (हिंदी एकल गायन) के उपविजेता के रूप में सम्मानित किया गया। मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी।

छ) एक युवा प्रतिभा के रूप में "कल के कलाकार- 2017" में प्रदर्शन के लिए कलाश्री फाउंडेशन द्वारा "भागीदारी प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया।

ज) जानकी देवी द्वारा आयोजित "हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन प्रतियोगित" के लिए द्वितीय रनर-अप के रूप में सम्मानित किया गया मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (2017)।

झ) स्प्रिंग फेस्ट 2018 में भाग लेने के लिए आईआईटी खड़गपुर द्वारा "भागीदारी प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गयासरगम (भारतीय समूह गीत), एसफिडोल (एकल गायन प्रतियोगिता) और लेक साइड ड्रीम्ज (ध्वनिक)। बैंड प्रतियोगिता)।

ञ) जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अनुगूँज 2018 में "शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता" के विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

17. सौरभ मलिक

क) 2017 में आईआईटी बीएचयू के वार्षिक टेक-फेस्ट के दौरान आयोजित केम-ई-कार प्रतियोगिता में दूसरा स्थान।

ख) यूएससीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के वार्षिक टेक-फेस्ट के दौरान शुद्ध (जल उपचार) प्रतियोगिता में दूसरा स्थान

18. अजैन अहमद

क) 2017-18: यूएससीटी स्टूडेंट चौप्टर के कार्यकारी सदस्य।

ख) 2017: वाइब्स के संपादक, वार्षिक समाचार पत्र अनुगूंज का, सांस्कृतिक जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय का उत्सव।

19. तन्मय भट्ट

2018: यूसेट स्टूडेंट चौप्टर द्वारा आयोजित ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार

20. कृष्णा

1) 2017: आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित केम-ए-कार प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार

2) 2018: आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित केम-ए-बोट प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार

8. अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ स्कूल/विभाग/त्यौहार/वार्षिक बैठकें आयोजित की जाती हैं:

क्र.सं.	उपाधि	तारीख
1	पूर्व छात्रों का मिलन समारोह	04-11-2017

9. प्लेसमेंट रिपोर्ट:

क्र.सं.	नाम	उच्च अध्ययन (एम.टेक/पीएच.डीआईएमएस/एमएससी)
1.	निर्भय कुमार	आईआईटी खड़गपुर - रसायन
2.	रिद्धिमा बनर्जी	आईआईटी दिल्ली - केमिकल इंजीनियरिंग
3.	ईशा अत्रेय	आईआईटी दिल्ली - केमिकल इंजीनियरिंग
4.	हर्षभ	आईआईटी रूड़की - केमिकल इंजीनियरिंग
5.	दिव्यांका	आईसीटी-मुंबई - पैरास्यूटिकल इंजीनियरिंगआई
6.	निकिता बनोत्रा	आईआईएससी बैंगलोर - वायुमंडलीय
7.	लव मेहन	आईआईएससी बैंगलोर - वायुमंडलीय
8.	श्रेया हंस	आईसीटी - मुंबई - जैव प्रक्रिया

क्र.सं.	नाम	प्लेसमेंट की स्थिति
1.	रानू शर्मा	वैलेटड्यूड प्रिमर्स हेल्थ केयर
2.	कमल जीत कौर	एन्ड्रवोर
3.	सिद्धार्थ	यूफ्लेक्स लिमिटेड
4.	मुकुल वर्मा	कमल इंजीनियरिंग

10. गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

वर्ष 2017: निकिता, सृष्टि प्रिया, नमन कुकरेजा, ईशा अत्रे, सारांश मोघा प्रज्ञा मनराल, कृष्णा, कुमार, चैतन्य बंसल, सौरभ मलिक, राघव खुराना, पीयूष मलिक।

11. औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे/व्याख्यान आदि:

उद्योग का नाम/व्याख्यान भेंट	तारीख	स्थान
भारतीय राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	21 अप्रैल 2017	कमल

12. औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे/व्याख्यान आदि:

क) प्रदान की गई/पूरी की गई/प्रस्तुत की गई पीएचडी की कुल संख्या: 06

ख) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 01

ग) वर्तमान पीएच.डी. की कुल संख्या: 15

क्र.सं.	विद्वानों के नाम	उपाधि	पंजीकरण की तारीख	स्थिति
1.	श्री दिनेश कुमार	जैव प्रौद्योगिकी के लिए चुंबकीय नैनोमटेरियल्स का विकास	2011 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
2.	श्रीमती रुचिका तंवर	उत्प्रेरक क्षरण और अपशिष्ट जल से कार्बनिक बहिस्त्राव को हटाना	2012 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
3.	श्री सुदीप अस्थाना	कम लागत वाले अधिशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातु आयनों को हटाना	2012 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
4.	सुश्री उपासना बाल्यान	पौधों के अर्क से पॉलीफेनोलिक यौगिकों के शुद्धिकरण और सांद्रण के लिए एक झिल्ली आधारित एकीकृत प्रक्रिया	2013 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
5.	सुश्री बबीता	नैनो पर अध्ययन - गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोग के लिए तरल पदार्थ	2013 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
6.	सुश्री श्वेता गुप्ता	जैव-अवशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातुओं को हटाने पर अध्ययन	2014 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार

4.5 विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	मियाद	स्वीकृत प्रवेश	कुल क्षमता (सेमेस्टेर वार)
1.	एम.एड.	2 साल	50	86
2.	पीएच.डी.	(मानदंडों के अनुसार)	-	33

2. पत्रिकाओं में संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) प्रदान की गई/पूरी की गई/प्रस्तुत की गई पीएचडी की कुल संख्या: 06

प्रो.धनंजय जोशी

1. धनंजय जोशी, एट अल, 2017, माता-पिता को खोजने के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन के प्रति धारणाएँ दिल्ली में प्राथमिक विद्यापीठों में सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता
2. एडिसेंट-एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड जर्नल, वी ओएल. 3-एन-1, आईएसएसएन -2394-9546, 34-39
3. धनंजय जोशी, एट अल, 2017, अधिक स्वायत्त अग्रणी पर्यावरण के लिए शैक्षिक अनुसंधान में गुणात्मक तरीके, सहयोग में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एमवीसीओई, नई दिल्ली, खंड 1, सम्मेलन। कार्यवाही, पृष्ठ 3-4
4. धनंजय जोशी, एट अल, 2017, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यापीठ शिक्षकों की अनुपस्थिति की खोज का एक अध्ययन, बदलते परिदृश्य में शिक्षक शिक्षा को बदलने का जीएनसी जर्नल, वॉल्यूम। 12, एन-1,आईएसएसएन-24567922, पी-1-16

प्रो संगीता चौहान

1. संगीता चौहान, 2017, शिक्षक शिक्षा कॉलेजों पर अकादमिक ऑडिट का प्रभाव विश्वविद्यालय समाचार, खंड 53 (19), पीपी-11-14
2. संगीता चौहान, संयुक्त, 2017, भगवत गीता के श्लोकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के घटकों पर चिंतन, एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, वॉल्यूम.12(2), पीपी.72-80
3. संगीता चौहान, संयुक्त, 2017, माध्यमिक विद्यापीठ के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में पर्यावरण जागरूकता का एक अध्ययन, एक्सीलेंस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, खंड 4(9)
4. संगीता चौहान, 2017, लिंग और स्कूलों के प्रकार के संबंध में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अध्ययन, यूफियस-एन इंटरनेशनल रिसर्च रेफरीड जर्नल, वॉल्यूम। 4(2), पृ-1-11
5. संगीता चौहान, संयुक्त, 2017, राजस्थान राज्य के गुर्जर विद्यार्थियों की उच्चतर माध्यमिक स्टार पर शैक्षणिक स्थिति (शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेम) का विश्लेष्णात्मक अध्ययन साउथ एशिया जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एसएजेएमएस, वॉल्यूम 3(6), पीपी-101-104
6. संगीता चौहान, संयुक्त, 2017, राजस्थान राज्य के गुर्जर विद्यार्थियों की उच्चतर माध्यमिक स्टार पर शैक्षिक स्थिति (शैक्षिक समस्याओं) का विश्लेष्णात्मक अध्ययन, ग्लोबल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, खंड 6(8), 264-267

डॉ. अमित आहूजा

1. अमित आहूजा, 2017, शिक्षक शिक्षा में ई-लीमिंग का महत्व, एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, बारहवीं, 3,80-85
2. अमित आहूजा, 2017, माध्यमिक विद्यापीठ के छात्रों के बीच विज्ञान उपलब्धि स्कोर के संबंध में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अध्ययन, एजुकेशनल क्वेस्ट, 8,1,9-16
3. अमित आहूजा, 2017, भावनात्मक बुद्धिमत्ता: अवधारणा, प्रतिमान और निहितार्थ, जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन XLIII, 1, 5-14।
4. अमित आहूजा, 2017, माध्यमिक विद्यापीठ के छात्रों के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण और लिंग के संबंध में शैक्षणिक चिंता का अध्ययन, शिक्षण अन्वेषिका, 7,2, 70-75
5. अमित आहूजा, 2017, लीमिंग के लिए आवश्यक तत्वों के रूप में भावना और अनुभूति का महत्व, साइनेज, 5,2, 116-125

डॉ. अंजलि शौकीन

1. अंजलि शौकीन, 2017, वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक समायोजन का एक अध्ययन, एजुकेशनलक्वेस्ट, वॉल्यूम। 8, नहीं. 1, पीपी. 33-36, अप्रैल 2017, 0976-7258

2. अंजलि शौकीन, 2017, 21 के लिए शिक्षक शिक्षा में सर्वोत्तम अभ्यास अनुसूचित जनजाति सेंचुरी यूनिवर्सिटी न्यूज, वॉल्यूम। 55, नहीं. 28,जुलाई 10-16, 2017, 0566-2257

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात:

धनंजय जोशी, एट अल, 2017, अधिक स्वायत्त अग्रणी पर्यावरण के लिए शैक्षिक अनुसंधान में गुणात्मक तरीके, सहयोग में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एमवी सीओई, नई दिल्ली, खंड 1, सम्मेलन। कार्यवाही, 3-4

ग) पुस्तकें अध्याय:

धनंजय जोशी, 2017, द वैल्यूज पीस एंड हार्मनी अंडरस्टैंडिंग द सेल्फ वीएल मीडिया एंड सॉल्यूशंस, 186-206।

घ) कोई अन्य प्रकाशन:

आईएसबीएन नंबर के साथ वीएलएमएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा प्रो. धनंजय जोशी द्वारा "मधुर स्मृति कमल" शीर्षक पर काव्य पुस्तक। जुलाई 2017 में 978938622961।

3. सेमिनार/कार्यशाला सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

संकाय का नाम	आयोजक/शीर्षक	अवधि	स्थान
प्रो. धनंजय जोशी	"वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शांति और मूल्य शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11.04.17-13.04.17	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. धनंजय जोशी	डिजिटल इंडिया के लिए एम-लर्निंग ऐप्स	18.07.2017 -20.07.2017	कम्प्यूटिंग सम्मेलन 2017, लंदन, यूके
प्रो. धनंजय जोशी	एनएएसी ने उच्च शिक्षा में समृद्ध शिक्षक-शिक्षण वातावरण के निर्माण के लिए नवीन शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित किया	29.01.18 -30.01.18	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, दिल्ली
प्रो. धनंजय जोशी	सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में शिक्षक, शिक्षक शिक्षक और शैक्षिक संगठन	21.09.2017- 22.09.2017	जीआरडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली से संबद्ध
डॉ. अमित आहूजा	वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शांति और मूल्य शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11.04.17- 13.04.17	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. अमित आहूजा	एसोसिएशन ऑफ इनोवेटिव एजुकेशन द्वारा "वैश्वीकरण और कल्याण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया	14.04.17- 16.04.17	शिक्षा विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ, उ.प्र.
डॉ. अमित आहूजा	ब्रिटिश एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (BERA) द्वारा आयोजित BERA वार्षिक सम्मेलन 2017 आयोजित किया गया	05.09.17- 07.09.17	ससेक्स विश्वविद्यालय, ब्राइटन, यूनाइटेड किंगडम
डॉ. अमित आहूजा	"सतत विकास में डिजिटलीकरण की भूमिका: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	16.09.17- 17.09.17	शिक्षा विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
डॉ. अमित आहूजा	ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (GERA) का 6 वां विश्व सम्मेलन	24.11.17- 25.11.17	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, रयातबाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब
डॉ. अमित आहूजा	"शिक्षक शिक्षा: विकास, चुनौतियां और भविष्य के अनुमान" पर आईएटीई का 51 वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आईएटीई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।	22.12.17- 23.12.17	शिक्षा विभाग, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु

डॉ. अमित आहूजा	एनएएसी ने उच्च शिक्षा में समृद्ध शिक्षक शिक्षण वातावरण के निर्माण के लिए नवीन शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित किया	29.01.18- 30.01.18	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, दिल्ली
डॉ. अमित आहूजा	शैक्षिक मनोविज्ञान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	15.03.18- 16.03.18	शिक्षा विभाग, उत्तर - पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा आयोजित

4. स्कूलों/विभागों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	संगठन का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1.	"बहु-अनुशासनात्मक" पर एफडीपी अनुसंधान के लिए दृष्टिकोण और कानून और प्रौद्योगिकी में विकास	15.07.17-31.07.17	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज,जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली	30
2.	उच्च शिक्षा में समृद्ध शिक्षण - अधिगम वातावरण के निर्माण के लिए अभिनव शिक्षाविदों पर राष्ट्रीय सम्मेलन	29-30 जनवरी 2018	यूएसई जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय NAAC द्वारा प्रायोजित	120
3.	"वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शांति और मूल्य शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11-13 अप्रैल, 2017	यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	120
4.	एमएड के लिए प्लेसमेंट व्याख्यान। 1 और 2 वर्ष	20 मार्च 2018	यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	73
5.	एमएड प्रथम वर्ष के लिए यूएसई में कैरियर परामर्श कार्यशाला	22 मार्च 2018	यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	39
6.	यूएसई में कैरियर परामर्श कार्यशाला एमएड द्वितीय वर्ष	26 मार्च 2018	यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	34
7.	महिलाओं और काम पर व्याख्यान	26 मार्च 2018	यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	50
8.	एमएड द्वितीय वर्ष के लिए यूएसई में कैरियर परामर्श कार्यशाला	27 मार्च 2018	यूएसई, जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय	34

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	पद का नाम	दिनांकित	उपलब्धियों का विवरण	राशि (रुपये में)
1.	प्रो.धनंजय जोशी	डीन, यूएसई	10.3.2018	द्वारका सृजन श्री पुरस्कार 2018	स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र

6. अतिरिक्त सह पाठ्यक्रम गतिविधियां/त्यौहार वार्षिक स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित बैठकें:

क्र.सं.	घटनाओं का नाम	अवधि	घटना का विवरण
1.	अभिविन्यास कार्यक्रम	अगस्त 2017	नए प्रवेशित छात्रों के लिए
2.	शिक्षक दिवस समारोह स्थापना दिवस	सितंबर 2017	यूएसई में कार्यक्रम
3.	व्याख्यान	अक्टूबर 2017	यूएसई में कार्यक्रम
4.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	नवंबर 2017	यूएसई में कार्यक्रम

7. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

क) कुल चल रहे पीएचडी पंजीकृत शोधार्थी: 33

8. जेआरएफ-नेट/गेट का विवरण

क्र.सं.	छात्रों की संख्या (नेट)	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	01	यूजीसी-जेआरएफ

4.6 विश्वविद्यालय विद्यापीठ पर्यावरण का प्रबंध

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल क्षमता
01.	एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन)	02 वर्ष	25	47
02.	एमएससी (जैव विविधता और संरक्षण)	02 वर्ष	20	38
03.	एमएससी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)	02 वर्ष	25	33

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल आदि के संबंध में स्कूलों/केंद्रों/विभागों में नए सेटअपों के बारे में विवरण:

क्र.सं.	प्रयोगशालाओं का नाम	कमरा नं.
1.	वायु और जल गुणवत्ता एल एबी (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल -017
2.	जियोमैटिक्स लैब (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल -018
3.	पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी लैब (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल -तेल
4.	जैव विविधता और संरक्षण प्रयोगशाला- I (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल -503
5.	पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल -009
6.	पारिस्थितिकी लैंडस्केप लैब (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल -113
7.	ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन प्रयोगशाला (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल -012
8.	जैव विविधता और संरक्षण प्रयोगशाला -आईएल (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल -504
9.	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और विपक्ष जीवविज्ञान प्रयोगशाला (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल -404
10.	उन्नत इंस्ट्रूमेंटेशन लैब	एटीएल -010

प्रयोगशालाएँ (मौजूदा)

बी1 स्कूल के प्रकाशन (पत्रिकाएँ/समाचार पत्रिकाएँ आदि)

1. 'जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण' पर सम्मेलन की कार्यवाही रणनीतियाँ। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। एड ए कौशिक, जेके गर्ग, पी.भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता, आर. सिंह और वी. जोशी। 2017 संपादक.पीपी 173. आईएसबीएन 9789384871086।
2. यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, एलुमनी एसोसिएशन, वार्षिक समाचार पत्र, नेचर स्केप-एन इंटरफेस फॉर ग्रीन इनोवेटर्स, खंड- I, अंक- I, 2018।

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. एनसी गुप्ता

1. कुमारी, पी., गुप्ता, एनसी और कौर, ए., 2017. नगरपालिका ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइटों से भूजल प्रदूषण संभावित खतरों की समीक्षा: मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव का आकलन। एविसेना जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ इंजीनियरिंग, 4(1)
2. गर्ग, ए., दरबारी, टी., त्यागी, एसके, और गुप्ता, एनसी, 2017, परिवेशीय वायु गुणवत्ता और गैर पर अध्ययन भारत के उत्तरी क्षेत्र में प्राप्ति शहर, इंडियन जर्नल ऑफ एयर पॉल्यूशन कंट्रोल, 16(2),76-84।
3. सिंह, एस., भट्टाचार्य, पी., और गुप्ता, एनसी (2018)। धूल के कण लक्षण वर्णन और जन्मजातशहरी क्षेत्र के विभिन्न भूमि-उपयोग पैटर्न में थेवेटिया पेरुवियाना के लिए प्रतिरोध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 15(5), 1061-1072।
4. डैश, पीके, गुप्ता, एनसी, रावत, आर. और पंत, पीसी, 2017। सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के आधार पर एक उपन्यास जलवायु वर्गीकरण मानदंड। सौर ऊर्जा, 144, 92-398।

5. जैन, एस., शर्मा, एस. के., चौधरी, एन., मासीवाल, आर., सक्सेना, एम., शर्मा, ए., मंडल, टी.के., गुप्ता, ए., गुप्ता, एनसी और शर्मा, सी., 2017। दिल्ली, भारत के एक शहरी स्थल पर पीसीए/एपीसीएस, यूएनएमआईएक्स और पीएमएफ का उपयोग करके पीएम 25 की रासायनिक विशेषताओं और स्रोत का विभाजन। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 24(17),14637-14656।

6. जैन, एस., शर्मा, एसके, चौधरी, एन., मासीवाल, आर., सक्सेना, एम., शर्मा, ए., मंडल, टीके, गुप्ता, ए., गुप्ता, एनसी और शर्मा, सी., 2017. पीएम की रासायनिक विशेषताएं और स्रोत विभाजन
2.5 दिल्ली, भारत के एक शहरी स्थल पर पीसीए/एपीसीएस, यूएनएमआईएक्स और पीएमएफ का उपयोग करना। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 24(17),14637-14656।

प्रो. अनुभा कौशिक

1. घोष, पूजा, ठाकुर, एल. एस. कौशिक, ए., 2017. लैंडफिल लीचेट के विषैले जोखिम मूल्यांकन के लिए बायोएसेज: अरेव्यू। इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण सुरक्षा। 141:259-270. एल्सेवियर, (प्रभाव कारक 2017: 3.974)

2. बजर, एस, सिंह, ए, सीपी कौशिक, कौशिक, ए (2017) सब्सट्रेट के इंटरैक्टिव प्रभाव के तहत मीथेन जैव-ऑक्सीकरण को बढ़ाने के लिए डंपसाइट मिट्टी की उपयुक्तता का सांख्यिकीय मूल्यांकन औरतापमान। अपशिष्ट प्रबंधन 63:188-195 एल्सेवियर (प्रभाव कारक 2017: 4.723)

3. बी किरण, कौशिक, ए और रमन प्रीत। (2017) निरंतर नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन और कीचड़ रोगाणुओं के संघ का उपयोग करके डिस्टिलरी अपशिष्ट जल से कार्बनिक प्रदूषकों को हटाना। इंट. जे. एनवायरन., केम., इकोल, जियोल. और जियाफेाइइंजी. 11(6): 510-514

4. निशा, आर., ए. कौशिक, ए. सागर, बी. किरण। (2017)। भारत के हिसार के एरिडिसोल्स से नोस्टॉक के कुछ उपभेदों में हेलोफिलिज्म। फाइकोलोगिया 56(4): 156, एल्सेवियर (प्रभाव कारक 2017:1.798)

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

1. सिंह, एस., पी. भट्टाचार्य और एनसी गुप्ता (2017), धूल कण लक्षण वर्णन और जन्मजात शहरी क्षेत्र के विभिन्न भूमि उपयोग पैटर्न में थेवेटिया पेरुवियाना के लिए प्रतिरोध, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1735-1472

प्रो. वरुण जोशी

1. रावत, एमएस, डोभाल, आर., जोशी, वी. और सुंदरियाल, वाईपी (2017) । भूस्खलन जोखिम क्षेत्र अध्ययन में पूर्वी भारतीय हिमालय क्षेत्र. भू-संसाधन और पर्यावरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. खंड 3(1), पृष्ठ 35-46

2. कत्याल, डी., तोमर, टी. और जोशी, वी. (2017)। भूजल भेद्यता मूल्यांकन तकनीकों में हालिया रुझान: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च 2017य 3(5): पृ. 646-655

प्रो रीता सिंह

1. स्केले पीए, जी. जू, डब्ल्यूआई टैंग, एजे लिंडस्ट्रॉम, टी. मार्लर, केजे सिंह, आर. सिंह, पी. राधा और एस. रिच (2017), एशिया में साइकस (साइकाडेसी) में रहने वाले साइकाडोफिला जू, टैंग और स्केली (कोलोप्टेरा: एरोटिलिडे: फराक्सोनोथिने) की समीक्षा, एक नई उपजाति और तेरह नए के विवरण के साथ प्रजाति, जूटाक्सा, 1175-5326

2. पॉल, एम., एसके दास, आर. सिंह और पीसी पठानिया (2017), दिल्ली, भारत के चयनित क्षेत्रों में पतंगों (लेपिडोप्टेरा: हेटेरोसेरा) का अध्ययन और अद्यतन चेकलिस्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, वॉल्यूम। 0975-833एक्स

डॉ किरणमय सरमा

1. जोशी, एम., के. सरमा और एसके दास (2017), भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय रेगिस्तान मॉनिटर (वारानस ग्रिसियस कोनीजनी मर्टेंस 1954) का पर्यावास उपयुक्तता विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजिकल रिसर्च, खंड 13(3) 105-112

2. कुमारी, एम. और सरमा, के (2017), सिंगरौली जिले, मध्य प्रदेश, भारत में थर्मल पावर प्लांट के आसपास भूमि उपयोग/कवर के संबंध में भूमि की सतह के तापमान में बदलाव, स्थानिक सूचना अनुसंधान, वॉल्यूम। 25 (6) 1-9

3. तोमर, एसके; कौर, ए.; डांगी, हांगकांगय घवाना, टी. और सरमा, के. (2017), दक्षिण-पश्चिम दिल्ली दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली, भारत के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोण और शमन उपायों का उपयोग करके अग्नि जोखिम विश्लेषण, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में उभरते अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। वॉल्यूम. 6(8)131-137

4. कुमारी, एम. और सरमा, के. (2017), सिंगरौली जिले, मध्य प्रदेश, भारत में एक थर्मल पावर प्लांट के आसपास भूमि उपयोग/कवर की स्थानिक-अस्थायी गतिशीलता, जर्नल ऑफ एप्लाइड जियोलॉजी एंड जियोफिजिक्स, वॉल्यूम। 5(4)8-13
5. त्यागी, सी., गुप्ता, एन. सी., और सरमा, के. (2018), दिल्ली, भारत के आवासीय उपनगर में पीएमएलओ एरोसोल का कार्बोनेशियस सामग्री विश्लेषण, पर्यावरण और हम इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
6. त्यागी, सी., गुप्ता, एन. सी., और सरमा, के. और पाठक यू (2018), दिल्ली में ब्लैक कार्बन एरोसोल की मौसमी और दैनिक भिन्नता और पीएम 25 और मौसम संबंधी मापदंडों के साथ उनका अंतर्संबंध, वैकल्पिक ऊर्जा, पर्यावरण और पारिस्थितिकी में उन्नत अनुसंधान जर्नल
7. चारु त्यागी, एनसी गुप्ता और किरणमय सरमा (2018), दिल्ली में आवासीय उपनगर में दिवाली, 2016 और 2017 के दौरान आग पटाखा प्रकरण के कारण अल्पकालिक प्रदूषण का माप, प्रदूषण अनुसंधान

डॉ. अंशु गुप्ता

1. ऋचा भारद्वाज, अंशू गुप्ता, जेके गर्ग (2017) यमुना नदी, दिल्ली विस्तार, भारत के लिए पर्यावरणमिति और अनुक्रमण दृष्टिकोण का उपयोग करके भारी धातु संदूषण का मूल्यांकन। जल विज्ञान. 31:52-66.
2. अमरीक भट्टाचार्य, निधि गोयल और अंशू गुप्ता (2017) अल्कलिफिलिक, हेलोटोलरेंट नेस्टेरेनकोनिया लैकुसेखोएन्सिस ईएमएलए 3 द्वारा ओजो डाई मिथाइल रेड का क्षरण: क्षारीय और नमक समृद्ध रंगाई अपशिष्ट उपचार में अनुप्रयोग। अतिप्रेमी. 21: 479-490.(प्रभाव कारक-2.24)
3. एस. जैन, एस.के. शर्मा, एन. चौधरी, आर. मासीवाल, एम. सक्सेना, ए. शर्मा, टीके मंडल, अंशुगुप्ता, एनसी गुप्ता, सी. शर्मा (2017) दिल्ली, भारत के एक शहरी स्थल पर पीसीए/एपीसीएस, यूएनएमआईएक्स और पीएमएफ का उपयोग करके पीएम2.5 की रासायनिक विशेषताएं और स्रोत विभाजन। पर्यावरण. विज्ञान. मतदान. रेस. 24: 1463 7-14656. (प्रभाव कारक-2.74)
4. अंजुम सिंघल, निकिता सिंघल, अमरीक भट्टाचार्य और अंशू गुप्ता (2017) जीवाणुरोधी और डाई डीकोलोराइजिंग एजेंटों के रूप में संभावित अनुप्रयोग के लिए फिकस रेटुसा लीफएक्सट्रैक्ट का उपयोग करके सिल्वर नैनोकणों (एजीएनपी) का संश्लेषण। अकार्बनिक और नैनो-धातु रसायन विज्ञान। 47: 1520-1529. (प्रभाव कारक-0.49).
5. एसके शर्मा, पी. अग्रवाल, टीके मंडल, एसजी करापुरकर, डीएम शेनॉय, एसके पेशिन, अंशू गुप्ता, एम. सक्सेना, एस. जैन, ए. शर्मा (2017) ऑड-ईवन रणनीति के दौरान मेगासिटी दिल्ली, भारत की परिवेशीय वायु गुणवत्ता पर अध्ययन। MAPAN32: 155-165। (प्रभावकारक-1.00)

डॉ. दीक्षा कत्याल

1. कत्याल, डी., टी. तोमर और वी. जोशी (2017), भूजल भेद्यता मूल्यांकन तकनीकों में हालिया रुझान: एक समीक्षा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 2394-5869
2. बंसल, एस., डी. कात्याल और जे.के. गर्ग (2017), मल्टीस्पेक्ट्रल MODIS डेटा का उपयोग करके आर्द्रभूमि क्षेत्र निष्कर्षण के लिए एक उपन्यास रणनीति, रिमोट सेंसिंग ऑफ एनवायरनमेंट, वॉल्यूम 200, 183-205 (0034-4257)

डॉ. पंपोश

1. जिनी मुराओ, हिम्मत सिंह और पंपोश, (2017)। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली में पिंजरे में बंद फासिएनिड्स पर तनाव का अध्ययन। जूलॉजी अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. खंड 2(6); पीपी 70-74

डॉ. संजय के. दास

1. जोशी, एम., के. सन्ना और एसके दास (2017)। भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय रेगिस्तान मॉनिटर (वारानस ग्रिसियस कोनीजनी मर्टेंस, 1954) का पर्यावास उपयुक्तता विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजिकल रिसर्च 13 (3): 105-112
2. पॉल, एम., एसके दास, आर. सिंह और पीसी पठानिया (2017)। दिल्ली, भारत के चयनित क्षेत्रों में पतंगों (लेपिडोप्टेरा: हेटेरोसेरा) का अध्ययन और अद्यतन चेकलिस्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च 9(8): 56208-56214।
3. मलिक, एस., एम सिलिवाल, एसके दास (2017)। भारत से नर स्टार-लेग्ड स्पाइडर यूरोक्टिया थैलेरी (रिम्स, सैंटोस और वान हार्टन, 2007) (अरानेई: ओकोबिडी) की पहली रिपोर्ट। यूरोपियन जर्नल ऑफ जूलोगिका 1 रिसर्च 5(1): 15-18।

डॉ. सुमित डूकिया

1. डूकिया, एस., जी. सिंह और आर. मिश्रा (2017)। थार रेगिस्तान, राजस्थान, भारत से फुलवस लीफ-नोज्ड बैट हिप्पोसाइडेरोस फुलवस ग्रे, 1838 (स्तनधारी: चिरोपटेरा: हिप्पोसाइडरिडे) का पुन: देखे जाने का रिकॉर्ड। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा 9(1): 9764-9767;http:@doi-org@10-11609@jott-2657-9-1-9764-9767
2. सिंह, ए.; मुखर्जी, ए.; डूकिया एस. और कुमारा, एचएन (2017)। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर, राजस्थान में स्तनपायी प्रजातियों और अनगुलेट्स की जनसंख्या स्थिति का एक अद्यतन विवरण। वर्तमान विज्ञान, 113 (1): 103-111;http://doi: 10-18520@lh,l@v113@i01/103-111
3. बिस्वास, जे.; डूकिया, एस. और फैसल, एम. (2017)। नए परिवर्धन और दिल्ली, भारत से एक एनोटेट चेकलिस्ट के साथ दिल्ली की तितलियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजी स्टडीज. 2(6):4-10.
4. सिंह, पी.; कौर, ए. और डूकिया, एस. (2017)। एक्स-सीटू वातावरण में स्थायी प्रबंधन और संरक्षण के लिए मणिपुर ब्रो-एंटलर्ड हिरण (रुसेर्वस एल्डी एल्डी) के व्यवहार और स्वास्थ्य स्थिति पर एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजी स्टडीज. 2(6): 150-156.
5. रावत, एम., और डूकिया, एस. (2017)। थार रेगिस्तान के पवित्र उपवन: पश्चिमी राजस्थान के कोलू पाबूजी ओरन और इसकी जैव विविधता प्राफेइलिंग का एक केस अध्ययन। जूलॉजी अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2(6): 201-207.
6. मिश्रा, आर., डूकिया, एस., सिंह, एमके, सुल्ताना, ए और भट्टाचार्य, पी. (2017)। पारिस्थितिक और दिल्ली, भारत में ब्लीथ्स हॉर्सशू बैट, राइनोलोफस लेपिडस की ध्वनिक-कॉल विशेषताएँ।
परिवेश विज्ञान, 2018: वॉल्यूम। 05(1); onlineDOI:10-21276/ambi-2018-05-l-ra02-

डॉ. तुइसेम शिमराह

1. नीतू रानी, भूपेन्द्र सिंह, तुइसेम शिमराह, (2017)। 'एक अवशोषक के रूप में इकोर्निया का उपयोग करके जलीय घोल से क्रोमियम (VI) हटाना' जल पुन: उपयोग और विलवणीकरण जर्नल, IWA प्रकाशन, वॉल्यूम। 7(4),461-467. आईएसएसएन: 2220-1319. (Hlndex: 8, प्रभावकारक: 0.688)
2. शिमराह, टी., 2017. पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक पर्वतीय समुदायों में सतत परिदृश्य प्रबंधन के लिए वन, स्थानांतरण कृषि और रणनीतियाँ। राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान पेत्र, 40 (2): 349-353।
3. शिमराह, टी., 2017। पूर्वोत्तर भारत में तांगखुल जनजाति के पर्वतीय समुदाय के लिए जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियों के रूप में पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान प्रणाली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एंड इकोलॉजिकल इंजीनियरिंग,11 (7); 671-676।
4. रानी, एन., सिंह, बी. और शिमराह, टी. 2017. जलीय घोल से क्रोमियम हटाना
इकोर्नियाएक अवशोषक के रूप में. जर्नल ऑफ वॉटर रीयूज एंड डिसेलिनेशन, 4(1):461-467।

डॉ.नीतू रानी

1. नीतू रानी, भूपेंदर सिंह, तुईसेम शिमराह, 2017। 'एक अधिशोषक के रूप में इकोर्निया का उपयोग करके जलीय घोल से क्रोमियम (VI) हटाना' जल पुन: उपयोग और विलवणीकरण जर्नल, आईडब्ल्यूए प्रकाशन, वॉल्यूम। 7(4),461-467. आईएसएसएन: 2220-1319.

बी) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. एनसी गुप्ता

1. कुमारी, पी., कौर, ए., गुप्ता, एनसी और चड्ढा, डीके (2017)। लैंडफिल साइट के पास जल गुणवत्ता सूचकांक का उपयोग करके भूजल गुणवत्ता का प्रारंभिक मूल्यांकन: गाजीपुर, दिल्ली का एक केस अध्ययन। रसायन, कृषि, जैविक और पर्यावरण विज्ञान पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कुआलालंपुर, मलेशिया। 14-1 दिसंबर 2017. आईएसबीएन 978-93-86878-06-9.
2. सिंह, एस., गुप्ता, एन. सी., और भट्टाचार्य, पी. (2017)। शहरी क्षेत्र में चार पौधों की प्रजातियों के लिए देखे गए जैव रासायनिक और भौतिक लक्षणों के माध्यम से वायु प्रदूषण प्रतिरोध प्रतिक्रियाओं का आकलन, पीपी 32-40। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू द्वारा जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, पीपी: 24-31 डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

प्रो. अनुभा कौशिक

1. आराधना सिंह और ए कौशिक, 2017। अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा उत्पादन के लिए माइक्रोबियल ईंधन सेल प्रौद्योगिकी: जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों में संभावनाएं और चुनौतियां। (संपादक. सिंह ए. और कौशिक ए.). पीपी. 96 से 102; ic1- डीबीएच प्रकाशक और वितरक। (आईएसबीएन नंबर- 13: 978-93-84871-08-6).
2. रमन प्रीत और ए कौशिक (2017) बायोहाइड्रोजन उत्पादन और स्वदेशी कीचड़ रोगाणुओं का उपयोग करके डिस्टिलरी अपशिष्ट जल से कार्बनिक प्रदूषकों को हटाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही पीपी: 128-132 डीबीएच प्रकाशक, नई दिल्ली
3. सिमरनजीत सिंह, ए. कौशिक, सीपी कौशिक (2017) कृषि अपवाहन निर्मित आर्द्रभूमि सूक्ष्म जगत से पोषक तत्वों का निष्कासन। यूनिवर्सिटी स्कूल द्वारा जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही पर्यावरण प्रबंधन, जीजीएसआईपीयू पीपी. 64-68, डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. सोमवीर बजार, अनीता सिंह, सीपी कौशिक, ए. कौशिक (2017) सॉ डस्ट संशोधित डंपसाइट मृदा बायोकवर का उपयोग करके मीथेन बायो-ऑक्सीकरण की जांच करने के लिए महत्वपूर्ण कारकों की चयनात्मक स्क्रीनिंग। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू द्वारा जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही पीपी: 24-3 एलडीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली
5. योगिता प्रभाकर, अंशू गुप्ता, ए. कौशिक (2017) नेस्टेरेनकोनिया एसपी का उपयोग करके स्थैतिक शोरबा अध्ययन में एसिड लाल 3आर डाई का जैव-निष्कासन। पीपी 133-137 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू द्वारा जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही पीपी: 24-31 डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली

डॉ किरणमय सरमा

1. कुमारी, एम.; सरमा, के., शर्मा, आर. और कर्माकर, एस (2017), भूमि सतह तापमान का मात्रात्मक अनुमान और सिंगरौली जिले, मध्य प्रदेश, भारत में महान एस्सार थर्मल पावर प्लांट के आसपास भूमि उपयोग/कवर के साथ इसका संबंध। सम्मेलन की कार्यवाही: 37वीं आईएनसीए अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, देहरादून

सी) पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

डॉ वरुण जोशी

1. कुमार, पी. और जोशी, वी. (2017)। जल उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सुबामरेखा नदी के ऊपरी जलक्षेत्र पर जल विज्ञान मॉडल स्वाट का अनुप्रयोग। जलवायु परिवर्तन में, संसाधन संरक्षणऔर सतत रणनीतियाँ। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
   ए. कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता, आर. सिंह और वी. जोशी. पीपी 10-18
2. रिजवी, एन., कात्याल, डी.. और जोशी, वी. (2017)। जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और सतत रणनीतियों में हिंडन नदी के जल गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए एक बहुभिन्न:पी सांख्यिकीय दृष्टिकोण। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। Eds।. कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता,
   आर. सिंह और वी. जोशी. पीपी 44-52
3. कात्याल, डी., तोमर, टी. और जोशी, वी. (2017)। जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और सतत रणनीतियों में दिल्ली, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में भूजल भेद्यता का आकलन करने के लिए जीआईएस आधारित कठोर मॉडल। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। एड ए. कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता, आर. सिंह और वी. जोशी। पीपी 69-74
4. त्यागी, एस., अरेंद्रन, जी., कृष्णा, आर., जोशी, वी. और सरमा, के. (2017)। स्मार्ट सिटी की साइट उपयुक्तता; भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, गुड़गांव जिले, हरियाणा का एक केस अध्ययन। जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और सतत रणनीतियों में। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। एड ए. कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता, आर. सिंह और वी. जोशी। पीपी 159-166

प्रो. अनुभा कौशिक

1. जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और सतत रणनीतियाँ। डीबीएच पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। Eds।. कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एनसी गुप्ता, आर. सिंह और वी. जोशी. 2017. पीपी 173. आईएसबीएन 9789384871086

डॉ किरणमय सरमा

1. गौतम, ए.; अरेंद्रन, जी.; राज, के.; सिंह, आर.; सरमा, के. और यादव, वी. (2017), भू-स्थानिक तकनीकों, जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों, डीबीएच प्रकाशकों और वितरकों का उपयोग करके रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान के वन आवरण परिवर्तन का पता लगाना। नई दिल्ली, 75-80

2. शर्मा, पी.; अरेन्द्रन, जी.; राज, के. और सरमा, के. (2017), उत्तर-पश्चिम के भू-तापीय संसाधन हिमालय उप प्रांत, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों का उपयोग करते हुए, डीबीएच प्रकाशक और वितरक। नई दिल्ली,120-127

3. त्यागी, एस.; अरेन्द्रन, जी.; राज, के.; जोशी, वी. और सना, के (2017), स्मार्ट सिटी की साइट उपयुक्तता: भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों, डीबीएच प्रकाशकों और वितरकों का उपयोग करके गुड़गांव जिले, हरियाणा का एक केस अध्ययन। नई दिल्ली, 159-166.

डॉ. एस. के. दास

1. मलिक, एस., एम. कौर, एम. जोशी, एम. पॉल, एसके दास (2017)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय परिसर, द्वारका, नई दिल्ली की जीव विविधता पर एक अध्ययन। जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियाँ, 81-86।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया

प्रो. एनसी गुप्ता

1. MoEFCC, भारत सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम सम्मेलन - वन्यजीव संरक्षण में लोगों की भागीदारी में आमंत्रित प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। भारत, अशोका होटल, नई दिल्ली, 2 अक्टूबर-05 अक्टूबर, 2017 नई दिल्ली।
2. 'भारत में अपशिष्ट प्रबंधन: स्वच्छता के लिए एक चुनौती' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित रिसोर्स पर्सन ने भारत में अपशिष्ट प्रबंधन: स्थिति, मुद्दे और चुनौतियां पर एक व्याख्यान दिया, महानिदेशक उच्च शिक्षा, हरियाणा द्वारा 16 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया। रसायन विज्ञान और जीवन विज्ञान विभाग, आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद, मारकंडा, हरियाणा।
3. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर पूर्ण सत्र में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। 5 जून, 2018 को भारत का विज्ञान भवन, नई दिल्ली।
4. दिल्ली एनसीआर और उससे आगे सतत गतिशीलता पर एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया: प्रयासों से अधिक कैसे प्राप्त करें, सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, दिल्ली जोनल सेंटर, 13 मार्च, 2018, पूसा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

प्रो. अमरजीत कौर

1. 13 से 14 अक्टूबर 2017 के दौरान "आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भोपाल, एमपी, आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल में एक सत्र में पैनलिस्ट के रूप में "आपदा प्रबंधन में शिक्षा जगत की भूमिका" पर चर्चा/व्याख्याता प्रस्तुत करने के लिए

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

1. इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फॉरेस्ट रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (आईयूएफआरओ) की 125वीं वर्षगांठ कांग्रेस, "इंटरकनेक्टिंग फॉरेस्ट्स, साइंस एंड पीपल" 18-22 सितंबर, 2017 को फ्रोइबर्ग, जर्मनी में आईयूएफआरओ द्वारा आयोजित की गई।

प्रो. अनुभा कौशिक

1. पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रणाली, न्यूयॉर्क, 4-6 जून, 2017 (2017) पर 31वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कीचड़ रोगाणुओं की मिश्रित आबादी का उपयोग करके डिस्टिलरी अपशिष्ट जल से बायोहाइड्रोजन उत्पादन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

2. जनवरी में "पर्यावरण संरक्षण" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता संरक्षण" पर एलपीयू, लुधियाना में मुख्य व्याख्यान। 10,2018.
3. जीजेयूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार में मुख्य व्याख्यान व्याख्यान "सूक्ष्मजैविक मध्यस्थता जलवायु परिवर्तन शमन के लिए हाइड्रोजन उत्पादन" सतत कृषि, खाद्य, स्वास्थ्य, ऊर्जा और उद्योग के लिए जैव और नैनो-प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में", फरवरी 21-23, 2018।
4. मार्च, 9-10, 2018 को 'जल: संसाधन, चुनौतियां और स्थिरता' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जल प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक तकनीकी दृष्टिकोण' पर आईआईटी, इंदौर में मुख्य नोट व्याख्यान।
5. 27-28 मार्च, 2018 को 'पर्यावरण प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'प्रदूषण प्रबंधन में फाइटोरेमेडिएशन तकनीक' पर डीटीयू, दिल्ली में मुख्य नोट व्याख्यान।

प्रो. वरुण जोशी

1. डीएसटी वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है 'ऋषिकेश-देवप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तराखंड के साथ संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों के बड़े पैमाने पर भूवैज्ञानिक-भू-तकनीकी मानचित्रण' भूविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 28-29 अप्रैल 2017 को उत्तराखंड नेटवर्किंग परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक।
2. 'कृषि फसलों की परिचालन मानचित्रण/निगरानी' शीर्षक वाली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालादक्षिण/दक्षिणपूर्व एशियाई देश-अनुसंधान आवश्यकताएं और प्राथमिकताएं', जीजीएसआईपीयू द्वारा दक्षिण/दक्षिणपूर्व एशिया अनुसंधान पहल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित। दूसरा-4 मई, 2017.
3. फेकल कोलीफॉर्म मानक पर ध्यान देने के साथ जल और भूमि निकायों के लिए एसटीपी अपशिष्ट जल निर्वहन मानक। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), भारत सरकार, इंडिया गेट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित। दिनांक 18.08.2017 को ध्यान चंद्र स्टेडियम।
4. उत्तरी क्षेत्र की महिलाओं के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर संवेदीकरण कार्यक्रम पर कार्यशाला। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद (HIMCOSTE), शिमला, हिमाचल प्रदेश के समन्वय से 8-9 सितंबर 2017 को आयोजित किया गया।
5. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (भारत सरकार), नई दिल्ली द्वारा पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2017, कन्वेंशनल क्लैब, नई दिल्ली का आयोजन किया गया। 3 और 4 नवंबर 2017.
6. 'द हिमालयन चौलेंज: टुवर्ड्स इंटरडिसिप्लिनरी डायलॉग्स' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार स्थिरता और विकास' श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड द्वारा दून विश्वविद्यालय, देहरादून में 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2017 तक आयोजित किया गया। एक सत्र की अध्यक्षता की गई- शासन और नीति नियोजन, 1 दिसंबर 2017।
7. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित पर्यावरण अध्ययन में पुनश्चर्या पाठयक्रम (18/12/2017 से 07/01/2018) में रिसोर्स पर्सन। 28.12.2017 को व्याख्यान दिया गया
8. 'विकास बनाम पर्यावरण: मेट्रोलॉजी ही कुंजी है' विषय पर सेमिनार। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल), नई दिल्ली द्वारा 04.01.2018 को आयोजित किया गया। 'हिमालय में जलवायु संबंधी मुद्दे: एक पर्यावरणीय चिंता' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
9. एनएमएचएस निगरानी, मूल्यांकन और मूल्यांकन (एमएलई) मिशन स्थापित करने के लिए गठित व्यापक विषयगत समूह (पर्यावरण मूल्यांकन और प्रबंधन) के तहत विशेषज्ञों के पैनल में विशेषज्ञ सदस्य। राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन मिशन (एनएमएचएस), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी, भारत सरकार), नोडल संस्थान जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण और सतत विकास संस्थान(जीबीपीएनआईएचईएसडी)। परियोजना मूल्यांकन की बैठक (GBPNIHESD, कोसी, अल्मोडा), 9-10 जनवरी, 2018।
10. डीएसटी द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "बड़े पैमाने पर कमजोर लोगों का भूवैज्ञानिक-भू-तकनीकी मानचित्रण ऋषिकेश-देवप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तराखंड के साथ भूस्खलन क्षेत्र" प्रगति समीक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के भूविज्ञान विभाग में उत्तराखंड नेटवर्किंग परियोजना की बैठक। 20-21 जनवरी 2018।
11. डीएसटी प्रायोजित इंस्पायर कार्यक्रम में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल) में संसाधन व्यक्ति। 26-27 जनवरी 2018.

12. राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, रूड़की (उत्तराखंड) के 46वें कार्यकारी समूह के विशेषज्ञ सदस्य। 8-9 फरवरी 2018.
13. एनएमएचएस निगरानी, मूल्यांकन और मूल्यांकन (एमएलई) मिशन की स्थापना के लिए गठित व्यापक विषयगत समूह (जल संसाधन प्रबंधनय आजीविका विकल्प और रोजगार सृजन) के तहत विशेषज्ञों के पैनल में विशेषज्ञ सदस्य। राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन मिशन (एनएमएचएस), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी, भारत सरकार), नोडल संस्थान जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईएसडी)। परियोजना मूल्यांकन की बैठक (GBPNIHESD-MoEFCC, भारत सरकार, नई दिल्ली), फरवरी 12,2018।

डॉ. पंपोश

1. 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस और "स्थायी शहरी भविष्य के लिए वेटलैंड्स" विषय पर सेमिनार में भाग लिया। 2018 का आयोजन वेटलैंड्स इंटरनेशनल-साउथ एशिया, नई दिल्ली द्वारा किया गया
2. 12 मई, 2017 को स्टाफ डेवलपमेंट सेल, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित कौशल विकास पर प्रशिक्षण में भाग लिया।
3. 18 मई, 2017 को यूनिवर्सिटी सोसाइटी ऑफ कंजर्वेशन बायोलॉजी, यूएसईएम द्वारा आयोजित "फैसिनेशन ऑफ प्लांट्स डे" कार्यक्रम का आयोजन और भाग लिया।
4. 2-4 मई, 2017 तक जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के सहयोग से एसएआरआई द्वारा दक्षिण/दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में कृषि फसलों की परिचालन मानचित्रण/निगरानी-अनुसंधान आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
5. 7 अप्रैल, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में आर्द्रभूमि संरक्षण पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
6. प्रियंका वर्मा और पंपोश, (2017)। आर्द्रभूमि और जलवायु परिवर्तन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य पेपर 8-9 दिसंबर 2017 को महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश में आयोजित "जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ: सतत विकास की ओर कदम" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. संजय के. दास

1. सरकार द्वारा जीव-जंतुओं की पहचान और संरक्षण पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। डूंगर कॉलेज, बीकानेर 6-7 जनवरी, 2017 तक।
2. 16-17 मार्च, 2017 तक यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियों (सीसीआरसीएएसएस;2017) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
3. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सतत वन्य जीवन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला में भाग लियाजेडी पाटिल सांगलुडकर महाविद्यालय, दर्यापुर, महाराष्ट्र द्वारा 3-5 दिसंबर, 2017 तक प्रबंधन का आयोजन किया गया।
4. 19-20 मार्च, 2018 तक एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट्स एंड वाइल्डलाइफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कंजर्वेशन बायोलॉजी एशिया सेक्शन के एक राष्ट्रीय सम्मेलन सोसायटी में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पर्यावरण पर विश्व सम्मेलन में भाग लिया 25-26 मार्च, 2017 तक।
6. 2 अक्टूबर 2017 को MoEF-CC, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ। तुइसेमशिमराह

1. मैड्रिड स्पेन, वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में "पर्यावरण, जैविक, पारिस्थितिक विज्ञान और इंजीनियरिंग (आईसीईबीईएसई 2017)" पर 19वां

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

1. प्रो. एनसी गुप्ता, डीन, यूएसईएम

द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा "ऐश तालाबों में "लाई ऐश निपटान: भूजल प्रदूषण के लिए एक खतरा" शीर्षक वाले पेपर के लिए प्रो. आरसी सिंह पुरस्कार।

2. **डॉ. सुमित डूकिया, सहायक प्रो.**

5 जून, 2017 विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर महारानीगढ़ पहाड़ी विकास समिति के माध्यम से राजस्थान के थार रेगिस्तान में वन्यजीव अनुसंधान पर दीर्घकालिक योगदान के लिए जोधपुर के महाराजा श्री गज सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया।

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	अवधि	राशि (लाख रुपये में)
1.	डॉ. किरणमय सरमा, एसोसिएट प्रो.	उत्तर-पूर्वी भारत में स्थानांतरित खेती और कोयला खनन की प्रौद्योगिकी विकास, प्रबंधन और दीर्घकालिक निगरानी	पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी, भारत सरकार) और जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईएसडी), कोसी-अल्मोडा	3 साल	20 लाख
2.	प्रो वरुण जोशी/ डॉ. कुसुम पायल	हिमाला में आजीविका और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए फाइटोसोशियोलॉजिकल और जीआईएस दृष्टिकोण का उपयोग करके जंगली खाद्य वनस्पति का बायोप्रॉस्पेक्टिंग और मैपिंग	विभागविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (भारत सरकार) नई दिल्ली।	3 साल	28.18 लाख
3.	यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू	एफआईएसटी प्रोग्राम	विभागविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (भारत सरकार) नई दिल्ली।	5 साल	128 लाख
4.	प्रो. अनुभा कौशिक	सजावटी पौधों का उपयोग करके भारी धातुओं का फाइटोरेमेडिएशन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	अप्रैल 2018 - मार्च 2019	2.00 रुपये लाख

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	सुश्री आयशा खोसला	3 से अप्रैल, 2017	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार XIX राष्ट्रमंडल वानिकी सम्मेलन, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, भारत में उप-विषय वन और जल के लिए
2.	श्रीमती प्रियंका कुमारी	8 और 9 दिसंबर, 2017	अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार ने 7 वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी-2017) में "गाजीपुर लैंडफिल साइट, दिल्ली, भारत के पास मौसमी भिन्नताओं के साथ भूजल की गुणवत्ता का आकलन" नामक मौखिक पत्र प्रस्तुत किया।
3.	सुश्री आंचल गर्ग	8 और 9 दिसंबर, 2017	अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार ने "पीएमआईओ, पीएम 2.5 और पीएमआई के एपिसोडिक स्तर" शीर्षक से पोस्टर पेपर प्रस्तुत किया दिवाली: अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी-2017) में दिल्ली, भारत के शहरी क्षेत्र में एक अध्ययन।

8. स्कूल/विभाग द्वारा आयोजित पाठ्डेतर गतिविधियाँ/त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1.	विश्व गौरैया दिवस	20 मार्च 2017	विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर विशेषज्ञों और शोध विद्वानों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र
2.	"भविष्य की पृथ्वी: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य"	21 अप्रैल 2017	SCON (सोसाइटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर) और यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी पृथ्वी दिवस के अवसर पर डॉ. शैलेश नायक, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और अध्यक्ष, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान संगठन, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन कर रहा है।
3.	"पौधों का आकर्षण दिन"	18 मई 2017	व्याख्यान, फोटोग्राफी और पोस्टर
4.	"दिल्ली प्रदूषण के प्रति संवेदनशील है: पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित दिवाली मनाएं" (प्रतियोगिताएं सह कार्यशाला)	17 अक्टूबर, 2017	रंगोली बनाने की प्रतियोगिता, कचरे से बाहर, प्रश्नोत्तरी - विषय: संस्कृति और पर्यावरण और व्याख्यान

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	औसत वर्षिक पैकेज की पेशकश
1.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एमस)	रु. 35000/-
2.	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली	
	प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन), दिल्ली	
3.	रक्षा, अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)	
4.	इवैल्यू सर्व नेट	
5.	भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून	
6.	द हंस फाउंडेशन	
7.	राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी),	
8.	बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस), मुंबई	रु. 28,000/-
9.	भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून	
10.	भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), भोपाल	
11.	वन खोज संस्थान (एफआरआई), फैक्स:+91 135-2756865	
12.	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू)	
13.	राज्य वन सेवा, ओडिशा	
14.	यूएन ग्लोबल इम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया	रु. 28000/-
15.	भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून	
16.	क्रिएटिव एग्री सॉल्यूशन प्राइवेट दिल्ली	
17.	विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ)	
18.	ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई)	
19.	ग्रीन पहल प्रमाणन और निरीक्षण एजेंसी	
20.	भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.एल.)	
21.	एचएएआरसी	
22.	महावीर कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र	

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क) कुल संख्या पीएच.डी. पूर्ण/पुरस्कृत: 01

ख) रिसर्च स्कॉलर भर्ती: 09

ग) कुल चल रही पीएच.डी. पंजीकृत अनुसंधान विद्वान: 51

क्र.सं.	विद्वानों के नाम	उपाधि	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	वास्तविक पुरस्कार की तिथि
1.	श्री वी.एम.	अहमदनगर जिले के प्रवरा कमान में भूजल में उर्वरक संदूषण का आकलन।	26-11-2008	डॉ. दीक्षा कत्याल पर्यवेक्षक डॉ. सुनील गोम्तिवारसह पर्यवेक्षक	11-12-2017

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

क्र.सं.	छात्रों के नाम	परीक्षण योग्य का विवरण
1.	लख्याजीत बरुआ	जेआरएफ -एमओईएफ और सीसी
2.	अनुजा	आईपीआरएफ - जीजीएसआईपी
3.	आस्था मलिक	विश्वविद्यालय जेआरएफ - नेट-यूजीसी
4.	दीपेश गोयल	आईपीआरएफ - जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
5.	दीपांशी	इंस्पायर+एसटीआरएफ
6.	ए. रेबिका	जेआरएफ-सीएसआईआर
7.	डॉ. कुसुम पायल	पीडीएफ- डीएसटी

12. इस अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

(i) एम.एससी. का शैक्षिक दौरा (जैव विविधता और संरक्षण) छात्रों के लिए 9 से 14 अक्टूबर, 2017 के बीच मंडी, हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई थी।

(ii) एम.एससी. का शैक्षिक दौरा (जैव विविधता और संरक्षण) छात्रों के लिए 11 से 16 मार्च, 2018 के बीच जबलपुर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था।

(iii) एम.एससी. का शैक्षिक दौरा (पर्यावरण प्रबंधन) और एम.एससी. (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) छात्रों के लिए 13 से 22 मार्च, 2018 के बीच असम और मेघालय में आयोजित की गई थी।

4.7 विश्वविद्यालय विद्यापीठ मानविकी का और सामाजिक विज्ञान

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम यूजी /पीजी/ एम फिल / पीएचडी/ डीआईपी/ सीईआरटी	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल क्षमता (सभी सेमेस्टर)
1	स्कूल यूएसएस को विभिन्न आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम (संचार कौशल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में) प्रदान करता है	सेमेस्टर लंबाई पाठ्यक्रम	जैसा कि विभिन्न यूएसएस के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत किया गया है	
2	एमए (अंग्रेजी) (पीजी)	2 वर्ष	50	100
3	एमए (अर्थशास्त्र) (पीजी)	2 वर्ष	40	80
4	महिला सशक्तिकरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडब्ल्यूई)	1 वर्ष	20	02
5	एम. फिल (अंग्रेजी)	1 वर्ष	18	18

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

डॉ मनप्रीत कौर कंग

पुस्तकें: तथ्य, विकृतियाँ और विलोपन: इतिहास के रूप में साहित्य; साहित्य में इतिहास. मार्च, 2017 में चंडीगढ़ में विश्व के बहु-जातीय साहित्य के अध्ययन के लिए सोसायटी, मेलो के 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चयनित निबंध प्रस्तुत किए गए। स्वतंत्र रूप से प्रकाशित। अमेजॅन, पेपरबैक किंडल।

पेपर प्रस्तुत: सीयूएचपी धौलाधार में अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग (सीयूएचपी) और मेलो द्वारा "दुनिया के साहित्य में अंतरिक्ष, स्थान और परिदृश्य" विषय पर आयोजित 17वें अंतर्राष्ट्रीय मेलो सम्मेलन में "स्पेस एंड जेंडर पॉलिटिक्स: ए री-रीडिंग ऑफ द स्कार्लेट लेटर" कैंप, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश 9-11 मार्च 2018 तक।

डॉ विवेक सचदेवा

पेपर प्रकाशित: गुरदयाल सिंह के चुनिंदा उपन्यासों का वर्णनात्मक स्थान और स्थानिक पाठन। जर्नल ऑफ एक्सक्लूजन स्टडीज.Vol-7,No-1,2017-ISSN 2231-4547.

पुस्तक(लेखक): फिक्शन टू फिल्म: रूथ प्रावर झाब्याला की 'द हाउसहोल्डर' और 'हीट एंड डस्ट', ओरिएंट ब्लैकस्वान, हैदराबाद, 2017।

डॉ. नरेश के. वत्स लेख:

1. सामाजिक भूमिकाएँ और स्वयं की भावना: जेन आयर और उपन्यास में माँ के व्यक्तित्वों का एक तुलनात्मक अध्ययन फिल्म मोना लिसा स्माइल, जर्नल: ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल आईएसएसएन:
2. पृष्ठ से स्क्रीन तक अनुवाद: मिलन कुंदेरा की द अनएबरेबल लाइटनेस ऑफ बीइंग और अनिता देसाई की इन कस्टडी के अनुकूलन का एक अध्ययन, इंद्रप्रस्थ: संस्कृति और संचार अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आईएसएसएन: 2278-7208।

डॉ सरनी अहमद खान

सामग्री

1. "दिल्ली में एलियंस?" लेख। हिन्दू। अगस्त, 16,2017.
2. "क्या होगा यदि विदेशी लोग एक दिन भारत में आएँगे?" लेख. डेलीओ. जून, 2017
3. "इलाहाबाद में एलियंस, जमरुदपुर में लाश: भारतीय विज्ञान कथा की खोज"। लेख. हस्फिंगटन पोस्ट इंडिया। जून 2017.

कल्पना:

दिल्ली में एलियंस, उपन्यास। जगरनॉट/नियोगी बुक्स, नई दिल्ली, 2017।

डॉ शुभांकु कोचर

शोध पत्र: "अफ्रीकन अमेरिकन ड्रीम: ए रीडिंग ऑफ मुलट्टो एंड राइसिन इन द सन"। भाषा में भारत। मार्च 2018, सुश्री प्रार्थना गोयल

पुस्तक में अध्याय:

1. गोयल, पीए, "वित्तीय समावेशन पर आय असमानता का प्रभाव: विभिन्न देशों का पैनल डेटा विश्लेषण", सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, वित्तीय समावेशन की प्रभावकारिता: नीतियां और आगे का रास्ता, 2017
2. गोयल, पीए. "किसान आत्महत्याएं और बकाया बैंक क्रेडिट: भारत के राज्यों से एक पैनल डेटा अनुमान", सीआरआरआईडी चंडीगढ़, किसानों की आय दोगुनी करने के लिए नीति और तकनीकी विकल्प

सुश्री पूजा राठौड़

लेख:

"सतत विकास और ईंधन विकल्प- भारत का एक केस अध्ययन - ओओजेए जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट 11(5),41-50।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

डॉ। नरेश के. वत्स

1. 25 से 27 जुलाई, 2017 तक एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में साहित्य और भाषाविज्ञान (आईसीएलएल 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया "पेज से स्क्रीन तक अनुवाद: मिलन कुडेरा की द अनएबरेबल लाइटनेस ऑफ बीइंग का एक अध्ययन"।
2. 17 और 18 नवंबर 2017 को सेंट एंड्रयूज कॉलेज, मुंबई, भारत में 'री वर्किंग, री-इमेजिनिंग, री-इन्वेंटिंग: द चेंजिंग फेसेस ऑफ एडेप्टेशन स्टडीज' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "इन कस्टडी टू मुहाफिज: ए व्यू ऑन एडाप्टेशन" पेपर प्रस्तुत किया गया।
3. 23 और 24 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'इन सर्च ऑफ द हीरो(एस) इन द जॉनर एंड बियॉन्ड' में "हीरो, विलेन, वैम्प या 'जस्ट एडमिरेबल': ए पर्सपेक्टिव ऑन द कॉन्सेप्ट ऑफ हीरो' प्रस्तुत किया गया। फरवरी 2018.
4. पेपर प्रस्तुत किया "सामाजिक भूमिकाएं और स्वयं की भावना: मां के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन" मानव अधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपन्यास जेन आइरे और फिल्म मोना लिसा स्माइल, लिंग अध्ययन, कानून और सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक अनुसंधान द्वारा आयोजित फाउंडेशन, चंडीगढ़ शैक्षणिक अध्याय चंडीगढ़, भारत में 22 से 24 फरवरी, 2018 तक। (दिपान्विता सहगल के साथ सहलेखक)
5. 20 मार्च, 2018 को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरापुर, रेवरी, हरियाणा, भारत में सामाजिक परिवर्तन के दृष्टिकोण और सामाजिक परिवर्तन पर राष्ट्रीय सेमिनार में "वाइस फॉर द साइलेंस्ड: व्हाई वी नीड जेंडर इक्विटी टू स्टॉप मार्जिनलाइजेशन" प्रस्तुत किया गया। (दिपानविता के साथ सह-लेखक) सहगल)।

डॉ. शुभांकु कोचर

अखिल भारतीय अंग्रेजी शिक्षक संघ, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 62वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। 19-22 जनवरी, 2018. "अफ्रीकन अमेरिकन ड्रीम: ए रीडिंग ऑफ मुलट्टो एंड राइसिन इन द सन"।

सुश्री प्रार्थना गोयल

1. एपीईए-दक्षिण कोरिया-जुलाई 14-15, 2017, "अपराध पर लिंग अनुपात का प्रभाव: भारत से महत्वपूर्ण परिवर्तनीय अनुमान", आईएसआई दिल्ली -18-20 दिसंबर, 2017। आर्थिक विकास और विकास पर 13वां वार्षिक सम्मेलन (सत्र 6(ए))
2. "किसान आत्महत्याएं और बैंक क्रेडिट: भारत राज्य से पैनल डेटा अनुमान" (2017), सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, मार्च, 2018।

सुश्री पूजा राठौड़

KEA-APEA 2017: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जुलाई, 14-15, 2017 सियोल।

4. स्कूल/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. फिल्म "मुक्ति भवन" पर विस्तार व्याख्यान, 28 अगस्त, 2017
2. म्यूरियल स्पार्क द्वारा "द प्राइम ऑफ मिस जीन ब्रॉडी" (उपन्यास) पर सेमिनार, 19 सितंबर, 2017
3. "उपन्यास और राष्ट्र: एक भारतीय संदर्भ" पर विस्तार व्याख्यान, 20 सितंबर, 2017
4. "भारतीय साहित्य और अनुवाद की समस्याएँ, 21 सितंबर" पर विस्तार व्याख्यान, 2017
5. "ब्रिटिश रोमांटिक कविता और उसके उत्तर औपनिवेशिक स्वागत" पर विस्तार व्याख्यान, 25 सितंबर, 2017
6. लैंगिक मुद्दों पर पैनल चर्चा 28 सितंबर, 2017।
7. रंगत संगत - विस्तार व्याख्यान, व्याख्यान प्रदर्शन, फिल्म रिलीज, पैनल चर्चा, कविता पाठ, पुस्तक प्रदर्शनी और रिलीज की एक श्रृंखला, 28 और 29 सितंबर, 2017
8. फिल्म "मसान" पर सेमिनार, 3 अक्टूबर, 2017
9. घाचर गोचर पर सेमिनार, (उपन्यास) विवेक शानभाग द्वारा, 25 अक्टूबर, 2017
10. क्वीर थ्योरी (लिंग अध्ययनकर्ता) पर विस्तार व्याख्यान 27 अक्टूबर, 2017 को
11. महिला सशक्तिकरण पर विस्तार व्याख्यान 31 अक्टूबर, 2017 को
12. पाकिस्तान का मतलब क्या (हिंदी में उपन्यास) पर सेमिनार, असगर वजाहत द्वारा ,पहला नवंबर, 2017
13. शिव बटालवी की चुनिंदा कविताओं पर सेमिनार, 8 नवंबर, 2017
14. फॉर पेपर एंड क्राइस्ट (उपन्यास) पर सेमिनार, केकी दारूवाला द्वारा 10 नवंबर, 2017
15. "अमेरिकी साहित्य में काले साहित्य और काले नारीवाद का स्थान" पर विस्तार व्याख्यान 5 मार्च, 2018 को
16. 25 फरवरी, 2018 - 6 मार्च, 2018 के दौरान थिएटर, क्रिटिकल थ्योरी, प्रैक्टिस और डिजाइन पर ऑफ कैंपस कार्यशाला

5. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

उनमें से अधिकांश नौकरी पेशा हैं/उच्च अध्ययन कर रहे हैं।

6. शोध विद्वानों का विवरण:

क) पूर्ण किये गये/पुरस्कार प्राप्त किये गये पीएच. डी. की कुल संख्या: 04

ख) शोधार्थियों को प्रवेश: 07

ग) कुल चल रहे पीएच. डी. पंजीकृत अनुसंधान विद्वान: 39

क्र.सं	विद्वानों का नाम	थीसिस शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	नामांकन संख्या	पर्यवेक्षक का नाम	पूरा हो गया/ चल रहा है
1.	हर्षिता हर्षू	बाल तस्करी: दिल्ली में बचाए गए पीड़ितों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	29.09.2013	90054100212	डॉक्टर दीपशिखा अग्रवाल	पूरा किया
2.	अंशु डोगर	मार्गरेट एटवुड, जेन स्माइली, अमिताव घोष और कमला मार्कंडया के चयनित उपन्यासों का एक इकोफेमिनिस्ट अध्ययन	29.09.2013	90054100212	डॉ. मनप्रीत कांग	पूरा किया
3.	आलोकपर्णा दास	क्रॉनिकलिंग द दास नेशन: 80 के दशक से चयनित विज्ञापनों का एक अध्ययन	29.09.2013	90052100212	डॉ. ए. एस. बेनीवाल	पूरा किया

क्र.सं	विद्वानों का नाम	थीसिस शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	नामांकन संख्या	पर्यवेक्षक का नाम	पूरा हो गया/ चल रहा है
4.	मंजरी सिंह	भोजन की सांस्कृतिक राजनीति: चयनित भारतीय लेखन का एक अध्ययन	08.08.2014	90058101213	डॉ. ए. एस. बेनीवाल	पूरा किया

7. प्रकाशित कोई भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका:

"इंद्रप्रस्थ – संस्कृति और संचार अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल" शीर्षक से वार्षिक शोध जर्नल प्रकाशित

8. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

यूएसएचएसएस के छात्रों के लिए थिएटर, क्रिटिकल थ्योरी, प्रैक्टिस और डिजाइन पर ऑफ-कैंपस कार्यशाला 25 फरवरी, 2018 से 6 मार्च, 2018 तक उदयपुर, राजस्थान में।

4.8 विश्वविद्यालय विद्यापीठ मानविकी का और सामाजिक विज्ञान

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुलताकत (सेमेस्टर/वर्ष-ढंग)
1.	बीटेक (सीएसई)(यूएसएस)	4	60	67
2.	बीटेक (ईसीई)(यूएसएस)	4	60	61
3.	बी टेक (आईटी) (यूएसएस)	4	60	67
4.	एमसीए (एसई)	3	60	60
5.	एमटेक (सीएसई)	2	18	17
6.	एमटेक (सीएसई) (डब्लल्यू)	3	18	28
7.	एमटेक (ईसीई)	2	18	22
8.	एमटेक (ईसीई) (डब्लल्यू)	3	18	12
9.	एमटेक (आईटीआर) (आईटी)	2	25	24
10.	एमटेक (आरए)	2	18	12
11.	पीएच.डी. program	4	-	09

2. संकय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो. अरविंदर कौर

1. अरविंदर कौर, कमलदीप कौर, 2017, एन अनुभूतिमूलक अध्ययन सॉफ्टवेयर एन्ट्रापी आधारित बग का उपयोग मशीन लर्निंग का उपयोग करके भविष्यवाणी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, खंड 8 अंक 2,1170-1175
2. अरविंदर कौर, दीक्षा दानी, 2017, मोबाइल वेब पर्याप्तता मूल्यांकन टूल की प्रभावशीलता की तुलना और मूल्यांकन, सूचना सोसायटी में यूनिवर्सल एक्सेस, वॉल्यूम 16 अंक 2,411-424
3. अरविंदर कौर, दीक्षा दानी, 2017, डायग्नोस्टिक टूल्स का उपयोग करके सरकारी वेबसाइटों की मोबाइल वेब एक्सेसिबिलिटी तत्परता: एक खोजपूर्ण अध्ययन, इलेक्ट्रॉनिक सरकार, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 13 अंक 1,
4. अरविंदर कौर, अमृत पाल सिंह, 2018, घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली के लिए के-मीन्स और फायरफ्लाई एल्गोरिदम का संकरण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग और प्रबंधन,-,901-910
5. अरविंदर कौर, विधि विग, 2018, सहयोग आरेख के माध्यम से स्वचालित परीक्षण केस पीढ़ी: एक केस अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 9 अंक 2, 362-376
6. अरविंदर कौर, विधि विग, 2018, परीक्षण प्रयास अनुमान और पारंपरिक और तेजी से रिलीज की भविष्यवाणी मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करने वाले मॉडल, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, वॉल्यूम। 35, नहीं. 2, 1657-1669

प्रो. नूपुर प्रकाश

1. झा विवेकानन्द, नूपुर प्रकाश, स्वेता सागर, जुलाई-17, "पहनने योग्य क्रोध-निगरानी प्रणाली।", आईसीटी एक्सप्रेस जर्नल, एल्सेवियर,http://dx.doi.org/10-1016/j-icte.2017.07.002,आईएसएसएन 0929-6212

डॉ. आशीष पायल

1. एस अग्रवाल, ए पायल, बीवीआर रेड्डी, 2017, रियल वायरलेस सेंसर नेटवर्क टेस्टबेड पर मीडियम एक्सेस कंट्रोल आधारित रूटिंग का डिजाइन और कार्यान्वयन, वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल, 11, अंक 61, 671-679

2. अंकित गंभीर आशीष पायल, राजीव आर्य, 2017-18, डब्ल्यूएसएन के विभिन्न परिदृश्यों में कृत्रिम मधुमक्खी कॉलोनी अनुकूलन आधारित क्लस्टरिंग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन विश्लेषण, प्रोसीडिया कंप्यूटर विज्ञान, 132, 183-188

प्रो. बी.वी. रमना रेड्ढी

1. देबासिस मुखर्जी, बीवी रमना रेड्ढी, 2018, एमओएसएफईटी में लीकेज करंट को कम करने के लिए एक उपन्यास विधि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्वर्जेंस कंप्यूटिंग इंडर्सासाइंस पब्लिशर्स (आईईएल), 3, 48- 61
2. दीपिका कुकरेजा, संजय कुमार धुरंधर, बीवीआरआरेड्डी, 8/1/2018, पावर अवेयर मैलिशियस नोड्सपैकेट फॉरवर्डिंग दुर्व्यवहार हमले के विरुद्ध MANET को सुरक्षित करने के लिए पता लगाना, जर्नल ऑफ एम्बिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग प्रकाशक, स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग, 9 अंक 5, 941-956
3. ई बिंदू, बीवीआर रेड्डी, 2019, चयनात्मक डिकोड-एंड-फॉरवर्ड सहकारी संचार में अनुकूलित पावर आवंटन, इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के अनुप्रयोग, प्रकाशक, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 269, पृष्ठ 209-221

प्रो. नवीन राजपाल

1. शैफाली मदन अरोड़ा, नवीन राजपाल, रवींद्र कुमार पुरवार, 2017, एक नया तेज गति अनुमान प्रारंभिक खोज समाप्ति के साथ अनुकूली आकार के हीरे के पैटर्न की खोज का उपयोग करने वाला एल्गोरिदम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल विजन एंड रोबोटिक्स में आलेख, 7(6), 623
2. राजेश मेहता, नवीन राजपाल, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 2017, लैग्रेंजियन एसवीआर और लिफ्टिंग वेवलेट ट्रांसफॉर्म पर आधारित एक मजबूत और कुशल छवि वॉटरमार्किंग योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मशीन लीमिंग एंड साइबरनेटिक्स, 8(2), 379-395
3. शैफाली मदन अरोड़ा, कविता खन्ना, नवीन राजपाल', 2017, फास्ट ब्लॉक आधारित मोशन अनुमान के लिए एक उपन्यास हाइब्रिड दृष्टिकोण।, इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इंटरनेशनल जर्नल।, 4(6), 24-30
4. राजेश मेहता, नवीन राजपाल, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 2018, जीए-एलएसवीआर हाइब्रिडाइजेशन का उपयोग करके वेवलेट डोमेन को उठाने में मजबूत छवि वॉटरमार्किंग योजना।, इंट। जे. मच. सीखना। और साइबर., 9, 145-161

प्रो. प्रवीण चंद्रा

1. आकाश मिश्रा, प्रवीण चंद्रा, उदयन घोष, सरताज सिंह सोढ़ी, 2017, द्वि-मोडल व्युत्पन्न अनुकूली सक्रियण फंक्शन सिग्मोइडल फीडफॉरवर्ड कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 61, 983-994
2. एमपीएस भाटिया, प्रवीण चंद्रा, 2018, सिग्मॉइडल एफएफएएनएन के लिए एक नई वजन आरंभीकरण विधि, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 35, 5193-5201

प्रो. अंजना गोसाईं

1. अंजना गोसाईं जसप्रीति सिंह, 2017, डेटा वेयरहाउस के लिए बहुआयामी मॉडल में आयाम पदानुक्रम साझा करने पर जोर देने वाले गुणवत्ता मेट्रिक्स: एक सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमएश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 8, 1672-1688
2. अंजना गोसाईं, गंगा शर्मा, 2017, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड सॉफ्टवेयर के लिए एक गतिशील आकार माप, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमएश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, खंड 8, 1209-1221

प्रो उदयन घोष

1. उदयन घोष, प्रवीण चंद्रा, सरताज सिंह सोढ़ी, आकाश मिश्रा, 2017, बाई-मोडल डेरिवेटिव एडेप्टिव एक्टिवेशन फंक्शन सिग्मोइडल फीड फॉरवर्ड आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क्स, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग।, 61, 983-994

प्रो. भारती सूरी

1. सुलभ त्यागी, रितु सिब्बल, भारती सूरी, बिमलेश वाधवा, शानुज शेखर, 2018, वेब आधारित स्क्रम प्रोजेक्ट्स के लिए पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड टेस्ट ऑटोमेशन फ्रेमवर्क का विकास, जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग, 21(3), 455-462

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. अपेक्षा मित्तल, अमित प्रकाश सिंह और प्रवीण चंद्रा, 2017, ए न्यू वेट इनिशियलाइजेशन यूजिंग स्टैटिस्टिकली रेजिलिएंट मेथड एंड मूर-पेनरोज इनवर्स मेथड फॉर एसएफएएनएन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट रिसर्चएस्पेक्ट्स, 4, 98-105
2. एसके साहू, पी कुमार, एपी सिंह, 2018, बेहतर सटीकता के साथ वर्गीकरण समस्याओं के लिए संशोधित के-एनएन एल्गोरिदम, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10, 65-70
3. रितु रानी, रविंदर कुमार, अमित प्रकाश सिंह, 2018, वर्णनकर्ताओं के अनुवादात्मक और घूर्णी अपरिवर्तनीयता और फूल डेटासेट के वर्गीकरण का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन, पैटर्न विश्लेषण और अनुप्रयोग, 21, 18-जनवरी
4. नीतू नरवाल, संजय कुमार शर्मा, अमित प्रकाश सिंह, 2018, मोबाइल वेब पेज अनुकूलन के लिए आनुवंशिक एल्गोरिदम का उपयोग करके फजी नियम-आधार अनुकूलन, सूचना और निर्णय विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10, 345-364
5. मोहम्मद नायरन खान, नमिता आर्य और अमित प्रकाश सिंह, 2017, एंबेडेड सिस्टम पीसीबीए के लिए एक व्यापक परीक्षण तकनीक, इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 10, 6-जनवरी
6. नमिता आर्य, अमित प्रकाश सिंह, 2017, एंबेडेड सिस्टम आर्किटेक्चर के लिए गॉल्ट टॉलरेंट सिस्टम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 9, 93-97
7. नीतू नरवाल, संजय कुमार शर्मा, अमित प्रकाश सिंह, 2017, 2डी का उपयोग करके वेब सामग्री अनुकूलनबिन पैकिंग एल्गोरिथम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 9, 139-146
8. नमिता आर्य, अमित प्रकाश सिंह, 2017, समय और भौतिक अतिरेक का तुलनात्मक विश्लेषण गलती का पता लगाने की तकनीक, इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर 6, 66-71।
9. छवि श्रीवास्तव, श्यामली सिंह, अमित प्रकाश सिंह, 2017, रोल ऑफ मशीन लीमिंग इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स इनेबल्ड स्मार्ट सिटीज, WASET इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्बन एंड सिविल इंजीनियरिंग, 4, 6- जनवरी
10. अपेक्षा मित्तल, अमित प्रकाश सिंह, प्रवीण चंद्रा, 2017, एसएफएएनएन के लिए सांख्यिकीय रूप से लचीला विधि और मूर-पेमोस व्युत्क्रम विधि का उपयोग करके एक नया वजन आरंभीकरण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट रिसर्च एस्पेक्ट्स, 4, 98-105
11. एन आर्य, एपी सिंह, भाविका, 2017, संयोजन सर्किट परीक्षण के लिए स्व-जाँच और मोनोटोनिक तर्क तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल सिद्धांत और अनुप्रयोग, 10, 519- 525

प्रो. पुष्पेंद्र एस. भारती

1. दिव्या अग्रवाल, अजय सिंघोली, पुष्पेंद्र एस. भारती, 2017, सुविधा लेआउट योजना का अध्ययन एल्गोरिदम और दृष्टिकोण, ग्लोबल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम, वॉल्यूम। 9 अंक 4, 81-95.
2. दिव्या अग्रवाल, अजय सिंघोली, पुष्पेंद्र एस भारती, 2017, एक्सोस्केलेटन को पुन: लागू करना विकलांगों को सक्षम करें: एक समीक्षा, ग्लोबल जर्नल ऑफ एंटरप्राइजइंफॉर्मेशन सिस्टम, वॉल्यूम। 9 अंक 2, 88-99
3. हिमांशु पायल, सचिन माहेश्वरी, पुष्पेंद्र एस. भारती, सतीश कुमार शर्मा, 2018, टैगुची-फजी दृष्टिकोण का उपयोग करके इन्हेंल 825 के लिए इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज मशीनिंग का बहुउद्देश्यीय अनुकूलन, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (स्प्रिंगर), वॉल्यूम। 11, अंक 1, 97-105

डॉ. मनोज कुमार

1. मनोज कुमार, जनवरी-18, "आई-एमओएस के साथ लीनियर लो पावर वोल्टेज नियंत्रित ऑसिलेटर का डिजाइन वैक्टर और बैक गेट ट्यूनिंग, सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग (सीएसएसपी), स्प्रिंगर, आईएसएसएन: 1531-5878।, वॉल्यूम 37, अंक 9, पीपी 3685-3701
2. दिनेश कुमार, मनोज कुमार, 2018, कम पावर सीएमओएस सर्किट डिजाइन के लिए एडियाबेटिक लॉजिक चुनौतियों का तुलनात्मक विश्लेषण, माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोसिस्टम्स, एल्सेवियर, वॉल्यूम 60, 2018, पेज 107-121
3. मनोज कुमार और दिलीप द्विवेदी, 2018, आई-एमओएस वैक्टर ट्यूनिंग कंट्रोल के साथ एक कम पावर सीएमओएस-आधारित वीसीओ डिजाइन, जर्नल ऑफ सर्किट, सिस्टम और कंप्यूटर, वॉल्यूम। 27, क्रमांक 10,, 1850160 (2018)

4. नितिन कुमार और मनोज कुमार, 2018, फ्लो पावर, प्री-चार्ज और प्री-डिस्चार्ज के साथ रिंग वीसीओ0.18 μm CMOS में 4 - 6.1 GHz अनुप्रयोगों के लिए सर्किट, सर्किट, सिस्टम और कंप्यूटर का जर्नल, ऑनलाइन तैयार, ऑनलाइन तैयार
5. नितिन कुमार और मनोज कुमार, 2018, "सीएमओएस आधारित कम पावर उच्च आवृत्ति का डिजाइन डिफरेंशियल रिंग वीसीओ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स लेटर, टेलर एंड फ्रांसिस, I मार्च 2018, पेज 143-153
6. दिनेश कुमार और मनोज कुमार, 2017, "एनर्जी रिकवरी लॉजिक का उपयोग करके कम पावर कोड कनवर्टर का डिजाइन," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल थ्योरी एंड एप्लिकेशन, वॉल्यूम.आईओ, नंबर 7, पीपी। 555-567
7. नितिन कुमार और मनोज कुमार, 2017, "वाइड टयूनिंग के साथ लो पावर सीएमओएस वीसीओ का डिजाइनरेंज, "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल थ्योरी एंड एप्लीकेशंस, वॉल्यूम 10, संख्या 6, पीपी 569-576

डॉ अंजू साहा

1. अंजू साहा, रश्मी शर्मा, 2017, जुगनू एल्गोरिदम का उपयोग करके ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड परीक्षण का अनुकूलन, जर्नल ऑफ सूचना और अनुकूलन विज्ञान, 38, 873-893
2. अंजू साहा, इशानी अरोड़ा, 2018, जुगनू एल्गोरिदम का उपयोग करके सॉफ्टवेयर गलती भविष्यवाणी, इंटरनेशनल जौमल ऑफ इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स, 6, 356-377
3. अंजू साहा, कल्पना सागर, 2017, रैंकिंग के साथ गुणात्मक प्रयोज्य सुविधा चयन: एक उपन्यास अकादमिक वेबसाइटों के लिए पहचानी गई प्रयोज्य समस्याग्रस्त विशेषताओं की रैंकिंग के लिए दृष्टिकोण डेटा-माइनिंग तकनीक, सेंट्रिक कंप्यूटिंग और सूचना विज्ञान, 7, दिसंबर 2017, 7:29
4. अंजू साहा, कल्पना सागर, दिसंबर, 2017, सॉफ्टवेयर उपयोगिता अध्ययन की एक व्यवस्थित समीक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, https://doi.org/10.1007/s41870-017-0048-1, पीपी 1-24

डॉ. रवीन्द्र क्र. पुरवार

1. शैकाली मदान, नाविन राजपाल और रवीन्द्र क्र. पुरवार, जुलाई-17, प्रारंभिक खोज समाप्ति के साथ अनुकूली आकार के हीरे के पैटर्न की खोज का उपयोग करते हुए एक नया तेज गति अनुमान एल्गोरिदम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल विजन एंड रोबोटिक्स, वॉल्यूम 7, नंबर 6, 623-643
2. निशि रानी और रवीन्द्र कुमार पुरवार, मई-17, वेका टूल्स में बेंचमार्क डेटासेट का उपयोग करते हुए विभिन्न क्लासिफायर का प्रदर्शन विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईटीटी), वॉल्यूम। 47, क्रमांक 5, 290-294
3. शेखर करणवाल और रवींद्र कुमार पुरवार, जून-17, फेस रिकॉग्निशन के लिए पीसीए के साथ स्थानीय बाइनरी पैटर्न सुविधाओं का प्रदर्शन विश्लेषण, इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 10, नंबर 23, 10-जनवरी
4. वरुण श्रीवास्तव और रवींद्र कुमार पुरवार, दिसंबर-17, ए फाइव-लेवल वेवलेट डिकम्पोजिशन एंड डायमेंशनल रिडक्शन अप्रोच फॉर फीचर एक्सट्रैक्शन एंड क्लासिफिकेशन ऑफ एमआर एंड सीटी स्कैन इमेजेज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 2017, 9 पेज
5. रवीन्द्र क्र. पुरवार और आंचल जैन, मई-17, एक इवोल्यूशनरी एल्गोरिदम आधारित मल्टीस्केल डिजिटल इमेज वॉटरमार्किंग तकनीक, जिसमें डिस्क्रीट वेवलेट ट्रांसफॉर्म और सिंगुलर वैल्यू डीकंपोजिशन का उपयोग किया गया है, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टोमोग्राफी एंड सिमुलेशन, वॉल्यूम 30, संख्या 2, 53-62

डॉ. वी. पी. विश्वकर्मा

1. अंजलि गोयल, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 1 अगस्त, 2017, फैक्शनल डीसीटी और डीडब्ल्यूटी संकरण आधारितलिंग वर्गीकरण के लिए कुशल सुविधा निष्कर्षण, पैटर्न पहचान पत्र, वॉल्यूम। 95, पृ. 8-13
2. राजेश मेहता, नवीन राजपाल, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 1 अप्रैल, 2017, लैग्रेंजियन एसवीआर और लिफ्टिंग वेवलेट ट्रांसफॉर्म पर आधारित एक मजबूत और कुशल छवि वॉटरमार्किंग योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मशीन लीमिंग एंड साइबरनेटिक्स, वॉल्यूम 8, पीपी। 379-395
3. राजेश मेहता, नवीन राजपाल, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 1 जनवरी, 2018, जीए-एलएसवीआर हाइब्रिडाइजेशन का उपयोग करके वेवलेट डोमेन उठाने में मजबूत छवि वॉटरमार्किंग योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मशीन लीमिंग एंड साइबरनेटिक्स, वॉल्यूम। 9, पृ. 145-161

डॉ. अनुराग जैन

1. अनुराग जैन, 2017, (ऑनलाइन 2019), डायनेमिक सोशल नेटवर्क्स का प्रदर्शन मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स (आईजेआईईआई), इंटर साइंस।, वॉल्यूम 7 नंबर 2/3,, 180 - 202

डॉ. संजय कुमार मलिक

1. आतिफ अहमद खान, संजय कुमार मलिक, 27 सितंबर 2017 को ऑनलाइन उपलब्ध, डोमेन ऑन्टोलॉजी का उपयोग करके सिमेंटिक खोज के लिए एक अर्ध खोज एल्गोरिदम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑटोनोमिक कंप्यूटिंग (इंडर्सासाइंस पब्लिशर्स), खंड 2 नंबर 3, 191-210।

डॉ. वंदनानाथ

1. सोनम रेवारी, वंदना नाथ, सुभासिस हलदर, एसएस देसवाल, आरएस गुप्ता, 2018, बेलनाकार दोहरे धातु हेटेरो-डाइलेक्ट्रिक गेटऑलअराउंड एमओएसएफईटी में गेट-प्रेरित नाली रिसाव में कमी, इलेक्ट्रॉन उपकरणों पर आईईईई लेनदेन, 65 (1), 10-मार्च
2. मुनीश कुमार, वंदना नाथ, 2018, फैक्टल ज्यामिति का उपयोग करके मल्टीबैंड और वाइडबैंड माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटेना का परिचय: पिछले दशक में विकास, वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 98 (2), 2079-2105

श्री सरताज सिंह सोढ़ी

1. ए मिश्रा, पी चंद्रा, यू घोष, एसएस सोढ़ी, 2017, द्वि-मोडल डेरिवेटिव अनुकूली सक्रियण फंक्शन सिग्मोइडल फीडफॉरवर्ड आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग जर्नल, एल्सेवियर, 61, 983-994।

डॉ. अनुराधा चुग

1. ख्याति अहलावत, अनुराधा चुग, अमित प्रकाश सिंह, 2018, बिग डेटा में असंतुलित वर्गीकरण की समस्या के लिए मैप रिडयूस आधारित हाइब्रिड दृष्टिकोण का अनुभवजन्य मूल्यांकन, बिग डेटाएनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग-फ्यूजन फॉर विभिन्न प्रशासनों पर विशेष अंक, 99, 23-45।

डॉ. रिंकाज गोयल

1. आनंद, श्रेय और शर्मा, इशांक और गोयल, रिंकाज, 2017, फजी उपायों का उपयोग करके डयडिक दोस्ती की विस्तारित समझ: एक सिमुलेशन दृष्टिकोण, आईईईई एसीएस, 5, 21179-21192।

डॉक्टर. आर.एल. उज्ज्वल

1. वी. पी. सिंह, आर. एल. उज्जवल, 2018, एनडीएन डब्ल्यूएसएन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, ई-आईएसएसएन में नेटवर्क विभाजन को कम करने के लिए क्लस्टर हेड का चयन करने के लिए अंतरिम चुनाव प्रोटोकॉल: 2347-2693, 2347-2693।
2. रामेश्वरलाल उज्ज्वल, सनेहलाता यादव, 2018, वायरलेस सेंसर नेटवर्क में भीड़ नियंत्रण तंत्र का अध्ययन, जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन डायनेमिकल एंड कंट्रोल सिस्टम, वॉल्यूम 10 अंक 11, आईएसएसएन 1943-023एक्स, 842-850।
3. रितिका सिंह, आरएल उज्ज्वल, इंटरप्लेनेटरी इंटरनेट के लिए डेटा नेटवर्किंग का नाम: एक आर्किटेक्चरल परिप्रेक्ष्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एडवेंट टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 7, नंबर 5, मई 2019।

सुश्री रीना गुप्ता

1. रीना गुप्ता, सीएस राय, 2018, मेडिकल डेटासेट के लिए वर्गीकरण एल्गोरिदम की सांख्यिकीय तुलना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेटा माइनिंग एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 8, 1।

डॉक्टर. जसप्रीत सिंह

1. प्रो. अंजना गोसाईं, डॉ जसप्रीत सिंह, जून, 2017, डेटा वेयरहाउस के लिए बहुआयामी मॉडल में आयाम पदानुक्रम साझाकरण पर जोर देने वाले गुणवत्ता मैट्रिक्स: एक सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 8, पीपी 1672-1688।

श्री. चक्रेश कुमार

1. शुभम खेरालिया, चक्रेश कुमार, घनेंद्र कुमार और शिव राम मीणा, 2018, 64×10 जीबीपीएस डब्ल्यूडीएम सिस्टम के लिए पारंपरिक ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रभाव, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डेग्रुइटर, 2018। , डीओआई: 10. 1515/ joc-2018-0150,
2. चक्रेश कुमार और राकेश गोयल, 2018, 25 गीगाहर्ट्ज चौनल स्पेसिंग के साथ सुपर घने तरंग दैर्ध्य डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग सिस्टम के लिए हाइब्रिड ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रदर्शन मूल्यांकन, जर्नल ऑफ नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 13, 2018, पीपी.275-280,
3. खेरालिया, शुभम और कुमार, चक्रेश और कुमार, घनेंद्र और राम मीणा, शिव, 2018, 64×10 जीबीपीएस डब्ल्यूडीएम सिस्टम के लिए पारंपरिक ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रभाव, ऑप्टिकल संचार का जौनेरल, अक्टूबर 2018, डीओआई: https://doi.org/10.1515/joc-2018-0150।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. अरविंदर कौर

1. अरविंदर कौर, 2017, बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर सिस्टम में प्रदर्शन में गिरावट के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों का पता लगाने की तकनीक, प्रदर्शन इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर 8 वें एसीएम/स्पेक की कार्यवाही, एसीएम, पृष्ठ 213-222।
2. अरविंदर कौर, शुभ्रा गोयल, 2017, बग रिपोर्ट संग्रह प्रणाली (बीआरसीएस), क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग-संगम पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई, पीपी 697-701
3. अरविंदर कौर, 2017, अस्पतालों की वेबसाइटों की पहुंच, प्रयोज्यता और सुरक्षा का मूल्यांकन: एक खोजपूर्ण अध्ययन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस और इंजीनियरिंग-संगम पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई, पीपी 674-680।

प्रो नूपुर प्रकाश

1. झा, विवेकानंद, नुपुर प्रकाश, शेखर वर्मा, नवंबर 2017, "कोरोना आधारित वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए एक ऊर्जा कुशल दृष्टिकोण", सर्वव्यापी कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल संचार पर आईईईई 8 वां वार्षिक सम्मेलन (यूईएमकॉन), न्यूयॉर्क, यूएसए 2017, आईएसबीएन: 978-1-5386- 1104-3, पीपी 316-321।

प्रो प्रवीण चंद्रा

1. शर्मा और पी. चंद्रा, 2017, सॉफ्ट कंप्यूटिंग आधारित सॉफ्टवेयर परीक्षण - एक संक्षिप्त यात्रा वृत्तांत, समस्या समाधान के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 220-228।
2. दीपक शर्मा, प्रवीण चंद्रा, 2017, मशीन-लर्निंग तकनीक, स्मार्ट कंप्यूटिंग और सूचना विज्ञान का उपयोग करते हुए सॉफ्टवेयर फॉल्ट भविष्यवाणी, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 541-549।

प्रो. अंजना गोसाईं

1. अंजना गोसाईं, गंगा शर्मा, 2017, सॉफ्टवेयर समझने के लिए ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड गतिशील जटिलता उपाय, सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, स्प्रिंगर, 177-190।
2. अंजना गोसाईं, साची सरदाना, 2017, ओवरसैंपलिंग तकनीकों का उपयोग करके वर्ग असंतुलन समस्या को संभालना: एक समीक्षा, कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), आईईईई, 79-85।
3. अंजना गोसाईं, हीना मदान, 2017, व्यू सिलेक्शन के लिए क्वेरी प्राथमिकता, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, 403-410।
4. अंजन गोसाईं, जसप्रीत सिंह, 2018, समझने के लिए संरचनात्मक मैट्रिक्स की जांच मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके डेटा वेयरहाउस बहुआयामी स्कीमा की भविष्यवाणी, सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, स्प्रिंगर-वर्लग न्यूयॉर्क, 59-80।

प्रो. उदयन घोष

1. उदयन घोष, रश्मि, अनिका, 2017, अनिश्चित प्रणालियों के लिए असंगतता और किसी न किसी एन्ट्रॉपी पर आधारित एक डेटा रिडक्शन विधि, इंटेलिजेंट सिस्टम कॉन्फ्रेंस, लंदन, यूके, आईईईई एक्सप्लोर, 482- 487।

2. उदयन घोष, संध्या, 2017, san_sim: तथ्यात्मक और कुशल यूआरएल पाठ समानता एल्गोरिथ्म, एप्लाइड और सैद्धांतिक कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीएटीसीसीटी) पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई एक्सप्लोर, 359-364।
3. उदयन घोष, दीक्षा खेतानी, 2017, हिडन मार्कोव मॉडल का उपयोग करते हुए मौसम पूर्वानुमान, स्मार्ट राष्ट्र के लिए कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकियों पर 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी 3टीएसएन), आईईईई एक्सप्लोर, 220-225।

प्रो भारती सूरी

1. श्वेता रानी, भारती सूरी, 2018, समकक्ष उत्परिवर्ती समस्या और इसकी समस्या-समाधान तकनीक: एक पूर्वव्यापी दृश्य, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग (संगम), आईईईई, 791-797 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
2. श्वेता सिंघल, भारती सूरी, संजय मिश्रा, 2017, MHBG_TCS उपकरण का उपयोग करके प्रतिगमन परीक्षण सूट में कमी का एक अनुभवजन्य अध्ययन, कंप्यूटिंग नेटवर्किंग और सूचना विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएनआई), आईईईई, पीपी 1-5।
3. आकांक्षा अहलावत, भारती सूरी, 2017, हाइब्रिड एल्गोरिथ्म का उपयोग करके डेटा माइनिंग में वर्गीकरण में सुधार, सूचना प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीआईपी), आईईईई, पीपी 1-4।
4. आकांशी गुप्ता, भारती सूरी, संजय मिश्रा, 2017, एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा: जावा स्रोत कोड में कोड खराब गंध, कम्प्यूटेशनल साइंस और इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, चाम, 665-682।
5. सुलभ त्यागी, रितु सिब्बल, भारती सूरी, 2017, चुस्त विकास परियोजनाओं पर परीक्षण स्वचालन को अपनाना: भारतीय सॉफ्टवेयर संगठनों का एक ग्राउंडेड थ्योरी अध्ययन, एजाइल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, चाम, 184-198।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. एसके साहू, पी कुमार, एपी सिंह, 2018, कैप्सूल के बीच इंटर कैप्सूल रूटिंग प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए डायनामिक रूटिंग, 2018 यूकेसिम-एएमएसएस कंप्यूटर मॉडलिंग और सिमुलेशन पर 20 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (यूके)। सिम), आईईईई, 5-जनवरी
2. एन आर्य, एपी सिंह, 2018, जेनेटिक एल्गोरिदम का उपयोग करके संयोजन सर्किट में परीक्षण सेट पीढ़ी के साथ एक दोष परिहार दृष्टिकोण, 2018 आविष्कारशील प्रणालियों और नियंत्रण (आईसीआईएससी) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, 1439-1445।
3. गरिमा मोघा, ख्याति अहलावत, अमित प्रकाश सिंह, 2017, अपाचे स्पार्क का उपयोग करके बिग डेटा पर मशीन लेमिंग तकनीकों का प्रदर्शन विश्लेषण, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में हाल के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 17-26।
4. नमिता आर्य, अमित प्रकाश सिंह, 2017, संयोजन सर्किट में दोष और दोष का पता लगाना: तकनीक और विश्लेषण, 2017 कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएससीसीआई), आईईईई, 332-337।
5. संजीब कुमार साहू, एम मैरी जसिंथा, अमित प्रकाश सिंह, 2017, बड़े के लिए उपकरणों का तुलनात्मक अध्ययन डेटा एनालिटिक्स: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, 2017 कम्प्यूटिंग, संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और स्वचालन (आईसीसीसीए), आईईईई, 3 7-41।
6. ख्याति अहलावत, अमित प्रकाश सिंह, 2017, डिसीजन ट्री लेमिंग का उपयोग करके बिग डेटा वर्गीकरण के लिए एक नई हाइब्रिड तकनीक, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, कम्युनिकेशंस और बिजनेस एनालिटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 118-128।

डॉक्टर मनोज कुमार

1. विक्रम सिंह, संदीप आर्य और मनोज कुमार, 2017, कॉमन सोर्स एलएनए के प्रदर्शन मापदंडों पर प्रतिरोधक प्रतिक्रिया का प्रभाव, कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संचार और स्वचालन (आईसीसीसीए), ग्रेटर नोएडा, 2017, आईईईई, पीपी 298-303।
2. पी. गुप्ता और एम. कुमार, 2017, 180 एनएम सीएमओएस प्रौद्योगिकी में पावर कुशल वोल्टेज नियंत्रित ऑसिलेटर डिजाइन, कंप्यूटिंग, संचार और स्वचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीए), ग्रेटर नोएडा, 2017, आईईईई, 2017 पीपी 1470-1476।

3. एन. चुघ, एम. भट्टाचार्य, एम. कुमार और आर. एस. गुप्ता,, "शीट वाहक एकाग्रता और थ्रेशोल्ड वोल्टेज मॉडलिंग असममित रूप से मिश्रित AlGaN/GaN/AlGaN डबल वोल्टेज एचईएमटी", 2017 चौथा IEEE उत्तर प्रदेश खंड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स (UPCON), मथुरा, IEEE, 2017, पृष्ठ 446-451
4. कुमार और एम. कुमार, 2017, "स्टैकिंग तकनीक के साथ सीएमओएस आई-बिट तुलनित्र का बेहतर डिजाइन," 2017, 2017 दूरसंचार और नेटवर्क पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (टीईएल नेट), नोएडा, आईईईई, पीपी 1-5।
5. मनोज कुमार, 2018, "आरसी देरी तत्व ट्यूनिंग के साथ कम बिजली वोल्टेज नियंत्रित ऑसिलेटर का डिजाइन", भारती विद्यापीठ, नई दिल्ली में, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियाकॉम -2018, आईईईई, पीपी 493-496, 14 - 16 मार्च, 2018
6. निशा चुघ, मनोज कुमार, एम. भट्टाचार्य और आर. एस. गुप्ता, मार्च 2018, दोहरी सामग्री गेट (डीएमजी) और पारंपरिक अल्गैन/जीएएन उच्च इलेक्ट्रॉन गतिशीलता ट्रांजिस्टर की आरएफ प्रदर्शन तुलना," 2018 उपकरणों, सर्किट और प्रणालियों पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीसीएस), कोयम्बटूर, आईईईई, 2018, पीपी 137-142।

डॉक्टर. रविंद्र के. आर. पुरवार

1. कीर्ति पंवार, रवींद्र कुमार पुरवार और आंचल जैन, फरवरी-18, रिवर्स 2-आयामी अराजक मानचित्र और आश्रित प्रसार का उपयोग करके एक छवि एन्क्रिप्शन योजना का क्रिप्टएनालिसिस, सिग्नल प्रोसेसिंग और एकीकृत नेटवर्क पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, पीपी 236-239।

डॉक्टर. वी.पी. विश्वकर्मा

1. उम्मे ऐमन, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 3-5 जुलाई, 2017, संशोधित डीप लर्निंग न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके चेहरा पहचानना, कम्प्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज पर 8 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीएनटी), आईईईई, पीपी 1-5।

डॉ. अनुराग जैन

1. स्वाति मौरिया अनुराग जैन, 2017, साइबर फिजिकल सिस्टम में सुरक्षा मुद्दे, सीएसआई कम्युनिकेशंस, वॉल्यूम 41, अंक 9, पृष्ठ 31-35, दिसंबर 2017, सीएसआई, 31-35।
2. शोभा भट्ट, अनुराग जैन और अर्निता देव, 2017, हिंदी भाषण मान्यता: मुद्दे और चुनौतियां, सतत वैश्विक विकास के लिए कम्प्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडिया कॉम 2017, आईईईई, 2719-2723।
3. शोभा भट्ट, अनुराग जैन और अर्निता देव, 2017, कंटीन्यूअस स्पीच रिकग्निशन टेक्नोलॉजीज- ए रिव्यू, एकोस्टिक्स पर 46 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसए-2017), 28-30 अक्टूबर, 2017, एएमयू, अलीगढ़, आईईईई
4. शोभा भट्ट, डॉ. अरनिता देव, डॉ. अनुराग जैन, 2018, हिडन मार्कोव मॉडल आधारित स्पीच रिकग्निशन-ए रिव्यू, आईएसएसएन के साथ सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: 0973-7529, आईईईई.,3367-3372
5. स्वाति मौरिया, अजीत सिंह, सनूर शर्मा, अनुराग जैन, 2018, अकादमिक संस्थानों में साइबर सुरक्षा प्रथाओं की जांच, साइबर अपराध और कंप्यूटर फोरेंसिक (आईसीसीसीएफ) आईईईई पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 16-18 जुलाई 2017, गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया, आईईईई,
6. अजीत सिंह, अनुराग जैन, 2018, साइबर-भौतिक प्रणाली पर साइबर हमलों का अध्ययन, चीजों और कनेक्टेड प्रौद्योगिकियों के इंटरनेट में प्रगति पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICloTCT) 2018, एल्सेवियर-SSRN, 686-690

डॉक्टर संजय कुमार मलिक

1. आतिफ अहमद खान, संजय कुमार मलिक, 2018, सिमेंटिक सर्च रीविजिटेड, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग-कॉन्फ्लुएंस 2018 पर 8 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई [11-12 जनवरी, 2018 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत में आयोजित], आईईईई, 978-1-5386-1719-9
2. गौरव जागलान, संजय कुमार मलिक, 2018, एलओडी: वेब पर साझा डेटा को लिंक करना और क्वेरी करना, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग-कॉन्फ्लुएंस 2018 पर 8 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई [11-12 जनवरी, 2018 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत में आयोजित], आईईईई, 2018, पीपी 568-573।

3. स्वाति तंवर, संजय कुमार मलिक, 2018, 5.2.0 का उपयोग करके एक शैक्षिक आधारित ऑन्कोलॉजी के साथ शब्दार्थ मिश्रण करने की दिशा में: क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस और इंजीनियरिंग-कॉन्फ्लुएंस 2018 पर एक पुनरीक्षित, 8 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई [11-12 जनवरी, 2018 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत में आयोजित], आईईईई, पीपी 733-738।

4. निकिता मलिक, संजय कुमार मलिक, 2017, सिमेंटिक वेब आर्किटेक्चर का पुनरावलोकन, पैटर्न मान्यता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीआर 2017) [22-23 दिसंबर, 2017 को एआईएसीटीआर, दिल्ली, भारत में आयोजित], स्प्रिंगर, -

5. प्रीति राठी, संजय कुमार मलिक, 2017, वेब शब्दार्थ की ओर ओन्टोलॉजी मर्जिंग ऑपरेशन की समीक्षा, पैटर्न मान्यता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीआर 2017) [22-23 दिसंबर, 2017 को एआईएसीटीआर, दिल्ली, भारत में आयोजित, स्प्रिंगर, पीपी 10327-10338।

6. मोनिका छिकारा, संजय कुमार मलिक, 2017, SocNetV का उपयोग करते हुए सामाजिक नेटवर्क में बीच और सूचना केंद्रीयता विश्लेषण का उपयोग करना, पैटर्न मान्यता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICPR 2017) [22-23 दिसंबर, 2017 को AIACTR, दिल्ली, भारत में आयोजित], स्प्रिंगर, -

7. रूपल गुप्ता, संजय कुमार मलिक, 2017, रिलेशनल डेटाबेस से मैपिंग सिमेंटिक वेब डेटा (ओडब्ल्यूएल/आरडीएफ) के लिए एसपीएआरक्यूएल उपयोग: एक पुनरीक्षण, अनुसंधान रुझानों में सिस्टम मॉडलिंग और उन्नति पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (स्मार्ट 2017), आईईईई [29-30 दिसंबर, 2017 को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, भारत में आयोजित] 978-1-5386-1903-2, आईईईई।

8. निकिता मलिक, संजय कुमार मलिक, 2018, वेब शब्दार्थ में सुरक्षा: एक पुनरावलोकन, सतत वैश्विक विकास के लिए कम्प्यूटिंग पर 12 वां इंडियाकॉम 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई [14-16 मार्च, 2018 को बीवीआईसीएएम, दिल्ली, भारत में आयोजित], 0973-7529, आईईईई

9. पूजा मल्होत्रा, संजय कुमार मलिक, 2018, वेब शब्दार्थ के लिए सूचना निष्कर्षण की दिशा में वेब पेज विभाजन, अभिनव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईसीसी-2018), एल्सेवियर (गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली, भारत में आयोजित) 5-6 मई, 2018 को, 978-981-13-2323-2, स्प्रिंगर, पीपी 431-442

डॉ. वंदना नाथ

1. अंकित चंद, मुनीश कुमार, वंदना नाथ, 2018, ट्रिपल बैंड नॉन-लीनियर मैनिपुलेटेड सिएरपिंस्की-नोप फैक्टल वाइड-स्लॉट माइक्रोस्ट्रिप एंटीना के साथ उल्टे एल-आकार की स्ट्रिप, दूसरा इलेक्ट्रॉनिक्स, सामग्री इंजीनियरिंग और नैनो-प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (IEMENTech),, IEMENTech] pp- 1-7.

2. मुनीश कुमार, वंदना नाथ, 2018, डीसीएस/जीपीएस/वाईमैक्स/डब्ल्यूएलएएन/हाइपरलान2 अनुप्रयोगों के लिए संशोधित कैंटर फैक्टल स्लॉट के साथ मल्टीबैंड सीपीडब्ल्यू-फेड सर्कुलर माइक्रोस्ट्रिप एंटीना, वायरलेस कम्युनिकेशंस, सिग्नल प्रोसेसिंग एंड नेटवर्किंग (वाईएसपीनेट), वाईएसपीनेट, 1-5 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

3. मुनीश कुमार, वंदना नाथ, 2017, रोटेटकिए गए परजीवी पैच के साथ बेहतर क्रॉस ध्रुवीकरण और वाइडबैंड मल्टीलेयर वाइड स्लॉट माइक्रोस्ट्रिप एंटीना, आईईईई एशिया पैसिफिक माइक्रोवेव कॉन्फ्रेंस (एपीएमसी), आईईईई, 964-967।

डॉ. रिंकाज गोयल

1. शर्मा, इशांक और आनंद, श्रेय और गोयल, रिंकाज और मिश्रा, संजय, 2017, संस्कृत शब्द एम्बेडिंग के साथ कॉन्टेक्सल संबंधों का प्रतिनिधित्व, कम्प्यूटेशनल साइंस और इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, 262-273।

डॉ. आशीष पायल

1. जया आशीष पायल, 2017-18, वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए एपीआईटी स्थानीयकरण एल्गोरिथ्म का विश्लेषण और कार्यान्वयन, कंप्यूटर और संचार प्रणालियों पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, 310-13।

डॉक्टर. आर. एल. उज्ज्वल एवं श्री राहुल जौहरी

1. करिश्मा वार्ष्णेय; राहुल जौहरी; आर. एल. उज्जवल, 2018, अनेका प्रणाली का उपयोग करते हुए दूरस्थ ऑनलाइन मतदान प्रणाली, विश्वसनीयता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी और अनुकूलन (रुझान और भविष्य की दिशाएं) (आईसीआरआईटीओ), आईईईई, 401-406।

2. करिश्मा वार्ष्णेय; राहुल जौहरी; आर. एल. उज्जवल, 2017, बीडीयूआर: आर वोटिंग सिस्टम, विश्वसनीयता, इंफोकॉम टेक्नोलॉजीज एंड ऑप्टिमाइजेशन (रुझान और भविष्य की दिशाएं) (आईसीआरआईटीओ), आईईईई, पीपी.333-337 का उपयोग करके यूएएफ में बड़ा डेटा विश्लेषण।

3. करिश्मा वार्ष्णेय; राहुल जौहरी; आर. एल. उज्जवल, 2017, बीडीयूआर: आर वोटिंग सिस्टम, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीज और ऑप्टिमाइजेशन (रुझान और भविष्य की दिशाएं) (आईसीआरआईटीओ), आईईईई, 333-337 का उपयोग करके यूएएफ में बड़ा डेटा विश्लेषण।

डॉ. बाला कृष्णा एम.

1. एम. बाला कृष्णा, मई-17, ने संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में कुशल स्पेक्ट्रम प्रबंधन के लिए प्राथमिकता कतार-आधारित आवंटन वितरित किया, एससीपीए डब्ल्यूकेएसएचपी आईसीसी 2017, आईईईई, पीपी.1111-1116।

2. एम. बाला कृष्णा, फरवरी-18, आईओटी नेटवर्क में सक्रिय भागीदारी डेटा सेंसिंग के लिए समूह-आधारित प्रोत्साहन और दंडात्मक योजनाएं, डब्ल्यूएफ-आईओटी 2018, आईईईई, 825-830।

3. एम. बाला कृष्णा और पास्कल लोरेंज, दिसंबर-17, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, टीसीपीएलएस डब्ल्यूकेएसएचपी 2017, आईई, पीपी.1-6 में अवसरवादी संदेश अग्रेषण के लिए सुरक्षित हैशिंग से अवगत होने में देरी।

4. एम. बाला कृष्णा और पुनीत बंसल, सितंबर -17, विशाल मीमो और विषम छोटे सेल नेटवर्क में क्षमता और ऊर्जा प्रबंधन, आईसीएसीसीआई 2017, आईई, 1055-1061

5. अरविंदर कौर, विधि विग, 2017, कंप्यूटर संचार, नेटवर्किंग और इंटरनेट सुरक्षा, ओपन सोर्स जावा डेटाबेस के लिए विकास और परिचितता के लेहमैन कानूनों की मान्यता, स्प्रिंगर

डॉ. अनुराधा चुग

1. अनुराधा चुग, संध्या तारवानी, 2017, (सितंबर), कक्षाओं की प्राथमिकता के बाद "ए" एल्गोरिदम का उपयोग करके इष्टतम रिफैक्टरिंग अनुक्रम का निर्धारण, कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), आईईईई, 1624-1630।

2. अनुराधा चुग, मोनिका गुप्ता, 2017, (सितंबर), रिफैक्टरिंग ऑपरेशन का उपयोग करके दोष में कमी के माध्यम से एक गुणवत्ता वृद्धि, कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), आईईईई, 1869-1875।

3. कनिका गुप्ता, अनुराधा चुग, 2017, रखरखाव की भविष्यवाणी के लिए इंस्टेंस-आधारित फीचर सबसेट चयन एल्गोरिदम का मूल्यांकन, कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), आईईईई, 1482-1487।

श्री राहुल जौहरी

1. श्वेता मीणा, राहुल जौहरी, जॉन सुशांत सुंधाराम, कल्पना गुप्ता, 2017, सीबीडीए: एनेका पर क्लाउड कंप्यूटिंग आधारित डीएमआईएस, सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, पीपी 3-10।

2. राहुल जौहरी, कल्पना गुप्ता, 2017, आरईडी: डीटीएन संपर्कों के शोषण द्वारा दूरस्थ दुर्गम इलाकों में संसाधन प्रबंधन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्यूचर कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशन (आईजेएफसीसी), वॉल्यूम 7, अंक 4, डीओआई: 10.18178

3. करिश्मा वार्ष्णेय, राहुल जौहरी, आरएल उज्ज्वल, 2017, बीआईडीयूआर: आर वोटिंग सिस्टम का उपयोग करके यूएएफ में बिग डेटा विश्लेषण, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीज और ऑप्टिमाइजेशन (आईसीआरआईटीओ) (रुझान और भविष्य निर्देश) 2017, आईईईई, पीपी 333-337 पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

4. सावन कालरा, राहुल जौहरी, सोनिका दहिया, पूनम यादव, 2017, टॉप ऑफ फॉर्म डब्ल्यूएपीआईएस: व्हाट्सएप पैटर्न आइडेंटिफिकेशन एल्गोरिदम जो सोशल कनेक्शन, बॉटम ऑफ फॉर्म, एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल एंड कम्युनिकेशन पैराडाइम (आईसीएसीपी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीपी), स्प्रिंगर को दर्शाता है।

5. आफरीन फातिमा, राहुल जौहरी, रेकाज मुदस्सिर, 2017, डीटीएन रूटिंग: सीमा रक्षा प्रणाली में सुरक्षित संदेश संचरण, कंप्यूटिंग, संचार और स्वचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीए), 2017, आईईईई, पीपी 440-445।

6. संदीप कुमार, राहुल जौहरी, लौकेंद्र सिंह, कल्पना गुप्ता, 2017, टॉप ऑफ फॉर्म एससीएलसीटी: सिक्योर्ड क्रॉस लैंग्वेज सिफर तकनीक बॉटम ऑफ फॉर्म, कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड ऑटोमेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीए), 2017, आईसीसी सीए, डीओआई: 10.1109

डॉ कमलदीप कौर

1. कमलदीप कौर, परमीत कौर, 2017, मैट्रिक्स और कोड गंध का उपयोग करके सॉफ्टवेयर दोष भविष्यवाणी में नमूना तकनीकों का मूल्यांकन। कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई, आईईईई, पीजी नंबर 1377-1387)।
2. कमलदीप कौर, जसमीत कौर, ज्योत्सना माओत्रा, 2018, दोष भविष्यवाणियों के रूप में स्रोत कोड मैट्रिक्स की एन्ट्रॉपी के साथ असंतुलित लेमिंग का मूल्यांकन, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीज और उमनेड सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, पीजीएल -6

ग) पुस्तक के अध्याय

प्रो. अरविंदर कौर

1. अरविंदर कौर, विधि विग, 2017, कंप्यूटर संचार, नेटवर्किंग और इंटरनेट सुरक्षा, ओपन सोर्स जावा डेटाबेस के लिए विकास और परिचितता के लेहमैन कानूनों की मान्यता, स्प्रिंगर
2. अरविंदर कौर, 2017, इंटेलिजेंट कम्युनिकेशन एंड कम्प्यूटेशनल टेक्नोलॉजीज, सॉफ्टवेयर सिस्टम में बदलावों के निष्कर्षण और वर्गीकरण के लिए जीसीसी-गिट चेंज क्लासिफायर, स्प्रिंगर

प्रो बीवीआर रेड्डी

1. ई बिंदु, बीवीआर रेड्डी, 5/12/2018, एमआईएमओ नोड्स के साथ चयनात्मक डिकोड और फॉरवर्ड कोऑपरेटिव वायरलेस रिले संचार में अनुकूलित बिजली आवंटन, सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 93-106।

प्रो. अंजना गोसाईं

1. अंजना गोसाईं, कृति सरोहा, 2017, इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग तकनीकों में प्रगति: सिद्धांत, अभ्यास और अनुप्रयोग, आईसीएसीएनआई, स्प्रिंगर, 501-511।
2. अंजना गोसाईं। प्रभजोत कौर, 2018, आईसीटी आधारित नवाचार, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर नेचर, 23-30
3. अंजना गोसाईं, कृति सरोहा, 2018, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग में प्रगति, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, 295-304।
4. अंजना गोसाईं कविता सचदेवा, 2018, इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग सूचना विज्ञान, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, एसपीआरएसएससिंगर, स्प्रिंगर, 241-251

प्रो. उदयन घोष

1. उदयन घोष, विवेक कुमार सिंह, राजेश पिरयानी, वेदिका गुप्ता, 2017, कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल साइंसेज में प्रगति, मूवी रिव्यू के पहलू-स्तरीय भावना विश्लेषण के लिए एक भाषाई नियम-आधारित दृष्टिकोण, स्प्रिंगर, 201-209।
2. उदयन घोष, रश्मि, राजेश मेहता, 2018, डेटा इंजीनियरिंग और संचार प्रौद्योगिकियों पर व्याख्यान नोट्स, एन्ट्रॉपी और फजी एन्ट्रॉपी के संयोजन का उपयोग करके विशेषता कमी विधि, स्प्रिंगर नेचर, 169-177।

प्रो भारती सूरी

1. मणि, भारती सूरी, मनोज कुमार, 2018, सतत विकास के लिए डेटा खनन तकनीकों, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन मूल्यांकन, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 375-383।
2. आकांशी गुप्ता, भारती सूरी, 2018, कोड क्लोन, इसके व्यवहार और अनुप्रयोगों, नेटवर्किंग संचार और डेटा ज्ञान इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 27-39 पर एक सर्वेक्षण।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. जपनीत सिंह, संजीब कुमार साहू, अमित प्रकाश सिंह, 2018, स्मार्ट कंप्यूटिंग और सूचना विज्ञान, एससीआई पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 451-459।

2. जपनीत सिंह, संजीब कुमार साहू, अमित प्रकाश सिंह, 2018, इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग और सूचना और संचार, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईसीआईसीसी, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 695-704
3. अमित प्रकाश सिंह, शालिनी श्रीवास्तव, संजीब कुमार साहू, 2017, कंप्यूटर संचार, नेटवर्किंग और इंटरनेट सुरक्षा, आईसी 3 टी की कार्यवाही, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 481-492।
4. रवींद्र केआर पुरवार, और वरुण श्रीवास्तव, 2018, एमआर इमेजेज के लिए विभिन्न सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों का उपयोग करके कैंसर का पता लगाने में हालिया प्रगति", उन्नत कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, 99-108
5. विश्वकर्मा, 4 अक्टूबर, 2017, गुणवत्ता, आईटी और व्यवसाय संचालन आईएसएसएन: 2198-7254, वेवलेट डोमेन में एलसी-ईएलएम-आधारित ग्रे स्केल इमेज वॉटरमार्किंग, स्प्रिंगर, पीपी.191-202।

डॉ. आर. एल. उज्ज्वल

1. आर एल उज्ज्वल, 2018, प्राइवेसी अटैक मॉडलिंग एंड रिस्क असेसमेंट मेथड फॉर नेम डेटा नेटवर्किंग, 2018, इंटेलिजेंट सिस्टम एंड कंप्यूटिंग में प्रगति (आईएसबीएन 978-981-13-6860-8 आईएसबीएन 978-981-13-6861-5 (ईबुक), स्प्रिंगर, 109-119।

डॉ. अनुराधा चुग

1. अनुराधा चुग, नेहा नरुला, 2018 (फरवरी), कम्प्यूटेशनल विजन और बायो इंस्पायर्ड कंप्यूटिंग, टेस्ट सूट प्राथमिकता में विकासवादी कण झुंड अनुकूलन एल्गोरिदम का अनुप्रयोग, स्प्रिंगर, चाम, 30-नवंबर।

3. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

प्रो नूपुर प्रकाश

1. "उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीयकरण का बदलता परिदृश्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एआईयू द्वारा प्रायोजित और सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे द्वारा आयोजित विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों के निर्माण पर गोलमेज चर्चा, 8 से 10 अप्रैल 2017 तक, पुणे
2. एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा प्रायोजित और केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, वाराणसी द्वारा 19-21 मार्च, 2018 तक आयोजित "व्यवधान के युग में मानव मूल्यों पर ध्यान देने के साथ नवाचार, उद्यमिता और विघटनकारी प्रौद्योगिकी के युग में उच्च शिक्षा" पर कुलपतियों की 92 वीं वार्षिक बैठक
3. "एक समतावादी समाज में महत्वपूर्ण भागीदारों के रूप में महिलाएं: भारत में वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन" विषय पर महिला अध्ययन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, नॉर्थकैप विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, 8 मार्च, 2018, गुरुग्राम, हरियाणा में एआईयू।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. 2018 यूकेसिम-एएमएसएस कंप्यूटर मॉडलिंग और सिमुलेशन (यूकेसिम) पर 20 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, इमैनुएल कॉलेज, 27 - 29 मार्च 2018, यूके
2. 2018 आविष्कारशील प्रणालियों और नियंत्रण (आईसीआईएससी) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेसीटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, आईईईई एयरोस्पेस एंड इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम सोसाइटी, 19-20 जनवरी 2018, भारत
3. विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में हाल के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, 13-14 अक्टूबर 2017, भारत
4. 2017 कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), मणिपाल विश्वविद्यालय, कर्नाटक, 13-16 सितंबर 2017, भारत
5. कम्प्यूटिंग, संचार और स्वचालन (आईसीसीसीए) पर 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग, गलगोटिया विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, 5-6 मई 2017, भारत
6. इंटेलिजेंट सिस्टम के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICICC 2017), एमआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, 2-4 अगस्त 2017, भारत
7. स्मार्ट सिटी और संस्थागत अखंडता पर 19 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, WASET, हॉलिडे इन सिंगापुर एट्रियम, 29-30 मार्च 2017, सिंगापुर

प्रो. उदयन घोष

1. इंटेलिजेंट सिस्टम सम्मेलन, लंदन, यूके, इंटेलिजेंट सिस्टम सम्मेलन, लंदन, यूके, 7-8 सितंबर, 2017, 2 दिन, यूके

डॉ. मनोज कुमार

1. सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियाकॉम -2018, भारती विद्यापीठ, नई दिल्ली, 14-16 मार्च, 2018, नई दिल्ली में प्रस्तुत पेपर
2. टीईक्यूआईपी-III के तहत रैखिक एकीकृत सर्किट में हाल की प्रगति पर संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, जून, 2018, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. लो पावर एसआरएएम डिजाइन पर कौशल विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, भारती विद्या पीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नई दिल्ली, 05 अक्टूबर, 2017, नई दिल्ली,
4. सत्र की अध्यक्षता दूरसंचार और नेटवर्क टीईएल-नेट 2017 पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, नोएडा, भारत, 10 अगस्त 2017।

डॉ. अनुराग जैन

1. साइबर अपराध और कंप्यूटर फोरेंसिक (आईसीसीसीएफ) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीएफ) आईईईई, ग्लोड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया, 16-18 जुलाई 2017, ऑस्ट्रेलिया

डॉ. एस. के. मलिक

1. 22-23 दिसंबर, 2017 के दौरान पैटर्न रिकग्निशन-आईसीपीआर 2017 (अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च) पर स्प्रिंगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में एक विशेषज्ञ भाषण दिया।
2. सिस्टम मॉडलिंग और अनुसंधान प्रवृत्तियों में उन्नति पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में योगदान दिया - स्मार्ट 2017, कंप्यूटिंग विज्ञान और आईटी, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, 29-30 दिसंबर, 2017, मुरादाबाद
3. "सतत वैश्विक विकास के लिए कम्प्यूटिंग" पर आईईईई 5 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष के रूप में भाग लिया, (भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट), 14-1 6 मार्च, 2018, बीवीआईसीएएम
4. पैटर्न रिकग्निशन-आईसीपीआर 2017 (अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च) पर स्प्रिंगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सत्र अध्यक्ष के रूप में 22-23 दिसंबर, 2017 के दौरान भाग लिया।
5. सिस्टम मॉडलिंग और अनुसंधान प्रवृत्तियों में प्रगति पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष के रूप में भाग लिया - SMART2017, कंप्यूटिंग विज्ञान और आईटी, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, 29-30 दिसंबर, 2017, मुरादाबाद।
6. एआईएसीटीआर में "एनआईटी दिल्ली द्वारा मोबाइल कंप्यूटिंग और संचार" पर एक सप्ताह के एफडीपी में प्रतिस्पर्धा की, 3.7.17 से 7.7.17, एआईएसीटीआर

डॉ. वंदना नाथ

1. डिजिटल रचनात्मकता कौशल", यूएसआईसीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, 5 अप्रैल, 2018, दिल्ली

डॉ. रिंकाज गोयल

1. "अनुसंधान के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण" पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम, यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपीयूनिवर्सिटी, 15 जुलाई-31 जुलाई 2017, नई दिल्ली
2. "अनुसंधान पद्धति: अनुसंधान के लिए विश्लेषणात्मक तकनीक" पर एक सप्ताह की कार्यशाला, डीएसपीएसआर दिल्ली, 10 से 16 जून 2017, नई दिल्ली।

डॉ. आर.एल. उज्ज्वल

1. एंड्रॉइड डेवलपर फंडामेंटल्स पर संकाय विकास कार्यक्रम, यूएसआईसीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, 18/12/2017 से 22/12/2017 (एक सप्ताह), दिल्ली।

डॉ. अनुराधा चुग

1. डेटा साइंस एंड बिग डेटा एनालिटिक्स, आईसीटी अकादमी, 12-06-2017 से 16-06-2017, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली।

2. डेटा माइनिंग: टास्क, टूल्स, टेक्निक्स एंड एप्लीकेशन, डिवीजन ऑफ कंप्यूटर इंजीनियरिंग, 27-11-2017 से 01-12-2017, नेताजी सुभाष इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली।
3. स्मार्ट ग्रिड (ईआईसीएस-2018), टीईक्यूआईपी-3, 12-03-2018 से 16-03-2018, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और साइबर सुरक्षा अनुप्रयोगों में उभरते रुझान।

श्री राहुल जौहरी

1. डेटा माइनिंग पर डेटा माइनिंग पर शॉर्ट टर्म कोर्स टास्क, टूल्स, टेक्नीक्स एंड एप्लीकेशन (डीएमटी 3 ए), कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिवीजन नेताजी सुभाष इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली, 27/11/2017- 1/12/2018।
2. स्मार्ट ग्रिड (ईएलसीएस 2018), इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली में इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा अनुप्रयोगों में उभरते रुझानों पर टीईक्यूआईपी III प्रायोजित एफडीपी, 12/03/2018-16/03/2018

सुश्री प्रियंका भूटानी

1. आईसीटी अकादमी, आईसीटी अकादमी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "डेटा साइंस और बिग डेटा एनालिटिक्स" पर पांच दिवसीय एफडीपी में भाग लिया। जून- 16 * जून, 2017.
2. 15 से 31 जुलाई, 2017 तक यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "अनुसंधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण" पर दो सप्ताह एफडीपी का आयोजन किया गया।

डॉ. कमलदीप कौर

1. मशीन लीमिंग इन प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 23-अप्रैल-2018 से 27-अप्रैल-2018 तक।
2. एक सप्ताह में "आर में वर्गीकरण और प्रतिगमन" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, टीईक्यूआईपी द्वितीय प्रायोजित एफडीपी ऑन मशीन लीमिंग इन प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 26-4-2018।

मिस. रूचि सेहरावत

1. "डेटा साइंस एंड बिग डेटा एनालिटिक्स", आईसीटी अकादमी, 12/06/2017 से 16/06/2017, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय।

सुश्री असना फुरकान

1. ओरिएंटेशन प्रोग्राम, एचआरडीसी जामिया मिलियाइस्लामिया, 13 * नवंबर से 11 * दिसंबर 2017, नई दिल्ली।

सुश्री श्वेता नेचुरल

2. 4 सप्ताह का ओरिएंटेशन प्रोग्राम (ओआर -90), यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 21 नवंबर, 2017 से 19 दिसंबर, 2017 (4 सप्ताह), दिल्ली।

4. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं	संकाय का नाम	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागी की संख्या	अन्य विवरण
1.	प्रो. ए. पी. सिंह	डेटा साइंस और बिग डेटा एनालिटिक्स पर एक सप्ताह का सिंकाय विकास कार्यक्रम	12-16 जून, 2017	50 (लगभग)	आईसीटी अकादमी द्वारा प्रायोजित
2.	डॉ. अनुराग जैन	साइबर सुरक्षा और मशिान लर्निंग पर कार्यशाला	2018	70	प्रो. जी. एस. हुरा, एनआईटी दिल्ली, एआईएसीटीएंडआर में।
3.	डॉ. आशीष प. पयाल	"एंड्रइड डेवलपर फिंडामेंटल्स" पर एफडीपी समन्वयक: डॉ आशीष पयाल	18 से 22 दिसंबर,	30	गूगल इंडिया के सहयोग से आयोजित

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

1. 8 मार्च 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्राफेसर नूपुर प्रकाश, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड।

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	कुल धनराशि
1.	प्रो नूपुर प्रकाश पूर्व कुलपति, आईजीडीटीयूडब्ल्यू के लिए डीएसटी	क्यूरी में "अनुसंधान और नवाचार शिक्षा के लिए विश्वविद्यालयों का एकीकरण"।	आईजीडीटीयूडब्ल्यू के लिए डीएसटी	5 साल	3.67 करोड़
2.	प्रो अमित प्रकाश सिंह और डॉ. अनुराधा चुग	कृषि क्षेत्र में रोग जांच हेतु आईओटी का अनुप्रयोग	डीएसटी	2017-20	60.00 लाख
3.	डॉ. अमित प्रकाश सिंह	10 टी आधारित वायु प्रदूषण निगरानी प्रणाली का डिजाइन और विकास	जीजीएसआईपीयू	2017-18	200000
4.	डॉ. पुष्पेंद्र एस भारती	स्वायत्त नेविगेशन और नियंत्रण के लिए 10 टी आधारित स्वायत्त मोबाइल रोबोट का डिजाइन और विकास	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	2 लाख
5.	डॉ. वीरेंद्र पी विश्वकर्मा	अलग-अलग रोशनी के तहत आंशिक असतत कोसाइन ट्रांसफॉर्म आधारित फेस रिकग्निशन का डिजाइन, विश्लेषण और विकास	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	1.6
6.	डॉ. अनुराग जैन	सामाजिक नेटवर्क और शैक्षणिक संस्थानों में साइबर सुरक्षा	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	193000
7.	डॉ. वंदना नाथ	बैंडविड्थ वृद्धि और मल्टीबैंड कार्यक्षमता के लिए फैक्टल आधारित माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन और अनुकूलन	जीजीएसआईपीयू	2017-2018	1.8 लाख
8.	डॉ. आशीष प. पयाल	जीजीएसआईपीयू परिसर में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वायरलेस सेंसर नेटवर्क आधारित पैदल यात्री नेविगेशन प्रणाली का अध्ययन और विश्लेषण	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	2 लाख
9.	श्री राहुल जौहरी	अवसरवादी नेटवर्क में रूटिंग	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	2.00 लाख रुपये
10.	सुश्री रुचि सहरावत	"डेटा खनन तकनीकों का प्रदर्शन विश्लेषण: एक अनुभवजन्य दृष्टिकोण"	जीजीएसआईपीयू	2018-2019	रु. 1500000/-
11.	डॉक्टर अनुराधा चुग	कोड गंध के आधार पर कक्षाओं को प्राथमिकता देकर ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड मेट्रिक्स का उपयोग करके ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के लिए इष्टतम रिफैक्टरिंग अनुक्रम का निर्धारण	जीजीएसआईपीयू	2017-18	160000

क्र.सं	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	कुल धनराशि
12.	सुश्री प्रियंका चौधरी	विभिन्न वायरलेस संचार अनुप्रयोगों के लिए मल्टीबैंड पुन: कॉन्फिगर करने योग्य माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का विश्लेषण और डिजाइन	जीजीएसआईपीयू	2017-18	190000
13.	डॉ. सरताज सिंह सोढ़ी	अधिक सटीक निर्णय लेने के लिए मॉडल बनाने के लिए बिग डेटा पर शिक्षण तंत्र लागू करना	जीजीएसआईपीयू	2017-18	200000
14.	डॉ. अंजू साहा	मेटाह्यूरिस्टिक तकनीकों का उपयोग करके ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड परीक्षण का अनुकूलन	जीजीएसआईपीयू	2017-18	175000
15.	डॉ. मनोज कुमार	उच्च आवृत्ति, कम शक्ति वाले सीएमओएस आधारित ऑसिलेटर सर्किट का विश्लेषण और डिजाइन	जीजीएसआईपीयू	2017-18	180000
16.	डॉ. आर. रामा किशोर	फजी एन्ट्रापी और वक्र आधारित अनुकूलित और सुरक्षित वॉटरमार्किंग का डिजाइन और विकास	जीजीएसआईपीयू	2017-18	175000

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/परियोजनाएं:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	विक्रम सिंह	बीटेक सीएसई	छठा सेम	हैलो इंडिया आईसीपीसी बूटकैंप
2.	पुनीत कुमार	यूएसआईसी एंड टी	-	ग्लोबल साइबर चौलेंज 2017 में फ्लैग इवेंट पर कब्जा किया और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया
3.	यूएसआईसी एंड टी की अपनी टीम के साथ पीयूष मेंहदीरत्ता	बीटेक सीएसई	छठा सेम	'ईवाई - हैकथॉन 2017' पुरस्कार जीता और प्रत्येक सदस्य को मैक-बुक प्राप्त हुआ
4.	पीयूष मेंहदीरत्ता अपनी टीम के साथ	यूएसआईसी एंड टी	हासिल किया पहला स्थान	एयरटेल ने 2017 में किया 1 लाख का नकद पुरस्कार
5.	राजीव झा और टीम	यूएसआईसी एंड टी	-	अल्ट्राहैक 2017, एक सोशल मीडिया चौलेंज अवार्ड 2017 और अपनी परियोजना का प्रदर्शन करने के लिए फिनलैंड की प्रायोजित यात्रा मिली
6.	प्रकृति शर्मा और टीम	यूएसआईसी एंड टी 2017 में पहले स्थान पर रहे	-	गूगल ऑनलाइन मार्केटिंग चौलेंज परिणाम और 80,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया
7.	यूएसआईसी एंड टी के पांच छात्र	यूएसआईसी एंड टी	-	मार्च 2017 में गूगल समर ऑफकोड प्रोग्राम के लिए चुना गया, जो दिल्ली क्षेत्र में सर्वोच्च चयन है।
8.	राजीव झा	यूएसआईसी एंड टी	-	एयरटेल गुड़गांव
9.	तान्या जयंत	यूएसआईसी एंड टी	-	दूसरे स्थान पर

8. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ जैसे /त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि
1.	जानकारी अभिव्यक्ति 2017	15-17 अक्टूबर, 2017
2.	जानकारी अभिव्यक्ति 2017	15-17 अक्टूबर, 2017
3.	कोडस्टर	1 दिन
4.	रूटर्स	1 दिन
5.	अपनी भाषा का ध्यान में रखें	1 दिन
6.	आरा कोड उन्माद	1 दिन
7.	जोडी प्रोग्रामिंग	2 दिन
8.	ब्लाइंड कोडिंग	1 दिन
9.	नॉन टेक इवेंटड्रयेरशन ट्रेजर हंट	3 दिन
10.	जी ओ टी प्रश्नोत्तरी	1 दिन
11.	ईसीई घटनाक्रम अवधि सर्किट्रिक्स	2 दिन
12.	रोबो रेस	1 दिन
13.	माइंड द लाईन	1 दिन
14.	उद्यमिता घटनाएँ अवधि समाधान	1 दिन
15.	कंपनियों का टकराव	2 दिन
16.	हैकाथॉन युहक हैकाथॉन	2 दिन

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	औसत वर्षिक पैकेज की पेशकश (लाख में)
1.	आईवीपी	7.40
2.	हिताची	5.50
3.	आयन ट्रेडिंग	12.00
4.	एजकॉम	6.50
5.	कोकोकोड	5.00
6.	ओपेरा समाधान	6.00
7.	एक्सीडेंस	3.30
8.	ज़िल्लियस	7.00
9.	नागरो	4.00
10.	ब्लैक स्टोन	5.5
11.	टीसीएस	3.33
12.	एडोब	10.00
13.	एमट्री	4.5
14.	ह्यूजेस	5.00
15.	कॉम्प्रो	5.30

क्र.सं.	कंपनी का नाम	औसत वर्षिक पैकेज की पेशकश (लाख में)
16.	लाइव लाइक टेक्नोलॉजीज	5.00
17.	ज़ोपर	8.00
18.	एचएसबीसी	12.00
19.	एचएसबीसी	7.00
20.	यामाहा मोटर्स	5.00
21.	मीडियाटेक	7.80
22.	सिल्वर पीक ग्लोबल	18-24
23.	सी-वीईएनटी	6.06

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क) शोधार्थियों ने प्रवेश किया:10

ख) कुल पीएचडी पंजीकृत शोधार्थियों: 107

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	नामाकन संख्या	परीक्षण योग्य का विवरण
1.	हर्षित गंगल	416405318	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 429
2.	अंकिता कुमारी	216405318	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 287
3.	सपना चौधरी	516405318	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2017, स्कोर: 407
4.	प्रकाश सिंह	816404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 433
5.	कुणाल वर्मा	1116404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 402
6.	हाशिम	716404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 497
7.	रवीना यादव	1316404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 410
8.	रितिका कुमारी	1816404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 318
9.	ज्योति सिंह	916404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 437
10.	प्रतीक कुमार राय	1216404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 425
11.	प्रियंका निर्माण	616404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, एससीएमआई: 362
12.	अंजुम मदन	1016404818	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 433
13.	सुंशत भटिया	12716490018	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2017, स्कोर: 364
14.	अरविंद कुमार	13416490018	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 398
15.	तनु शर्मा	13216490018	गेट क्वलिफाइड, वर्ष 2018, स्कोर: 429
16.	रूद्रांश	13516490018	यूजीजीनेट (जेएरएफ) 2018, स्कोर: 477

4.9 कानूनी अध्ययन विद्यापीठ

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम (सेमेस्टर बार)	कुल क्षमता
1.	बीए एलएलबी	60
2.	बीबीए	40
3.	एलएलबी	38
4.	एलएलबी	40

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) अनुसंधान पत्रिकाओं में लेख:

प्रो कंवल डी. पी. सिंह

1. कंवल डी. पी. सिंह, ब्रेक्सिट-रोडअहेड के कर निहितार्थ, ISSN2091-2110
2. कंवल डी. पी. सिंह, समावेशी विकास और गरीबी उन्मूलन - भारत का एक केस स्टडी, दोई: 10.1 177/0019556117726822।
3. कंवल डी. पी. सिंह, सतत विकास के लिए कार्बन खपत कर की व्यवहार्यता- भारत का अध्ययन, Doi: 10-25034/ijcua.2018.3674।

प्रो एम. अफजल वानी और डॉ. राकेश कुमार

1. एम. अफजल वानी और डॉ. राकेश कुमार, अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकार और शिक्षा का माध्यम: राष्ट्रीय अखंडता के लिए अभिशाप, आईएसएसएन 0971-3212।

डॉ. दीपशिखा अग्रवाल

1. दीपशिखा अग्रवाल भारत में किशोर अपराध - नवीनतम रुझान और किशोर न्याय अधिनियम, 1365-1383 में संशोधन।

डॉ. शिवानी गोस्वामी

1. शिवानी गोस्वामी, इंग्लैंड और भारत में पत्नी बलात्कार की स्थिति, 2230-746.
2. शिवानी गोवामी, सरोगेसी विनियमन विधेयक, 2320-6942 के बाद भारत में गर्भ का किराया।

डॉ रविन्द्र कुमार

1. रविन्द्र कुमार, क्या 'समाजवाद' शब्द अभी भी भारत के संविधान में प्रासंगिक 22786996।
2. रविंदर कुमार, स्वास्थ्य का अधिकार, 239553।
3. रविंदर कुमार, दिवाली पर पटाखे जलाएं: धार्मिक अधिकार के मामले, 9713212।

डॉ. लीजा प. लुकोस

1. एस शिवकुमार और लिसा पी लुकोस, कैसे पढ़ें, एक्सेस करें और शोध लेख लिखें, आईएसएसएन- 0019-5731।

श्री जुबैर अहमद खान

1. जुबैर अहमद खान, लाभ साझा करण से संबंधित कानूनी मुद्दे: भारतीय परिप्रेक्ष्य, आईएसएसएन 2231-0983। जुबैर अहमद खान, भारत में गवाह संरक्षण की आवश्यकता: एक कानूनी विश्लेषण, आईएसएसएन नंबर 2231-0983।
2. जुबैर अहमद खान, भारत और बांग्लादेश में जैव विविधता का संरक्षण: एक कानूनी परिप्रेक्ष्य, ई आईएसएसएन-0976-1489।
3. जुबैर अहमद खान और सह-लेखक, भारत और बांग्लादेश में पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा से संबंधित कानूनी मुद्दे, आईएसएसएन 0971-3212।

डॉ अनुराधा झा

1. डॉ अनुराधा झा, वैश्वीकरण के युग में भारतीय डायस्पोरा की भूमिका, 2349-0187।

डॉ. वंदना सिंह

1. डॉ. वंदना सिंह, मौत की सजा को कम करना और राष्ट्र की सामूहिक चेतना को बदलना, 097-1489।
2. डॉ. वंदना सिंह और डॉ. जैस्पर, न्याय वितरण में देरी पर काबू पाने के लिए संरचनात्मक सुधार।
2. डॉ वंदना सिंह, भारत में लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय तक पहुंच, आईएसएसएन 0971-3212।

श्री एम शक्तिवेल

1. शक्तिवेल, नागरिक अधिकार के रूप में शिक्षा के अधिकार का कार्यान्वयन-एक आलोचनात्मक विश्लेषण, 0976 - 965।
2. शक्तिवेल, टीएन गोडावर्मन थिरुमुलपाद बनाम यूनियन ऑफ इंडिया-केस कमेंट, 2230-746।

डॉ. नीलू मेहरा

1. डॉ नीलू मेहरा और सह-लेखक, भारत में आयातित खाद्य पदार्थों पर कानून के प्रति न्यायिक दृष्टिकोण का प्रभाव मूल्यांकन, 2455-867।
2. डॉ नीलू मेहरा, भारत में जेल कैदियों के कल्याण और पुनर्वास के लिए जेल की सर्वोत्तम प्रथाएं, 2320-6942।

डॉ कविता सोलंकी

1. डॉ कविता सोलंकी, भारत में एसिड हमले: एक बढ़ता हुआ मुद्दा, 2349-1353।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. एम. अफजल वानी

1. डॉ एम अफजल वानी, मानवता, ऊर्जा और कानून: आग्रह और चुनौतियां।

डॉ. दीपशिखा अग्रवाल

1. डॉ. दीपशिखा अग्रवाल, जानबूझकर अपराधीकरण का खामियाजा भुगत रही हैं: भारत में डीएनटी के कलंक और दुविधा की एक अंतहीन कहानी ऑक्सफोर्ड सम्मेलन श्रृंखला मार्च 2018 में, 978-1- 911185-69-7।

डॉ. लीजा प. लुकोस

1. डॉ लिसा पी लुकोस, मैग्ना कार्टा और मानवाधिकार: 800 वर्षों की विरासत।
2. डॉ लिसा पी लुकोस, सार्क में स्वदेशी लोगों के अधिकार।
3. डॉ लिसा पी लुकोस, मानव अधिकार और सोशल मीडिया 'मानव अधिकार और डिजिटल युग में'।
4. डॉ लिसा पी लुकोस, कानूनी अनुसंधान में नैतिकता: कानूनी अनुसंधान पद्धति में कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी का उल्लंघन।
5. डॉ लिसा पी लुकोस और सह-लेखक, 'भारत के विकास की दिशा में राज्य के तीन विंगों की भूमिकाओं को संतुलित करने में छिपे हुए संवैधानिक अधिकारों के नवाचार में न्यायिक तकनीकें।
6. डॉ लिसा पी लुकोस, निजीकरण और वैश्वीकरण में मानवाधिकारों पर व्यापार उदारीकरण का प्रभाव।

3. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में संकाय द्वारा भाग लिया गया

डॉ. अनुज वाक्षा

1. डॉ. अनुज वाक्षा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में इंडिक विचार पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. राकेश कुमार

1. डॉ. राकेश कुमार ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया और एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया।

2. डॉ. राकेश कुमार, निजता के अधिकार पर कार्यशाला, सीपीजेसीएचएस, दिल्ली।
3. डॉ. राकेश कुमार ने भाग लिया और राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया।
4. डॉ. राकेश कुमार, संवैधानिक क्लब गतिविधियां 2017-18।

डॉक्टर अनुराधा झा

1. डॉ. अनुराधा झा, स्वच्छ भारत समर इंटेमशिप एनएसएस सेल, जीजीएसआईपीयू फैकल्टी को आमंत्रित किया गया है
2. डॉ अनुराधा झा, डॉ कविता सोलंकी, योग सत्र (एनएसएस सेल, जीजीएसआईपीयू)।

सभी संकाय सदस्य

1. 2 अगस्त 2017 को यूएसएलएलएस में कैरियर ओरिएंटेशन व्याख्यान
2. एंटी रैगिंग, डीएलएसए.

4. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं

1. आईसीएसएसआर के सहयोग से यूएसएलएलएस द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पाठयक्रम। 10 दिन (मार्च 2018)
2. कानून के विभिन्न पहलुओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम और 2017 के प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रों के लिए सीवी निर्माण कठोर कार्यशाला।
3. कानूनी दृष्टिकोण के साथ फ्रेशर्स के लिए रैगिंग विरोधी जागरूकता कार्यक्रम (डीएसएलएसए के सहयोग से), 3 दिन अगस्त 17-19, 2017।
4. 'भारत में न्यायिक सक्रियता और सामाजिक कार्रवाई मुकदमेबाजी' पर माननीय न्यायमूर्ति जी एस सिंघवी (सेवानिवृत्त न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय) द्वारा विशेष व्याख्यान (31 अक्टूबर, 2017)।
5. ओरिएंटेशन प्रोग्राम: बीए/बीबीए एलएलबी कोर्स http://www-ipu-ac-in/pubinfo/ntlaworg310717-pdf के लिए स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम।
6. सतत शिक्षा कार्यक्रम (कौशल उन्नयन):
   क) तिहाड़ जेल का दो अकादमिक दौरा (जेल अधिकारियों, कैदियों और विचाराधीन कैदियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र) (2017 -2018).
   ख) राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 23 से 25 फरवरी, 2018।
   ग) इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता 3 सितंबर, 2017।

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

1. डॉ क्वीनी प्रधान, आईसीसीआर के साथ पैनलमेंट, 3 महीने के लिए वियना विश्वविद्यालय, आईसीसीआर में पढ़ाया
2. डॉ लिसा पी लुकोस, सचिव, राष्ट्रमंडल कानूनी संघ और सदस्य सचिव, राष्ट्रमंडल कानून सुधार समिति, राष्ट्रमंडल कानून सुधार समिति

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

1. प्रो. कंवल डीपी सिंह, डीन और प्रो., कमजोर समूहों के लिए गरीबी उन्मूलन- भारत में एक केस स्टडी, आर एंड सी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
2. डॉ. क्वीनी प्रधान, प्रो., ब्रिटिश और स्वतंत्रता के बाद भारत में कानून, संप्रभुता और समाज, आर एंड सी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
3. डॉ. दीपशिखा अग्रवाल, एसोसिएट प्रो., भारतीय चिकित्सा पद्धति और स्वास्थ्य अवसंरचना का पुन: अध्ययन, बस्तर जिले में छत्तीसगढ़, आर एंड सी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
4. डॉ उपमा गौतम, सहायक प्रो., द ग्रे बिहाइंड द गोल्डन: सिक्किम के विकास एजेंडा, आर एंड सी, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी का एक केस स्टडी
5. डॉ वंदना सिंह, सहायक प्रो., इंडस्ट्रियल डिजाइन प्रोटेक्शन इन इंडिया: एनालिसिस और, आर एंड सी, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी

6. शक्तिवेल, सहायक प्रो., डिजिटल संदर्भ में पहुंच: भारतीय कॉपीराइट कानून, आर एंड सी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन
7. जुबैर अहमद खान, सहायक प्रो., लाभ साझाकरण और जैव विविधता न्याय के संदर्भ में स्वदेशी समुदायों के अधिकार: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, आर एंड सी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय

7. उन शिक्षकों का विवरण जिन्होंने सरकारी/गैर-सरकारी स्रोतों (एफआरजीएस के अलावा) द्वारा कोई शोध परियोजना प्राप्त की है:

योजना का नाम	फंडिंग एजेंसी का नाम	पीआई/समन्वयक का नाम	परियोजना की स्थिति (नई/चालू)
विभिन्न लॉ स्कूलों में कानूनी सहायता प्रकोष्ठों के कामकाज के न्याय तक पहुंच पर कानूनी सहायता के डिजिटलीकरण का विश्लेषण और प्रभाव	न्याय विभाग, विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार	प्रो कंवल डीपी सिंह	प्रस्तुत और अनुमोदित
10 दिनों की अनुसंधान पद्धति गमन	आईसीएसएसआर और यूएसएलएलएस	डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	प्रस्तुत और अनुमोदित
आईपीआर और कराधान के बीच इंटरफेस पर लघु परियोजना	सीयूएसएटी	डॉ. एम. शक्तिवेल	प्रस्तुत

8. विद्यालय/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें/

गतिविधि का नाम	भाग लेने वाले छात्रों/शिक्षकों की संख्या
यूएसएलएलएस छात्रों के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस (आईएल जनवरी, 2018) के अवसर पर इंटरैक्टिव सत्र। दक्षिण-पश्चिम डीएलएसए के सचिव श्री जगमोहन सिंह ने व्याख्यान दिया।	100 छात्र + 5 संकाय
8 सितंबर, 2017 को जीजीबीवी स्कूल, डी-ब्लॉक, जनक पुरी में कानूनी साक्षरता के एक भाग के रूप में मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, साइबर कानून, उपभोक्ता के अधिकारों पर इंटरैक्टिव सत्र।	100 छात्र + 5 संकाय
समिता मिश्रा मेमोरियल फाउंडेशन फॉर कैंसर रिसर्च के सहयोग से 30 अक्टूबर, 2018 को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम- कैंसर और रोकथाम के उपायों के बारे में सार्वजनिक योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना।	100 छात्र + 5 संकाय
नवंबर 2018 में आरंभ फाउंडेशन के सहयोग से कानूनी अधिकारों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम- लोगों के कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता फैलाना।	100 छात्र + 5 संकाय
जे.बी.एम. पब्लिक स्कूल में उपभोक्ता एवं मतदान अधिकार पर कार्यशाला 20 फरवरी, 2018 को सत्र उपभोक्ता अधिकारों और मतदाता अधिकारों के बुनियादी पहलुओं पर केंद्रित था	100 छात्र + 5 संकाय
2 नवंबर, 2018 को भारतमाता सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कानूनी सहायता, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, आर.टी.1 पर इंटरैक्टिव सत्र	100 छात्र + 5 संकाय

9. विद्यालय/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयचर्या गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन की तारीख	समझौता ज्ञापन के उद्देश्य
1	19 अप्रैल 2005	संयुक्त फैलोशिप स्थापित करने की योजना बनाई गई थी, संकाय विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त रूप से कानूनी मुद्दों पर पत्रिका लॉन्च करना, सामान्य पाठयक्रमों को अपनाना और कानून का सामान्य मंच प्रदान करना।

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

शैक्षणिक वर्ष	वर्ष में प्रथम वर्ष के छात्रों की संख्या	शैक्षणिक वर्ष	नियुक्त स्नातकों का औसत वेतन (रुपये में राशि)
2017-18	100 (बीए. बीबीए)	2017-18	लगभग 4 लाख प्रति वर्ष

11. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क) इस अवधि के दौरान पूरी की गई/प्रदान की गई पीएचडी की कुल संख्या: 05

क्र.सं.	पीएच.डी. शोधार्थी का नाम	गाइड का नाम	थीसिस का शीर्षक	पंजीकरण का वर्ष
1	डॉ. राकेश कुमार	प्रो. एम. अफजल वानी	'भारतीय संविधान के तहत अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकार'	2010
2	डॉ शिखा शर्मा	प्रो. एम. अफजल वानी	'भारत में तुलनात्मक विज्ञापन अपमान और ट्रेडमार्क उल्लंघन: एक इंटरफेस'	2011
3	डॉ. रूपांशी सच्चर	प्रो. एम. अफजल वनी	-	2012
4	डॉ. सुमेध सेठी	प्रो. एम. अफजल वानी	साइबर स्पेस में आईपीआर का उल्लंघन: भारत में उपलब्ध उपायों पर एक आलोचना	2012
5	डॉ. दीपाली वशिष्ठ	प्रो. एम. अफजल वानी	पौधे के संरक्षण के तहत किसानों के अधिकारों का संरक्षण और उन्नति विविधताएं और किसान अधिकार अधिनियम, 2001: एक महत्वपूर्ण अध्ययन।	2010

ख) शोधार्थियों ने प्रवेश किया: 11

ग) कुल संख्या। चल रहे पीएचडी पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या: 14

12. छात्रों द्वारा फैलोशिप/पुरस्कार का विवरण:

क्र.सं.	रिसर्च फेलो /पुरस्कार विजेता का नाम	नामांकन का वर्ष	फैलोशिप की अवधि	अनुदान देने वाली संस्था	छात्रवृति/पुरस्कार के प्रकार
1	गजाला शरीफ	2016	सतत	आईपीयू	आईपीआरएफ
2	सुजाता जयन्त	2016		आईपीयू	एसटीआरएफ
3	अनंत वियाव मारिया	2016		आईपीयू	आईपीआरएफ
4	मीशा बहमनी	2016		आईपीयू	एसटीआरएफ
5	आनंदिता यादव	2016		आईपीयू	एसटीआरएफ
6	शिवानी सिंह	2017		आईपीयू	आईपीआरएफ
7	कविता	2017		आईपीयू	आईपीआरएफ
8	सुकृति यज्ञसेन	2017		आईपीयू	एसटीआरएफ
9	अदिति सिंह	2018		आईपीयू	आईपीआरएफ
10	अंजलि	2018		आईपीयू	आईपीआरएफ
11	अलंकृता माथुर	2018		आईपीयू	एसटीआरएफ
12	रूपम	2018		आईपीयू	एसटीआरएफ

क्र.सं.	रिसर्च फेलो /पुरस्कार विजेता का नाम	नामांकन का वर्ष	फैलोशिप की अवधि	अनुदान देने वाली संस्था	छात्रवृति/पुरस्कार के प्रकार
13	सोनाली शर्मा	2018		यूजीसी	जेआरएफ
14	ईशा कौशिक	2017-18	लगभग 3 महीने के लिए रिसर्च एसोसिएट्स	विधि और न्याय मंत्रालय परियोजना, यूएसएलएलएस, परियोजना के लिए अनुसंधान सहयोगी	
15	राम				

13. इंटर्नशिप/प्रशिक्षण/परियोजना कार्य/अनुसंधान सुविधाओं को साझा करने के लिए संस्थानों/उद्योगों के साथ संबंधों का विवरण:

संगठन/उद्योग	लिंकेज का प्रकार (प्रशिक्षण/ परियोजना/अनुसंधान)	प्रारंभ का वर्ष	अवधि	लाभान्वित विद्यार्थियों/ शिक्षकों की संख्या
संसदीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में 31 अगस्त, 2017 को 14 वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता	प्रशिक्षण	31-अगस्त-17	1 दिन	55 छात्र और 20 शिक्षक
दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और नालसा	बीएसईएस के लिए विशेष लोक अदालत	9 दिसंबर, 2017 और 9 दिसंबर, 2018	1 दिन	10 विद्यार्थी
दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण	विधिक साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम (दिल्ली के विभिन्न न्यायालयों में अलग-अलग अंतराल पर)	2017- मार्च 2018		लगभग 30-40 छात्र

14. इंटर्नशिप/प्रशिक्षण/परियोजना कार्य/अनुसंधान सुविधाओं को साझा करने के लिए संस्थानों/उद्योगों के साथ संबंधों का विवरण:

क) इंटर्नशिप

कंपनी का नाम/एनजीओ / लॉ फर्म / कानूनी एसोसिएट्स	इंटर्नशिप की पेशकश की गई और किया गया
लूथरा एंड लूथरा एसोसिएट्स	5
जे सागर और एसोसिएट	1
कोचर एंड कंपनी।	5
प्रैक्सिस काउंसिल।	4
विधि कार्यालय	1
एटलस लॉ पार्टनर्स	1
हेमंत कुमार के कक्ष	2
एसके मित्तल एंड एसोसिएट्स	2
वोहरा और वोहरा	2
लक्ष्मी कुमारन श्रीधरन	1
एम.वी. एंड कंपनी	1
नौशाद अहमद खान (एडवोकेट)	2
क्राई (चाइल्ड राइट एंड यू)	2
जे एंड एस चौंबर्स	4

कंपनी का नाम/एनजीओ / लॉ फर्म / कानूनी एसोसिएट्स	इंटर्नशिप की पेशकश की गई और किया गया
ओएससी ज्ञान केंद्र	12
प्रकाश कानूनी सलाहकार प्रा.लि	4
लेक्स ज्यूरिस लॉ फर्म	2
जेकेजीए लॉ चैंबर्स	2
सीपीए ग्लोबल	4
ड्राफ्ट एंड क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड	6
पवन दुग्गल एसोसिएट्स	2
आडवाणी एंड कंपनी।	1
ज्योति सागर एसोसिएट्स	1

(ख) फील्ड प्रोजेक्ट

परियोजनाओं का विवरण	भागीदारी की संख्या
पंचायती राज प्रणालियों पर पीएसडी गतिविधियां और सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम, एडीआर, बैंकिंग जागरूकता और बीमा समाज के कमजोर समूहों के लिए सुविधा प्रदान करता है	लगभग 200

15. अन्य जानकारी/गतिविधियाँ (1-04-2017 से 31-03-2018):

(क) राज्यधाष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उपस्थित/अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या:

क्र.सं.	नाम	जत्था	प्रतियोगी परीक्षा
1	नंदिनी उपाध्याय	2019	यूपी न्यायिक सेवा
2	अक्षय गुप्ता	2019	आईआरएस (सिविल सेवा)
3	छवि बंसल, देव सरोहा, नवदीप गुप्ता और दीक्षा सेठी	2019	दिल्ली न्यायिक सेवा

(ख) विद्यालय द्वारा की गई पहल का विवरण:

क्र.सं.	पहल का नाम	समस्याओं को संबोधित किया	भाग लेने वाले छात्र/कर्मचारी
1	मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल, द्वारका में इंटरएक्टिव सत्र	कानूनी साक्षरता के हिस्से के रूप में आरटीआई, मौलिक अधिकार, उपभोक्ता के अधिकार	200 स्कूली छात्र
2	इंटरएक्टिव सत्र जीजीबीवी स्कूल, ब्लॉक - डी, जनकपुरी	मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य	200 स्कूली छात्र
3	आउटरीच कार्यक्रम (शिक्षा उन्मुख) बैंकिंग और बीमा कानून	(क) बैंक खाता खोलना, (ख) आधार कार्ड को लिंक करना, (ग) ऑनलाइन बैंकिंग में कदाचार, (घ) बैंकिंग धोखाधड़ी, सिम क्लोनिंग, हैकिंग, (ड) चेक का अनादर, (च) स्वास्थ्य बीमा,	कुल 13

क्र.सं.	पहल का नाम	समस्याओं को संबोधित किया	भाग लेने वाले छात्र/कर्मचारी
4	(कानूनी सहायता)	(क) स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, (ख) आधार कार्ड को लिंक करना, (ग) बैंकिंग लोकपाल, (घ) विधवा पेंशन, (ड) घरेलू सहायक के लिए मतदाता पहचान पत्र, (च) सुकन्या समृद्धि खाते, (छ) घरेलू सहायक के लिए पीएमजेडीवाई खाते खोलने (ज) घरेलू हिंसा, (प) भारत सिखाओ स्कूल अध्याय, (झ) स्कूल में बच्चे का प्रवेश, (त्र) गरीब बच्चों को पढ़ाना, (ट) घरेलू सहायक के लिए प्रवेश पास, (ठ) लाडली योजना योजना, (ड) पासपोर्ट अनुरोध, (ढ) माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का रखरखाव और कल्याण अधिनियम, (ण) उज्ज्वला के तहत गैस सिलेंडर आवेदन, (त) पर्स चोरी की एफ. आई.आर	कुल 96

4.10 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज

1. स्कूल में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल क्षमता (सेमेस्टेर वार)
1.	एमबीए	2 साल	100+ 15% विदेशी छात्र	209
2.	एमबीए (वित्तीय बाजार)	2 साल	60+ 15% विदेशी छात्र	113
3.	एमबीए (सप्ताहांत)	2 साल	120	236

2. प्रयोगशालाओं/संगोष्ठियों आदि के संबंध में स्कूलों/केंद्रों/विभागों में नए सेटअप के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	सिमुलेशन सॉफ्टवेयर	स्मार्ट बिज प्रबंधन खेल

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. नीना सिन्हा

1. सिंह, एन., श्रीवास्तव, एस., और सिन्हा, एन. (2017). 'एम-वॉलेट की उपभोक्ता वरीयता और संतुष्टि: उत्तर भारतीय उपभोक्ताओं पर एक अध्ययन'। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंकमार्केटिंग, 35 (6), 944-965।
2. वर्मा, पी., और सिन्हा, एन. (2017). उपयोग में आसानी और व्यवहार संबंधी इरादे के संबंध के मध्यस्थ के रूप में दृष्टिकोण की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट कॉन्सेप्ट्स एंड फिलॉसफी, 10 (3), 227-245।

प्रो. ए.के. सैनी

1. बबीता जी कटारिया, एके सैनी, और संगीता गुप्ता (2017)। अस्पताल में आईटी हस्तक्षेप: सार्वजनिक और निजी अस्पतालों का तुलनात्मक अध्ययन, एमिटी ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम 12, अंक 2, सितंबर 2017, पीपी 32। (ISSN 0975-511X)
2. पारुल सिंह और एके सैनी, "नवाचार: साहित्य और अनुसंधान एजेंडा की समीक्षा", एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 8, नंबर 1, जनवरी 2018, पीपी 74-89, आईएसएसएन 2249-7307।
3. मिश्रा रेखा और एके। सैनी। 'व्यावसायिक निर्णय प्रक्रिया में निर्णय वातावरण की भूमिका की एक अनुभवजन्य जांच', बिजनेस पर्सपेक्टिव्स (बिमटेक के एक डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यू जर्नल), वॉल्यूम 16, नंबर 2 जुलाई-दिसंबर 2017, पीपी 21-31, आईएसएसएन 0972-7612।
4. पारुल सिंह, ए.के. 'संगठनों में नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और प्रदर्शन: एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा', एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, वॉल्यूम 9, अंक 1, पीपी 400-406। डीओआई: 10.5958/2321-5763.2018.00061.6. आईएसएसएन 0976-495एक्स (प्रिंट), 2321-5763 (ऑनलाइन)
5. रश्मि झा और अनिल के सैनी (2018)। 'छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए ईआरपी विक्रेता के चयन का एक व्यापक कम्प्यूटेशनल विश्लेषण', एमिटी बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम 19, नंबर 1, जनवरी-जून, 2018। (आईएसएसएन: 0972-2343)

डॉक्टर. दिव्या गाखर

1. गखर डी.वी. और प्रकाश डी (2017)। निवेश व्यवहार: निवेशक पूर्वाग्रहों और मायर्स ब्रिग्स प्रकार संकेतक व्यक्तित्व के बीच संबंधों का एक अध्ययन। ओपस: एचआर जर्नल, वॉल्यूम 8, अंक 1, पीपी.32-60।
2. गखर डी.वी. और प्रकाश डी (2018)। भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान: उपस्थिति, भविष्यवाणियां और प्रथाएं', दीप्ति प्रकाश, इंक. जे. इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 2018, वॉल्यूम 16, नंबर 4, इंदरसाइंस एंटरप्राइजेज लिमिटेड, पीपी- 400-415 के साथ। ISSNL 753-0814.

3. गखर डी.वी. (2018)। कल्याण से धन सृजन तक: अभिजीत फुकोन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक सेक्टर मैनेजमेंट, एमराल्ड पब्लिशर्स, 2018, वॉल्यूम 31 के साथ राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के निजीकरण पर साहित्य की समीक्षा। (स्कोपस) अंक: 2, पीपी.265-286

डॉक्टर दीप्ति प्रकाश

1. प्रकाश डी और जैन एस (2017)। सकारात्मक पारस्परिक लेन-देन स्ट्रोक और कामकाजी पेशेवरों की संघर्ष समाधान शैली और नेताओं के लिए इसके निहितार्थ। कल के चौथे अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन सम्मेलन निर्माण संगठन: मानव पूंजी की नेतृत्व चुनौतियां 1-12 http://www-elkjournals-com/ से पुन: प्राप्त (http://www-elkjournals-com)

2. प्रकाश डी और मनचंदा पी (2017)। गेमिफिकेशन: संगठनात्मक संदर्भ में खेल तत्वों को समझना; संपादित पुस्तक, डिजिटल युग को गले लगाना: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, पीपी.62-68।

प्रो. शालिनी गर्ग

1. गर्ग, एस, मित्तल, एसके और शर्मा, एस (2017)। स्मार्ट शहरों के निर्माण में ई-प्रशिक्षण की भूमिका, प्रोसेडिया कंप्यूटर साइंसेज जर्नल, वॉल्यूम 111,24-30।

2. गर्ग, एस एंड शर्मा, एस (2017)। युवा प्रबंधकों में मूल्य संचालित सॉफ्ट स्किल्स की भूमिका: भारतीय संदर्भ में एक अनुभवजन्य अध्ययन खंड 15,44-51।

3. सांगवान, एस एंड गर्ग, एस (2017)। डब्ल्यूआईएल और बिजनेस ग्रेजुएट स्किल ट्रांसफर टू वर्कप्लेस, ऑन द होराइजन, वॉल्यूम -25,109-114।

डॉ. शिल्पा जैन

1. जैन, एस और खुराना, एन (2018)। कर्मचारियों की भागीदारी पर नेतृत्व विकास का प्रभाव भारत में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में काम करने वाले सहयोगी। डायस प्रौद्योगिकी समीक्षा, 15 (1), 37-44।

2. जैन, एस., खुराना, एन., और बजाज, बी. (2018). स्वच्छ भारत अभियान के तहत जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति भागीदारी ने दृष्टिकोण का नेतृत्व किया: भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 16 (4), 384-399।

3. जैन, एस, और खुराना, एन (2017)। प्रशिक्षण और विकास के माध्यम से कर्मचारी जुड़ाव बढ़ाना। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 8 (1), 1-6।

4. प्रकाश, डी और जैन, एस (2017)। सकारात्मक पारस्परिक लेन-देन स्ट्रोक और कामकाजी पेशेवरों की संघर्ष समाधान शैली और नेताओं के लिए इसके निहितार्थ। एल्क एशिया पैसिफिक जर्नल्स-978-93- 85537-03-5 (ऑनलाइन)

प्रो. पूजा खत्री

1. खत्री, पी., और दत्ता, एस.(2018). अलग-अलग सोच- यह बॉक्स बदलने का समय है! रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनरी, 3 (10), डीओआई: 10.5281

2. खत्री, पी., और रहेजा, एन (2018)। भारतीय संदर्भ में पूर्व छात्रों के व्यवहार के आयाम का अनुभवजन्य मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट कॉन्सेप्ट्स एंड फिलॉसफी, 11 (1)।

3. रहेजा, एन, और खत्री, पी (2018)। पूर्व छात्रों का नागरिकता व्यवहार, सामाजिक और वित्तीय देने वाला व्यवहार उनके अल्मा मेटर के प्रति - संभावनाएं और अनुसंधान के लिए क्षेत्र। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 9, डीओआई: 10. 5958/2321-5763.2018.00005.7।

4. खत्री, पी और रैना, के (2017)। दिल्ली एनसीआर में सार्वजनिक, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों के लिए संकाय नौकरी सगाई के आयामों की पहचान करने की दिशा में। डायस प्रौद्योगिकी समीक्षा, 14 (1), 8-16।

5. खत्री, पी. एंड दत्ता, एस. (2017). आईटीईएस क्षेत्र में सर्वेंट लीडर के मूल्यों का अनुभवजन्य मूल्यांकन। डायस प्रौद्योगिकी की समीक्षा, 14 (2), 48-56।

6. दत्ता, एस, और खत्री, पी (2017)। नौकर नेतृत्व और सकारात्मक संगठनात्मक व्यवहार: कर्मचारियों के टर्नओवर इरादों को कम करने के लिए आगे का रास्ता। क्षितिज पर, 25 (1), 60-82। डीओआई: 10.1108/ OTH- 06-2016-0029।

7. खत्री, पी., और गुप्ता, पी. (2017). सकारात्मक संगठनात्मक राजनीति का अनुभवजन्य मूल्यांकन: एक भारतीय संदर्भ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट कॉन्सेप्ट्स एंड फिलॉसफी, 10 (4), 392-404।
8. खत्री, पी., और रैना, के. (2017, अप्रैल). दिल्ली-एनसीआर में व्यावसायिक पाठयक्रमों को पढ़ाने वाले स्थायी और संविदात्मक संकाय की प्रोटियन कैरियर ओरिएंटेशन और संगठनात्मक प्रतिबद्धता का एक अध्ययन। प्रबंधन: इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 10 (4), 7-18। डीओआई: 10.17010/v10i4/112762.
9. खत्री, पी., और रैना, के. (2017). अधिक सकारात्मक जीवन की ओर: दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के एसएमई कर्मचारियों की नौकरी की संतुष्टि पर सकारात्मक मनोविज्ञान के प्रभावों का एक अध्ययन। पी. रावत (एड.) में, कल के संगठनों का निर्माणरू एक डिजिटल कार्यस्थल में मानव पूंजी की नेतृत्व चुनौतियां। एल्क प्रकाशक।

प्रो एन सिंह लाठर

1. लाठर, ए. एस., जैन, एस., और खुराना, एन. (2018). योग्यता विकास प्रथाओं को मापने के लिए एक पैमाने का विकास और मानकीकरण। दिल्ली बिजनेस रिव्यू, 19 (2), 31-50।
2. लाथर, ए.एस., और जैन, एस(2017)। कर्मचारी जुड़ाव और जनसांख्यिकीय अंतर: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, भारत में प्रबंधकों का एक अध्ययन 'वर्ल्ड जर्नल ऑफ मैनेजमेंट वॉल्यूम 8। नंबर 1. मार्च 2017 अंक. पीपी 1 -14

प्रो. उदिता तनेजा

1. जफर, ई और तनेजा, यू (2017) बिजनेस कंटीन्यूटी प्लानिंग - दिल्ली में अस्पतालों का एक सर्वेक्षण, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 25 (6): 699-709। डीओआई 10.1007/एस10389-017-0830-3
2. जफर, ई और तनेजा, यू (2017) अस्पतालों में व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन के निर्धारक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, 13 (1): 57-69। डीओआई: 10.1504/ IJCIS-2017.083640

डॉ. संचिता

1. संचिता, 2017, एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था में चरवाहा व्यवहार की एक परीक्षा - भारतीय शेयर बाजार का एक अध्ययन, ग्लोबल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड बिजनेस रिसर्च: बी इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स, 2249-4588।

डॉ. गगन दीप शर्मा

1. एरकुट, बी., काया, टी., लेहमैन-वाफेनश्मिट, एम., महेंद्रू, एम., शर्मा, जी. डी., श्रीवास्तव, ए. के., और श्रीवास्तव, एम. (2018). प्लास्टिसिटी के दृष्टिकोण से वित्तीय निर्णय लेने पर एक नया नजर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एथिक्स एंड सिस्टम।
2. शर्मा, जीडी, आर्यन, आर., सिंह, एस., और कौर, टी. (2018). नेतृत्व और संगठन के बारे में साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। बिजनेस मैनेजमेंट के अनुसंधान जर्नल.
3. शर्मा, जी. डी., श्रीवास्तव, एम., और गुप्ता, एम. (2018). आर्थिक संकट के समय मैक्रोइकॉनॉमी-स्टॉक मार्केट संबंधों की समीक्षा: उभरते बाजारों का एक अध्ययन। एशिया-प्रशांत जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड इनोवेशन, 13 (1 और 2), 1-18।
4. शर्मा, जीडी, और मनहेंद:, एम (2017)। एक नए प्रबंधन सिद्धांत के लिए प्यास। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 8 (3), 921-924।
5. शर्मा, जीडी, और मिश्रा, एन (2017)। शेयर बाजारों और मुद्रा बाजारों के बीच रिटर्न लिंकेज और अस्थिरता स्पिलओवर प्रभाव: भारत से साक्ष्य। बाजार एकीकरण की समीक्षा, 7 (3), 175-197।
6. सिंह, एस., बावा, जे., और शर्मा, जी. डी. सतत व्यवसाय द्वारा हितधारकों के लिए मूल्य सुनिश्चित करना: एक वैकल्पिक मॉडल प्रस्ताव। जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 22 (4), 57-63।
7. सिंह, एस., सिंह, जे., और शर्मा, जीडी (2017)। समग्र व्यापार लक्ष्य को सुविधाजनक बनाने में प्रबंधन और तकनीकी शिक्षा की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च, 14 (4), 183-193।

प्रो. विजिता एस. अग्रवाल

1. विजिता एस. अग्रवाल और प्राची जैन (2018)। 'भारत के संगठित किराने के खुदरा व्यापार के संदर्भ में एक सेवा गुणवत्ता पैमाने का विकास', प्रबंधन निर्णय, 56 (9), पीपी- 1969-1990 (स्कोपस अनुक्रमित, सामाजिक विज्ञान उद्धरण सूचकांक (आईएसआई), एबीआई और एबीडीसी सूचीबद्ध)।

2. विजिता एस. अग्रवाल और अरुणा झा। (2018) 'संस्थागत दबावों और सीएसआर कार्यान्वयन के एकीकरण के लिए एक वैचारिक ढांचा', रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट- वॉल्यूम: 07, संख्या: 011, आईएसएसएन- 2251-1571। (कोपरनिक्स, वैज्ञानिक जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर, गूगल स्कॉलर के सूचकांक में अनुक्रमित)।

3. विजिता एस. अग्रवाल और माधवी कपूर (2018)। 'डनिंग्स के तेल प्रतिमान के ढांचे में अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम- भारतीय कंपनियों का एक अध्ययन', मैनेजमेंट टुडे: प्रबंधन अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1), पीपी -49-52, आईएसएसएन- 2230-8764, जनवरी-मार्च। (गूगल स्कॉलर इंडेक्सिंग के साथ एक यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिका)।

4. विजिता एस. अग्रवाल और प्राची जैन (2017)। 'संगठित खुदरा श्रृंखलाओं में ग्राहक संतुष्टि और ग्राहक कादारी पर कथित सेवा की गुणवत्ता का प्रभाव", एमिटी बिजनेस रिव्यू, 18 (2); पीपी- 77-89, आईएसएसएन-0972-2343, जुलाई-दिसंबर। (1.3, भारतीय उद्धरण सूचकांक (आईसीआई) के ASI_Score के साथ ईबीएससीओहोस्ट, यूएसए, उलरिचवेब, ग्लोबल सीरियल्स डायरेक्टरी, अकादमिक कुंजी, यूएसए, उन्नत विज्ञान सूचकांक (एएसआई), जर्मनी जैसे डेटाबेस में सूचीबद्ध)।

5. विजिता एस. अग्रवाल और प्राची जैन (2017) "ग्राहक संतुष्टि पर कथित सेवा गुणवत्ता का प्रभाव", प्रांजाना- द जर्नल ऑफ मैनेजमेंट अवेयरनेस; 20(2); पीपी -29-42, आईएसएसएन- 0971- 9997, जुलाई-दिसंबर।

6. विजिता एस. अग्रवाल, दिनेश रावत और आर. के. मित्तल (2017)। 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उनके एकीकरण के माध्यम से भारत में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना: गुड़गांव ऑटो-कंपोनेंट क्लस्टर में फर्मों के सामने आने वाली चुनौतियों का एक अध्ययन', एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंटय 8 (1): पीपी 59-67। (गूगल स्कॉलर, प्रो क्वेस्ट सेंट्रल, इंडियन साइटेशन इंडेक्स में अनुक्रमित)।

7. विजिता एस. अग्रवाल, दिनेश रावत और आर. के. मित्तल (2017)। 'भारत में क्लस्टर विकास दृष्टिकोण: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक एंटीडोट', आईजेसीएमएस, वॉल्यूम 8, नंबर 2; पीपी: 19-29, आईएसएसएन- 2249-0310, मई (गूगल स्कॉलर में अनुक्रमित)।

(ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. शालिनी गर्ग

1. अग्रवाल, पी एंड गर्ग, एस (2017)। ई-एचआरएम का अध्ययन और संगठनात्मक प्रभावशीलता की दिशा में इसका योगदान, डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही: ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, आईएसबीएन नंबर 978-93-86349-89-7, पीपी.192-199।

2. गर्ग, एस एंड सांगवान, एस मार्च, (2018)। शिक्षा में विविधता, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे, चुनौतियां और निहितार्थ, आईआईटीएम, नई दिल्ली, मार्च 2018, पीपी: 150157, ई-आई एसबीएन: 9789352889938, 150-157।

3. गर्ग, एस एंड सहगल, ए. मार्च (2018)। भारत में समावेशी शिक्षा के संबंध में चुनौतियां और पहल: विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) का एक मामला, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को सुधारने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे, चुनौतियां और निहितार्थ, आईआईटीएम, नई दिल्ली, मार्च 2018, ई आईएसबीएन: 978-93-5288-993-8, 39-46, पीपी: 39-46।

4. गर्ग, एस और सचदेवा, एममार्च (2018)। भारत की पीढ़ी द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग पर एक अध्ययन, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे, चुनौतियां और निहितार्थ, आईआईटीएम, नई दिल्ली, मार्च 2018, पीपी: 115-120, ई-आईएसबीएन: 978-93-5288-993-8, 115-120।

5. गर्ग, एस और जैन, सी मार्च (2018)। भारत में एमओओसी की व्यापकता: एक महत्वपूर्ण समीक्षा, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे, चुनौतियां और निहितार्थ, आईआईटीएम, नई दिल्ली, ई-आईएसबीएन: 97893-5288-993-8, 69-82

6. गर्ग, एस एंड शर्मा, एस जून (2017)। कौशल विकास के लिए ई-प्रशिक्षण आधारित नवाचार रणनीतियाँ', 32 वां अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन, जिनेवा, आईआईएसईएस, आईएसबीएन: 978-80-87927-39-जिनेवा, स्विट्जरलैंड, पीपी: 100-106।

7. गर्ग, एस और सहगल, ए (2017)। कौशल विकास और भारत के आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव, विश्व अर्थव्यवस्थाओं में प्रतिमान परिवर्तन, अवसर और चुनौतियां 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आरडीआईएएस खंड 1, आईएसबीएन: 978-1-63535-729-5, पीपीएल -3।

8. गर्ग, एस और सहगल, ए (2017)। विमुद्रीकरण: 21 वीं सदी के नए भारत में बदलाव लाने के लिए आगे का रास्ता, उभरते भारत की 21 वीं सदी के लिए भारत को आकार देने पर सम्मेलन, 2017, बीवी आईएमआर, खंड 1, आईएसबीएन: 978-93-86608-09-3, पीपी 119-121।

9. गर्ग, एस और सांगवान, एस (2017)। प्रशिक्षण मूल्यांकन: हाल के रुझान और चुनौतियां, विश्व अर्थव्यवस्थाओं में प्रतिमान बदलाव, अवसर और चुनौतियां 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी: 173-177, आरडीआईएस, खंड 1, आईएसबीएन: 978-1-63535-729-5, 173-177।

10. शर्मा, एस और गर्ग, एस (2017)। व्यावसायिक प्रशिक्षण में ई-प्रशिक्षण को एकीकृत करना, डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही: ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, (आईएसबीएन नंबर 978-93-86349-89-7)

11. सांगवान, एस और गर्ग, एस (2017)। डिजिटल युग में सफलता के लिए रोजगार कौशल पर साहित्य की समीक्षा, डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही: ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, आईएसबीएन नंबर 978-93-86349-89-7, पीपी.257-264।

12. सांगवान, एस और गर्ग, एस (2017)। ई-एचआरएम: एक वैचारिक समीक्षा, डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही: ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, आईएसबीएन नंबर 978-93-86349-89-7, पीपी.208-218।

प्रो. उदिता तनेजा

1. भाटिया, आर एंड तनेजा, यू (2017) "हेल्थकेयर प्रदाताओं के लिए ई-हेल्थ सर्विसेज वैल्यू प्रोपोशन: नई दिल्ली में तीन बड़े अस्पतालों का एक केस स्टडी', व्यापार और शहरों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका - 27 वां अंतर्राष्ट्रीय आरईएसईआर सम्मेलन, एड ई हर्नांडेज, डी सांचेज, एस अरांडो, बिलबाओ, स्पेन, पीपी.230-236।

डॉ. शिल्पा जैन

1. जैन, एस, और खुराना, एन (2017)। डिजिटल युग को गले लगाना: मानव संसाधन परिप्रेक्ष्य। डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य (पीपी 239-248)। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

2. जैन, एस और बजाज, बी (2017)। मिलेनियल्स और डिजिटल वर्कप्लेस: काम पर तकनीक के बारे में मिलेनियल्स के विचारों को समझने के लिए एक अध्ययन। डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

प्रो. पूजा खत्री

1. खत्री, पी (2018)। सहकारी समितियों द्वारा प्रबंधित भारतीय संस्थानों के संकाय जुड़ाव के आयाम का अनुभव जन्य मूल्यांकन, समावेशी सहयोगी और जिम्मेदार व्यवसायों के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया: स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड, यूके में सिद्धांत, नीति और अभ्यास में सहकारिता, 20-23 जून (2017)।

प्रो अनो सिंह लाठर

1. लाठेर, ए. एस., जैन, एस. एंड शर्मा, आर. (2017). डिजिटल युग में रणनीतिक आंतरिक संचार के लिए एक प्रस्तावित मॉडल: साहित्य समर्थित साक्ष्य। डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

प्रो. विजिता एस. अग्रवाल

1. विजिता एस अग्रवाल और शेफाली खुराना (2018)। "परिवार खरीद निर्णयों में बच्चों के प्रभाव पर राष्ट्रीय संस्कृति का प्रभाव", क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में वैश्वीकरण विरोधी युग में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अभ्यास, सिद्धांत और अनुसंधान की चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसबीएन -978-0-64698343-1, 31 जनवरी-2 फरवरी, 2018।

2. विजिता, एस. अग्रवाल और दिनेश रावत (2017)। "प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में क्लस्टर हितधारकों के साथ नेटवर्क: एक वैचारिक ढांचा", उभरते बाजारों के लिए अस्थिर और अनिश्चित वातावरण में रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी दिल्ली, पीपी -381-391, आईएसबीएन -978-93-83893-05-8, 14 और 15 जुलाई, 2017।

प्रो नीना सिन्हा

1. सिन्हा एन (2017) पर्यावरण कानून से निजी पर्यावरण शासन: अर्थशास्त्र, पारिस्थितिकी और कानून अंतर्राष्ट्रीय छात्र कानून सम्मेलन को एकीकृत करना 'संकट के सामने सतत विकास: कानून को क्या संरक्षित करना चाहिए?' 24-25 मार्च 2017 विधि संकाय, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस।

ग) पुस्तक के अध्याय

प्रो. शालिनी गर्ग

1. गर्ग, एस (2017)। डॉ. मित्तल, एस एट अल, ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, 2017 (पुस्तक में अध्याय) डिजिटल युग को गले लगाना: प्रबंधन दृष्टिकोण, पीपी 175-182

प्रो. पूजा खत्री

1. खत्री, पी और रैना, के (2017)। ई-क्रांति के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण: एक नया प्रतिमान। मित्तल, एस., प्रकाश, डी. और शर्मा ए.(एड.), डिजिटल युग को गले लगाना: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य (पृष्ठ 175-182)। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
2. खत्री, पी और वर्मा, एन (2017)। डिजिटल युग में एचआरएम को बदलना। मित्तल, एस., प्रकाश, डी. और शर्मा, ए.(एड.) में डिजिटल युग को अपनाना - प्रबंधन परिप्रेक्ष्य (पृष्ठ 183-191)। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
3. खत्री, पी और दत्ता, एस (2017)। मानव संसाधन प्रबंधन के कामकाज पर एचआरआईएस का प्रभाव। मित्तल, एस., प्रकाश, डी. और शर्मा ए. (एड.) में डिजिटल युग-प्रबंधन परिप्रेक्ष्य (पृष्ठ 183-191) को गले लगाना। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

घ) कोई अन्य प्रकाशन

डॉक्टर. दिव्या गखर

1. गखर, डी.वी. (2018) 'बिहेवियरल फाइनेंस', होप इंडिया पब्लिकेशंस।

4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

डॉ. दिव्या वर्मा

1. भारतीय निवेशकों के निवेश व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक उद्यमिता पर 5 वां आईसीआईईआर-क्राइस्ट यूनिवर्सिटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: सतत मॉडल और प्रथाएं, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, 17-18 नवंबर 2017, बेंगलुरु।

प्रो. पूजा खत्री

1. समावेशी सहयोगी और जिम्मेदार व्यवसायों के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड, यूके में सिद्धांत, नीति और अभ्यास में सहकारिता, 20-23 जून (2017)।

प्रो. शालिनी गर्ग

1. आईआईएसईएस और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट बोहेमिया -अर्थशास्त्र संकाय, 27-30 जून, 2017, जिनेवा, स्विट्जरलैंड।

प्रो. उदिता तनेजा

1. व्यापार और शहरों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका - 27 वां अंतर्राष्ट्रीय आरईएसईआर सम्मेलन, 7-9 सितंबर 2017, बिलबाओ, स्पेन।

प्रो. विजिता एस. अग्रवाल

1. 'परिवार खरीद निर्णयों में बच्चों के प्रभाव पर राष्ट्रीय संस्कृति का प्रभाव', क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में वैश्वीकरण विरोधी युग में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अभ्यास, सिद्धांत और अनुसंधान की चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसबीएन -978-0-64698343-1, 31 जनवरी-2 फरवरी, 2018
2. 'प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में क्लस्टर हितधारकों के साथ नेटवर्क: एक वैचारिक ढांचा', उभरते बाजारों के लिए अस्थिर और अनिश्चित वातावरण में रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटीदेही, पीपी -381-391, आईएसबीएन-978-93-83893-05-8, 14 और 15 जुलाई, 2017।

3. "ग्राहक जुड़ाव के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना- भारतीय रेलवे का एक केस स्टडी", "डिजिटल युग को अपनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य", यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।
4. "समुदाय में सीएसआर: बाड़मेर जिले में केयर्न इंडिया लिमिटेड डिजिटल सीएसआर पहल का एक केस स्टडी", "डिजिटल युग को गले लगाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य", यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।
5. "भारत के डिजिटल लाभांश के साथ समस्याएं", "डिजिटल युग को अपनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: प्रबंधन परिप्रेक्ष्य", यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।

डॉ. गगनदीप शर्मा

1. 4-6 सितंबर 2018 को ब्रिस्टल में आयोजित ब्रिटिश एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट के 2018 वार्षिक सम्मेलन में 'खुशी का अर्थशास्त्र: एक व्यवस्थित समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 8-9 जून 2017 को एंटवर्प (बेल्जियम) में 13 वें न्यूरो साइको इकोनॉमिक्स सम्मेलन में 'मस्तिष्क कामकाज और वित्तीय निर्णय लेने: एक शोध एजेंडा' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

5. स्कूलों/विभागों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	ब्यौरा
1.	जीएसटी की अवधारणाओं और निहितार्थों पर संगोष्ठी	10 अगस्त, 2017	300	जीएसटी छात्र संगोष्ठी
2.	केंद्रीय बजट 2018 पर पैनल चर्चा	6 फरवरी 2018	300	मॉक इंटरव्यू सत्र
3.	श्री राज हजेला सीईओ, ईएसटीईएल टेक्नोलॉजीज का अतिथि व्याख्यान	14 मार्च 2018	300	व्यापार निर्णय में रणनीति की भूमिका
4.	प्रो. शिवेंदु, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय द्वारा ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी	14 दिसंबर 2017	150	ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी पर एक दिवसीय व्याख्यान
5.	नरेश गुप्ता, प्रमुख, बैंग इन इंडिया मध्यवर्ती का अतिथि व्याख्यान	22-03-2018	150	एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में विज्ञापन
6.	महान परियोजना के लिए श्री बुराकएरकुट द्वारा व्याख्यान।	5-19 मार्च 2018	30	अनुसंधान वार्ता
7.	मनोज अग्रवाल का अतिथि व्याख्यान	22-03-2018	100	सीएसआर और भारतीय कंपनियां
8.	अशांत समय में भारतीय उद्योग जगत को बदलने पर पैनल चर्चा और नवाचार और स्थिरता।	26-03-2018	60	दो समानांतर पैनल चर्चा सत्र आयोजित किए गए थे।
9.	पैनल चर्चा: 1. स्टार्टअप इंडिया के मुद्दे और आगे की यात्रा। 2. उद्योग और शिक्षाविद: अंतर को पाटना	28-03-2018	60	दो समानांतर पैनल चर्चा सत्र आयोजित किए गए थे।
10.	मोहित शॉनी, सैपिएंट लिमिटेड और राहुल बजाज द्वारा मॉक इंटरव्यू सत्र	22-03-2018	150	मॉक इंटरव्यू सत्र

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	अवधि	कुल धनराशि
डॉ दिव्या वर्मा	भारत में कामकाजी पेशेवरों का बचत और निवेश व्यवहार	आईसीएसएसआर	जनवरी 2018 से 2 साल	5,42,000 रुपये
प्रो. शालिनी गर्ग	समावेशी और सुलभ कार्यस्थल के निर्माण में मानव संसाधन पहल	यूजीसी	3 साल (2015-2018)	रु. 8,16,800/-
डॉ. गगनदीप शर्मा	वित्तीय के लिए प्लास्टिसिटी विकल्प निर्णय लेने का सिद्धांत और प्रायोगिक साक्ष्य।	डीएएडी जर्मनी और ग्रेजुएट अकादमी (टेक्नीश यूनिवर्सिटी, ड्रेसडेन, जर्मनी)	फरवरी 2018- अप्रैल 2019	यूरो 10,0000/-
डॉ. गगनदीप शर्मा	जैविक खेती में पोषक तत्वों के असंतुलन का मुकाबला करने के लिए पौधों के लाभकारी रोगाणुओं का बड़े पैमाने पर गुणन	विज्ञान विभाग और प्रौद्योगिकी, भारत सरकार, नई दिल्ली	2017-2018	3,262,541 रुपये
विजिता अग्रवाल	"क्षेत्रीय परिवर्तन के चालक के रूप में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी: बाड़मेर क्षेत्र, राजस्थान में कॉर्पोरेट हस्तक्षेप और क्षेत्रीय विकास का एक अध्ययन।	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष 2017-2018	1 लाख
आर.के.मित्तल	सतत के लिए रूपरेखा दिल्ली और एनसीआर के परिवार खपत: एक सर्वेक्षण	आईसीएसएसआर	2017-19	7 लाख

7. स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित उत्सवों/वार्षिक बैठकों जैसी पाठ्येतर गतिविधियों के लिए आयोजित की जाने वाली पाठ्येतर गतिविधियां:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1.	यूएसएमएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम एमबीए और एमबीए (एफएम)	एक दिन	छात्रों के नए बैच की भर्ती
2.	यूएसएमएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम एमबीए (डब्ल्यूई)	एक दिन	छात्रों के नए बैच की भर्ती
3.	स्मृति 2018 (जनवरी 2018)	एक दिन	यूएसएमएस के वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन
4.	2016-18 बैच के लिए यूएसएमएस विदाई	एक दिन	विदाई

8. स्कूल द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (अकादमिक/आर एंड डी) का विवरण

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन की तारीख	सहयोग संस्थान आदि जैसे समझौता ज्ञापन का विवरण	समझौता ज्ञापन के उद्देश्य
1.	2017-19	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, दिल्ली	एमबीए के लिए संयुक्त सहयोग

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश (लाख में)
1	आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड	5
2	एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड	3
3	अमेरिप्रिज फाइनेंशियल, गुडगाँव	6
4	अमृत ऑटो इंडस्ट्रीज	5
5	अपोलो म्यूनिख	5
6	एसोचौम	4
7	शुभ घटनाएं	5
8	ब्लैक रॉक	4
9	सेंटेलिटिक्स, नोएडा	5
10	एडसिल	10
11	एडलवाइस स्टॉक ब्रोकिंग	6
12	इवैल्यूसर्व	5
13	एक्सेंटिजा	4
14	ईवाई	5
15	ग्रेल अनुसंधान	7
16	एचडीएफसी बैंक	5
17	हिताची	5
18	आईबीएम	3
19	आईआईएफएल	4
20	भारतीय डाकघर	5
21	कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग	4
22	कोडक प्रतिभूतियां	5
23	ऋण की रूपरेखा	4
24	मैरिनो सर्विसेज	3
25	मैट्रिक्स	4
26	मिरिक बायोटेक लिमिटेड	3
27	निवेश.कॉम-2018	6
28	एनटीपी डेटा ग्लोबल डिलीवरी सर्विसेज	3
29	ओ.यू. कॉर्पोरेट्स	5
30	ऑनलाइन 24X7	3
31	ऑरेंज	6

क्र.सं.	कंपनी का नाम	रखे गए छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश (लाख में)
32	OYO रूम्स	2	5
33	पोसिस्ट प्रौद्योगिकियां	3	6
34	विरोध	5	5
35	आर. एस. स्टील ट्रेडर्स	1	4
36	मानक और खराब वैश्विक विपणन	3	5
37	थॉटफोकस	2	6
38	संयुक्त स्वास्थ्य समूह	3	5
39	वैल्कुला	1	5
40	वेद सूचना विज्ञान	1	5
41	दृश्यमान अल्फा	1	4
42	डब्ल्यूएनएस	5	4
43	जोमैटो	1	4
	कुल	149	5

10. रिसर्च स्कॉलर्स का विवरण:

(क) रिसर्च स्कॉलर्स ने स्वीकार किया: 09

(ख) कुल पीएचडी पंजीकृत शोध विद्वान: 96

11. जेआरएफ-नेट/गेट योग्य छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	परीक्षण योग्य का विवरण
1.	हिमांशु	नेट
2.	मानसी जैन	नेट जेआरएफ

12. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक पत्रिका/ पत्रिका का विवरण:

इंद्रप्रस्थ जर्नल ऑफ मैनेजमेंट- एक द्विवार्षिक जर्नल ऑफ यूएसएमएस

13. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

बैच 2017-19 की शैक्षिक यात्रा मार्च 2018 में महाराष्ट्र के रायगढ़ औद्योगिक क्षेत्र और मुंबई में गई थी। 55 छात्र इस यात्रा पर गए और कोकुयो कैमलिन और भूषण स्टील प्लांट का दौरा किया। पूजा खत्री, डॉ शिल्पा जैन, अमित शर्मा और गौरव तालान छात्रों के साथ थे।

4.11 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन

1. स्कूल में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	कुल क्षमता (सेमेस्टेर वार)
1.	एमए (एमसी)	2 साल	60	60

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

(क) अनुसंधान पत्रिकाओं में लेख:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी दुर्गेश, विक्रम नमित (2017) मीडिया सांस्कृतिक सीमांतता और सांस्कृतिक नागरिकता, IJCD, खंड -18, अंक 1-2, पृष्ठ -38, आईएसएसएन संख्या 2231-2498।

डॉ. कुलवीन त्रेहन

1. त्रेहान, के (2018) सोशल मेडियल के माध्यम से वर्जनाओं को संबोधित करना: ऑनलाइन वकालत अभियान का विश्लेषण, कम्युनिकेटर वॉल्यूम एलआईआई (1), जनवरी-मार्च, 2018।

डॉ. श्वेता सिंह

1. श्वेता सिंह (2018) प्रमुख निजी समाचार चौनलों एनडीटीवी 24*7 और सीएनएन-आईबीएन, पत्रकारिता और संचार में प्रगति द्वारा भारत में अरब संघर्षों का फ्रेमिंग, खंड: 6, नंबर 2, पृष्ठ संख्या: 27-37।

डॉ. सचिन भारती

1. सचिन भारती और दिव्यानी रेढू, (2017) फिल्मों में रचनात्मक स्वतंत्रता: भ्रम या वास्तविकता? समकालीन सामाजिक विज्ञान (0302-9298), 71-80, खंड 26 (अक्टूबर-दिसंबर 2017)
2. सचिन भारती (2017), युवाओं की टीवी देखने की आदतों पर फिल्म, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन डेवलपमेंट, (2231-2498) 27-31, वॉल्यूम 07 (जुलाई, 2016 से जून 2017)

(ख) पुस्तक के अध्याय

डॉ. श्वेता सिंह

1. श्वेता सिंह, 2018, भारतीय टीवी चौनलों द्वारा अरब संघर्षों का प्रतिनिधित्व: सीएनएन-आईबीएन और एनडीटीवी

(ग) कोई अन्य प्रकाशन:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

मीडिया और संचार अध्ययन विषय में ई-पीजी पाठशाला के तहत इनफ्लिबनेट पर प्रकाशित

1. त्रिपाठी, डी (2017)। पेडन्यूज और विनियम। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
2. त्रिपाठी, डी (2017)। प्रभाव अध्ययन। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
3. त्रिपाठी, डी (2017)। खेती का विश्लेषण। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
4. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, मीडिया और फैशन। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiew Subject?catid=24 से प्राप्त किया गया
5. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, संस्कृति और उपभोग। http://epgp-inflibnet-ac-in/Home Niew Subject?catid=24 से प्राप्त किया गया
6. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा और लोकप्रिय संगीत। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया

7. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, फैंडम और लोकप्रिय संस्कृति। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
8. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, संगीत और उप-संस्कृति। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
9. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, अवकाश और जीवन शैली। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
10. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, पहचान और सोशल मीडिया। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
11. त्रिपाठी, डी (2017)। गोपनीयता और विरोधाभास। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
12. त्रिपाठी, डी (2017)। गुमनामी और असली नाम। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
13. त्रिपाठी, डी (2017)। साइबर सुरक्षा। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
14. त्रिपाठी, डी (2017)। नीतियाँ और गोपनीयता सेटिंग्स. http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
15. त्रिपाठी, डी (2017)। उपयोगकर्ता ने चुनौतियां और निगरानी उत्पन्न की। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
16. त्रिपाठी, डी (2017)। ऑनलाइन गेम और आभासी समुदाय-I- http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
17. त्रिपाठी, डी (2017)। ऑनलाइन गेम और आभासी समुदाय -2. http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
18. त्रिपाठी, डी (2017)। डिजिटल मीडिया और काउंटर-पब्लिक। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
19. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा और राजनीतिक उपभोक्तावाद। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
20. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, सामूहिक कार्रवाई और संयोजी कार्रवाई। से प्राप्त किया गया
21. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा और नागरिकता के बदलते रूप। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
22. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, मीडिया और अपराध-2. http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
23. त्रिपाठी, डी (2017)। भेद्यता, पीड़ित और हिंसा। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया
24. त्रिपाठी, डी (2017)। युवा, मीडिया और हिंसा। http://epgp-inflibnet-ac-in/HomeNiewSubject?catid=24 से प्राप्त किया गया

डॉ. श्वेता सिंह

वैश्वीकरण और टेलीविजन, भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के लिए ई-पीजी पथसला।

डॉ. सचिन भारती:

1. ई-पीजी पाठशाला के लिए 2 मॉडयूल लिखा गया

   (क) मॉडयूल का नाम : गेमिंग और रचनात्मक क्षमता
   कागज का नाम : युवा, मीडिया और समाज

   (ख) मॉडयूल का नाम : आपकी, चिंता और आकांक्षाएं
   कागज का नाम : युवा, मीडिया और समाज

2. एमओओसी के पेपर 'समाज और मीडिया' के लिए लिखे गए 2 मॉडयूल

   पेपर नाम: समाज और मीडिया

   मॉडयूल का नाम: i) युवा, मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति
   ii) युवा संस्कृति और सिनेमा

3. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. 28 जनवरी 2017 को कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यू.आई.ई.टी.), कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकियों में हालिया रुझान और प्रगति' (सभी इंजीनियरिंग शाखाओं के लिए अंत:विषय और सामान्य) पर टीईक्यूआईपी -11 प्रायोजित तीन सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सह पुनश्चर्या पाठयक्रम में एक विशेषज्ञ व्याख्यान के रूप में दिया गया।
2. संचार और पत्रकारिता विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा जोंकोपिंग विश्वविद्यालय, स्वीडन और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सहयोग से 9 से 11 जनवरी, 2017 तक विकलांगता संचार: 21 वीं सदी के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
3. 12 तारीख को आयोजित "मीडिया और युवा: नया मीडिया, नया एशिया" विषय पर व्याख्यान (9 सत्र) दिए-14 सितंबर, 2017 इंटरनेशनल कॉलेज, बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड में।

डॉ. कुलवीन त्रेहन

1. भारत में महिलाओं के लिए नए प्रेम का निर्माण करने वाले खेल थीम वाले अभियान: दा डिंग और चेंजथ राइम का एक सांकेतिक विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: मीडिया और मनोरंजन व्यवधान और उससे आगे, आईसीएमसी 2018 एमआईसीए और एनेनबर्ग विद्यापीठ ऑफ कम्युनिकेशन, यूएसए, अहमदाबाद, भारत, 9-12 जनवरी, 2018
2. भारत में खेल महिलाओं का प्रतिनिधित्व और दर्शकों द्वारा व्याख्या की गई: न्यू मीडिया युग, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च (आईएएमसीआर) 2017 में खेल उपभोक्ताओं, विशेष रूप से प्रशंसकों का एक स्वागत विश्लेषण, कार्टाजेना, कोलंबिया दक्षिण अमेरिका में, 17 जून, 2017 से 20 जुलाई, 2017 तक
3. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएएमसीआर, 2017, कार्टेगेना, कोलंबिया (16-20 जुलाई, 2017) में 'मीडिया शिक्षा अनुभाग में भागीदारी मीडिया और युवा' सत्र की अध्यक्षता की।
4. फिल्म एंड टीवी इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया और एनएफएआई, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, पुणे द्वारा आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठयक्रम (फिल्म प्रशंसा पाठयक्रम) (08.05.2017-03.06.2017)

4. विद्यापीठों/विभागों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

(क) कार्यशालाओं

क्र.सं.	संसाधन व्यक्ति	विचार-विषय	दिन
1.	अजय अग्रवाल	डिजाइन और लेआउट	02
2.	कुमार कौस्तुभ	ऑनलाइन पत्रकारिता	01
3.	शालिनी नारायणन	भारत में नया मीडिया	01
4.	तेजस्वी चंडोक नैफ्यर	टीवी समाचार/एंकरिंग	01
5.	पीनाज त्यागी	समाचार एंकरिंग	02
6.	शहीना खान	रेडियो समाचार	03

(ख) अभिविन्यास व्याख्यान

क्र.सं.	व्यक्ति का नाम	विचार-विषय
1.	प्रो. जयश्री जेठवाने	विज्ञापन
2.	प्रो. अशोक ओगरा	टेलीविजन और फिल्म
3.	श्री. यू.के. मिश्रा	पत्रकारिता और सरकारी संचार

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीसीएसआर) द्वारा प्रायोजित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मास कम्युनिकेशन में 12-22 दिसंबर, 2017 के दौरान सामाजिक विज्ञान पर दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन और समन्वय।

डॉ. कुलवीन त्रेहन

1. यूएसईटी (2017) द्वारा आयोजित मानव मूल्यों और व्यावसायिक नैतिकता पर 07 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया और बुलाया।

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. डॉ दुर्गेश त्रिपाठी, पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप (पीडीएफ) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वेतन संरक्षण योजना में प्रदान की गई (जून 2017)

डॉ. कुलवीन त्रेहन

1. एमआईसीए अहमदाबाद और एनेनबर्ग विद्यापीठ ऑफ कम्युनिकेशन, यूएसए द्वारा आयोजित आईसीएमसी 2018 (2017-2018) में सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	धनराशि (लाख रुपये में)
1.	डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी	ईपीजी पाठशाला संचार और मीडिया अध्ययन (सह-पीआई)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली	2016-2018	रु. 70,00,000/-

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/परियोजनाएं:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	आहना भटनागर	पीएच.डी.	2018	एएमआईसी 2018 के लिए यात्र अनुदान से सम्मानित

8. विद्यालयों/विभागों द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ जैसे त्यौहार/वार्षिक बैठकें/आयोजित:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	पूर्व छात्रों का मिलन समारोह	01	2017- 18
2.	मीडिया आकाश	02	2017- 18

9. नियुक्ति गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	रखे गए छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1.	जीबीएम, डेंट्सू, द इकोनॉमिक टाइम्स, पीवीआर सिनेमा, मास कॉम, नास कॉम, मेडिसिन पीआर, जेडब्ल्यूटी, ओगिल्वी, ब्लूबीन्स आदि।	वर्ष-2017-18 = 51	रु.3,00,000/-

10. अनुसंधान विद्यार्थियों के विवरण:

(क) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 03

(ख) पीएचडी पंजीकृत रिसर्च स्कॉलर्स की कुल संख्या: 01

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों के नाम	परीक्षण योग्य का विवरण
1.	श्री राणा बेदी	यूजीसी नेट
2.	श्री मयंक सचदेवा	यूजीसी नेट
3.	सुश्री स्मृति गिरगोत्र	यूजीसी नेट
4.	प्रियंका सचदेवा	नेट
5.	नमित विक्रम सिंह	नेट

4.12 यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मेडिसिन एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेजन

विद्यालय उच्चतम दार्शनिक और नैतिक मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित है, मानव शरीर और मन की गहरी समझ, संवेदनशीलता और देखभाल का पोषण करता है, और चिकित्सा की प्रणालियों में प्रोत्साहक, निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाता है, चाहे वह पश्चिमी हो, या भारतीय, आधुनिक या प्राचीन - यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मेडिसिन एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेज विविध पैथियों का एक पवित्र संगम है। नर्सिंग विज्ञान, और पैरामेडिकल विषयों। यह चिकित्सा और पैरामेडिकल विज्ञान में 70 से अधिक शैक्षणिक पाठयक्रम चलाता है, 26 संबद्ध चिकित्सा संस्थानों के साथ एक सहक्रियात्मक अंतरग्रथ है, और कई क्षेत्रों में अपनी वैज्ञानिक खोज को पूरा करने के लिए डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान शोधार्थी को बढ़ावा देता है। विद्यापीठ के अध्यक्ष अध्यक्ष के रूप में प्रो. टीपी यादव हैं।

जबकि यह पांच मेडिकल कॉलेजों का घर है जो एमबीबीएस कार्यक्रम चलाते हैं, इसमें एक डेंटल कॉलेज है जो बीडीएस के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है, एक आयुर्वेद कॉलेज जो बीएएमएस की स्नातक की डिग्री के लिए छात्रों को ले जाता है, योग में बीएससी और एमएससी को बढ़ावा देने वाला एक राष्ट्रीय शीर्ष योग संस्थान और बीएचएमएस के माध्यम से युवा शोधार्थी को प्रशिक्षित करने वाला एक होम्योपैथिक कॉलेज है। इसके तीन प्रमुख संस्थान मॉडेम मेडिसिन के 24 विषयों में पोस्ट-एमबीबीएस डॉक्टरेट पाठ्यक्रम (पीजी डिप्लोमा, एमडी और एमएस) चलाते हैं, जबकि पोस्टडॉक्टोरल सुपर स्पेशलिटी कोर्स 11 सब-स्ट्रीम में चलाए जाते हैं। इसके अलावा, विद्यापीठ पांच विविध आयुर्वेद धाराओं में पोस्ट-बीएएमएस एमडी आयुर्वेद पाठयक्रम चलाता है। बीएससी और एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम 5 नर्सिंग कॉलेजों में चलाए जाते हैं। पैरामेडिकल साइंस के क्षेत्र में दिल्ली भर के 13 मेडिकल संस्थानों में 9 अंडरग्रेजुएट कोर्स, 2 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स और 9 पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स चलाए जा रहे हैं. विद्यापीठ नैदानिक मनोविज्ञान के साथ-साथ मनोरोग सामाजिक कार्य में एक मास्टर्स ऑफ फिलॉसफी प्रोग्राम भी चलाता है, और यह उन लोगों के लिए बड़ी संख्या में चिकित्सा संस्थानों के साथ साझेदारी करता है जो चिकित्सा और पैरामेडिकल विज्ञान में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी का पीछा करना चाहते हैं।

कार्यक्रम और प्रवेश

व्यापक क्षेत्र	चलाए जा रहे कोर्स		संस्थानों की संख्या	भरती
चिकित्सा और दंत चिकित्सा विज्ञान	एमबीबीएस		5	400
	बीडीएस		1	50
	एमडी	17 विशेषताएं	3	332
	एमएस	5 विशेषताएं	3	119
	पोस्ट-डॉक्टरेट पाठ्यक्रम			
	डीएम	6 सुपर स्पेशियलिटी	3	19
	एमसीएच	5 सुपर स्पेशियलिटी	2	38
आयुष	बीएएमएस		1	100
	बीएचएमएस		1	50
	बीएससी योग		1	60
	डॉक्टरेट पाठयक्रम			
	एमडी आयुर्वेद	17 विशेषताएं	1	29
नर्सिंग विज्ञान	बीएससी	5 विशेषताएं	4	210

व्यापक क्षेत्र	चलाए जा रहे कोर्स		संस्थानों की संख्या	भरती
पैरामेडिकल विज्ञान	**स्नातक पाठयक्रम**			
	बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी)		8	45
	बीएससी (चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी)			60
	बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (बीपीओ)			16
	फिजियोथेरेपी स्नातक (बीपीटी)			110
	बीएससी (मेडिकल टेक्नोलॉजी, रेडियोथेरेपी)			04
	मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए बीएड विशेष शिक्षा पाठयक्रम			55
	श्रवण बाधित बच्चों के लिए बीएड विशेष शिक्षा पाठयक्रम			30
	स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर बच्चों के लिए बीएड विशेष शिक्षा पाठयक्रम			30
	बाल मार्गदर्शन और परामर्श में अग्रिम डिप्लोमा			20
	स्नातकोत्तर डिप्लोमा			
	आपदा निवारण और पुनर्वास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडीपीआर)		2	40
पैरामेडिकल विज्ञान	**स्नातकोत्तर पाठयक्रम**			
	फिजियोथेरेपी के मास्टर्स (कार्डियोपल्मोनरी)		3	5
	फिजियोथेरेपी के परास्नातक (न्यूरोलॉजी)			8
	फिजियोथेरेपी के मास्टर्स (मस्कुलोस्केलेटल)			8
	फिजियोथेरेपी के मास्टर्स (खेल)			9
	व्यावसायिक चिकित्सा के परास्नातक (न्यूरोलॉजी)			6
	प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में मास्टर्स (एमपीओ)			16
	एमए (क्रिमिनोल्जी)			22
	एमएससी (फोरेंसिक साइंस)			31
एम फिल पाठयक्रम	एमफिल नैदानिक मनोविज्ञान		1	8
	एमफिल मनोरोग सामाजिक कार्य		1	6

5. विश्वविद्यालय केंद्र

5.1 आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र

परिचय

देश में आपदा प्रबंधन के महत्व को महसूस करते हुए, आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान, पेशेवर शिक्षाविदों और विस्तार कार्य को बढ़ावा देने और आपदा प्रबंधन और क्षमता निर्माण में लगे कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्ष 2005 में विश्वविद्यालय द्वारा आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई थी। वर्तमान में, सीडीएमएस विशेष रूप से काम करने वाले पेशेवरों, सरकारी कर्मचारियों और एनजीओ क्षेत्र के पेशेवरों के लिए दो वर्ष का सप्ताहांत एमबीए (आपदा प्रबंधन) कार्यक्रम चलाता है और औद्योगिक सुरक्षा, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 2005 से भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, अर्धसैनिक बलों (जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ), दानिक्स, सीबीआई, दिल्ली पुलिस, नागरिक सुरक्षा, रेलवे, ओएनजीसी, दिल्ली अग्निशमन सेवा, डीजेबी, एमसीडी, एनडीएमसी, कृषि मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, दिल्ली मेट्रो, यूएनडीपी, डब्ल्यूएचओ, एनओएमए, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों से आने वाले कई अधिकारी/कर्मचारी शामिल हैं। और कॉर्पोरेट क्षेत्र और अस्पतालों के कई पेशेवरों ने सप्ताहांत मोड में दो वर्ष के एमबीए (आपदा प्रबंधन) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

एमबीए (आपदा प्रबंधन) सप्ताहांत कार्यक्रम

एमबीए (आपदा प्रबंधन) पाठयक्रम चरित्र में बहु-अनुशासनात्मक है और इसमें पर्यावरण प्रबंधन, जियोमैटिक्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कानून, जन संचार और मीडिया और मानविकी आदि के विषय हैं। पाठ्यक्रम को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विशेष रूप से आपातकालीन योजना, जोखिम मूल्यांकन, पुनर्वास और सामुदायिक विकास, क्षमता निर्माण और संबंधित पेशेवरों के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति का निर्माण करने के लिए संरचित किया गया है जो अपनी व्यावसायिक योग्यता बढ़ाने और आपदा प्रबंधन में समकालीन मुद्दों की बेहतर समझ हासिल करना चाहते हैं। पाठ्यक्रम चिकित्सकों की चल रही पेशेवर प्रतिबद्धताओं को समायोजित करने और उन्हें भविष्य के संकट, आपात स्थिति और आपदाओं से निपटने के लिए अनुसंधान कौशल, ज्ञान और प्रबंधन विशेषज्ञता से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है। आपदा प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में शिक्षण प्रदान करने, अनुसंधान करने और परामर्श करने के लिए केंद्र को अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में विकसित करने की योजना है।

पाठयक्रम के उद्देश्य

1. पारंपरिक प्रतिक्रिया आधारित प्रबंधन से संरचित कौशल आधारित प्रबंधन और आपदा प्रबंधन के पूरे चक्र को समझने पर ध्यान देने के साथ पर्याप्त सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. रोकथाम, तैयारी, शमन, प्रतिक्रिया, राहत और पुनर्वास।
3. उपयुक्त क्षेत्रों में अनुभवी चिकित्सकों की जरूरतों को पूरा करना और अकादमिक अध्ययन की अवधि के माध्यम से अपने कैरियर के अवसरों को बढ़ाना।
4. पेशेवरों को एक विशेष योग्यता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करें, जिसमें स्वास्थ्य, विकास और आपातकालीन प्रबंधन क्षेत्रों में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के भीतर मान्यता और मुद्रा है।
5. आपदा प्रबंधन में क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय और राज्य सरकारों के लिए एक संसाधन संस्थान के रूप में काम करना।
6. आपदा प्रबंधन में काम कर रहे पेशेवरों के लिए जानकारी और अनुभवों को साझा करने के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करके ज्ञान अंतराल को भरना।
7. आपदा प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करना।
8. सरकार, गैर-सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट क्षेत्रों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ संपर्क विकसित करना,

स्वीकृत संख्या: 60 **कार्यक्रम की अवधि: दो वर्ष (चार सेमेस्टर)**

संकाय

इस केंद्र का नेतृत्व प्रो. अमरजीत कौर कर रही हैं, जो आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र की निदेशक हैं। अधिकांश संकाय विभिन्न विश्वविद्यालयों के अध्ययन विद्यापीठों से और आपदा प्रबंधन के एक विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले संस्थानों से लिया गया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनओएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), सफदरजंग अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर दिल्ली, दिल्ली अग्निशमन सेवा, फिक्की और रक्षा सेवा, गृह मंत्रालय आदि के अतिथि संकाय शामिल थे।

अवसरंचना

बुनियादी ढांचे में शामिल हैं:

1. अत्याधुनिक रिमोट सेंसिंग और जीआईएस सुविधाएं – ईआरडीएएस कल्पना 9.0 (छवि प्रसंस्करण पैकेज), आर्कजीआईएस/ आर्कलनफो 10.6, जियोमीडिया पेशेवर, जीपीएस, स्कैनर, प्लॉटर।
2. पर्यावरण प्रबंधन प्रयोगशाला: पानी, हवा और मिट्टी से नमूनों की निगरानी और विश्लेषण के लिए सुविधाएं और रासायनिक खतरों के अध्ययन के लिए सुविधाएं।
3. सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला: नेटवर्क सुरक्षा, कंप्यूटर मॉडलिंग उपकरण, सिमुलेशन और संचार के लिए सुविधाएं।
4. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और विद्यापीठ ऑफ ह्यूमैनिटीज आदि।
5. इंटरनेट की सुविधा
6. अत्याधुनिक प्रयोगशाला, क्लास रूम, सेमिनार हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, सूचना संसाधन केंद्र।

सहयोग

विश्वविद्यालय ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एलबीएसएनएए (वर्ष 2005 में और वर्ष 2018 में समझौता ज्ञापन का नवीकरण) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली (वर्ष 2006 मेंय प्रक्रिया में समझौता ज्ञापन का नवीकरण) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर पहले ही हस्ताक्षर किए हैं। इसमें आपदा प्रबंधन, संयुक्त अनुसंधान, पेशेवर कौशल विकसित करने, संयुक्त अनुसंधान करने आदि से संबंधित चयनित मॉडयूल के लिए संकाय का आदान-प्रदान शामिल है।

सहयोग एजेंसियां

इसके अलावा, सीडीएमएस कई राज्य, केंद्र सरकार, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

1. राज्य सरकार के मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
2. भारत सरकार के मंत्रालय।
3. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएमए), भारत सरकार।
4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), नई दिल्ली
5. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
6. गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम),
7. गुजरात राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी)
8. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), दिल्ली
9. फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
10. भारतीय मेट्रोलॉजिकल विभाग (आईएमडी)
11. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ)
12. आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल
13. भारतीय रेड क्रॉस, नई दिल्ली
14. दिल्ली अग्निशमन सेवा
15. दिल्ली जल बोर्ड
16. अर्ध सैनिक बल आदि।

5.2 फार्मास्युटिकल साइंस में उत्कृष्टता के लिए केंद्र

1. परिचय

नवंबर, 2014 में विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज केंद्र की स्थापना की गई थी। केंद्र गुणवत्ता, अभिनव अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि यह उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह हमारे छात्रों को तेजी से बदलते दवा विज्ञान पर अग्रणी पदों के लिए सुसज्जित करेगा। सीईपीएस देश भर से दवा विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक, औद्योगिक और सरकारी शोधकर्ताओं की सेवा के लिए गठित एक संसाधन है। केंद्र नई दवाओं के विकास की भी पेशकश करता है। केंद्र का उद्देश्य अंतर-विश्वविद्यालय नेटवर्क सहित फार्मास्युटिकल अनुसंधान के लिए तकनीकी रूप से परिष्कृत जनशक्ति बनाना है। अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, सीईपीएस नई दवाओं को विकसित करने में भी शामिल है जो उद्योगों द्वारा व्यावसायिक रूप से लाभ उठाया जा सकता है।

सीईपीएस निम्नानुसार पांच रणनीतियों पर काम करते हैं:

नई रासायनिक संस्थाओं (एनसीई) या नई आणविक इकाई (एनएमई) और उनके जैविक मूल्यांकन का डिजाइन और संश्लेषण।

सिंथेटिक पथ विकास।

चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण मचानों की संरचनात्मक विशेषता की खोज करना और बेहतर एडीएमईटी के लिए उन्हें हेरफेर करना।

कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइनिंग (सीएडीडी)।

नैदानिक रूप से किल अणु और दवा पुर्नस्थापन की खोज।

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

(क) अनुसंधान पत्रिका में लेख

ए.के. नरुला

1. मजू सेंगर, ए.के नरुला, 2017, पाइरिडिन-2,6-डाइकारबॉक्सामाइड और 1,2,4-ट्रायजोल-3-कार्बोक्जिलिक एसिड लिगेंड पर आधारित ल्यूमिनेसेंट लैंथेनाइड कॉम्प्लेक्स एफ आयन सेंसर, सेंसर और एक्टयूएटर बी: केमिकल, 241, 567 के रूप में।
2. अर्चना डागर, ए. के. नरुला, 2017, दृश्य प्रकाश के तहत पॉलीपाइरोल/जिंक ऑक्साइड/फ्लाईऐश सेनोस्फीयर (पीपीवाई/जेडएनओ/एफएसी) की फोटो-उत्प्रेरक गतिविधि पर नाइट्रोजन-डोपिंग का प्रभाव, जे. मेटर साइ: मेटर इलेक्ट्रॉन, 28, 8643।
3. वत्सला सुगुमरन, शांति प्रकाश, अजय कुमार अरोड़ा, गुरप्रीत सिंह कपूर, ए. के. नरुला, 2017, आलू के छिलके के पाउडर-पॉलीप्रोपाइलीन बायोकम्पोजिट की थर्मल क्रैकिंग और लक्षण वर्णन उत्पाद - पाइरोलाइज्ड तेल और बायो-चर, जे एनल।
4. सलमा खान, ए. के. एन अरुला, 2017, एयूएनपी के नैनोरोड्स से बने इलेक्ट्रोड के आधार पर कैफिक एसिड के इलेक्ट्रोकेमिकल और ऑप्टिकल बाइमोडल सेंसिंग: पीईडीओटी: पीएसएस और बायो-हाइब्रिड चिटोसन: पीईडीओटी: पीएसएस, न्यू जे केम, 41, 8927।
5. श्रुति पेशोरिया, एके नरुला, 2017, रूपात्मक के बारे में अध्ययन और स्पष्टीकरण,अलग-अलग संश्लेषित पॉलीपाइरोल के विद्युत रासायनिक और संरचनात्मक गुण, जे। विज्ञान।:मेटर। इलेक्ट्रॉन, 28, 18348-18356।
6. एस. आजाद, ए. के. नरुला, 2017, ने आइसोसाइनाइड-एबेटेड साइक्लोएडिशन रिएक्शन द्वारा प्रतिस्थापित, फ्यूज्ड, ट्राइसाइक्लिक 6,7-डाइहाइड्रो-एलएच, 5एच-पाइरिडोख्एल, 2,3-डी, क्विनोक्सालाइन-3-एमाइन को प्रतिस्थापित किया।
7. अर्चना डागर, ए. के. नरुला, 2017, फ्लाई-ऐश ए कोयला और खोखले ग्लास बीड्स का उपयोग करके थर्मोप्लास्टिक कंपोजिट का निर्माण उनके यांत्रिक, थर्मल, रियोलॉजिकल, रूपात्मक और लौ प्रतिरोध गुणों का अध्ययन करने के लिए, रूसी जर्नल ऑफ एप्लाइड केमिस्ट्री, 90 (9), 1494-1503।
8. वत्सला सुगुमारन, हरिपद भुइंया, एके नरुला, 2018, आलू के छिलके के पाउडर आधारित पॉलीओलेफिन बायोकम्पोजिट्स की बायोडिग्रेडेबिलिटी का मूल्यांकन, जे पॉलिमर एनवायरन, 26, 2049-2060।

9. श्रुति पेशोरिया, ए.के. नरुला, 2018, टेम्प्लेट-असिस्टेड फैब्रिकेशन द्वारा निर्मित पॉलीपाइरोल नैनोहाइब्रिड के संरचनात्मक, रूपात्मक और इलेक्ट्रोकेमिकल गुण, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस,53(5), 3876-3888
10. श्रुति पेहोरिया, एके नरुला, 2018, पोरुाइरिन/पॉलीपाइरोले हाइब्रिड का एक-पॉट संश्लेषण और इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर के रूप में इसका अनुप्रयोग,, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग बी, 229, 53-58 पर इसके अनुप्रयोग।
11. सलमा खान, ए. के. नरुला, 2018, नैनो-हाइब्रिड कम्पोजिट एयू Pt/PEDOT का संचालन करने वाले द्विधात्विक का संश्लेषण प्रतिदीप्ति का प्रदर्शन, न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42, 2537।
12. सलमा खान, ए. के. नरुला, 2018, जेडएनओ पर आधारित त्रिआधारी फोटोकैटलिस्ट का संश्लेषण फोटोकैलाइटिका गतिविधि का प्रदर्शन करने वाले बहुलक के संचालन के साथ प्रबलित ग्राफेम क्वांटम डॉट का संश्लेषण, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29, 6337-6349।
13. प्रीति सहगा, ए.के. नरुला, 2018, ग्रफेम क्वांटम डॉट्स सजाए गए फोटोएनोड, ऑप्टिकल सामग्री, 79, 435-445 के आधार पर पोर्फिरीन संवेदनशील सौर सेल का उन्नत प्रदर्शन।
14. श्रुति पेशोरिया, एके नरुला, 2018, विषाक्त धातु आयन के इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग के लिए बेयर इंडियम टिन ऑक्साइड इलेक्ट्रोड, जर्नल ऑफ मैटेरियल साइंस: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 29, 13858-13863।
15. श्रुति पेशोरिया, एके नरुला, 2018, सोने के नैनोकणों की इन-सीटू तैयारी और गुण एम्बेडेड पॉलीपायरोल कम्पोजिट, कोलाइड्स और सर्फेस ए, 555, 217-226।
16. वत्सला सुगुमारन, गुरप्रीत सिंह कपूर, एके नरुला, 2018, टिकाऊ आलू के छिलके का पाउडर एलएलडीपीई बायोकम्पोजिट तैयारी और उनके गुणों पर मैलिक एनहाइड्राइड-ग्राफ्टेड पॉलीफिन का प्रभाव, पॉलिमर बुलेटिन, 75 (12), 5513-5533।
17. ललित नैनवाल, सीएस आजाद, दीपा देसवाल, एके नरुला, 2018, सीवाईपी 450 इनहिबिटर के रूप में कार्बोहाइड्रेट-टेहेर्ड ट्रायजोल्स की एंटिफंगल क्षमता की खोज, केमपबसॉक यूरोप, 3 (38), 10762-10767।
18. नरुला, 2018, एरोमैटिक शिफ बेस और एन, एन-डोनर हेट्रोसाइक्लिक लिगेंड के साथ ईयू (III) कॉम्प्लेक्स का ल्यूमिनेसेंस संवेदीकरण: संश्लेषण, ल्यूमिनेसेंट गुण और ऊर्जा हस्तांतरण, जर्नल ऑफ फ्लोरेसेंस, 29, 111-120।
19. अर्चना डागर, ए.के. नरुला, 2018, दृश्यमान रोशनी ने Fe3O4 नैनो कणों संशोधित पॉलीपाइरोल/फ्लाईएश-सेनोस्फीयर कंपोजिट का उपयोग करके पानी में कार्बनिक संदूषक के फोटो क्षरण को प्रेरित किया, रूसी जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री-ए, 92, 2853-2860।

(ख) पुस्तक के अध्याय

ए. के. नरुला

नरुला, 2018, पॉलिमर के संचालन पर आधारित बायोएक्टिव सामग्री: बायोमेडिकल फील्ड और सेंसिंग में हालिया रुझान, बायोपॉलिमर ग्राफ्टिंग: संश्लेषण और गुण (पहला संस्करण), एल्सेवियर, 441-467।

3. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	अवधि	कुल धनराशि (लाख रुपये में)
1.	ए.के. नरुला	पॉलीपाइरोल/पोर्फिरीन/ग्राफेम युक्त इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम पर जांच - डाई सेंसिटाइज्ड सोलर सेल और सेंसिंग की दिशा में एक संभावित दृष्टिकोण	डीएसटी	2016- 2019	रु.31,85,600/-

4. सीईपीएस की अकादमिक उपलब्धियां

घर के केंद्र ने 150 से अधिक शुद्ध रासायनिक यौगिकों को संश्लेषित किया है जो प्रकृति में नए हैं।

केंद्र ने एंटिफंगल प्रभाव के साथ संभावित फार्माकोफोर को सफलतापूर्वक संश्लेषित और स्थापित किया है।

अपने लक्षित दृष्टिकोण के कारण केंद्र नवीन रासायनिक संस्थाओं के संश्लेषण के लिए नए मार्ग/दृष्टिकोण स्थापित करने में सफल रहा है।

केंद्र यौगिकों की एंटी-माइक्रोबियल क्षमता के लिए उनका पूरा परीक्षण कर सकता है।

केंद्र ने खुली पहुंच के बिना अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशित किए हैं। सभी पत्र एससीआई अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं।

सीईपीएस को डीएसटी, एमएनआरई आदि से 1-1 करोड़ रुपये के दो अनुदान दिए गए हैं।

6. अंतर्राष्ट्रीय मामले

1. विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की विस्तार से:

क्र.सं.	छात्र का नाम	देश	लिंग	कार्यक्रम	संस्थान
1.	ओमिशा सपरा	संयुक्त राज्य अमेरिका	स्त्री	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
2.	सुमित भगत	नेपाल	पुरुष	बी.टेक (आईटी)	यूएसआईसीटी
3.	प्रिया महतो	नेपाल	स्त्री	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
4.	निहारिका मलिक	नेपाल	स्त्री	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
5.	बिदिया सपकोटा	नेपाल	स्त्री	बीसीए	एआईटी
6.	प्रीति यादव	नेपाल	स्त्री	एमबीए	यूएसएमएस
7.	आरती जयवीर मिस्त्री	संयुक्त राज्य अमेरिका	स्त्री	बीबीए	बीपीआईबीएस
8.	यशस्वी निम्मा रेड्डी	संयुक्त राज्य अमेरिका	स्त्री	बीबीए	बीपीआईबीएस
9.	आस्था अमात्य	नेपाल	स्त्री	एमबीए	यूएसएमएस
10	संदीप कुँवर	नेपाल	पुरुष	एमबीए	यूएसएमएस
11	देचेन वांग्मो गुरुंग	नेपाल	स्त्री	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
12	चंद्र प्रकाश पंत	नेपाल	पुरुष	बी.टेक (आईटी)	यूएसआईसीटी
13	कैरोल कनोडिया	नेपाल	स्त्री	एमबीए	यूएसएमएस
14	नितेश चौरसिया	नेपाल	पुरुष	बी.टेक सीएसई	यूएसआईसीटी
15	एंटीना एडेन डिंगामो	इथियोपिया	पुरुष	एम.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
16	तेनजिन शेरब	तिब्बत	पुरुष	एमबीए	यूएसएमएस

7. विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र

विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र (यूआईआरसी) विश्वविद्यालय समुदाय की शैक्षणिक, संस्थागत और बौद्धिक आवश्यकता का समर्थन करने के लिए प्रिंट, गैर-प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को प्राप्त करने, संरक्षित करने और उपलब्ध कराने के उद्देश्यों के साथ सितंबर 1999 में अस्तित्व में आया। यूआईआरसी विश्वविद्यालय के मिशन और दृष्टि के अनुरूप, अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। यह अपने अत्याधुनिक केंद्रीकृत वातानुकूलित भवन में स्थित है। UIRC भवन भी विकलांग उपयोगकर्ता के अनुकूल है। वर्ष 2017-18 में, यूआईआरसी के पास विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में 55484 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। इसकी बिरादरी के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए इसमें विभिन्न प्रकार की भारतीय और विदेशी पत्रिकाएं, लोकप्रिय पत्रिकाएं और समाचार पत्र हैं। बुक बैंक सभी यूजी और पीजी छात्रों के लिए एक अतिरिक्त और विशेष सेवा है और उनकी शैक्षणिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक बड़ा संग्रह है।

आज, इस आधुनिक युग में, जेसीटी ने पुस्तकालयों में क्रांति ला दी है। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में आईसीटी अनुप्रयोगों के महत्व और भूमिका को जानने के लिए, यूआईआरसी अपनी स्थापना के बाद से स्वचालित है और अपने नियमित कार्य के अलावा निम्नलिखित आईसीटी आधारित सेवाएं प्रदान कर रहा है:

1. यूआईआरसी "Troodon 5-5" एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग कर के पूरी तरह से स्वचालित है।
2. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज लाइब्रेरी को एनआईसी के ई-ग्रंथालय एकीकृत पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके भी स्वचालित किया गया है। दिल्ली सरकार ने इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सभी दिल्ली राज्य पुस्तकालयों को स्वचालित करने के लिए नई पहल की है और यूआईआरसी ने इसे पायलट अध्ययन के रूप में लॉ लाइब्रेरी के साथ शुरू किया है।
3. इसमें वाई-फाई कनेक्टिविटी और सीसीटीवी कैमरा लगा है।
4. सभी पुस्तकें बार-कोडेड हैं और पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पुस्तकालय सह पहचान पत्र भी तैयार किया गया है।
5. यूआईआरसी की अपनी कंप्यूटर प्रयोगशाला है और यह ई-संसाधनों और डिजिटल जानकारी तक पहुंचने के लिए समर्पित है।
6. यूआईआरसी लगभग सभी 11 विद्यापीठ ऑफ स्टडीज के लिए ई-संसाधन/ऑनलाइन डेटाबेस/ई-पुस्तकें आदि की सदस्यता लेता है।
7. इसके अलावा, यूआईआरसी को ई-सोध सिंधु कंसोर्टियम के माध्यम से ई-संसाधनों और इनफ्लिबनेट के माध्यम से मानार्थ पहुंच भी मिल रही है।
8. यूआरएल के साथ जुड़ा पीएचडी थीसिस डेटाबेस लाइब्रेरी वेबपेज के माध्यम से भी उपलब्ध है, जिसमें इसकी पूर्ण-पाठ सामग्री तक पूर्ण पहुंच है।
9. एफओएपी सूची के साथ सदस्यता ली गई प्रिंट पत्रिकाओं की सूची (व्यापक और विद्यापीठ वार दोनों) लाइब्रेरी वेबपेज के माध्यम से सुलभ है।
10. यूआईआरसी अपने उपयोगकर्ताओं को डेलनेट के माध्यम से इंटर लाइब्रेरी लोन सुविधा प्रदान करता है।
11. पूरे संग्रह को OPAC और वेब-OPAC का उपयोग करके खोजा जा सकता है।
12. यूआईआरसी की अपनी वेबसाइट है जिसे पुस्तकालय द्वारा घर में बनाए रखा जा रहा है और नियमित आधार पर अद्यतन किया जा रहा है और इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए विभिन्न रूपों के साथ यूआईआरसी द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों और सेवाओं को सूचीबद्ध करता है।
13. यूआईआरसी अन्य पुस्तकालयों और संघों के साथ सहयोग के महत्व को समझता है। और विश्वविद्यालय बिरादरी के लाभ के लिए मौजूदा सहकारी संबंधों और नई पहल को पोषित करने में निरंतरता बनाना।

यूआईआरसी से संबंधित कुछ सांख्यिकीय जानकारी नीचे दी गई है:

क्र.सं.	विवरण	कुल संख्या
1 क	खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	688
1 ख	खरीदी गई पत्रिकाओं की संख्या (भारतीय और विदेशी दोनों)	339
1 ग	सदस्यता लिए गए ऑनलाइन डेटाबेस की संख्या	12
1 घ	विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेब-पेज के माध्यम से उपलब्ध ई-पत्रिकाओं की कुल संख्या	15855
1 ड	खरीदे गए ई- पुस्तकों डेटाबेस की संख्या	10153
2	जारी की गई सदस्यता की संख्या	1394
3 क	छात्रों को जारी की गई पुस्तकों की संख्या	22236
3 ख	छात्रों द्वारा लौटाई गई पुस्तकों की संख्या	22445
3 ग	उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया कुल लेनदेन	44681
4	संगोष्ठियों/सम्मेलनों का विवरण	3
5	अगस्त 2018 के पहले सप्ताह में द्वारका परिसर में नव प्रवेशित छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।	12

यूआईआरसी अपनी स्थापना के बाद से रेखांकन के माध्यम से पुस्तकालय लेनदेन सहित पुस्तकों और पत्रिकाओं के संदर्भ में पुस्तकालय के विकास के लिए अतिरिक्त जानकारी भी संलग्न कर रहा है।

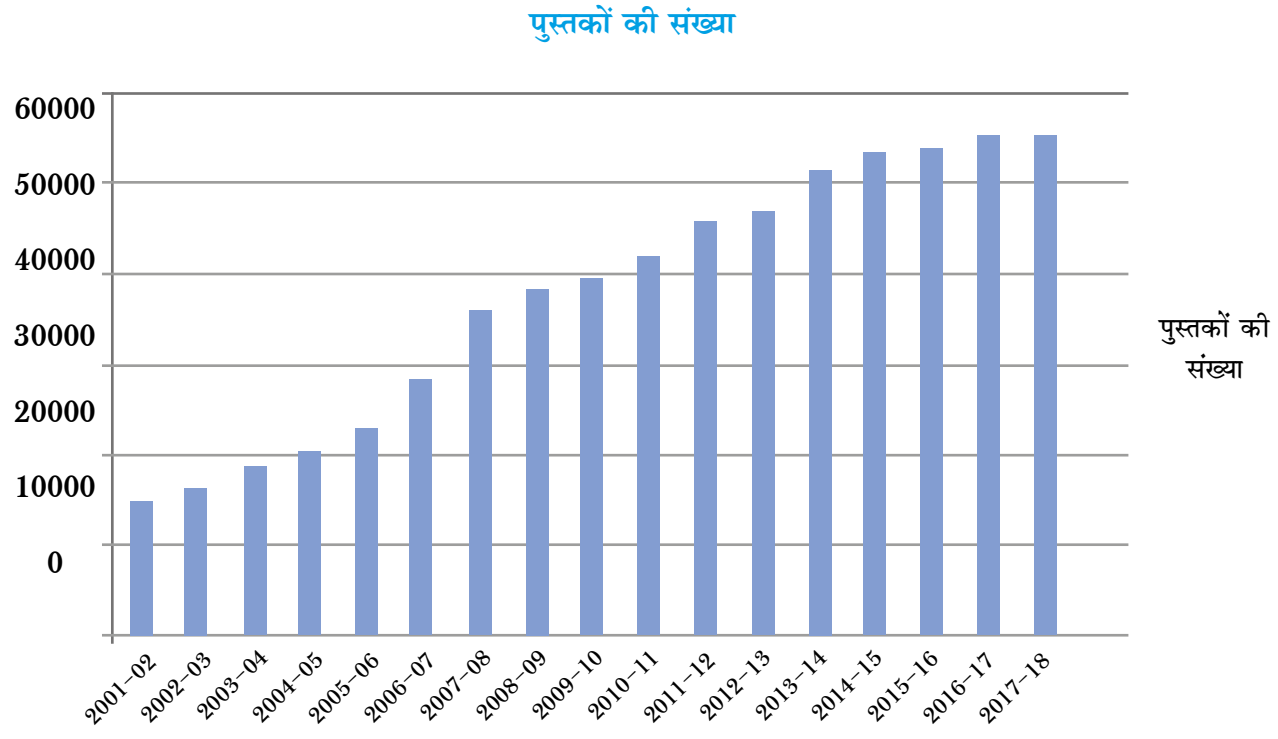

सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या

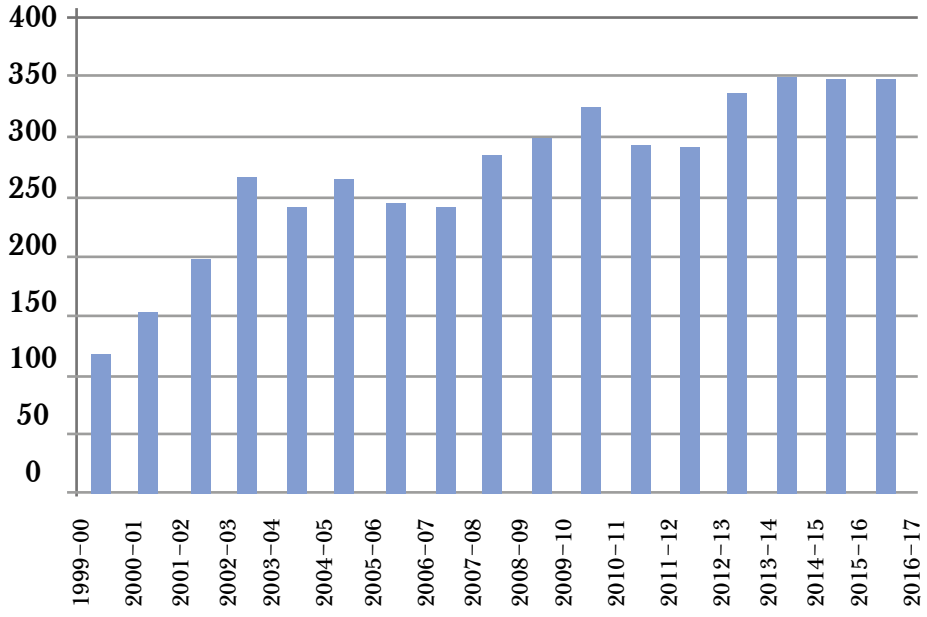

सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या

लेन-देन किए गए दस्तावेज

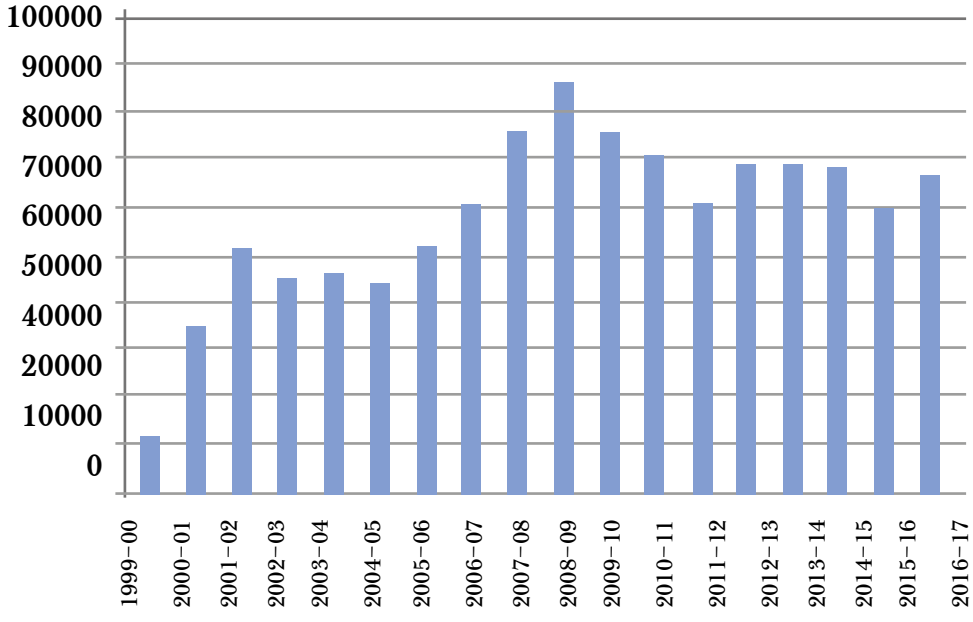

लेन-देन किए गए दस्तावेज

8. अकादमिक शाखा

1. विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों का विवरण

		नामांकित कुल छात्रों की संख्या									FS+MQ+ प्रत्यक्ष (C)	कुल योग (A+B +C)
स्तर	कार्यक्रम	लड़के (A)				लड़कियों (B)				कुल (A+B)		
		एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल			
यूजी	एलएलबी	88	04	10	1209	72	05	12	968	2368	359	2727
	बी.आर्क	09	02	14	163	06	0	03	100	297	36	333
	बी.एड	17	0	02	149	203	05	14	1474	1864	283	2147
	बीएससी (एच) नर्सिंग	0	0	0	0	32	08	28	136	210	06	210
	बीएससी (एमएलटी)	07	0	03	12	05	0	11	22	60	06	66
	बीएससी (योग)	01	0	0	02	0	0	02	06	11	0	11
	बीएससी(एमटीआरटी)	0	0	0	01	01	0	0	02	04	0	04
	बी.टेक (बायो-टेक)	04	0	03	08	02	0	06	22	45	01	46
	बी.टेक	508	48	133	3771	93	09	09	1140	5711	933	6644
	बी.वोक	07	01	24	186	08	ठ	08	15	249	202	451
	बीएएसएलपी	03	0	01	04	02	01	04	28	43	05	48
	बीएचएमएस	02	0	02	08	04	01	05	27	49	0	49
	बीएएमएस	0	0	0	0	15	01	23	58	97	0	97
	बीबीए	112	02	03	3065	49	0	10	1378	4619	994	5613
	बीसीए	69	03	13	1157	18	01	03	419	1683	279	1962
	बीडीएस	02	0	05	05	04	02	09	22	49	0	49
	एमबीबीएस	33	11	28	189	24	09	19	87	400	0	400
	बीए (जेएमसी)	29	0	0	409	25	02	0	690	1155	235	1390
	बीपीओ	01	0	04	02	02	0	01	06	16	0	16
	बीओटी	0	0	0	02	0	0	0	13	15	0	15
	बीपीटी	01	0	0	32	05	0	0	67	105	10	115
	बीए (अर्थशास्त्र)	03	0	0	115	0	0	0	114	232	13	245
	बी.कॉम (एच)	25	02	0	854	09	0	0	410	1300	145	1445
	बीएचएमसीटी	05	0	02	94	02	01	01	16	121	0	121
	एडीसीजीसी	0	0	0	02	0	0	0	17	19	0	19
	एलई -बी.टेक	53	08	17	391	16	0		52	537	50	587

		नामांकित कुल छात्रों की संख्या									FS+MQ+ प्रत्यक्ष (C)	कुल योग (A+B +C)
स्तर	कार्यक्रम	लड़के (A)				लड़कियों (B)				कुल (A+B)		
		एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल			
पीजी	एमए (एमसी)	0	01	0	20	01	0	0	39	61	0	61
	एलएलएम	02	0	0	53	07	02	0	67	131	0	140
	एलएलएम (सप्ताहांत)	0	0	0	22	0	0	0	18	40	0	40
	एमए (क्रिमिनोलॉजी)	03	0	0	04	02	0	0	13	22	0	22
	एम.एससी (फोरेंसिक)	01	0	0	08	05	01	0	16	31	0	31
	एमएड	0	0	0	01	01	0	0	37	39	0	39
	एम.एससी (बीसीएन)	01	0	0	03	0	0	0	17	21	0	21
	एम.एससी (ईएम)	01	0	0	02	02	0	0	20	25	0	25
	एम.एससी (एनआरएम)	0	0	0	04	0	0	0	16	20	0	20
	एम.टेक	17	0	0	98	03	0	0	108	226	0	226
	एम.टेक (डब्ल्यू)	01	0	0	18	02	0	0	18	39	0	39
	एमए (ई और सी)	0	0	0	02	03	0	0	46	51	0	51
	एमएएचएम	0	0	0	07	01	0	0	0	16	02	18
	एमसीपीएचएम	0	0	0	07	01	0	0	08	16	0	16
	एम.एससी (नर्सिंग)	0	0	0	0	01	0	0	06	07	02	09
	पीजीडीआरपी	0	0	0	18	0	0	0	03	21	0	21
	पीजीडीडब्ल्यूई	0	0	0	0	0	0	0	02	02	0	02
	एमबीए	67	05	0	829	42	07	0	958	1908	260	2168
	स्नातकोत्तर	02	0	0	70	0	0	0	39	118	0	118
	एमबीए (आईटी)	03	0	0	28	01	0	0	17	49	0	49
	एमसीए	20	02	0	426	06	0	0	233	687	30	717
	एमसीए (एलई)	01	0	0	61	01	0	0	26	89	0	97
	एमपीटी	0	0	0	06	01	0	0	13	20	0	24
	एमओटी	0	0	0	0	0	0	0	01	01	0	01
	एमपीओ	0	0	0	01	0	0	0	0	01	0	01
	एमए (अर्थशास्त्र)	01	0	0	07	0	0	0	32	40	0	40
	एम.फिल (अंग्रेजी)	0	0	0	0	01	0	0	17	18	0	18
	एम. फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	0	0	0	0	0	0	0	01	01	0	01
	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	0	0	0	0	01	01	0	06	08	0	08
	कुल	1099	89	264	13525	686	56	168	9074	24967	3872	28833

9. अनुसंधान और परामर्श

1. पीएचडी छात्रों (विद्यालय वार) नामांकित (2017-18) का विवरण:

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	शोधार्थी के प्रवेश की संख्या
1.	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	10
2.	प्रबंधन अध्ययन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	17
3.	रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	01
4.	जैव प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	12
5.	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	09
6.	चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	01
7.	वास्तुकला और योजना के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	NIL
8.	बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	10
9.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	07
10.	कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	11
11.	शिक्षा के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	NIL
12.	जनसंचार के विद्यापीठ विश्वविद्यालय	03
	प्रवेशित शोधार्थी की संख्या	**81**

2. 01.04.2017 से 31.03.2018 की अवधि के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियां:

1. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय विद्यापीठ से योग्यता के आधार पर पहले दो शोध शोधार्थी (शीर्ष रैंक) को इंद्रप्रस्थ रिसर्च फैलोशिप (आईपीआरएफ) प्रदान करता है। आईपीआरएफ की राशि वर्तमान में यूजीसी फैलोशिप के बराबर है यानी पहले दो वर्षों के लिए 30: एचआरए के साथ 25,000 रुपये प्रति माह और दो वर्ष पूरा होने के बाद भुगतान की गई राशि 30: एचआरए के साथ 28,000 रुपये प्रति माह है। सामाजिक विज्ञान विद्यापीठों के मामले में आकस्मिक राशि यूजीसी के बराबर है, और विज्ञान विद्यापीठों के मामले में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार फैलोशिप के बराबर है। 2017-18 में 60 रिसर्च स्कॉलर्स को आईपीआरएफ से सम्मानित किया गया।
2. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने बिना किसी आकस्मिक अनुदान के 10,000/- रुपये प्रति माह (समेकित) की राशि के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों में पूर्णकालिक (नियमित) शोध शोधार्थी को अधिकतम दो वर्षों की अवधि के लिए अल्पकालिक अनुसंधान फैलोशिप (एसटीआरएफ) भी शुरू की है। 2017-18 में 86 रिसर्च स्कॉलर्स को एसटीआरएफ से सम्मानित किया गया।
3. विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ स्टडीज के सभी नियमित संकाय सदस्यों को एक वैज्ञानिक निकाय (भारतीय/विदेशी)/अकादमिक संघ (पंजीकृत) के वार्षिक सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति को मंजूरी दे दी है। विभिन्न विद्यापीठों के पंद्रह संकाय ने वर्ष 2017-18 में वार्षिक सदस्यता शुल्क का लाभ उठाया है।
4. विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के सभी नियमित संकाय सदस्यों द्वारा सहकर्मी समीक्षा प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रति वित्तीय वर्ष एक शोध लेख के लिए प्रकाशन/प्रसंस्करण/पृष्ठ/रंगीन आकृति आदि शुल्कों की प्रतिपूर्ति को भी मंजूरी दे दी है। विभिन्न विद्यापीठों के नौ शिक्षकों को वर्ष 2017-18 में प्रकाशन शुल्क की प्रतिपूर्ति की गई थी।
5. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के विद्यापीठ ऑफ स्टडीज में अपने शोध कार्यों को पूरा करने में नियमित संकाय की सहायता के लिए संकाय अनुसंधान अनुदान योजना (एफआरजीएस) प्रदान करना शुरू किया है। विज्ञान विद्यापीठों के लिए वार्षिक अनुसंधान अनुदान 2.00 लाख रुपये और अन्य सभी विद्यापीठों के लिए 1.00 लाख रुपये है। विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के कुल 69 संकाय को 10,000/- रुपये दिए गए हैं। वर्ष 2017-18 में एफआरजीएस के तहत एक करोड़ बत्तीस लाख एक हजार अनुसंधान अनुदान।

10. अकादमिक मामले

निदेशक, अकादमिक मामलों के कार्यालय द्वारा बनाई जाने वाली विभिन्न गतिविधियां निम्नलिखित से संबंधित हैं:

1. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ स्टडी और विभिन्न संबद्ध संस्थानों में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षा और पाठयक्रम की योजना का रिकॉर्ड रखना। जब भी किसी विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ स्टडी या संबद्ध संस्थानों द्वारा कोई नया पाठयक्रम शुरू किया जाना होता है, तो पहले विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी से इसकी अनुमति ली जाती है और एक बार अनुमति मिलने के बाद संबंधित विश्वविद्यालय विद्यापीठ या संबद्ध संस्थान उक्त कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न पाठयक्रमों के लिए पाठयक्रम के साथ अध्ययन की योजना तैयार करते हैं। योजना और पाठयक्रम को संबंधित यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ स्टडी के बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) द्वारा अनुमोदित किया जाता है, फिर इसे अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाता है और उसी के लिए एजेंडा अंतत: कार्यालय द्वारा तैयार किया जाता है, और अनुमोदन के लिए अकादमिक परिषद को भेजा जाता है। एक बार जब योजना और पाठयक्रम अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है और उसी की एक प्रति भविष्य के रिकॉर्ड के लिए इस कार्यालय में भी रखी जाती है।

   नए कार्यक्रम, योजनाओं और मौजूदा कार्यक्रम के पाठयक्रम को भी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों द्वारा तीन वर्ष या उससे अधिक के अंतराल पर संशोधित किया जाता है और एक बार जब इसे अधिसूचित किया जाता है या संबंधित कार्यक्रम की योजना और पाठयक्रम के साथ कोई नया पाठयक्रम शुरू किया जाता है या सामग्री में परिवर्तन किया जाता है या कोई अन्य परिवर्तन किया जाता है तो उस परिवर्तन को भी संबंधित विश्वविद्यालय विद्यापीठ के बीओएस से पास होने के बाद अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाना होता है। निदेशक अकादमिक मामलों के कार्यालय द्वारा देखभाल की जाती है।

   2017-18 के लिए शुरू किए गए/अद्यतन किए गए कार्यक्रमों/पाठयक्रमों की सूची

शुरू किए गए कार्यक्रम/पाठयक्रम	कार्यक्रम/पाठयक्रम अद्यतन
एम.टेक (जैव रसायन अभियांत्रिकी)	बीबीए (जनरल/ टीटीएम/ बी एंड आई)
बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	बीएचएमसीटी
	बी.कॉम (ऑनर्स)
	एमबीए (जनरल)/एमबीए (सप्ताहांत)
	एमबीए (एफएम)
	एमपीओ
	बीपीओ
	बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)
	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)
	बी.टेक (जैव रासायनिक इंजीनियरिंग)
	एम फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)
	पीएचडी पाठ्यक्रम विभिन्न पाठयक्रमों के लिए काम करता है

2. समय-समय पर यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ स्टडी के संकाय सदस्यों की पदोन्नति कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत की जाती है। यह कार्यालय विश्वविद्यालय विनियम, न्यूनतम शैक्षिक निष्पादन और सेवा आवश्यकता/अथवा यूजीसी रीगुलेशन 2010 के अंतर्गत यूजीसी की कैरियर एडवांस स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत अपने संकाय सदस्यों की सीएएस पदोन्नति के लिए अध्ययन के विभिन्न विश्वविद्यालय विद्यापीठों के साथ समन्वय करता है और उसके बाद विभिन्न चरणों में पदोन्नति के लिए संशोधन करता है।

3. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए सीएएस 31 जुलाई, 2016 तक पूरा हो चुका है। अगले पांच वर्षों में डीएए का दृष्टिकोण यह है कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक जीवंत और पारदर्शी बनाया जाएगा जहां संकाय सदस्य अपनी संवेदनशीलता के साथ अपने कैरियर की प्रगति और पदोन्नति देख सकते हैं। यह विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों से संबंधित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के बीच उनकी गंभीरता के बारे में संघर्ष को कम करने में मदद करेगा।

4. यह कार्यालय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है और इस कार्यालय का प्रयास शैक्षणिक वर्ष के अंत में उक्त वार्षिक रिपोर्ट को संकलित करना है ताकि सभी हितधारक संबंधित वर्ष के 31 मार्च तक इस वार्षिक रिपोर्ट को ऑनलाइन देख सकें।

5. अकादमिक नेतृत्व को अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया जाता है और सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने के बाद इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। अगले पांच वर्षों में अकादमिक मामलों का कार्यालय विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों के सभी अध्यक्ष और संकायों से सुझाव लेने के बाद और यूजीसी दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद विश्वविद्यालय का अकादमिक कैलेंडर तैयार करेगा। हम यह सब ऑनलाइन उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं ताकि कार्यालय को प्रकृति में हरा-भरा बनाने के लिए पेपर वर्क कम हो।

6. कुछ बार कुछ यूनिवर्सिटी विद्यापीठों ऑफ स्टडी तुल्यता प्रमाण पत्र या अन्य प्रासंगिक प्रमाण पत्र छात्र और अन्य हितधारकों को उनके अनुरोध पर जारी किए जाते हैं। हम इस आशय के लिए हितधारक के छात्र से आवेदन आमंत्रित करते हैं।

7. समय-समय पर कुछ अन्य विविध कार्य हैं जो निदेशक शैक्षणिक मामलों के कार्यालय को दिए जाते हैं जैसे कि सरकार की डीएचई योजना के अनुसार व्याख्याता के पुरस्कार के लिए अध्ययन के विश्वविद्यालय विद्यापीठों का संकाय नामांकन। ओएफसीटी। यूजीसी, एआईसीटीई, आईसीएसएसआर, डीएसटी आदि जैसे विभिन्न सांविधिक निकायों द्वारा छात्रों या संकाय सदस्य के लिए विभिन्न अन्य छात्रवृत्ति योजनाएं भी अधिसूचित की जाती हैं, जिन्हें इस कार्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के अध्ययन विद्यापीठों को अधिसूचित किया जाता है।

   संक्षेप में, निदेशक अकादमिक मामलों का कार्यालय विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के संकाय सदस्य और छात्र और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच एक कड़ी है और एक सुविधा के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य प्रणाली को तेज, पारदर्शी और बहुत सारी ई-गवर्नेंस पहलों के साथ बनाना है।

11. विकास

वर्ष 2017-18 के लिए निदेशक-विकास कार्यालय द्वारा की गई गतिविधियों का सारांश निम्नानुसार है:

1. एनआईआरएफ में भागीदारी

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फेमवर्क (एनआईआरएफ) में भाग लिया। किसी विशेष विश्वविद्यालय/कॉलेज का चयन करने में छात्रों को जानकारी प्रदान करने के लिए, यह ढांचा शिक्षण, अधिगम संसाधनों, अनुसंधान और व्यावसायिक प्रथाओं, स्नातक परिणामों, आउटरीच और समावेशिता और धारणाओं के मापदंडों पर भाग लेने वाले संस्थानों का आकलन करता है।

वर्ष 2017 के लिए, विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय श्रेणी के साथ-साथ हमारे चार विद्यापीठों यानी यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज और यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग में व्यक्तिगत विद्यापीठ/कॉलेज श्रेणी में भाग लिया।

गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय रैंकिंग में 74वें (एनआईआरएफ 2018) स्थान पर रखा गया, जबकि पिछले वर्ष के लिए 82वीं रैंकिंग थी। सूचना विश्वविद्यालय विद्यापीठ, संचार और प्रौद्योगिकी को इंजीनियरिंग श्रेणी में 85 वां स्थान दिया गया था, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज को प्रबंधन श्रेणी में बैंड 51-75 में स्थान दिया गया था, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की क्षमता का प्रतिबिंब है।

2. अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई)

देश में उच्च शिक्षा की स्थिति को चित्रित करने के लिए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2010-11 से उच्च शिक्षा पर एक वार्षिक वेब आधारित अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) आयोजित करने का प्रयास किया है। सर्वेक्षण में देश के उन सभी संस्थानों को शामिल किया गया है जो उच्च शिक्षा प्रदान करने में लगे हुए हैं। शिक्षकों, छात्रों के नामांकन, शैक्षणिक कार्यक्रमों, परीक्षा परिणामों, शिक्षा के वित्तपोषण, बुनियादी ढांचे जैसे कई मापदंडों पर डेटा एकत्र किया जा रहा है। शैक्षिक विकास के संकेतक जैसे संस्थान घनत्व, सकल नामांकन अनुपात, छात्र-शिक्षक अनुपात, लिंग समानता सूचकांक, प्रति छात्र व्यय की गणना भी एआईएसएचई के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों से की जाएगी। एकत्रित जानकारी का उपयोग शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए सूचित नीतिगत निर्णय और अनुसंधान करने के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध संस्थानों ने एमएचआरडी पोर्टल (http://aishe-gov-in) पर समय सीमा के भीतर डेटा अपलोड किया है।

3. IQAC की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (AQAR)

विश्वविद्यालय ने शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए कार्य योजना का विवरण देते हुए आईक्यूएसी की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) तैयार की है। एनएएसी प्रक्रिया के लिए अनिवार्य आवश्यकता के रूप में यह रिपोर्ट राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), बंगलौर को प्रस्तुत कर दी गई है।

4. अकादमिक लेखा परीक्षा

गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने और नियमित सलाह के माध्यम से उन्हें लागू करने के लिए, सभी संबद्ध संस्थानों में एक नए डिजाइन किए गए प्रोफार्मा का उपयोग करके अकादमिक लेखा परीक्षा आयोजित की गई है। नए प्रोफार्मा में नए प्रदर्शन संकेतक शामिल किए गए हैं जैसे कि स्वीकृत प्रवेश के प्रतिशत में वास्तविक प्रवेश, ऑडिट टीम द्वारा दिए गए सुझावों का कार्यान्वयन और विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में छात्रों का प्रदर्शन आदि। आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों की एक समिति स्थापित मापदंडों पर प्रत्येक संबद्ध संस्थान का आकलन करती है। समिति की रिपोर्ट संस्थाओं को उपलब्ध कराई जाती है और उन्हें समिति द्वारा की गई सिफारिशों/सुझावों का अनुपालन करने के लिए कहा जाता है। इस तरह, विश्वविद्यालय संबद्ध संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाता है और साथ ही उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित करता है। यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय की संबद्धता शाखा द्वारा की गई थी।

5. रूसा 2.0 में भागीदारी

विश्वविद्यालय ने शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए कार्य योजना का विवरण देते हुए रूसा 2.0 के तहत संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) तैयार की। यह प्रस्ताव मई 2018 में उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को प्रस्तुत किया गया है।

12. योजना शाखा

योजना शाखा आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय के लिए और उसकी ओर से रिपोर्ट, कार्य योजनाएं और दस्तावेज तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल रही है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन के हिस्से के रूप में, योजना शाखा ने '2025 तक की रणनीति के साथ विजन 2030 और गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय की कार्य योजना 2017-2020' शीर्षक से विश्वविद्यालय के लिए नीति दस्तावेज बनाया। सरकार के मूल्यांकन के लिए। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के आयोजना, योजना शाखा ने विश्वविद्यालय में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक रिपोर्ट तैयार की है।

विभिन्न लाभकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायक, योजना शाखा सरकारी विभागों, मंत्रालयों, राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालयों के संघ और अन्य प्रासंगिक एजेंसियों आदि द्वारा प्रदान किए गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विकास, महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि, रेफरल स्रोतों और अवसरों से सभी संबंधितों को परिचित रखना सुनिश्चित करती है। छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति योजनाओं के सुचारू संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए परामर्श, इंटरैक्टिव सत्र और कार्यशालाओं की व्यवस्था की जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी श्रेणियों के अधिक से अधिक योग्य छात्र परिसर के साथ-साथ संबद्ध संस्थानों में भी लाभ प्राप्त करें। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रायोजित विभिन्न लाभार्थी योजनाओं के माध्यम से 600 सौ से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं।

विकलांग छात्रों के लिए सुविधाओं की वार्षिक समीक्षा के लिए नोडल शाखा के रूप में, योजना शाखा उनके सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रकार के मुद्दों को संबोधित करने में शामिल है। इस गतिविधि के भाग के रूप में, कई इच्छुक छात्रों को राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालयों के विकलांग लोगों के लिए रोजगार संवर्धन के लिए राष्ट्रीय केंद्र (एनसीपीईडीपी) की कार्यशालाओं में भी भाग लेने की सुविधा प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय से संबंधित विधानसभा, लोक सभा और राज्य सभा के सभी तारांकित और अतारांकित प्रश्नों को समयबद्ध तरीके से संबोधित करने से संबंधित गतिविधियां योजना शाखा द्वारा की जाती हैं। इसके अलावा, एक अनुभाग सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना प्रदान करने और पीजीएमएस और सीपीजीआरएएमएस के तहत शिकायत निवारण के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की राज्य शुल्क नियामक समिति के साथ भी समन्वय करता है।

13. विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग

द्वारका परिसर (निर्मित सुविधाएं)

स्वास्थ्य केंद्र में फिजियोथेरेपी सेंटर का निर्माण अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना

छात्रावासों में ओवरहेड और अंडरस्टोरेज लकड़ी का काम प्रदान करना और ठीक करना, विभिन्न स्थानों के बाहरी साइनेज बोर्ड प्रदान करना और ठीक करना, छात्रावास मेस श्रमिक रहने वाले क्षेत्र का संशोधन

पूर्वी दिल्ली परिसर (सूरजमल विहार परिसर)

सूरजमल विहार परिसर का कार्य एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को सौंपा गया है।

14. संबद्धता शाखा

1. शैक्षणिक सत्र 2017 - 2018 के लिए सरकारी संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
1	अली यावर जंग राष्ट्रीय श्रवण विकलांग संस्थान (उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली) सी -44 ए, सेक्टर -40, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश	बीएएसएलपी	4 वर्ष	20
2	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड संचार प्रौद्योगिकी और रिसर्च, गीता कॉलोनी, दिल्ली110092	बी.टेक. (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (ईसीई)	4 वर्ष	120
		एम.टेक (डीसी)	2 वर्ष	18
		एम.टेक (आईएस)	2 वर्ष	18
		एम.टेक (एसपी)	2 वर्ष	18
		एमटेक (आरएफ और एमई)	2 वर्ष	18
3	अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, शकरपुर, मधुबन के सामने, पटपड़गंज रोड, दिल्ली - 92 (पहले अम्बेडकर इंटीग्रेटेड इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रूप में)	बीसीए	3 वर्ष	60
		बी. वोक (सॉफ्टवेयर विकास)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (मोबाइल संचार)	3 वर्ष	50
4	आर्यभट्ट इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, शक्ति नगर के पास, टेली एक्सचेंज, जी.टी. कमल रोड, नई दिल्ली	बी. वोक (निर्माण प्रौद्योगिकी)	3 वर्ष	50
		बी. वोक (प्रशीतन और एयर कंडीशनिंग)	3 वर्ष	50
5	भाई परमानंद इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया बिजनेस स्टडीज, मधुबन के सामने, शकरपुर (एक्सटेंशन), दिल्ली - 110092	एमसीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	40
		बीबीए	3 वर्ष	40
		बी. वोक (सॉफ्टवेयर विकास)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (मोबाइल संचार)	3 वर्ष	50
6	मेडिकल लैब प्रौद्योगिकी कॉलेज, हिंदू राव हॉस्पिटल, मलकागंज, दिल्ली	बीएससी (एमएलटी)	3 वर्ष	30
7	सी-डैक, नोएडा (फॉर्मेली इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ऑफ इंडिया) भारत सरकार, अनुसंधान भवन, सी 56/1, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर - 62, नोएडा	एम.टेक (सीएसई)	2 वर्ष	25
		एम.टेक (आईटी)	2 वर्ष	25
		एम.टेक (वीएलएसआई)	2 वर्ष	25
		एमसीए	3 वर्ष	60
		एमबीए (आईटी)	2 वर्ष	60
8	चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेर डाबर, नजफगढ़ दिल्ली - 110073	बीएएमएस	4½ वर्ष	100
		एमडी (आयु)	3 वर्ष	29

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
9	कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली 110026	बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
10	नर्सिंग कॉलेज, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली 110001	बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
11	चौधरी ब्रह्म प्रकाश गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, राव तुला राम अस्पताल के पीछे, जाफरपुर, नई दिल्ली - 110073	बी.टेक. (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (आईटी)	4 वर्ष	60
12	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च प्रबंधन, 18 ए, सत्संग विहार मार्ग, विशेष संस्थान क्षेत्र, नई दिल्ली - 67	एमसीपीएचएम	2 वर्ष	30
		एमएएचएम	2 वर्ष	30
13	डॉ. बी. आर. सूर, जनरल मेड़ीसिन डॉक्टर/ कॉलेज एंड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नानकपुरा, मोती बाग, नई दिल्ली - 110021	बीएचएमएस	5½ वर्ष	50
14	डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल शिक्षा और अनुसंधान (पीजीआईएमईआर), नई दिल्ली	एसएसएमसी (डीएम कार्डियोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (एमसीएच सीटीवीएस)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम न्यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम नेफ्रोलॉजी)	3 वर्ष	3
		एसएसएमसी (एमसीएच न्यूरोसर्जरी)	3 वर्ष	5
		एसएसएमसी (एमसीएच यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एमडी मैक्रोबायोलॉजी	3 वर्ष	5
		एमडी पैथोलॉजी	3 वर्ष	9
		एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	34
		डॉ. जनरल मेड़ीसिन डॉक्टर	3 वर्ष	
		एमडी बालचिकित्सा	3 वर्ष	14
		एमडी त्वचा विज्ञान	3 वर्ष	5
		एमडी रेडियो निदान	3 वर्ष	15
		एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ	3 वर्ष	10
		एमएस ई.एन.टी. (कान, नाक और गला)	3 वर्ष	5
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	10
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	4

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		एमएस हड्डी रोग	3 वर्ष	6
		बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा	2 वर्ष	4
		नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा	2 वर्ष	1
		एमडी मनोचिकित्सा	3 वर्ष	3
		एम.सी. (पीडियाट्रिक सर्जरी)	3 वर्ष	3
		एमसीएच (प्लास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	4
15	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, चरण - II, दिल्ली - 20, (प्रधान कार्यालय, वजीरपुर में (औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली - 110052)	बी.टेक. (टूल इंजीनियरिंग)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (मेक्ट्रोनिक्स)	4 वर्ष	60
		एम.टेक (टूल इंजीनियरिंग)	2 वर्ष	18
16	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज और अस्पताल, सेक्टर - 15, रोहिणी, नई दिल्ली 110085	बीडीएस	5 वर्ष	50
17	ईएसआईसी पगईंसर, ईएसआई हॉस्पिटल, बसाइदरपुर, नई दिल्ली	एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	6
		एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ	3 वर्ष	8
		एमएस ऑर्थोपेडिक्स	3 वर्ष	8
		एमडी डीवीएल	3 वर्ष	3
		एमएस ऑप्थेल्मोलॉजी	3 वर्ष	3
		एमएस सर्जरी	3 वर्ष	5
		एमडी कीटाणु-विज्ञान	3 वर्ष	2
		डीएम (श्वसन चिकित्सा मेडिसिन)	3 वर्ष	2
18	जी. बी. पंत सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, ओखला औद्योगिक एस्टेट, चरण - III, ओखला, न्यू डी ईएलही 110020	बी.टेक. (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (सीएसई)	4 वर्ष	60
19	गुरु नानक देव संस्थान प्रौद्योगिकी, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर -15, रोहिणी, दिल्ली -110089, फोन. 011-27567819, 27552645	बी.वोक (सॉफ्टवेयर विकास)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (मोबाइल संचार)	3 वर्ष	50
20	एकीकृत प्रौद्योगिकी संस्थान,सेक्टर - 9, एकीकृत संस्थान प्रौद्योगिकी, सेक्टर 9, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	बीएससी (एमएलटी)	3 वर्ष	30
		बीसीए	3 वर्ष	45
		बी.वोक (सॉफ्टवेयर विकास)	3 वर्ष	50
21	कस्तूरबा प्रौद्योगिकी संस्थान, पीतमपुरा, मुनि माया राम मार्ग, नई दिल्ली -110088	बी.वोक (सॉफ्टवेयर विकास)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (मोबाइल संचार)	3 वर्ष	50
22	लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, सेक्टर 3, आउटर रिंग रोड, रोहिणी, दिल्ली	एमए (क्रिमिनोलॉजी)	2 वर्ष	22
		एमएससी (फोरेंसिक साइंस)	2 वर्ष	31

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
23	मीरा बाई प्रौद्योगिकी संस्थान, महारानी बाग, नई दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	60
		बी.वोक (एप्लाइड आर्ट्स)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (इंटीरियर डिजाइन)	3 वर्ष	50
24	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय संस्थान योग, 68, अशोक रोड, नई दिल्ली	बीएससी (योग विज्ञान)	3 वर्ष	60
25	राष्ट्रीय सार्वजनिक संस्थान सहवास और बच्चा विकास, 5, सिरी इंस्टीट्यूशनल। क्षेत्र, हौज खास, नई दिल्ली 110016	बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा	1 वर्ष	20
26	एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज, हिंदू राव अस्पताल, मलिका गंज, दिल्ली	एमबीबीएस	5½ वर्ष	50
27	मानसिक स्वास्थ्य में उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईएमएच) (पूर्व में) मनोचिकित्सा विभाग, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर पार्क स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	2 वर्ष	8
28	पूसा इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी पूसा, नई दिल्ली – 110012 फोन. 011-25843065	बी.वोक (मुद्रण और प्रकाशन)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (विद्युत वितरण प्रबंधन)	3 वर्ष	50
29	राज्य शैक्षिक परिषद अनुसंधान और प्रशिक्षण, वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली	बी.एड.	2 वर्ष	100
30	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली 110026	डीएम (कार्डियोलॉजी)	3 वर्ष	2
		एसएसएमसी (एमसीएच प्लास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	10
		एसएसएमसी (एम.सी.सी.(सी.टी.वी.एस.)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (एमसीएच यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एमबीबीएस	5½ वर्ष	150
		एमडी जनरल मेडिसिन	3 वर्ष	24
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	21
		एमडी बाल रोग	3 वर्ष	15
		एमडी रेडियो निदान	3 वर्ष	21
		एमएस ओटो- राइनो- लैरींगोलॉजी (ईएनटी)	3 वर्ष	6
		एमएस ऑर्थोपेडिक्स	3 वर्ष	15
		एमडी फिजिकल मेड और पुनर्वसन।	3 वर्ष	4

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		एमडी त्वचा विज्ञान	3 वर्ष	5
		एमएस ऑप्थेल्मोलॉजी	3 वर्ष	6
		एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ	3 वर्ष	30
		एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	65
		एमडी एनाटॉमी	3 वर्ष	8
		एमडी बायोकेमिस्ट	3 वर्ष	4
		एमडी कम्युनिटी मेड	3 वर्ष	9
		एमडी माइक्रोबायोलॉजी	3 वर्ष	5
		एमडी पैथोलॉजी	3 वर्ष	10
		एमडी फार्मोकोलॉजी	3 वर्ष	4
		एमडी फिजियोलॉजी	3 वर्ष	7
		एमडी फोरेंसिक मेडिसिन	3 वर्ष	4
		एमडी स्पोर्ट्स मेडिसिन	3 वर्ष	5
31	जी. बी. पंत इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ओखला, पीएच.एस.ई.-एल.एल., नई दिल्ली	बी.वोक (ऑटोमोबाइल)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (निर्माण प्रौद्योगिकी)	3 वर्ष	50
		बी.वोक (प्रशीतन और एयर कंडीशनिंग)	3 वर्ष	50
32	डॉ बीएसए अस्पताल मेडिकल कॉलेज सेक्टर 6, रोहिणी दिल्ली -110085	एमबीबीएस	5½ वर्ष	100
33	साइकिया ट्रिक सामाजिक कार्य विभाग,मनोचिकित्सा विभाग, पीजीआईएमईआरय डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पतालनई दिल्ली 110001	एम.फिल (मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य)	2 वर्ष	6
34	राष्ट्रीय श्रम संस्थान अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास, नरेला, दिल्ली 110040 (इस संस्थान को ए.एस. के दौरान अनंतिम संबद्धता प्रदान की गई थी 2015-16)	पीजीडीएचआरपीडी	1 वर्ष	35
35	बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एनआईईपीआईडी) दिव्यांगजन) पहले का नाम नेशनल इंस्टीटयूट फॉर मेंटल हैंडीकैप्ड एनआईएमएच, रीजनल सेंटर, सी -44 ए, एसेक्टर - 40, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, यूपी (इस संस्थान को एएस 2015-16 के दौरान अनंतिम संबद्धता प्रदान की गई थी)	बी.एड. विशेष शिक्षा(एमआर)	2 वर्ष	25

2. शैक्षणिक सत्र 2017 - 2018 के लिए स्व-वित्तपोषित संस्थान की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
1	एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, एम ब्लॉक, साकेत, नई दिल्ली -110017	बी.एड.	2 वर्ष	50
2	एमिटी लॉ विद्यापीठ, सेक्टर - 125, नोएडा (उ.प्र.)	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	300
3	एमिटी विद्यापीठ ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 580, दिल्ली पाला एम विहार रोड, बिजवासन, नई दिल्ली - 110061 प्रस्तावित पता: प्लॉट नंबर 4, सेक्टर 125, नोएडा 201313	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (I-CE)	4 वर्ष	60
4	आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक साइकोलॉजी, प्लॉट नंबर एम -1, ब्लॉक नंबर पी -5, सेक्टर - पॉकेट 5, ग्रेटर नोएडा - 201306	एमबीए	2 वर्ष	120
5	सेना शिक्षा संस्थान, प्लॉट नंबर एम -1, ब्लॉक, नंबर पी -5, ग्रेटर नोएडा - 201306	बी.एड	2 वर्ष	100
6	आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल विज्ञान, बेस अस्पताल के पास, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली	एमबीबीएस	5½ वर्ष	100
7	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमाई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120
8	बनारसीदास चांदीवाला सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमाई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	एमसीए	3 वर्ष	60
9	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ फिजियोथेरेपी,चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमाई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	बीपीटी	4½ वर्ष	60
		एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	कार्यक्रमों को बंद करना
		एमपीटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	
		एमपीटी (खेल)	2 वर्ष	
		एमपीटी (कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	
10	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर 11, (मेट्रो स्टेशन के सामने) द्वारका, नई दिल्ली - 110075	एमबीए	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
11	भगवान परशुराम इंस्टीटयूट ऑफ प्रौद्योगिकी, पी. एस.पी. - 4, सेक्टर - 17 रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		बीबीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	60
12	भारती विद्यापीठ कॉलेज इंजीनियरिंग, ए- 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक ईसीई	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईएसएफ) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक आईटी (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
13	भारती विद्यापीठ संस्थानकंप्यूटर अनुप्रयोग - प्रबंधन, ए 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	एमसीए	3 वर्ष	60
		एमसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
14	भगवान महावीर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, जगदीशपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.आर्क	5 वर्ष	80
15	चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज एंड स्कूल ऑफ कानून, प्लॉट नं. ओसीएफ, सेक्टर - ए - 8 नरेला, दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	75
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	75
		बीसीए	3 वर्ष	30
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	30
		बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	30
		बीबीए (सीएएम) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	30
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	30
16	कॉम-आईटी, कैरियर अकादमी (अल्पसंख्यक शैक्षिक (संस्थान) एफसी -31, डीडीए संस्थागत क्षेत्र (निकट पुष्पावती सिंघानिया अस्पताल) प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-2, नई दिल्ली - 17	बीसीए	3 वर्ष	60
17	दिल्ली विद्यापीठ ऑफ प्रोफेशनल अध्ययन और अनुसंधान, 9, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर - 25, रोहिणी, फेज-111, दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	110
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	110
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
18	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड अध्ययन, प्लॉट नंबर 6, सेक्टर - 25, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
19	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, Holambi खुर्द, दिल्ली - 110082	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	90
		बीबीए एलएलबी (रेटिंग एजेंसी	5 वर्ष	120
20	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, (डीआईआरडी की बहन शाखा), जी. टी. कमल रोड, गांव नंगली पुना, दिल्ली - 110036।	बीबीए	3 वर्ष	90
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.एड	2 वर्ष	100
		बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	3 वर्ष	60
21	दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (सनशाइन एजुकेशन एंड डी) विकास सोसायटी) बी -12, सेक्टर-62, नोएडा (उ.प्र.)	बीबीए	3 वर्ष	120
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
22	दिल्ली तकनीकी परिसर, 28/1, नॉलेज पार्क - बीमार, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	बी.टेक. (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (ईईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.आर्क	5 वर्ष	80
		एमबीए	2 वर्ष	120
23	दिल्ली शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज, 340, दीन पुर, बिजवासन रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली।	बी.एड	2 वर्ष	100
24	फेयरफील्ड इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया प्रबंधन और प्रौद्योगिकी, प्लॉट नंबर 1037/1, कापसहेड़ा, नई दिल्ली - 110037	बीबीए	3 वर्ष	120
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बी.एड.	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
		बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	3 वर्ष	60
25	गीतारतन इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड अध्ययन और प्रशिक्षण, डी-ब्लॉक, सेक्टर -7, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.एड	2 वर्ष	100
26	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस विद्यापीठ, रोहिणी एजुकेशनल सोसाइटी, पीएसपी, कॉम्प्लेक्स-आईएल, मधुबन चौक, दिल्ली	एमबीए	2 वर्ष	180
		एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	120
		एमबीए (आईबी)	2 वर्ष	60
		बीबीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	180
27	गुरु नानक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) रोड नंबर 75, पंजाबी बाग, नई दिल्ली - 110026	बी.एड	2 वर्ष	100
28	गुरु नानक इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, रोड नंबर 75, पंजाबी बाग (पश्चिम) नई दिल्ली-110026(अल्पसंख्यक संस्थान)	एमसीए	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
29	गुरु रामदास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वेस्ट ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली	बी.एड.	2 वर्ष	100
30	गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान, (अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान) जी - 8 क्षेत्र, राजौरी गढ़, स्वर्ग आश्रम मंदिर के सामने, दिल्ली- 110064	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
31	एचएमआर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी और प्रबंधन, हमीद पुर, दिल्ली - 110036	आईटी बी.टेक	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	60
32	आदर्श प्रबंधन और प्रौद्योगिकी संस्थान, 16 - एक्स, कड़कड़डूमा, (टेलीफोन एक्सचेंज के पास), दिल्ली - 110092	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	110
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	45
		बीबीए (सीएएम) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	45
33	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान, सेक्टर-सी, वसंत कुंज, नई दिल्ली- 110070	एमपीटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	8
		एमपीटी(मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	8
		एमओटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	6
		एमपीटी (खेल)	2 वर्ष	9
		प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स एमपीओ में मास्टर्स	2 वर्ष	16
		एमपीटी(कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	5
		बीपीटी	4½ वर्ष	50
		बीओटी	4½ वर्ष	25
34	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एल, रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली	पीजीडीडीपीआर	1 वर्ष	40
35	सूचना संस्थान प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, डी -29, संस्थागत क्षेत्र, जनक पुरी, नई दिल्ली	एमसीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	120
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
36	नवाचार संस्थान प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, डी 27 और 28, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	180
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	180
		बीसीए	3 वर्ष	120
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
37	व्यावसायिक अध्ययन संस्थान (अल्पसंख्यक शैक्षिक) संस्थान), एफसी -31, डीडीए संस्थागत क्षेत्र, प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-II, नई दिल्ली - 110017	बी. एड	2 वर्ष	100
38	जगन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट अध्ययन, 3, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर 5, रोहिणी (राजीव के पास) गांधी कैंसर अनुसंधान संस्थान, दिल्ली - 110085	एमसीए	3 वर्ष	60
		एमसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
39	जगन्नाथ इंटरनेशनल प्रबंधन विद्यापीठ, ओसीएफ, पॉकेट - 9, सेक्टर बी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	बीजेएमसी	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	120
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
40	जगन्नाथ इंटरनेशनल प्रबंधन विद्यापीठ एमओआर पिक्ट - 105 कालकाजी (कालकाजी पुलिस स्टेशन के सामने), नई दिल्ली-110 019	बीबीए	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम ऑनर्स	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
41	जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर, 48/4, नॉलेज पार्क - बीमार, ग्रेटर नोएडा	बी.टेक. (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (एमई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. (ईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक. ईसीई	4 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	120
		बी.एड	2 वर्ष	100
		बीसीए	3 वर्ष	60
42	कालका इंस्टीटयूट फॉर रिसर्च एंड एडवांस्ड स्टडीज, कालका पब्लिक विद्यापीठ कैंपस, अलकनंदा, नई दिल्ली - 110019	बी.एड	2 वर्ष	100
		बीसीए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
43	कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर शिक्षा, विल कुरेनी नरेला, दिल्ली - 110040	बीजेएमसी	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	50
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	50
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	50
44	कमल इंस्टीटयूट ऑफ हायर शिक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी के-1 (ब्लॉक) मोहन गार्डन नई दिल्ली-59	बी.एड.	2 वर्ष	100
		बीबीए	3 वर्ष	90
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	30
45	लाल बहादुर शास्त्री संस्थान प्रबंधन, प्लॉट नंबर 11/7, सेक्टर 1 1, द्वारका, नई दिल्ली 110075	एमसीए	3 वर्ष	60
46	लिंग्या की ललिता देवी संस्थान प्रबंधन विज्ञान, 847 - 848, मंडी रोड, गांव मंडी, नई दिल्ली - 110047	बीबीए	3 वर्ष	180
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120
		बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
47	लक्ष्मी बाई बत्रा कॉलेज नर्सिंग, प्लॉट नंबर 45, 46, और 47, तुगलकाबाद, संस्थागत क्षेत्र, महरौली बदरपुर रोड, नई दिल्ली - 62	बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	60
48	मधु बाला इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया संचार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, 120-बी, गांव मदन आईआर, नई दिल्ली	बीजेएमसी	3 वर्ष	150
49	महाराजा अग्रसेन संस्थान मैनेजमेंट स्टडीज, सेक्टर 22, रोहिणी, दिल्ली - 85	बीबीए	3 वर्ष	180
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	180
		बी.कॉम ऑनर्स।	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60
		बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	3 वर्ष	120
50	महाराजा अग्रसेन संस्थान प्रौद्योगिकी, सेक्टर - 22, रोहिणी, दिल्ली-110085	आईटी बी.टेक	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		बी.टेक (एमएई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	120
		एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	60
51	महाराजा सूरजमल संस्थान, सी 4, जनक पुरी, नई दिल्ली 110058	बी.एड	2 वर्ष	100
		बीसीए	3 वर्ष	120
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	180
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
52	महाराजा सूरजमल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया प्रौद्योगिकी, सी-4, जनक पुरी, नई दिल्ली- 110058	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
53	महावीर स्वामी प्रौद्योगिकी संस्थान, जगदीशपुर, पी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा 131030 (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (ईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
54	प्रबंधन शिक्षा और नई दिल्ली - 110058	एमसीए	3 वर्ष	60
		एमसीए (लेटरल एंट्री)	2 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	120

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	60
55	एमबीएस विद्यापीठ ऑफ प्लानिंग और स्थापत्यशैली सेक्टर -09, द्वारका, नई दिल्ली 110075	बी.आर्क	5 वर्ष	120
56	नई दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया प्रबंधन, 60 और 61,	बीबीए	3 वर्ष	180
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	180
57	नॉर्दर्न इंडिया इंजीनियरिंग कॉलेज, एफसी -26, शास्त्री पार्क, दिल्ली - 110053	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक(आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक(ईसीई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईएसएफ) (दूसरा	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पारी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	60
58	प्रदीप प्रबंधन और कंप्यूटर कॉलेज, I - 2 संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली 110025	एमबीए	2 वर्ष	120
59	पेरियार प्रबंधन और कंप्यूटर कॉलेज, I - 2 संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली 110025	एमबीए	2 वर्ष	120
60	राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र, सेक्टर -5, रोहिणी, नई दिल्ली -85	बी. एससी. (चिकित्सा प्रौद्योगिकी, रेडियोथेरेपी)	3 वर्ष	4
61	आर.सी. प्रौद्योगिकी संस्थान, गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली - 110043	एमसीए	3 वर्ष	30
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
62	रुक्मिणी देवी संस्थान उन्नत अध्ययन, 2 ए और 2 बी, पीएच। मैं, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	एमबीए	2 वर्ष	120
		एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	180
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	180

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	अंतिम प्रवेश 2017-2018
63	संत हरि दास कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, (वायु सेना के सामने) फोर्स स्टेशन), बानी कैंप, नजफगढ़, नई दिल्ली - 43	बी.एड.	2 वर्ष	100
		बीबीए	3 वर्ष	60
64	सिरीफोर्ट कॉलेज ऑफ कंप्यूटर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, प्लॉट नंबर 8, सेक्टर - 25, रोहिणी, नई दिल्ली	बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	120
65	श्री गुरु तेग बहादुर प्रबंधन एवं सूचना संस्थान टेक्नोलॉजी गुरुद्वारा नानक पियाओ, जी.टी.के. रोड, दिल्ली - 110033	बीबीए	3 वर्ष	120
		बीसीए	3 वर्ष	120
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
66	श्री राम शिक्षक संस्थान शिक्षा, ग्राम बामनोली, सेक्टर -28 द्वारका, नई दिल्ली -110045	बी.एड.	2 वर्ष	100
66	श्री राम शिक्षक संस्थान शिक्षा, ग्राम बामनोली, सेक्टर -28 द्वारका, नई दिल्ली -110045	बी.एड.	2 वर्ष	100
67	श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ इंडिया शिक्षा, प्लॉट/ खसरा: 234, जॉनामनी, दौला, बागपत, उत्तर प्रदेश	बी.एड.	2 वर्ष	100
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
68	अष्टावक्र संस्थान पुनर्वास विज्ञान और अनुसंधान, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर- 14, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली 110085	बी.एड. विशेष शिक्षा(एमआर)	2 वर्ष	30
		बी.एड. विशेष शिक्षा(एचआई)	2 वर्ष	30
		बीएएसएलपी	4 वर्ष	25
		बी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	2 वर्ष	30
69	सेंट लॉरेंस कॉलेज ऑफ हायर शिक्षा, गीता कॉलोनी, फैसिली सेंटर, दिल्ली - 110030	बी.एड.	2 वर्ष	100
70	सेंट स्टीफन कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली	बीएससी (एच) नर्सिंग	4 वर्ष	50
		एम.एससी (नर्सिंग)	2 वर्ष	4
71	एसजीआईटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट, एनएच -24, ऊपर। जिंदल पाइप्स लिमिटेड, जिंदल नगर, गाजियाबाद - 201302	बीबीए	3 वर्ष	120
		बीसीए	3 वर्ष	60
72	टेक्निया इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड पढ़ाई, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	120
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		एमबीए	2 वर्ष	120
		एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	120
		एमसीए	3 वर्ष	60
		एमसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	
73	ट्रिनिटी इंस्टीटयूट ऑफ प्रोफेशनल अध्ययन, खंड 9, द्वारका, (मेट्रो पिलर नंबर 1160 से सटे), नई दिल्ली - 110075	बीबीए	3 वर्ष	60
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी(दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	100
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पारी)	3 वर्ष	100
74	वास्तु कला एकेडेमी, 9/1, अरुणा आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 110067	बी.आर्क	5 वर्ष	60
75	वी.डी. प्रौद्योगिकी संस्थान, कृष्ण विहार, सुल्तान पुरी, दिल्ली - 41	बी.एड	2 वर्ष	100
76	विवेकानंद संस्थान व्यावसायिक अध्ययन, एयू ब्लॉक (आउटर रिंग रोड), पीतमपुरा, नई दिल्ली	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	300
		बीबीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बीजेएमसी	3 वर्ष	180
		बीजेएमसी (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बीसीए	3 वर्ष	180
		बीसीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	240
		बीबीए (दूसरी पारी)	3 वर्ष	60
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	180
		एलएलएम (कॉर्पोरेट लॉ)	1 वर्ष	40
		एमसीए	3 वर्ष	120
		बीए ऑनर्स। पर्यावरण	3 वर्ष	120
		एलएलएम (एडीआर)	1 वर्ष	20

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	2017-18 के लिए आखिरी प्रवेश
77	बीएम इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, फाजिलपुर पावर स्टेशन के पीछे, बहालगढ़ रोड, गांव रायपुर, सोनीपत, हरियाणा	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक सीएसई	4 वर्ष	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	30
78	दिल्ली ग्लोबल इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, गांव जसाना, तिगांव रोड, फरीदाबाद, हरियाणा	एमबीए	2 वर्ष	120
79	भगवन महावीर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और प्रबंधन, जठेरी रोड, बरोटा चौकी, जगदीशपुर, सोनीपत भगवन महावीर कॉलेज ऑफ ,जठेरी रोड, बरोटा चौकी, जगदीशपुर, सोनीपत	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक ईसीई		60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
80	राष्ट्रीय हृदय संस्थान,49-50, सामुदायिक केंद्र, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली 110065	एम.एससी (नर्सिंग) (सीवीटीएन)	2 वर्ष	10
81	लीलावती मुंशी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भारतीय विद्या भवन ओ 1, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	बी.एड	2 वर्ष	100

15. परीक्षा शाखा

1. 2018 में प्राप्त सीईटी आवेदन

क्र.सं.	कार्यक्रम	आवेदनों की संख्या
1	बी आर्क	1465
2	एमबीए	6943
3	पीजीएमसी (एमडी/एमएस)	260
4	एमबीबीएस	27950
5	बीडीएस	4141
6	एमसीए/एमसीए (एसई)	2467
7	बीए (अंग्रेजी) (ऑनर्स)	2996
8	एमए (मास कम्युनिकेशन)	870
9	एमपीटी	264
10	एमओटी (न्यूरो)	29
11	एमपीओ	10
12	एमपीएच (एफई)	–
13	एमएससी (ईएम)	211
14	एलएलएम (नियमित)	612
15	एमए (अंग्रेजी)	643
16	बीसीए	7301
17	बीएससी (नर्सिंग)	2437
18	एमबीए (आईटी)	274
19	बीएससी (योग विज्ञान)	179
20	एमए (क्रिमिनोलॉजी)	124
21	एम.एससी. (फोरेंसिक विज्ञान)	621
22	एम.एड	195
23	एलएलबी	14782
24	बी. एड.	6665
25	एमएससी (जैव और कार्य)	135
26	बीपीटी/बीपीओ/बीएससी	1688
27	बीबीए	31399
28	बीजे (एमसी)	6036
29	बीएचएमसीटी	2506
30	डिप्लोमा धारकों के लिए लेटरल एंट्री बी.टेक	2465

क्र.सं.	कार्यक्रम	2018
31	बी.टेक (बीएससी के लिए पार्श्व प्रविष्टि)	26
32	बी.टेक (बायो-टेक)	1800
33	बी.टेक	47324
34	डीएम (कार्डियोलॉजी)	–
35	एमसीएच (सीटीवीएस)	–
36	एमसीएच (न्यूरो सर्जरी)	–
37	डीएम (न्यूरोलॉजी)	–
38	एम.सीएच (बीपीएमएस)	–
39	डीएम (नेफ्रोलॉजी)	–
40	डीएम (पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर)	–
41	एम. टेक (आईटी/सीएसई)	398
42	एम. टेक (सीएसई) - सप्ताहांत	203
43	एम. टेक (ईसीई/डीडब्ल्यूसी/डीसी/एसपी/आरएफ एम/वीएलएसआई)।	252
44	एम. टेक (ईसीई) - सप्ताहांत	88
45	एमएएचईआरआईटी	86
46	एमसीए दोहरी डिग्री	–
47	एम.सीएच (पीडियाट्रिक्स सर्जरी)	–
48	एम.सीएच (यूरोलॉजी)	–
49	एम.एससी. (एनआरएम)	–
50	बी.कॉम (ऑनर्स)	12502
51	एम.टेक (टूल इंजीनियरिंग)	37
52	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	58
53	एम.टेक (नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी)	32
54	एम.टेक (इंजीनियरिंग) भौतिकी)	18
55	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	25
56	बीएएमएस	3528
57	बीएचएमएस	1713
58	एमबीए (सप्ताहांत)	597
59	एम.टेक (रोबोटिक्स और स्वचालन)	40
60	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	293
61	बीएससी (चिकित्सा प्रौद्योगिकी - आरटी)	516
62	बी.एड. (विशेष शिक्षा)	500
63	एम. फिल (अंग्रेजी)	84

क्र.सं.	कार्यक्रम	2018
64	एमए (अर्थशास्त्र)	253
65	एमसीए (एलई)	772
66	महिला सशक्तिकरण में पीजी डिप्लोमा	–
67	एलएलएम (सप्ताहांत)	218
68	व्यावसायिक चिकित्सा स्नातक (बीओटी)	
69	पीजीएसी (पोस्ट ग्रेजुएट आयुर्वेदिक पाठयक्रम)	1090
70	बीए (अर्थशास्त्र) (ऑनर्स)	4408
71	एम.एससी. (नर्सिंग - सीवीटीएन)	67
72	एम.फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	8
73	बीवीओसी	966
74	एमबीए (आपदा प्रबंधन) - सप्ताहांत	36
75	अनुसंधान योग्यता (पीएचडी)	1321
	कुल	**204973**

2. अंतिम वर्ष उत्तीर्ण 2017-18 का विवरण

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
337	एडीसीजी-सी	1	17	0	17	16	0	16
070	एलएलएम	1	97	37	60	90	32	58
261	एमफिल(इंजीनियरिंग)	1	18	0	18	17	0	17
396	पीजीडीएचआरपीडी	1	11	8	3	10	7	3
033	पीजीडीपीआर	1	20	17	3	16	16	0
308	पीजीडीडब्ल्यूई	1	2	0	2	2	0	2
911	पीएचडी (बीटी)	1	8	0	8	0	0	0
905	पीएचडी (सीएचई)	1	3	1	2	0	0	0
906	पीएचडी (सीटी)	1	1	1	0	0	0	1
902	पीएचडी (इंजीनियरिंग)	1	2	0	2	0	0	0
910	पीएचडी (एनवीएससी)	1	9	1	8	0	0	0
963	पीएचडी (एचएस)	1	1	0	1	0	0	0
901	पीएचडी (आईसीटी)	1	9	4	5	0	0	0
908	पीएचडी (एलएलएस),	1	10	3	7	0	0	0
945	पीएचडी (गणित)	1	1	0	1	0	0	0
944	पीएचडी (एमसी)	1	3	0	3	0	0	0
909	पीएचडी (एमजीटी),	1	16	3	13	0	0	0

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
904	पीएचडी (पीएचवाई),	1	4	1	3	0	0	0
261	एमफिल (इंजीनियरिंग),	1.5	19	1	18	18	1	17
021	बीएड		2	2071	120	1951	2059	120
124	बीएड(एसई)(एएसडी)		2	27	6	21	27	6
122	बीएड (एसई) (एचआई)		2	18	3	15	18	3
123	बीएड (एसई) (एलडी)		2	15	4	11	15	4
121	बीएड (एसई) (एमआर)		2	40	5	35	40	5
012	डीसीएच		2	3	2	1	3	2
170	एलएलएम(डब्ल्यू)		2	37	20	17	33	17
088	एमए (एएचएम)	2	19	7	12	18	6	12
089	एमए (सीपीएचएम)	2	12	1	11	12	1	11
858	एमए (क्रिम)	2	24	7	17	23	6	17
307	एमए (ईसीओ)	2	37	3	34	34	12	32
109	एमए (अंग्रेजी)	2	42	1	41	42	1	41
140	एमए (एमसी)	2	57	12	45	53	9	44
039	एमबीए	2	2045	1039	1006	1991	997	994
593	एमबीए(एफएम)	2	62	32	30	60	30	30
143	एमबीए (आईबी)	2	53	28	25	52	28	24
199	एमबीए (आईटी)	2	27	18	9	27	18	9
885	एमबीए (डब्ल्यू)	2	105	72	33	88	58	30
001	मेड	2	33	2	31	33	2	31
072	एमओटी (एन)	2	1	1	0	1	1	0
071	एमपीएच (एफई)	2	1	0	1	1	0	1
262	एमफिल (सीपी)	2	7	7	0	6	6	0
263	एमफिल (पीएसडब्ल्यू)	2	3	1	2	2	1	1
403	एमपीटी (सी)	2	1	0	1	1	0	1
069	एमपीटी (एम)	2	11	2	9	10	1	9
068	एमपीटी (एन)	2	8	3	5	8	3	5
075	एमपीटी (खेल)	2	7	3	4	7	3	4
003	एमएससी (बायोकॉन)	2	18	1	17	18	1	17
047	एमएससी (ईएम)	2	22	4	18	22	4	18
059	एमएससी (एफएस)	2	31	11	20	30	10	20

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
264	एमएससी (एन)	2	6	0	6	6	0	6
247	एमएससी (एनआरएम)	2	14	0	14	14	0	14
153	एमटेक (बीटी)	2	7	3	4	7	3	4
213	एमटेक (बीटी) (डीडी)	2	7	1	6	5	1	4
095	एमटेक (सीई)	2	6	3	3	6	3	3
214	एमटेक (सीई) (डीडी)	2	6	4	2	6	4	2
048	एमटेक (सीएसई)	2	34	11	23	34	11	23
232	एमएसई (सीएसई)(डीडी)	2	2	2	0	2	2	0
007	एमटेक (डीसी)	2	17	7	10	17	7	10
142	एमटेक (ईसीई)	2	15	4	11	15	4	11
097	एमटेक (ईपी)	2	1	1	0	1	1	0
008	एमटेक (आईएस)	2	14	6	8	14	6	8
215	एमटेक (आईटी)(डीडी)	2	1	1	0	1	1	0
053	एमटेक (आईटीआर)	2	28	5	23	28	5	23
010	एमटेक (नैनो)	2	8	3	5	7	2	5
187	एमटेक (आरए)	2	11	6	5	11	6	5
006	एमटेक (आरएफ)	2	10	5	5	9	4	5
005	एमटेक (एसपी)	2	10	3	7	10	3	7
186	एमटेक (टीई)	2	10	10	0	10	10	0
052	एमटेक (वीएलएसआई)	2	23	16	7	23	16	7
024	बीए (जेएमसी)	3	1214	665	549	1149	612	537
017	बीबीए (जी)	3	4120	2810	1310	3904	2621	1283
018	बीबीएबीआई	3	258	171	87	249	162	87
019	बीबीएसीएएम	3	122	80	42	116	75	41
020	बीसीए	3	1566	1146	420	1457	1047	410
888	बीसीओएम (एच)	3	1108	783	325	1065	748	317
067	बीएससी (एमएलटी)	3	63	16	47	63	16	47
080	बीएससी (एमटीआर)	3	4	2	2	4	2	2
399	बीएससी (वाईएस)	3	12	3	9	12	3	9
183	बीवीओसी (एए)	3	15	1	14	14	1	13
178	बीवीओसी (एएम)	3	24	20	4	22	18	4
176	बीवीओसी (सीटी)	3	19	15	4	17	14	3

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
182	बीवीओसी (आईडी)	3	34	0	34	31	0	31
175	बीवीओसी (पीडीएम)	3	8	6	2	8	6	2
180	बीवीओसी (पीटी)	3	2	2	0	2	2	0
179	बीवीओसी (आरएसी)	3	5	5	0	4	4	0
181	बीवीओसी (एसडी)	3	61	39	22	61	39	22
378	कार्ड में डी.एम.	3	6	5	1	6	5	1
379	न्यूरो में डीएम	3	2	2	0	2	2	0
382	डीएम से पीसीसीएम	3	4	2	2	4	2	2
390	यूआरओ में एमसीएच	3	4	4	0	4	4	0
377	बीपीएस में एमसीएच	3	14	8	6	14	8	6
376	सीटीवीएस में एमसीएच	3	2	2	0	2	2	0
381	एन.एस. में एमसीएच	3	5	5	0	5	5	0
385	पीएस में एमसीएच	3	2	2	0	2	2	0
044	एमसीए	3	933	546	387	899	518	381
045	एमसीए (एसई)	3	46	27	19	43	24	19
351	एमडी (एएनएस)	3	17	4	13	17		13
371	एमडी (एएनटी)	3	1	1	0	1	1	0
365	एमडी (बायोचे)	3	1	0	1	1	0	1
352	एमडी (डीवीएल)	3	8	1	7	8	1	7
355	एमडी (जीएम)	3	39	23	16	38	22	16
366	एमडी (माइक्रोबायो)	3	6	1	5	6	1	5
353	एमडी (पीएटीएच)	3	10	1	9	10	1	9
354	एमडी (पीईडी)	3	13	8	5	13	8	5
367	एमडी (फार्मा)	3	4	3	1	4	3	1
372	एमडी (पीएचवाई)	3	3	1	2	3	1	2
362	एमडी (पीएमआर)	3	2	2	0	2	2	0
364	एमडी (पीएसएमसीएम)	3	7	4	3	7	4	3
368	एमडी (मनोचिकित्सा)	3	3	2	1	3	2	1
356	एमडी (आरडी)	3	13	8	5	13	8	5
374	एमडी (एसएम)	3	2	1	1	2	1	1
357	एमएस (ईएनटी)	3	9	6	3	9	6	3
359	एमएस (जीएस)	3	25	22	3	25	22	3

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
358	एमएस (ओबी जी)	3	18	1	17	18	1	17
360	एमएस (ओपीटीएच)	3	12	2	10	12	2	10
361	एमएस (ORTH)	3	21	21	0	21	21	0
248	एमटेक (सीएसई)(डब्ल्यू)	3	54	17	37	50	15	35
042	एमटेक (ईसीई) (डब्ल्यू)	3	17	8	9	17	8	9
065	एमटेक (आईटी)(डब्ल्यू)	3	12	3	9	11	3	8
096	बीएएसएलपी	4	30	6	24	23	2	21
022	बीएचएमसीटी	4	118	106	12	83	73	10
066	बीएससी (एन)	4	176	0	176	168	0	168
004	बीटेक(बीसीई)(यूएसएस)	4	34	23	11	23	12	11
013	बीटेक (बीटी)(यूएसएस)	4	65	30	35	48	19	29
14	बीटेक (सीई) (यूएसएस)	4	50	41	9	36	28	8
034	बीटेक (सिविल)	4	333	324	9	290	282	8
027	बीटेक (सीएसई)	4	1654	1336	318	1488	1194	294
032	बीटेक(सीएसई)(यूएसएस)	4	90	81	9	69	61	8
028	बीटेक (ईसीई)	4	1648	1300	348	1429	1109	320
128	बीटेक (ईसीई) (यूएसएस)	4	91	78	13	64	53	11
110	बीटेक (ईई)	4	28	22	6	25	19	6
049	बीटेक (ईईई)	4	673	578	95	593	502	91
056	बीटेक (ईएनई)	4	20	16	4	16	12	4
030	बीटेक (आईसीई)	4	63	55	8	51	44	7
031	बीटेक (आईटी)	4	980	703	277	893	628	265
015	बीटेक (आईटी) (यूएसएस)	4	78	67	11	63	53	10
036	बीटेक (एमएई)	4	6	676	18	591	577	14
111	बीटेक (एमई)	4	84	79	5	70	66	4
112	बीटेक (एमईटी)	4	69	66	3	63	60	3
037	बीटेक (पीई)	4	88	85	3	72	70	2
086	बीटेक (उपकरण)	4	76	70	6	60	54	6
038	आईएनटी(बीए-एलएलबी)	4	7	4	3	7	4	3
190	बीपीओ	4.5	12	3	9	11	2	9
026	बीपीटी	4.5	57	12	45	57	12	45
016	बार्च	5	293	119	174	280	111	169

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
591	बीडीएस	5	40	11	29	36	9	27
139	बीटेक-एमबीए (डीडी)	5	2	0	2	2	0	2
038	आईएनटी (बीए-एलएलबी)	5	1208	698	510	1137	646	491
035	आईएनटी (बीबीए-एलएलबी)	5	84	44	40	79	41	38
592	बीएएमएस	5.5	92	36	56	73	27	46
023	बीएचएमएस	5.5	42	10	32	38	8	30
998	एमबीबीएस	5.5	149	85	64	144	81	63

3. स्वर्ण पदक विजेता छात्रों की अस्थायी सूची (उत्तीर्ण वर्ष 2017)*

क्र.सं.	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/सीपीआई
1	एम.एड.	04469900115	निधि मिश्रा	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन	8.74
2	एमएससी (बीआई (कॉन)	01416300315	अमरजीत कौर	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ पर्यावरण प्रबंधन	8.92
3	बी.आर्क.	03459301612	मिशेल थॉमस जचरियास	एमबीएस विद्यापीठ ऑफ योजना और वास्तुकला	83.02
4	बीसीए	30613702014	सिमरनजीत कौर	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान	90.57
5	बी.एड.	00696702115	अमनदीप कौर	कमल इंस्टीटयूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजी	9.63
6	बीएचएमसीटी	03911002213	क्लीना रहेजा	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	84.21
7	बीजेएमसी	00414202414	मृदुल अग्रवाल	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ, वसंत कुंज	90.42
8	बीबीए एलएलबी (एच)	03416503512	सिद्धांत राय सेठी	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज	77.69
9	एलएलबी (एच)	02117703812	कंचन लवानिया	विवेका इंस्टीटयूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज	84.02
10	एमसीए	01113704414	पलक खुराना	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान	92.43
11	एमसीए (एसई)	05516404514	जेनिया जे	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी	84.50
12	एमएससी (ईएम)	00316304715	मानसी वैद्य	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ पर्यावरण प्रबंधन	9.32

क्र.सं.	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/सीपीआई
13	एमएससी (एफएस)	01718505915	ऋत्विक देवाशीष शेज	एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस	8.74
14	एलएलएम (आर)	03316507016	प्रभदीप कौर मल्होत्रा	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज	8.93
15	एमएएचएम	01040908815	संजना शर्मा	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट	8.153
16	बी.एड.(एसई) (एमआर)	01135412115	अंजलि सिंह	अष्टावक्र पुनर्वास विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (पूर्व में विशेष कला विद्यापीठ)	9.30
17	बी.एड. (एसई) (एचआई)	00335412215	रेणु	अष्टावक्र पुनर्वास विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (पूर्व में विशेष कला विद्यापीठ)	9.58
18	एमए (एमसी)	06320304015	सौमिली सेन	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मास कम्युनिकेशन	8.51
19	एलएलएम (डब्ल्यू)	00316517015	शिल्पी जैन	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज	76.27
20	एमएससी (एनआरएम)	00516324715	दीपांशी	पर्यावरण प्रबंधन विश्वविद्यालय विद्यापीठ	8.97
21	एमजेएमसी (डब्ल्यू)	00220374015	हिमानी शर्मा	जनसंचार के विश्वविद्यालयविद्यालय	78.38
22	एमए (सीआरआईएम)	02218505815	स्वीकृति पांडे	एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस	8.38
23	बीटेक (सीएसई)	03015602713	महक शाह	उत्तरी भारत इंजीनियरिंग कॉलेज	88.72
24	बीटेक (ईसीई)	04176802813	साक्षी कुमार	गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान	89.16
25	बीटेक (आईसीई)	01911503013	मीनाक्षी	भारती विद्यापीठ इंजीनियरिंग कॉलेज	85.72
26	बीटेक (आईटी)	03915003113	अंशुल गुप्ता	महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान	86.31
27	बीटेक (सिविल)	02615603413	प्रयाग जैन	उत्तरी भारत इंजीनियरिंग कॉलेज	85.82
28	बीटेक (एमएई)	05915603613	सही मेंदीरत्ता	उत्तरी भारत इंजीनियरिंग कॉलेज	88.66
29	बीटेक (पीई)	01015303713	हिमांशु लालचंदानी	राष्ट्रीय शक्ति प्रशिक्षण संस्थान	81.23
30	बीटेक (ईईई)	04814804913	वसुधा पारीक	महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान	85.81

क्र.सं.	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/सीपीआई
31	बीटेक (उपकरण)	01870208613	पुरुजीत राजन	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग	77.81
32	बीटेक (एमई)	04225511113	राहुल सिंह	जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर, ग्रेटर नोएडा	80.00
33	बीटेक (एमईटी)	049702011213	चंदर शेखर यादव	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग	82.98
34	बीबीए (जी)	00450401714	अनुज त्रेहन	जगन संस्थान प्रबंधन अध्ययन रोहिणी	89.99
35	बीबीए (बी एंड आई)	01021201814	अक्षिता सहगल	महाराजा सूरजमल संस्थान	86.01
36	बीबीए (सीएएम)	00221501914	अदिति	चंदप्रभु जैन उच्च अध्ययन के कॉलेज और कानून के विद्यापीठ	81.19
37	बीबीए (एमओएम)	01490615114	आदर्श शर्मा	मीरा बाई इंटीग्रेटेड इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी	79.30
38	बी. कॉम (एच)	01890388814	पुष्कर कपूर	प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में नवाचार के संस्थान	88.55
39	एमबीए	02196403915	खुशबू गुलाटी	महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान	9.17
40	एम.ए. (अंग्रेजी)	03821600915	चेतना करनानी	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मानविकी और सामाजिक विज्ञान	7.64
41	एमबीए (आईबी)	41819114315	शोनाली गोयल	गितारटन इंटरनेशनल बिजनेस विद्यापीठ	8.85
42	एमबीए (आईटी)	02011819915	मीनल शर्मा	सी-डैक, नोएडा	8.96
43	एमए (इको)	00721630715	ख्याति कथूरिया	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मानविकी और सामाजिक विज्ञान	9.19
44	एमबीए (एफएम)	01316659315	छवि खंडेलवाल	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ प्रबंधन अध्ययन	9.08
45	एमटेक (सिग्नल प्रोसेसिंग)	00610100515	नाजिया अतीक	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च (पूर्व में अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी)	9.31
46	एम. टेक (यूएसएसआर और माइक्रोफोन इंजीनियरिंग)	00510100615	मोनिका देशपाल	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च (पूर्व में अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी)	9.57
47	एमटेक (डिजिटल संचार)	01310100715	जिज्ञासा चरूा	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च (पूर्व में अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी)	9.30

क्र.सं.	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/सीपीआई
48	एम. टेक (सूचना सुरक्षा)	01210100815	निकिता मलिक	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च (पूर्व में अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी)	9.10
49	एम. टेक (वीएलएसआई डिजाइन)	00411805215	मनीषा साहू	सी-डैक, नोएडा	9.25
50	एमटेक (सीएसई (आर)	0041654815	रोहित वशिष्ट	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	9.41
51	एमटेक (आईटी) (आर)	00616405315	अनिरुद्र दिवाकर	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	9.32
52	एम.टेक (एफपीटी)	00616014915	स्मृति सिंह	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ जैव प्रौद्योगिकी	9.61
53	एम.टेक (ईसीई) (आर)	00916414215	प्राची गुप्ता	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	9.20
54	एमटेक (टूल्स इंजीनियरिंग)	00470218615	सागर बत्रा	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग	8.74
55	एम. टेक (रोबोटिक्स - स्वचालन)	00616418715	ऐश्वर्या शर्मा	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	8.84
56	एमटेक (सीएसई)	03216414814	शुभी गुप्ता	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	83.52
57	एम. टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	03516001311	विवेक अरोड़ा	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ जैव प्रौद्योगिकी	8.85
58	बी. टेक (रासायनिक अभियांत्रिकी)	01016100413	रचना सिन्हा	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफरा सायनिक प्रौद्योगिकी	77.29
59	बी. टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	01816001313	महक भटनागर	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ जैव प्रौद्योगिकी	81.67
60	बी. टेक (रासायनिक अभियांत्रिकी)	00716101413	रोहन ओहरी	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ रासायनिक प्रौद्योगिकी	83.59
61	बीटेक (आईटी), यूएसएस	00316401513	साहिल मदन	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	84.72
62	बीटेक (सीएसई), यूएसएस	00516403213	श्रेय आनंद	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	79.70
63	बीटेक (ईसीई), यूएसएस	01016412813	आदित्य सेठी	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी	82.50

क्र.सं.	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/सीपीआई
64	बीएएसएलपी	00420209613	विदुषी सक्सेना	अली यावर जंग के लिए राष्ट्रीय संस्थान	80.00
65	एमबीए (डब्ल्यू)	07816688515	विवेक अग्रवाल	विश्वविद्यालय विद्यापीठ प्रबंधन अध्ययन	81.4
66	एम.फिल (अंग्रेजी)	01821626116	जयश्री कपूर	यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मानविकी और सामाजिक विज्ञान	7.917
67	बीएससी (एमएलटी)	01250206714	हिमांशु गुप्ता	बाड़ा हिंदू राव	79.83
68	बी.एससी. (एच) (नर्सिंग)	02350306613	प्रीति	नर्सिंग कॉलेज, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल	80.8
69	बीपीटी	02011202612	तान्या चोपड़ा	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ फिजियोथेरेपी	80.01
70	एमपीटी (तंत्रिका-विज्ञान)	00111206815	अवि चौधरी	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ फिजियोथेरेपी	8.0
71	बीडीएस	04350759112	पूजा गुप्ता	ईएससीआई डेंटल कॉलेज अस्पताल	69.92
72	बीएएमएस	00250859211	विशाल अग्रवाल	च.ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान	81.8
73	बीएचएमएस	00812602311	प्रियंका नगर	डॉ. बी. आर. सुर होम्योपैथिक चिकित्सा कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	64.84
74	डीएम (हृदयशास्त्र)	00422137814	सत्यम राजवंशी	डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल	75.25
75	एम.सीएच (मूत्ररोग विज्ञान)	00322139014	मनसा टी	डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल	73.5
76	एमडी (रेडियो निदान)	00159035614	चिराग जैन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	77
77	एमएस (नेत्र विज्ञान)	00559036014	शवेता	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	70.38

16. विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं

1. विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

इंडियन बैंक पोस्ट ऑफिस

मदर डेयरी, केंद्रीय भंडार, फोटोकॉपी, हेल्दी चूल्हा जैसी व्यावसायिक सेवाएं

2. कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे और मेहमान घर

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे और मेहमान घर हैं जैसा कि नीचे बताया गया है:-

(क) कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे

प्रकार	कमरे की संख्या	आवश्यक सेवाएं
टाइप-I	24	02
टाइप-II	32	00
टाइप-III	12	01
टाइप-IV	42	01
टाइप-V	09	03

(ख) मेहमान घर

प्रकार	कमरे की संख्या
अतिथि-गृह -I टाइप -4 ब्लॉक ए -101 और ए -102	04 साधारण कमरे 02 डीलक्स कमरे
अतिथि-गृह-II (पुराना वी.सी. निवास)	02 डीलक्स कमरे 02 सुपर डीलक्स कमरे

3. विश्वविद्यालय के छात्रवास

विश्वविद्यालय 360 महिला और 364 पुरुष छात्रों की क्षमता के साथ एकल अधिभोग छात्रावास सुविधाएं भी प्रदान करता है।

17. वित्तीय स्वास्थ्य

आमदनी		
क्र.सं.	**सामग्री**	**राशि (रुपये)**
(I)	अनुदान प्राप्त हुआ	
1	(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	4613188
2	(ii) दूरस्थ शिक्षा परिषद	
3	(iii) केंद्र सरकार के अन्य विभाग	
4	राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान	
5	स्थानीय निकायों के दान से प्राप्त	
6	अनुदान	
	कुल (I)	**4613188**
(II)	**आय**	
1	छात्रों से फीस	1198594126
2	आवेदन पत्रों की बिक्री	191054500
3	छात्रों से अन्य शुल्क	183115655
4	अर्जित ब्याज	172357935
5	अन्य आय	66424904
6	पूर्व अवधि आय	130767245
	कुल (II)	**1942314365**

	व्यय	
क्र.सं.	**सामग्री**	**राशि (रुपये)**
(I)	वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ	572229875
(II)	भवन (निर्माण और रखरखाव)	
1	निर्माण – गैर आवर्ती	71413
2	रखरखाव – आवर्ती	35009617
(III)	पुस्तकालय और प्रयोगशाला	
1	पुस्तकालय – गैर आवर्ती	16357628
2	प्रयोगशाला – गैर आवर्ती	4363846
3	प्रयोगशाला – आवर्ती	8328422
(IV)	अनुसंधान गतिविधियां	36592092
(V)	छात्रवृत्ति और शुल्क छूट (शुल्क रियायत)	20861576

क्र.सं.	सामग्री	राशि (रुपये)
(VI)	**महाविद्यालयों को अनुदान**	
(VII)	अन्य व्यय (*)	
1	आवर्ती व्यय	668067283
2	गैर-आवर्ती व्यय	11844087
3	पूर्व अवधि व्यय	15264184
4	छात्र कल्याण पर खर्च (डीएसडब्ल्यू)	13316025
	कुल	**1402306048**

क्र.सं.	सामग्री	कुल धनराशि
1	विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट	1593589000
2	बजट व्यय (वास्तविक व्यय)	1402306048
3	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान (परियोजनाओं के अलावा)	
	A. अनुदान - C (सामान्य विकास) सहायक योजना -बारहवीं योजना	4268123
	B. प्रकाशन अनुदान -XII योजना- यूजीसी	345065
4	राजस्व सृजन	1942314365
5	समग्र निधि	1528378745

18. विश्वविद्यालय के सांविधिक निकायों की संरचना

1. न्यायालय का गठन (2017-18)

संविधि 29- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(i)	चांसलर, पदेन	उपराज्यपाल/कुलाधिपति
(ii)	कुलपति, पदेन	कुलपति
(iii)	सम कुलपति, पदेन	सम कुलपति
(iv)	स्कूल ऑफ स्टडीज के दो अध्यक्ष, कुलपति द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए नामित किए जाएंगे	1. संजीव मित्तल, अध्यक्ष, यूएसएमएस (21.06.2017 से 21.08.2017) 2. अरिंजय कुमार, अध्यक्ष , यूएससीटी (13.09.2017 से 1-2.09.2018)
(v)	पूर्व छात्रों के एक सदस्य को न्यायालय द्वारा नामित किया जाएगा	
(vi)	विश्वविद्यालय के एक पूर्व कुलपति को कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा	श्री शाहिद महदी,पूर्व कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया (कार्यकाल 30.06.2015 से 29.06.2018)
(vii)	सरकारी प्रतिनिधि: प्रभारी सचिव, विभाग शिक्षा, दिल्ली सरकार, पदेन	सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार दिल्ली सरकार
(viii)	संबद्ध संस्थानों के प्रतिनिधि - प्रधान/अध्यक्ष/सचिव संबद्ध कॉलेजों का ट्रस्ट, नहीं दो से अधिक, कुलपति द्वारा नामित किए जाने के लिए, बारी-बारी से एक वर्ष के लिए।	
(ix)	उद्योग/वाणिज्य/लोक सेवा का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के परामर्श से कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा।	(i) डॉ एस फारूक, हिमालय ड्रग कंपनी, 321-डी, ओखला गांव, नई दिल्ली -110025 (ii) दीपक पेंटल, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय (iii) सुधा भट्टाचार्य, पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ, जेएनयू, नई दिल्ली (iv) राजेंद्र प्रसाद, निदेशक, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंटीग्रेटिव साइंस एंड हेल्थ और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा, गुड़गांव (पूर्व प्रो. स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली) (v) जे.एम.के. खुराना, विभाग रसायन विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
(x)	पांच प्रतिष्ठित शिक्षाविदों/पेशेवरों को कुलाधिपति के परामर्श से न्यायालय द्वारा सह-चुना जाएगा, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से परामर्श कर सकते हैं।	

2. प्रबंधन बोर्ड का गठन (2017-18)

संविधि 28- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन		
(i)	कुलपति	कुलपति	
(ii)	सम कुलपति	सम कुलपति	
(iii)	दो अध्यक्ष (यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज) (अवधि एक वर्ष) बारी-बारी से वरिष्ठता के आधार पर	(i) प्रो. संजीव मित्तल, अध्यक्ष यूएसएमएस (ii) प्रो. अनुभा कौशिक, अध्यक्ष यूएसईएम	(i) प्रो. अजरिंजय कुमार, अध्यक्ष यूएससीटी (ii) प्रो. नंदुला रघुराम, अध्यक्ष यूएसबीटी
(vi)	संबद्ध संस्थानों के दो प्राचार्य (उनकी संबद्धता की तारीख के आधार पर कॉलेज की वरिष्ठता के अनुसार और जहां संबद्धता एक ही तारीख को है, ड्रॉ के बजाय) (अवधि एक वर्ष)		
(v)	वित्त विभाग, दिल्ली सरकार में प्रभारी सचिव	प्रधान सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार	
(vi)	शिक्षा विभाग में प्रभारी सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार	सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार	
(vii)	तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में प्रभारी सचिव	सचिव, तकनीकी प्रशिक्षण शिक्षा विभाग (टीटीई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।	
(viii)	निम्नलिखित में से दो व्यक्ति: (क) एक इंजीनियरिंग संस्थान, मेडिकल कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज के प्रिंसिपल/ निदेशक, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध नहीं हैं। (ख) दिल्ली सरकार के अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक या मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष (ग) किसी भी सरकारी विभाग के मुख्य अभियंता या मुख्य वास्तुकार रैंक का व्यक्ति।	(i) श्री दीपक पंवार, मुख्य अभियंता (पीडब्ल्यूडी), एम-2, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार, दिल्ली (14.03.2014 से 13.03.2017) (ii) पंकज जलोटे, निदेशक, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली। (28.09.2014 से 28.09.2017) कार्यकाल - 29.09.2014 से 28.09.2017 तक	
(ix)	उद्योग/औद्योगिक परिसंघों या परिसंघों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो व्यक्तियों को कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा। (अवधि तीन साल)	(i) डॉ. अल्विन दीदार सिंह, महासचिव, फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली -110001। (ii) श्री पीटर टी हसन, सलाहकार (रणनीति और योजना), फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली -110001 (iii) प्रो. एन. सी. गांगुली, पूर्व महानिदेशक (आईसीएमआर), राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान के अध्यक्ष, जेआईपीएमईआर के अध्यक्ष। (iv) प्रो. एस.एम. साजिद, सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025। (v) प्रो. मालाश्री लाल, अध्यक्ष ऑफ कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110007। (vi) प्रो. खालिद मोइन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110025। (vii) श्री किरण कामिक पूर्व अध्यक्ष नैसकॉम, नई दिल्ली	
(x)	पांच व्यक्ति जो प्रख्यात पेशेवर/शिक्षाविद/ शिक्षाविद हैं, उन्हें कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा, बशर्ते वे विश्वविद्यालय के कर्मचारी या संबद्ध कॉलेजों के कर्मचारी/ पदाधिकारी न हों। (अवधि तीन साल)		

2017-18 में आयोजित प्रबंधन बोर्ड की बैठकें

बीओएम की 65वीं बैठक - 15 जून 2017

3. अकादमिक परिषद का गठन

संविधि 28- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(i)	कुलपति	कुलपति
(i)	प्रो-वाइस चांसलर (ओं)	प्रति-कुलपति
(iii)	स्कूल ऑफ स्टडीज के डीन	(क) डीन - यूएसबीटी (ख) डीन - यूएससीटी (ग) डीन - यूएसईएम (घ) डीन - यूएसआईसीटी (ङ) डीन -यूएसएचएसएस (च) डीन -यूएसएमसी (छ) डीन -यूएसएलएलएस (ज) डीन-यूएसएम और पीएमएचएस (झ) डीन -यूएसएएमएस (ञ) डीन - यूएसएपी (ट) डीन -यूएसई
(iv)	विश्वविद्यालय के चार प्राचार्यों ने कॉलेजों का रखरखाव किया और आठ प्रिंसिपल, जिनमें से प्रत्येक विश्वविद्यालय के अलावा कॉलेजों के निम्नलिखित समूहों से दो-दो थे, इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी और वास्तुकला कार्यक्रमों का संचालन करते हैं: - प्रबंधन कार्यक्रम कंप्यूटर प्रोग्राम शिक्षा और अन्य विशेष कार्यक्रम इस शर्त के अधीन है कि:- संविधि 18(1) के अनुसार कॉलेज का प्राचार्य विश्वविद्यालय का मान्यता प्राप्त शिक्षक होना चाहिए। प्राचार्यों की नियुक्ति कुलपति द्वारा एक वर्ष के लिए कॉलेज की वरिष्ठता के अनुसार उसकी संबद्धता की तारीख के आधार पर बारी-बारी से की जाएगी और जहां संबद्धता उसी तारीख को है, नामांकन ड्रॉ द्वारा किया जाएगा।	
(v)	निर्देशक	(क) निदेशक -समन्वय (ख) निदेशक - छात्र कल्याण (ग) निदेशक - विकास (घ) निदेशक - अंतर्राष्ट्रीय मामले (ङ) निदेशक- अनुसंधान और परामर्श (च) निदेशक- कानूनी सहायता (छ) निदेशक - आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीडीएमएस) (ज) निदेशक- इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ (आईयूआईआईसी) (झ) निदेशक- फार्मास्युटिकल साइंसेज में उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीएस))

संविधि 28- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(vi)	पुस्तकालय अध्यक्ष	पुस्तकालय अध्यक्ष
(vii)	मान्यता प्राप्त शिक्षकों और/या विश्वविद्यालय के शिक्षकों में से पांच से अधिक व्यक्तियों को कुलपति द्वारा नामित नहीं किया जाएगा।	(i) प्रो. जे.के. गर्ग, यूएसईएम (ii) प्रो. मनप्रीत यूएसएच - एस एस 1. प्रो. मीनू कपूर, यूएसबीटी (iii) प्रो. वैशाली सिंह, यूएसबीएएस कार्यकाल: (8.01.2015 से 07.01.2018) 1. प्रो. अमर पाल सिंह, यूएसएलएलएस कार्यकाल: (01.07. 2015 से 29.06.2018)
(viii)	दस से अधिक व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय, कॉलेजों या संस्थानों के कर्मचारी नहीं हैं, अपने विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सह-विकल्प नहीं हैं, जिसमें नियोक्ता संगठनों, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, शैक्षणिक और व्यावसायिक संगठनों और संचार क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं।	1. प्रो. पी. के. जुल्का, नैदानिक ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली। 2. प्रो. एम. सी. शर्मा, स्कूल ऑफ एजुकेशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली। 3. प्रो. एम. पी.गुप्ता, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी, दिल्ली। 4. प्रो. ए. के. मैत्र, पूर्व निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली। 5. प्रो. कर्मेशु, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। 6. प्रो. सुरेन्द्र कुमार, विभाग। रसायन प्रौद्योगिकी, आईआईटी रुड़के, उत्तराखंड. 7. प्रो. जे. पी. खुराना, पादप आणविक जीव विज्ञान विभाग, अंत:विषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर। 8. प्रो. लल्लन प्रसाद, सेवानिवृत्त प्रमुख और बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग, एप्लाइड सोशल साइंसेज संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर। 9. श्री अरविंद मिश्रा, पूर्व डीन, विधि संकाय, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, पूर्व निदेशक/प्रमुख, स्नातकोत्तर विभाग का लॉ आगरा कॉलेज, आगरा के पूर्व ओएसडी (लॉ)उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, लखनऊ। 10. श्री संदीप गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एम्बेडेड प्रौद्योगिकी अकादमी, दिल्ली। कार्यकाल - (11.02.2015 से 10.02.2018)

2017-18 में आयोजित अकादमिक परिषद की बैठकें

अकादमिक परिषद की 43 वीं बैठक - 25 मई 2017

4. योजना बोर्ड का गठन

संविधि 12- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(I)	कुलपति, पदेन	कुलपति
(I)	प्रबंधन बोर्ड द्वारा नौ से अधिक सदस्यों को नामित नहीं किया जाएगा	1. श्री अकील बुसराई, सीईओ, कंसल्टिंग और पूर्व ग्रुप हेड एचआर आईबीएम 2. प्रो. रणबीर सिंह, कुलपति,राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सेक्टर 14, द्वारका,नई दिल्ली 3. प्रो. आनंद कुमार, एमडीआइ, गुड़गांव 4. ईश्वर दयाल, पूर्व निदेशक, आईआईएम, लखनऊ 5. ओम विकास, पूर्व निदेशक,एबीवीटी-आईआईआईटीएम, ग्वालियर 6. प्रो. शरत दास, प्रो. प्रो., स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, नई दिल्ली 7. प्रो. सुधीर सोपोरी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति नई दिल्ली (110067, भारत) 8. प्रो. मुनीश कुमार, वित्तीय अध्ययन विभाग, साउथ कैंपस दिल्ली विश्वविद्यालय बेनिटो जुरेज मार्ग, नई दिल्ली 9. प्रो. एस.पी. मिश्रा, पूर्व कुलपति, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार और श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी

5. संबद्धता बोर्ड का गठन

संविधि 13- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(I)	कुलपति, पदेन	कुलपति
(I)	प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामित किए जाने वाले सात से अधिक सदस्य नहीं	1. प्रो. जेपी गुप्ता, पूर्व कुलपति, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (यूपी)। 2. प्रो. खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष, एन यूपीईए और सीबीएसई, नई दिल्ली। 3. प्रो. ए. के. अग्रवाल, प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली। 4. प्रो. जेड. एच. जैदी, पूर्व कुलपति, रोहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली विश्वविद्यालय, अल फलाह विश्वविद्यालय, धोज, फरीदाबाद, हरियाणा और ए विजर, इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली। (यूपी)। 5. प्रो. सुंदर लाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (यूपी)। 6. डॉ. एस. के. त्यागी, अध्यक्ष, देव ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशंस, आगरा (यूपी)। 7. प्रो. एम एन डोजा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली दिल्ली-110025

6. वित्त समिति का गठन

संविधि 15- उप खंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन के कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	
(i)	कुलपति	कुलपति
(ii)	कुलपति द्वारा नामित सम कुलपति	सम कुलपति
(iii)	सरकार के वित्त विभाग में सचिव या उसका नामांकित व्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे का न हो	प्रधान सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(iv)	सरकार के शिक्षा विभाग में सचिव या उसका नामितव्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे नहीं है	सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(v)	प्रबंधन बोर्ड के एक सदस्य को विश्वविद्यालय या संस्थान के कर्मचारी (तीन वर्ष की अवधि) के अलावा इसके सदस्यों में से नामित किया जाएगा प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामांकन	खालिद मोइन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025
(vi)	दो व्यक्तियों को कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा (तीन वर्ष की अवधि) कुलाधिपति द्वारा नामांकन	श्री आनंद मोहन सहगल, पूर्व लेखा महालेखा, भारत सरकार, नई दिल्ली। शाहिद अशरफ, रजिस्ट्रार, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली -110025